



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 47]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 25, 1978/अग्रहायण 4, 1900

No. 47]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 25, 1978/AGRAHAYANA 4, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम
जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of a general character) issued by the
Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central
Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 1978

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 1978

सा० का० नि० 1369.—भारत के ता० 28-9-78 के राजपत्र
असाधारण, भाग 2—खंड 3—उपखंड (1) के संस्करण सं० 284
में सा० का० नि० 475(अ) के रूप में प्रकाशित, गृह मंत्रालय की तारीख
28-9-78 की अधिसूचना सं० एस-13013/5/78—एस० भार० के हिन्दी
रूपान्तर की पाँचवीं और छठी पंक्तियों में—

“नियम, 1925 (1925 का अधिनियम 8) की धारा 146
द्वारा प्रदत्त तारीख 3 फरवरी, 1978 द्वारा यथा-उपान्तरित सिख
गुरुद्वारा अधि-” के स्थान पर

“तारीख 3 फरवरी, 1978 द्वारा यथा-उपान्तरित सिख
गुरुद्वारा अधिनियम, 1925 (1925 का अधिनियम 8) की धारा
146 द्वारा प्रदत्त” पढ़ें।

[सं० एस-13013/5/78-एस० भार०]

शंकर कपूर, उप सचिव

सा० का० नि० 1370.—केन्द्रीय सरकार, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम,
1966 (1966 का 31) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए, पंजाब भूमि सुधार अधिनियम, 1972 (1972 का पंजाब
अधिनियम 10) का विस्तार जिस रूप में वह इस अधिसूचना की तारीख
को पंजाब राज्य में प्रवृत्त है निम्नलिखित उपात्तरणों के अधीन रहते
हुए, कर्णवीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र पर करती है।

उपात्तरण

1. उक्त अधिनियम में सर्वत्र,—

- (क) “इस अधिनियम का आरम्भ शब्दों के स्थान पर “कर्णवीगढ़
संघ राज्य क्षेत्र में इस अधिनियम का आरम्भ शब्द रखे
जाएंगे;
- (ख) “पैप्सू विधि” तथा “या पैप्सू विधि” शब्दों का लोप किया
जाएगा;
- (ग) “राजपत्र” शब्दों के स्थान पर “कर्णवीगढ़ राजपत्र,” शब्द
रखे जाएंगे।

2. धारा 1 में,

- (क) उपधारा (2) में 'पंजाब राज्य' शब्दों के स्थान पर 'जण्डोगढ़ संघ राज्य क्षेत्र' शब्द रखे जायेंगे;
- (ख) उपधारा (3) में "तुरंत" शब्द के स्थान पर 'ऐसी तारीख को जो प्रशासक जण्डोगढ़ के राजपत्र में अधिसूचित करके नियत करे' शब्द रखे जायेंगे।

धारा 3 में,

- (क) खण्ड (1) को खण्ड (1क) के रूप में पुनः संख्याकित किया जाएगा और इस प्रकार पुनः संख्याकित खण्ड से पूर्व निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

"(1) "प्रशासक" से राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 239 के अधीन नियुक्त जण्डोगढ़ संघ राज्यक्षेत्र का प्रशासक अभिप्रेत है;"

- (ख) खण्ड (3) में 'राज्य सरकार' शब्द के स्थान पर "प्रशासक" शब्द रखा जाएगा;

4. धारा 5 में, उपधारा (2) में 'राज्य सरकार' शब्द के स्थान पर 'सरकार' शब्द रखा जाएगा;

6. धारा 8 में 'राज्य सरकार' शब्दों के स्थान पर, जहाँ कहीं वे आए हैं "सरकार" शब्द रखा जाएगा।

6. धारा 10 में,—

- (क) उपधारा (1) में आरंभक पैरा के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—

"(1) कलक्टर या प्रशासक द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत अधिकारी, ऐसी भूमि के लिए, जो धारा 8 के अधीन सरकार में निहित हो गई है, संदत्त की जाने वाली रकम इसमें अधिकयित सिद्धांतों के अनुसार अवधारित करेगा, अर्थात्—

- (ख) उपधारा (3) को छोड़कर जहाँ कहीं भी "राज्य सरकार" शब्द आए हैं उनके स्थान पर "प्रशासक" शब्द रखा जाएगा;
- (ग) उपधारा (3) में, 'राज्य सरकार' शब्दों के स्थान पर "सरकार" शब्द रखा जाएगा।

7. धारा 11 में,—

- (क) उपधारा (1) और (6) में 'राज्य सरकार' शब्दों के स्थान पर 'सरकार' शब्द रखा जाएगा;
- (ख) उपधारा (2), (3) और (4) में 'राज्य सरकार' शब्दों के स्थान पर 'प्रशासक' शब्द रखा जाएगा।

8. धारा 16 में उपधारा (1) में, "या पेप्सू विधि की धारा 22" शब्दों और अंकों का लोप किया जाएगा।

9. धारा 21 में, उपधारा (2) में 'राज्य सरकार' शब्दों के स्थान पर 'सरकार' शब्द रखा जाएगा।

10. धारा 25 में 'राज्य सरकार' शब्दों के स्थान पर "प्रशासक" शब्द रखा जाएगा और 'जो इसे आवश्यक प्रतीत हो' शब्दों के स्थान पर 'जो उसे आवश्यक प्रतीत हो' शब्द रखे जायेंगे।

11. धारा 26 में,—

- (क) उपधारा (1) में 'राज्य सरकार' शब्दों के स्थान पर 'प्रशासक' शब्द रखा जाएगा;
- (ख) उपधारा (2) का लोप किया जाएगा।

12. धारा 27 में,—

- (क) खण्ड (क) में से 'राज्य सरकार' शब्दों के स्थान पर, जिन दो स्थानों पर वे आए हैं "सरकार" शब्द रखा जाएगा;
- (ख) खण्ड (ख) में, 'राज्य सरकार' शब्द के स्थान पर 'कोई राज्य सरकार' शब्द रखे जायेंगे।

13. धारा 28 में,—

- (क) उपधारा (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपधारा रखी जाएगी, अर्थात्—

"(1) पंजाब भू-धृति सुरक्षा अधिनियम, 1953, जिस रूप में वह जण्डोगढ़ संघ राज्य क्षेत्र में प्रवृत्त है, जहाँ तक वह इस अधिनियम के उपबन्धों से असंगत है, इसके द्वारा निरसित किया जाता है।";

(ख) उपधारा (2) में,—

- (1) 'अधिनियमितियों' शब्द के स्थान पर जहाँ कहीं वह आया है 'अधिनियमित' शब्द रखा जाएगा;
- (2) खण्ड (1) में अधिनियमितियों में से कोई शब्दों के स्थान पर 'उक्त अधिनियमित' शब्द रखे जायेंगे और 'राज्य सरकार' शब्दों के स्थान पर 'सरकार' शब्द रखा जाएगा;
- (3) खण्ड (1) के द्वितीय परंतुक में 'और पेप्सू भूमि आयोग के समक्ष लम्बित बादों' शब्दों से आरंभ होकर 'अंतरित किए जाएंगे' शब्दों से समाप्त होने वाले अंश का लोप किया जाएगा।

उपबंध

पंजाब भूमि सुधार अधिनियम, 1972 (1972 का पंजाब अधिनियम 10) जिस रूप में जण्डोगढ़ संघ राज्य क्षेत्र में उसे लागू किया गया है।

पंजाब राज्य में भू-धृतियों की सीमा से संबंधित विधियों को समेकित और संशोधित करने, अधिधारियों द्वारा सापेक्ष अधिकार अर्जित करने तथा अन्य अनुबंधिक मामलों की बाबत अधिनियम

भारत गणराज्य के तैरिखें वर्ष में पंजाब राज्य विधानमण्डल द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और आरंभ :—(1) इस अधिनियम का नाम पंजाब भूमि सुधार अधिनियम, 1972 है।

(2) इसका विस्तार समस्त जण्डोगढ़ संघ राज्य क्षेत्र में है।

(3) यह उस तारीख को प्रवृत्त होगा जो प्रशासक जण्डोगढ़ राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियत करे।

अध्याय 1

आरंभिक

2. कतिपय निर्देशक सिद्धान्तों को प्रभावी करने की घोषणा :— यह घोषणा की जाती है कि यह अधिनियम संविधान के अनुच्छेद 39 के खण्ड (ख) और (ग) में विनिर्दिष्ट सिद्धान्तों को सुनिश्चित करने की राज्य सरकार की नीति को प्रभावी करने के लिए है।

3. परिभाषा :—इस अधिनियम में, जब तक सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

- (1) 'प्रशासक' से संविधान के अनुच्छेद 239 के अधीन राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त जण्डोगढ़ संघ राज्य क्षेत्र का प्रशासक अभिप्रेत है;

(1क) 'नियत दिन' से 1971 की जनवरी का चौबीसवां दिन अभिप्रेत है ;

- (2) 'बंजर भूमि' से ऐसी भूमि अभिप्रेत है जिस पर उस तारीख से, जिसको यह प्रश्न उठता है कि वह भूमि बंजर है या नहीं, ठीक पूर्ववर्ती कम से कम लगातार चार वर्ष की अवधि से कृषि न की गई हो;
 - (3) 'कलक्टर' से जिले का कलक्टर या प्रशासक द्वारा इस निमित्त सशक्त किया गया कोई अन्य अधिकारी अभिप्रेत है जो प्रथम श्रेणी के सहायक कलक्टर से कम की रैंक का न हो;
 - (4) किसी व्यक्ति के संबंध में "कुटुम्ब" से अभिप्रेत है वह व्यक्ति, उस व्यक्ति का यथास्थिति, पति या पत्नी और विवाहित अवयस्क पुत्री को छोड़कर उसकी अवयस्क संतान;
 - (5) 'भूमि' से ऐसी भूमि अभिप्रेत है जो किसी नगर या ग्राम में किसी निर्माणस्थल के रूप में अधिभूक्त न हो और जो कृषि प्रयोजनों के लिए या कृषि के सहायक प्रयोजनों या चारागाह के लिए अधिभोगाधीन हो या किराए पर ली गई हो और इसमें निम्नलिखित भी सम्मिलित हैं,—
 - (क) निर्माणों के स्थान और उस भूमि पर की संरचनाएं;
 - (ख) बंजर भूमि;
 - (6) 'भू-स्वामी' का वही अर्थ है जो पंजाब भू-राजस्व अधिनियम, 1887 (1887 का पंजाब अधिनियम, 17) में उसका है;
- स्पष्टीकरण:—कब्जा सहित बंधक रखी गई भूमि की बाबत बन्धक-दार को भू-स्वामी समझा जाएगा ;
- (7) 'अवयस्क' से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसने भटारह वर्ष की आयु पूरी नहीं की है;
 - (8) 'फलोद्यान' से भूमि का कोई ऐसा संबद्ध क्षेत्र अभिप्रेत है जिस पर इतनी संख्या में फलों के वृक्ष उगे हों कि उनसे या उनके पूर्ण विकसित होने पर ऐसी भूमि के पर्याप्त भाग पर कोई अन्य कृषि कार्य संभव न हो सके किंतु इसके अन्तर्गत केला या अनार के पेड़ या अंगूर के बगीचे नहीं आते;
 - (9) (सोप किया गया)
 - (10) 'व्यक्ति' के अन्तर्गत कोई कम्पनी, कुटुम्ब, संगठन या व्यष्टियों का अन्य निकाय, चाहे निगमित हो या नहीं और कोई ऐसी संस्था सम्मिलित है जो सम्पत्ति धारण करने में सक्षम हो ;
 - (11) 'बिहित' से इस अधिनियम के अधीन बनाए गए नियमों के अधीन बिहित अभिप्रेत है;
 - (12) 'पंजाब विधि' से पंजाब भू-वृत्ति सुरक्षा अधिनियम, 1953 अभिप्रेत है;
 - (13) 'निजी-खेती' से स्वयम् द्वारा या उसके कुटुम्ब के किसी सदस्य के माध्यम से या उसके भाई के माध्यम से या भू-स्वामी अथवा उनके कुटुम्ब के किसी सदस्य के पर्यवेक्षण के अधीन किसी नौकर या भाड़े के श्रमिक द्वारा की गई खेती अभिप्रेत है किंतु इस शर्त के अधीन रहते हुए कि नौकर या भाड़े के श्रमिक को उसकी मजबूरी नकदी में या वस्तु रूप में या भागतः नकदी में और भागतः वस्तु रूप में संवत् की जाए किंतु उपज के अंश के रूप में संवत् न की जाए।
 - (14) (1973 के पंजाब अधिनियम 40 द्वारा सोप किया गया)
 - (15) 'अधिभोग क्षेत्र' से अनुभोग क्षेत्र से अधिक क्षेत्र अभिप्रेत है;
 - (16) 'अभिधारी' का वही अर्थ है जो पंजाब भू-वृत्ति अधिनियम, 1887 (1887 का पंजाब अधिनियम 16) में उसका है

और इसके अन्तर्गत उस उप-अधिभोगी तथा और निजी-खेती करने वाला पट्टेदार भी सम्मिलित है किंतु इसके अन्तर्गत पूर्वी पंजाब विस्थापित व्यक्ति (भूमि पुनर्बेन्दोबस्त अधिनियम, 1949 की धारा 2 के खण्ड (क) में यथापरिभाषित वर्तमान धारक सम्मिलित नहीं होगा;

- (17) अन्य सभी शब्दों और पदों का जिनका प्रयोग इसमें किया गया है, किंतु जिन्हें इसमें परिभाषित नहीं किया गया है, किंतु जिन्हें पंजाब भूवृत्ति अधिनियम, 1887 (1887 का पंजाब अधिनियम 16) या पंजाब भू-राजस्व अधिनियम, 1887 (1887 का पंजाब अधिनियम 17) के अधीन परिभाषित किया गया है वही अर्थ होगा जो उन दोनों अधिनियमों में से किसी में उनका है।

अध्याय 2

भूमि की अधिकतम सीमा

4. (1) धारा 5 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, कोई भी व्यक्ति भू-स्वामी या कब्जाधारी बंधकदार या अभिधारी के रूप में या भागतः एक हैसियत में और भागतः दूसरी हैसियत में अनुभोग क्षेत्र से अधिभूमि नहीं रखेगा।

- (2) निम्नलिखित की बाबत 'अनुभोग क्षेत्र' से अभिप्रेत है —

- (क) सुनिश्चित सिंचाई क्षेत्र के अधीन भूमि जो वर्ष में कम से कम दो फसलें दे सकती हो (जिसे हममें इसके पश्चात् 'प्रथम श्रेणी की भूमि' कहा गया है) सात हेक्टेयर, या
- (ख) सुनिश्चित सिंचाई के अधीन भूमि, जो वर्ष में एक फसल देती हो, स्याह हेक्टेयर; या
- (ग) बरानी भूमि, 20.5 हेक्टेयर; या
- (घ) अन्य श्रेणी की भूमियां, जिसके अन्तर्गत बंजर भूमि भी है, वह क्षेत्र जिसे सिंचाई की सधनता, उत्पादकता और उस श्रेणी के मृदा-वर्गीकरण के सन्दर्भ में उनके अपने अपने मूल्यांकन और (क), (ख) और (ग) में सम्मिलित भूमि की श्रेणियों के अनुभोग क्षेत्र को ध्यान में रख कर इस शर्त के अधीन रहते हुए अवधारित किया गया हो कि इस प्रकार अवधारित क्षेत्र 21.8 हेक्टेयर से अधिक नहीं होगा;

परन्तु—

- (1) जहां भूमि दो या अधिक श्रेणियों की हो, वहां अनुभोग क्षेत्र ऐसी भूमि के तुलनात्मक मूल्य के आधार पर इस शर्त के अधीन रहते हुए अवधारित किया जाएगा कि वह 21.8 हेक्टेयर से अधिक न हो ;
- (2) जहां किसी कुटुम्ब के सदस्यों की संख्या से अधिक हो वहां अनुभोग क्षेत्र पांच से अधिक प्रत्येक सदस्य के लिए अनुभोग क्षेत्र के पांचवें भाग की दर से इस शर्त के अधीन रहते हुए बढ़ा दिया जाएगा कि ऐसी अतिरिक्त भूमि, ऐसे तीन से अधिक सदस्यों के लिए अनुभूत नहीं की जाएगी।
- (3) उपधारा (2) में किसी बात के होते हुए भी, जहां नियत दिन को कोई भूमि किसी फलोद्यान में समाविष्ट रही हो वहां अनुभोग क्षेत्र अवधारित करने के प्रयोजन के लिए उस भूमि को बरानी भूमि समझा जाएगा।

4. (क) जहां कोई व्यक्ति किसी रजिस्ट्रीकृत सहकारी कृषि सोसाइटी का सदस्य हो वहां उसका अन्य भूमि सहित, यदि कोई हो, ऐसी सोसाइटी द्वारा धारित भूमि में उसका अंश या यदि वह व्यक्ति किसी कुटुम्ब का

सर्वस्व है तो कुटुम्ब के प्रत्येक सदस्य द्वारा धारित भूमि सहित उसका पक्ष अनुज्ञेय क्षेत्र के प्रवधारण में हिसाब में लिए जाएंगे;

(ख) जहाँ कोई व्यक्ति किसी कुटुम्ब का सदस्य है वहाँ उस व्यक्ति द्वारा धारित भूमि, कुटुम्ब के प्रत्येक अन्य सदस्य द्वारा धारित भूमि सहित, चाहे वह पृथक् रूप से धारित हो या संयुक्त रूप से अनुज्ञेय क्षेत्र प्रवधारित करने के लिए हिसाब में ली जाएगी;

(5) अनुज्ञेय क्षेत्र प्रवधारित करते समय नियत दिन के पश्चात् किन्तु इस अधिनियम के आरंभ से पूर्व कोई भूमि जिसे सव्भावी विक्रय या अंतरण से भिन्न विक्रय या दान प्रथवा अन्यथा चण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र में अन्तर्गत किया गया या इस प्रकार हिसाब में ली जाएगी भानों उस भूमि को अन्तर्गत नहीं किया गया है और अन्तर्गत को सव्भावी साबित करने का बायित्व अंतरण का होगा।

(6) भूमि के मूल्यांकन के प्रयोजनों के लिए सबा हेक्टेयर बंजर भूमि को एक हेक्टेयर बरानी भूमि के बराबर मूल्य का समझा जाएगा।

(7) इस अधिनियम के अधीन किसी भी समय किसी व्यक्ति की भूमि का मूल्यांकन करने के लिए इस अधिनियम के चण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र में आरंभ से पूर्व उस के द्वारा धारित भूमि, साथ ही ऐसे आरंभ के पश्चात् ऐसे व्यक्ति से जिसका वह उत्तराधिकारी है उत्तराधिकार, वसीयत या दान में अर्जित भूमि का इस प्रकार मूल्यांकन किया जाएगा मानों उसका मूल्यांकन नियत दिन को किया जा रहा है और ऐसे आरंभ के पश्चात् उसके द्वारा किसी अन्य रीति से अर्जित भूमि का मूल्यांकन इस प्रकार किया जाएगा भानों मूल्यांकन ऐसे अधिग्रहण की तारीख को किया जा रहा है।

अनुज्ञेय क्षेत्र का चयन और कतिपय व्यक्तियों द्वारा घोषणा पत्र प्रस्तुत करना:—(1) ऐसे प्रत्येक व्यक्ति जो नियत दिन को या तत्पश्चात् किसी भी समय भू-स्वामी के रूप में या कब्जा सहित बंधकदार या अधिभोगी के रूप में या अंशतः एक हेसियत में और अंशतः दूसरी हेसियत में अनुज्ञेय क्षेत्र से अधिक भूमि का स्वामी है या उसे धारण करता है अपने अनुज्ञेय क्षेत्र का चयन करेगा और अपने चयन की सूचना कलक्टर को देगा और जहाँ भूमि एक से अधिक जिलों में स्थित है वहाँ सम्बन्ध कलक्टरों को ऐसी घोषणा ऐसे प्ररूप और ऐसी रीति में तथा ऐसी अवधि के भीतर प्रस्तुत करके जो विहित की जाए सूचना देगा और ऐसे प्रत्येक पुत्र के लिए भी अपनी भूमि से पृथक् अनुज्ञेय क्षेत्र का चयन करने का हकवार इस शर्त के अधीन रहते हुए होगा कि इस प्रकार चयनित भूमि और ऐसे पुत्र द्वारा पहले से धारित भूमि मिल कर ऐसे पुत्र के लिए अनुज्ञेय क्षेत्र से अधिक न हो;

परन्तु जहाँ भूमि एक से अधिक पट्टावर सखियों में स्थित हो वहाँ घोषणा के साथ विहित प्ररूप में एक शपथपत्र भी होगा।

(2) चयन करते समय, ऐसा व्यक्ति प्रथमतः बिना कब्जे के बंधक की गई भूमि और तत्पश्चात् उपधारा (1) के अधीन घोषणा प्रस्तुत करने के लिए विहित अवधि के आरंभ की तारीख को निजी खेती के अधीन भूमि को भी सम्मिलित करेगा किन्तु पंजाब विधि या इस अधिनियम के अधीन घोषित किए गए अतिरिक्त क्षेत्र को इस क्षेत्र से भिन्न, जिसे ऐसे आरंभ से ठीक पूर्व सरकार द्वारा उपयोग किए जाने से छूट दी गई थी, सम्मिलित नहीं करेगा।

6. घोषणा प्रस्तुत न किए जाने की वशा में जानकारी का प्राप्त करना:— यदि कोई व्यक्ति धारा 5 के उपबन्धों के अनुसार घोषणा पत्र प्रस्तुत करने में असफल रहता है तो कलक्टर अपेक्षित जानकारी विहित रूप में प्राप्त करेगा।

7. अनुज्ञेय तथा अतिरिक्त क्षेत्रों का प्रवधारण:—(1) धारा 5 के अधीन की गई घोषणा में दी गई जानकारी या यथास्थिति, धारा 8 के अधीन उपलब्ध जानकारी के आधार पर और ऐसी जांच करने के पश्चात् जो

ठीक समझी जाए कलक्टर, आदेश द्वारा यथास्थिति किसी भू-स्वामी या अधिभोगी के अनुज्ञेय क्षेत्र और अतिरिक्त क्षेत्र का प्रवधारण करेगा।

(2) यदि धारा 5 की उपधारा (1) में निर्दिष्ट कोई व्यक्ति घोषणा प्रस्तुत करता है जिसमें झूठी जानकारी या ऐसी जानकारी दी गई हो जिसके बारे में वह जानता है या विश्वास करने का कारण है कि वह झूठी है तो वह कारावास से जो दो वर्ष तक हो सकेगा या जुर्माने से जो दो हजार रुपये तक हो सकता है, या दोनों से वञ्चनीय होगा।

(3) (1976 के पंजाब अधिनियम 22 द्वारा लोप किया गया)

(4) किसी व्यक्ति का अतिरिक्त क्षेत्र प्रवधारित करने के प्रयोजन के लिए,—

(1) नियत दिन को या उसके पश्चात् किसी न्यायालय या अन्य प्राधिकारी से प्राप्त कोई निर्णय, जिक्री या आदेश जो ऐसे व्यक्ति के अतिरिक्त क्षेत्र को कम करने वाला हो;

(2) ऐसी भूमि जो पंजाब विधि या इस अधिनियम के अधीन ऐसे व्यक्ति की अतिरिक्त भूमि घोषित की गई है या की गई हो तो नियत दिन को या उसके पश्चात् की गई अधिवृत्ति;

को ध्यान में नहीं रखा जाएगा।

8. उपयोग न किए गए अतिरिक्त क्षेत्र का सरकार में निहित होना:— तत्समय प्रवृत्त किसी विधि रीति या रुढ़ि में किसी बात के होते हुए भी किन्तु धारा 15 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए पंजाब विधि के अधीन घोषित अतिरिक्त क्षेत्र जिसे इस अधिनियम के चण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र में आरम्भ तक उपयोग में नहीं लिया गया है और इस अधिनियम के अधीन घोषित अतिरिक्त क्षेत्र उस तारीख को जिसको सरकार द्वारा या उसकी ओर से उसका कब्जा ले लिया जाता है सभी विषयों में से मुक्त होकर निहित हो जाएगा और किसी अधिधारी के ऐसे अतिरिक्त क्षेत्र की वशा में जो भू-स्वामी के अनुज्ञेय क्षेत्र में सम्मिलित किया गया है पूर्वोक्त तारीख को उस क्षेत्र में अधिधारी के अधिकार और हित समाप्त हो जाएंगे।

परन्तु जहाँ अतिरिक्त क्षेत्र में अपने वाली कोई भूमि कब्जे सहित बंधक की जाती है वहाँ केवल बंधकवारी अधिकार ही सरकार में निहित होंगे।

9. अतिरिक्त क्षेत्र का कब्जा लेने की शक्ति:—(1) किसी क्षेत्र के पंजाब विधि के अधीन अतिरिक्त हो जाने पर या इस अधिनियम के अधीन अतिरिक्त होने पर कलक्टर विहित आदेश द्वारा भू-स्वामी या अधिभोगी उसका कब्जा रखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को निवेश दे सकता है कि वह आदेश पाने की तारीख से बस दिन के भीतर ऐसे क्षेत्र का कब्जा ऐसे व्यक्ति को दे जो आदेश में विनिर्दिष्ट किया गया हो।

(2) यदि भू-स्वामी या अधिधारी प्रथवा कोई अन्य व्यक्ति जिसका ऐसे क्षेत्र पर कब्जा है इनकार कर वेता है या उपधारा (1) के अधीन किए गए आदेश का पालन करने में युक्तियुक्त कारण के बिना असफल रहता है तो कलक्टर उस क्षेत्र पर कब्जा ले सकता है और उस प्रयोजन के लिए उतने बल का प्रयोग कर सकता है जो आवश्यक हो।

10. अतिरिक्त क्षेत्र के लिए संवेद्य रकम:—(1) कलक्टर या प्रशासक द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत अधिकारी उस भूमि के लिए जो धारा 8 के अधीन सरकार में निहित हो गई है संवेद्य रकम नीचे अधिकथित सिद्धांतों के अनुसार प्रवधारित करेगा अर्थात्:—

(1) प्रथम तीन हेक्टेयर भूमि के लिए उचित किराए का बारह गुना प्रति हेक्टेयर पांच हजार रुपये की अधिकतम सीमा के अधीन रहते हुए;

(2) उसके बाद के तीन हेक्टेयर तीन हजार सात सौ रुपये की अधिकतम भूमि के लिए उचित किराए के सात गुना प्रति हेक्टेयर तीन हजार सात सौ रुपये की अधिकतम सीमा के अधीन रहते हुए; और

(iii) शेष भूमि के लिए उचित किराए का छह गुना प्रति हेक्टेयर दो हजार पांच सौ रुपये की अधिकतम सीमा के अधीन रहते हुए।

स्पष्टीकरण.—इस उपधारा के प्रयोजन के लिए 'उचित किराया' से अभिप्रेत होगा भूमि के कुल उत्पादन का पाँचवाँ भाग जो कलक्टर द्वारा या प्रशासक द्वारा इस निम्नलिखित प्राधिकृत अधिकारी द्वारा विहित रीति में, अवधारित किया गया हो।

(2) उपधारा (1) के प्रयोजनों के लिए कलक्टर या प्रशासक द्वारा प्राधिकृत अधिकारी ऐसे प्ररूप में और ऐसी रीति में जो विहित की जाए एक विवरणी तैयार करेगा और विहित प्रक्रिया का अनुसरण करने के पश्चात् रकम को भूमि में हित, रखने वाले व्यक्तियों में, जिसके अन्तर्गत अधिभोगी भी हैं, प्रभाजित करेगा।

(3) जहाँ किसी व्यक्ति के अतिरिक्त क्षेत्र में बंधकवारी अधिकार सरकार में निहित हो गए हैं वहाँ बंधकवार को सदैव रकम वह होगी जो बंधकवार को सदैव बंधक-रकम या इस धारा के अधीन देय रकम में से परस्पर कम हो।

(4) रकम एक मुस्त रूप में या विहित रीति में पन्द्रह से अनधिक छमाही किस्तों में सदैव होगी।

परन्तु रकम का उपयोग सर्वप्रथम सरकारी बकाए चुकाने के लिए तत्पश्चात् प्रतिभूत लेनदारों और इसके बाद अन्य दावेदारों के बकाए चुकाने के लिए किया जाएगा।

11. अतिरिक्त क्षेत्र का व्यवहन—(1) ऐसा अतिरिक्त क्षेत्र जो धारा 8 के अधीन सरकार में निहित हो गया है सरकार के प्रबंधाधीन होगा।

(2) प्रशासक चण्डीगढ़ के राजपत्र में अधिसूचना द्वारा अतिरिक्त क्षेत्र का उपयोग करने के लिए पंजाब विधि या इस अधिनियम के अधीन निम्नलिखित द्वारा कोई स्कीम बना सकती है,—

(क) ऐसे अधिभोगी के भू-स्वामी की अतिरिक्त क्षेत्र में सम्मिलित ऐसी अतिरिक्त भूमि की बाबत अधिभोगी को स्वामित्व का अधिकार सौंप कर; और

(ख) अधिभागियों, अनुसूचित जाति और पिछड़े वर्ग के सदस्यों तथा भूमिहीन खेतिहर मजदूरों को दो हेक्टेयर से अनधिक प्रथम श्रेणी की भूमि का समतुल्य क्षेत्र का आवंटन करके परन्तु आवंटन के पश्चात् किसी ऐसे आवंटित के कब्जे या स्वामित्व में कुल क्षेत्र प्रथम श्रेणी की भूमि के दो हेक्टेयर या समतुल्य क्षेत्र से अधिक नहीं होगा।

(3) उपधारा (2) के अधीन प्रशासक द्वारा बनाई गई किसी स्कीम में एसी शर्तों और निबन्धनों का जिन पर अधिभोगी को स्वामित्वाधिकार सौंपे जाने हैं, और जिन पर अतिरिक्त क्षेत्र में सम्मिलित भूमि आवंटित की जाती है, उपबन्ध किया जाएगा।

(4) प्रशासक चण्डीगढ़ के राजपत्र में अधिसूचना द्वारा इस धारा के अधीन बनाई गई स्कीम में कुछ जोड़ सकता है, उसका संशोधन कर सकता है या उसमें फेरफार कर सकता है या उसे विखण्डित कर सकता है।

(5) तत्समय प्रयुक्त किसी विधि में किसी बात के होते हुए भी और तत्समय प्रयुक्त किसी विधि के अधीन सरकार द्वारा अजित या किसी उत्तराधिकार में प्राप्त भूमि के मामले को छोड़कर ऐसी भूमि के जो पंजाब विधि या इस अधिनियम के अधीन अतिरिक्त क्षेत्र में सम्मिलित हैं किसी अन्तर्गत या अन्य व्यवहन का उसके सरकार में निहित होने पर या इस अधिनियम के अधीन उसके उपयोग पर कोई प्रभाव नहीं होगा।

(6) इस अधिनियम के चण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र में आरम्भ से पूर्व किसी अतिरिक्त क्षेत्र के उपयोग किए जाने से अधिभोगी के धारा 15 के

उपबन्धों के अनुसार भूमि क्रय करने या अतिरिक्त क्षेत्र में बसे अधिभोगी से किराया प्राप्त करने के भू-स्वामी के अधिकार पर तब तक प्रभाव नहीं पड़ेगा जब तक अधिभोगी उसका स्वामी नहीं बना जाता।

(7) जहाँ कलक्टर द्वारा अतिरिक्त क्षेत्र या उसके किसी भाग का अवधारण करने के पश्चात् उसका उत्तराधिकार किसी को प्राप्त हुआ हो वहाँ उपधारा (5) के अधीन किसी उत्तराधिकार द्वारा किसी उत्तराधिकारी के पक्ष में विनिर्दिष्ट व्यावृत्ति इस प्रकार अवधारित क्षेत्र की बाबत लागू नहीं होगी।

12. भविष्य में अनुज्ञेय क्षेत्र से अधिक भूमि के अधिग्रहण पर रोक—

(1) इस अधिनियम के चण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र में आरम्भ होने से या उसके पश्चात् किसी विधि रुढ़ि परम्परा संविदा या करार में किसी प्रतिकूल बात के होते हुए भी कोई भी व्यक्ति चाहे भू-स्वामी के रूप में या अधिभोगी के रूप में किसी ऐसी भूमि को हस्तान्तरण विनियम पट्टा करार या समझौते द्वारा अजित नहीं करेगा जो पहले से ही उसके कब्जे या स्वामित्व वाली भूमि में मिला कर या बिना मिलाए कुल अनुज्ञेय क्षेत्र से अधिक हो जाती है?

परन्तु इस धारा की कोई बात किसी सहकारी सोसाइटी द्वारा धारित भूमि को लागू नहीं होगी यदि सोसाइटी के किसी सदस्य विशेष के कब्जे या स्वामित्व की भूमि सोसाइटी की भूमि में उसके अंश के साथ मिलकर अनुज्ञेय क्षेत्र से अधिक नहीं हो जाती।

(2) उपधारा (1) के उपबन्धों के उल्लंघन में किया गया कोई अन्तर्गत विनियम पट्टा करार या समझौता शून्य होगा।

13. संयुक्त भूमियों में से भू-स्वामियों के अंश पृथक् करना—(1) जहाँ कोई व्यक्ति अन्य व्यक्तियों के साथ संयुक्त रूप से अंशधारी हो और उस भूमि में उसके अंश को या किसी भाग को अतिरिक्त क्षेत्र घोषित कर दिया गया है या किया जाना है वहाँ कलक्टर अपनी ओर से संक्षिप्त जांच करने के पश्चात् और ऐसे व्यक्ति को सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् अन्य व्यक्तियों के साथ संयुक्त रूप से धारित भूमि या उसके भाग से उसका अंश पृथक् कर सकता है।

(2) जहाँ किसी व्यक्ति का क्षेत्र अतिरिक्त घोषित किए जाने के पश्चात् और उसके उपयोग करने से पूर्व उसकी भूमि की चकबन्दी कर दी जाती है वहाँ कलक्टर उस व्यक्ति द्वारा चकबन्दी के बाद प्राप्त अतिरिक्त क्षेत्र को उपधारा (1) में निरदिष्ट रीति से पृथक् करने लिए सक्षम होगा।

14. धार्मिक या पूर्ण संस्थाओं से सम्बद्ध भूमि को छूट—किसी न्यायालय या प्राधिकारी के किसी निर्णय, दिक्री या आदेश के होते हुए भी इस अध्याय के उपबन्ध सार्वजनिक किस्म की किसी धार्मिक या पूर्ण संस्था की भूमि को लागू नहीं होंगे जो चण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र में इस अधिनियम के आरंभ से ठीक पूर्व विद्यमान थी किन्तु जो उसके महन्त मोतामिम या प्रबंधक की न हो।

परन्तु इसमें विनिर्दिष्ट छूट ऐसे समय तक ही अनुज्ञेय होगी जब तक उसकी आय उस संस्था के लिए विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए उपयोग में लाई जाती है और ऐसी भूमि के पट्टेदारों को अनुज्ञेय नहीं होगी।

स्पष्टीकरण इस धारा के प्रयोजनों के लिए धार्मिक या पूर्ण संस्था से निम्नलिखित अभिप्रेत है—

(1) मन्दिर;

(2) गुरुद्वारा;

(3) गौशाला;

(4) बक अधिनियम 1954 (1954 का संसद अधिनियम 29) की धारा 3 के खण्ड (2) के अधीन यथापरिभाषित कोई बक; या

(5) सार्वजनिक प्रकृति का कोई अन्य धार्मिक स्थाप।

अध्याय 3

प्रकीर्ण

भूमि क्रय करने के अधिमोगियों के कतिपय अधिकारों की व्याप्ति (1) इस अधिनियम में किसी बात के होते हुए भी ऐसा अधिमोगी जो इस अधिनियम के बण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र में आरम्भ से ठीक पूर्व पंजाब विधि की धारा 18 के अधीन अपनी भू-वृत्ति में समाविष्ट भूमि खरीदने का हकदार था भू-स्वामी से उन्हीं निबन्धनों और शर्तों पर ऐसी भूमि खरीदने का हकदार होगा जो ऐसे आरम्भ से ठीक पूर्व लागू थी :

परन्तु—

(i) अभिधारी द्वारा भूमि के लिए सदैव रकम भू-राजस्व (इसके अन्तर्गत रेट और उपकर भी हैं) के नब्बे गुने के समतुल्य या पांच सौ रुपये प्रति हेक्टेयर, इनमें से जो भी कम हों, होंगी; और

(ii) भूमि खरीदने की प्रक्रिया वह होगी जो इसमें प्रागे विनिर्दिष्ट की गई है और ऐसे अधिकार के प्रयोग के लिए परिसीमा अवधि इस अधिनियम के बण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र में आरम्भ की तारीख से एक वर्ष होगी।

(2) उपधारा (1) के अधीन भूमि खरीदने का आवेदन अधिकारिता रखने वाले प्रथम श्रेणी के सहायक कलक्टर को किया जाएगा ब भूमिस्वामी को सूचित करने के पश्चात् और विहित रीति से जांच करने के पश्चात् उसकी बाबत सदैव रकम अवधारित करेगा।

(3) अभिधारी उपधारा (2) के अधीन अवधारित रकम का संवाय एक मूल्य या विहित रीति में पन्द्रह से अधिक छमाही किश्तों में कर सकता है।

(4) समस्त रकम या उसकी प्रथम किश्त के संदाय के पश्चात् यह समझा जाएगा कि अभिधारी भूस्वामी हो गया है और जहां अभिधारी का वस्तुतः भूमि पर कब्जा नहीं है वहां सहायक कलक्टर पंजाब भूधृति अधिनियम 1887 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए उसको कब्जा विलाएगा।

(5) यदि किसी किस्त के संवाय में व्यतिक्रम किया जाता है तो रकम पाने के लिए हकदार व्यक्ति के आवेदन पर, समस्त देय रकम भू-राजस्व के बकाए के रूप में बसूल की जाएगी।

(6) यदि भूमि खरीदते समय बंधक के अधीन है तो भूमि अभिधारी के पास बंधक के किल्लंगमों के बिना अंतरित हो जाएगा किंतु बंधक रकम क्रय-कीमत पर प्रभार के रूप में रहेगी।

16. तत्काल बेवखली और जुमाना:—कोई भी व्यक्ति, जो किसी ऐसी भूमि पर, दोषपूर्ण अप्राधिकृत कब्जा रखता है—

(क) जिसका अन्तर्गण पक्षकारों के आचरण द्वारा या विधि के प्रवर्तन द्वारा इस अधिनियम के उपबन्धों के अधीन अवैध है, या

(ख) जिसके उपयोग और अधिमोग के लिए वह इस अधिनियम के उपबन्धों के अधीन हकदार नहीं है ;

ऐसे दोषपूर्ण या अप्राधिकृत कब्जे से एक वर्ष की अवधि के भीतर आवेदन करके और संक्षिप्त जांच के पश्चात् कलक्टर द्वारा बेवखल किया जा सकता है और वह उस व्यक्ति पर ऐसी शक्ति भी अधिरोपित करेगा जो एक हजार रुपये से अधिक न हो।

(2) कलक्टर यह निवेश कर सकता है कि उपधारा (1) के अधीन अधिरोपित पूर्ण शक्ति या उसका कोई भाग ऐसे व्यक्ति को संवत किया जाएगा जिसे ऐसी भूमि के दोषपूर्ण या अप्राधिकृत कब्जों से कोई हानि हुई है।

17. लम्बित डिक्रियों, आवेशों और नोटिसों को निराकृत करना:— किसी न्यायालय या प्राधिकारी की कोई भी डिक्री या आवेश और बेवखली की कोई नोटिस उसी सीमा तक वैध होगी जिस तक वह इस अधिनियम के उपबन्धों से संगत है।

18. अपील पुनर्विलोकन और पुनरीक्षण:—इस अधिनियम के अधीन अपील, पुनर्विलोकन और पुनरीक्षण की बाबत उपबंध यथासंभव उसी रूप में होंगे, जैसे पंजाब भू-धृति अधिनियम, 1887 (1887 का 16) की धारा, 80, 81, 82, 83, और 84, में उपबंधित हैं।

19. लिपिकीय वृत्तियों का सुधार:—इस अधिनियम के अधीन किसी अधिकारी या प्राधिकारी द्वारा किए गए किसी आवेश की लिपिकीय या गणितीय वृत्तियां या संयोगवण हुई भूलें या कार्यलोप ऐसे अधिकारी या प्राधिकारी द्वारा अपने आप या पक्षकारों में से किसी से प्राप्त आवेदन पर सुधारी जा सकेंगी।

20. न्यायालय फीस:—न्यायालय फीस अधिनियम 1970 (1970 का 7) में किसी बात के होते हुए भी, इस अधिनियम के अधीन प्रत्येक आवेदन, अपील या अन्य प्रक्रिया पर उतने मूल्य का न्यायालय फीस स्टाम्प लगाया जाएगा जो विहित किया जाए।

21. अधिकारिता का वर्जन:—(1) इस अधिनियम में यथा उपबंधित के सिवाय इस अधिनियम के अधीन की गई किसी कार्यवाई या किए गए आवेश की विधिमान्यता को किसी भी न्यायालय में या किसी अन्य प्राधिकारी के समक्ष प्रवर्णित नहीं किया जाएगा।

(2) ऐसी भूमि के हस्तान्तरण की संविदा के विनिर्दिष्ट अनुतोष के लिए इस अधिनियम के अधीन प्रतिरिक्त भूमि से सरकार के अधिकार को प्रभावित करने वाले नियत दिन से पूर्व संस्थित किसी बात का परीक्षण करने के लिए किसी भी सिविल न्यायालय के कोई अधिकारिता प्राप्त न होगी।

22. अतिपूर्ति:—इस अधिनियम के उपबन्धों के अनुसरण में किसी प्राधिकारी द्वारा सद्भाव पूर्वक किए गए किसी कार्य के विरुद्ध कोई बाध या अन्य विधिक कार्यवाही नहीं की जाएगी।

23. मिथ्या कथन के लिए शक्ति:—यदि इस अधिनियम के अधीन किसी कार्यवाही के दौरान यदि कोई व्यक्ति कोई ऐसी घोषणा करता है या विवरणी देता है या ऐसी कोई जानकारी देता है जो मिथ्या है या जिसके बारे में वह यह जानता है या उसे यह विश्वास करने का कारण है कि वह मिथ्या है या जिसकी बाबत उसे यह विश्वास है कि वह सत्य नहीं है, तो वह कारावास से, जो छह मास तक हो सकता है या जुर्माने से, जो हजार रुपये तक हो सकता है या दोनों से, दण्डनीय होगा।

24. बसूनी की रीति:—इस अधिनियम के अधीन सदैव कोई रकम, जिसमें इस अधिनियम के अधीन अधिरोपित शक्ति भी है, भू-राजस्व के बकाए के रूप में बसूल की जाएगी।

25. कठिनाइयों के विवरण की शक्ति:—यदि इस अधिनियम के किसी उपबन्धों को प्रभावी करने में कोई कठिनाई घाती है तो प्रशासक बण्डीगढ़ के राजपत्र में प्रकाशित आवेश द्वारा ऐसे उपबंध बना सकता है या ऐसे निवेश कर सकता है जो ऐसी कठिनाई के निवारण के लिए उसे आवश्यक या समीचीन प्रतीत हो और इस अधिनियम के उपबन्धों से असंगत न हो।

26. नियम बनाने की शक्ति:—(1) प्रशासक, बण्डीगढ़ के राजपत्र में अधिसूचना द्वारा इस अधिनियम के प्रयोजनों को पूरा करने के लिए नियम बना सकता है।

(2) [खोप किया गया]

27. कतिपय भूमियों को इस अधिनियम से छूट:—इस अधिनियम के उपबन्ध निम्नलिखित को लागू नहीं होंगे—

(क) सरकार के स्वामित्वाधीन या उसमें मिहित भूमियां, उनसे भिन्न जो इस अधिनियम के उपबन्धों के अधीन हैं या सरकार द्वारा पट्टे पर ली गई हैं ;

(ख) किसी स्थानीय प्राधिकारी या पंजाब कृषि विश्वविद्यालय या केन्द्रीय सरकार का राज्य सरकार स्वामित्वाधीन, या उससे नियंत्रित किसी निगम की भूमि ;

(ग) केन्द्रीय सरकार के स्वामित्वाधीन या उसमें निहित अथवा उसके द्वारा पट्टे पर ली गई भूमि ;

(घ) पंजाब भूदान यज्ञ अधिनियम, 1955 के अधीन भूदान यज्ञ बोर्ड के स्वामित्वाधीन भूमि ; और

(ङ) किसी कृषि सहकारी उधार सोसाइटी, भूमि बंधक बैंक, राज्य या केन्द्रीय सहकारी बैंक या किसी अन्य बैंक के स्वामित्वाधीन या उसके द्वारा धारित भूमि ;

(च) सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त किसी शैक्षिक संस्था के स्वामित्वाधीन कोई भूमि जो कृषि विज्ञान के अनुसंधान के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान का काम कर रही है और जो नियत विन को ऐसी शिक्षा और अनुसंधान कार्य करती रही है।

(छ) सार्वजनिक प्रकृति के किसी शैक्षिक न्यास के स्वामित्वाधीन भूमि जो विद्यमान हो :

परन्तु इस धारा की कोई बात ऊपर निर्दिष्ट प्राधिकारियों या संस्थाओं के किसी पट्टेदार को लागू नहीं होगी।

स्पष्टीकरण—खण्ड (ङ) के प्रयोजनों के लिए 'बैंक' से बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 5 में यथा परिभाषित कोई बैंककारी कम्पनी अभिप्रेत है और इसके अंतर्गत भारतीय बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (सम-नुषंगी बैंक) अधिनियम, 1954 में यथापरिभाषित कोई समनुषंगी बैंक, बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अधिग्रहण और अन्तर्गण) अधिनियम, 1970 में यथापरिभाषित कोई समरूप बैंक और कृषिक पुनः वित्तपोषण निगम अधिनियम, 1963 के अधीन गठित कृषिक पुनः वित्तपोषण निगम भी सम्मिलित है।

28. निरसन और व्यावृत्ति—खण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र में यथाप्रवृत्त भू-धृति सुरक्षा अधिनियम, 1953 को, जहाँ तक वह, इस अधिनियम के उपबन्धों से असंगत है, इसके द्वारा निरसित किया जाता है।

(2) उपधारा (1) में उल्लिखित अधिनियमिति जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियमिति कहा गया है, निरसन का निम्न-लिखित पर कोई प्रभाव नहीं होगा—

(i) इस अधिनियम के खण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र में आरम्भ से तुरन्त पूर्व उक्त अधिनियमिति के अधीन अतिरिक्त क्षेत्र के अधिधारण के लिए लम्बित कोई कार्यवाही जिसे इस प्रकार चालू रखा जाएगा और निपटारा किया जाएगा मानों यह अधिनियम पारित नहीं किया गया और इस प्रकार अवधारित अतिरिक्त भूमि इस अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार सरकार में निहित होगी और उसके द्वारा उपयोग में लाई जाएगी :

परन्तु ऐसी कार्यवाहियाँ इस अधिनियम द्वारा या इसके अधीन अधि-कथित प्रक्रिया के अनुसार यथासंभव उसी प्रक्रम पर चालू रखी जाएंगी और निपटाई जाएंगी जिस पर खण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र में इस अधिनियम के आरम्भ से ठीक पूर्व थी :

परन्तु यह और कि इस अधिनियम के उपबन्धों के अनुसरण में इस धारा की कोई भी बात ऊपर निर्दिष्ट अतिरिक्त भूमि से भिन्न अतिरिक्त क्षेत्र के अधिधारण और उपयोग को प्रभावित नहीं करेगी ;

(ii) उक्त अधिनियमिति का पूर्व प्रभाव या उसके अधीन सम्यक् रूप से की गयी या न की गई कोई बात ;

(iii) उक्त अधिनियमिति के अधीन अर्जित, उद्भूत या उपगत होने वाले कोई अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यता या दायित्व जहाँ तक कि ऐसे

अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यता या दायित्व इस अधिनियम के उपबन्धों में से किसी से असंगत न हों और ऐसे अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यता या दायित्व की वास्तव कोई कार्यवाही या उपाय इस प्रकार संस्थित, चालू या प्रवृत्त की जाएगी मानों यह अधिनियम पारित ही नहीं हुआ है :

परन्तु ऐसी कार्यवाही या उपचार, जहाँ तक संभव हो, इस अधिनियम द्वारा या इसके अधीन निर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसरण में संस्थित की जाएगी, जारी रहेगी या प्रवृत्त की जाएगी।

[संयु० 11015/11/76यु०टी०एल०-(147)]

हरिश्चन्द्र बख्शी, अवर सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 9th November, 1978

G.S.R. 1370.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Punjab Reorganisation Act, 1966 (31 of 1966), the Central Government hereby extends to the Union territory of Chandigarh, the Punjab Land Reforms Act, 1972 (Punjab Act 10 of 1973), as in force in the State of Punjab at the date of this notification, subject to the following modifications, namely :—

MODIFICATIONS

1. Throughout the said Act,—

- (a) for the words "commencement of this Act", the words "commencement of this Act in the Union territory of Chandigarh" shall be substituted;
- (b) the words, "the Pepsu law" and "or the Pepsu law" shall be omitted;
- (c) for the words "Official Gazette", the words "Chandigarh Gazette" shall be substituted.

2. In section 1,—

- (a) in sub-section (2), for the words "State of Punjab", the words "Union territory of Chandigarh" shall be substituted;
- (b) in sub-section (3), for the words "at once", the words "on such date as the Administrator may, by notification in the Chandigarh Gazette, appoint" shall be substituted.

In section 3,—

- (a) clause (1) shall be re-numbered as clause (1A) thereof and, before the clause as so re-numbered, the following clause shall be inserted, namely :—

"(1) "Administrator" means the administrator of the Union territory of Chandigarh appointed by the President under article 239 of the Constitution;"

- (b) in clause (3), for the words "State Government", the word "Administrator" shall be substituted;

- (c) clause (9) shall be omitted.

4. In section 5, in sub-section (2), for the words "State Government", the word "Government" shall be substituted.

5. In section 8, for the words "State Government", wherever they occur, the word "Government" shall be substituted.

6. In section 10,—

- (a) in sub-section (1), for the opening paragraph, the following shall be substituted, namely :—

"(1). The Collector or the officer authorised by the Administrator in this behalf shall determine the amount to be paid for the land which has vested in the Government under section 8, in accordance with the principles hereinafter set out, that is to say—"

- (b) for the words "State Government" wherever they occur except in sub-section (3), the word "Administrator" shall be substituted;

- (c) in sub-section (3), for the words "State Government", the word "Government" shall be substituted.

7. In section 11,—

- (a) in sub-sections (1) and (5) for the words "State Government" wherever they occur, the word "Government" shall be substituted;
- (b) in sub-sections (2), (3) and (4), for the words "State Government", the word "Administrator" shall be substituted.

8. In section 15, in sub-section (1), the words and figures "or section 22 of the Pepsu law, as the case may be," shall be omitted.

9. In section 21, in sub-section (2), for the words "State Government", the word "Government" shall be substituted.

10. In section 25, for the words "State Government", the word "Administrator", and for the words "appears to it to be necessary", the words "appears to him to be necessary", shall be substituted.

11. In section 26,—

- (a) in sub-section (1), for the words "State Government", the word "Administrator" shall be substituted;
- (b) sub-section (2) shall be omitted.

12. In section 27,—

- (a) in clause (a), for the words "State Government" in both the places where they occur, the word "Government" shall be substituted;
- (b) in clause (b), for the words "the State Government", the words "any State Government" shall be substituted.

13. In section 28,—

- (a) for sub-section (1), the following sub-section shall be substituted, namely :—

"(1) The Punjab Security of Land Tenures Act, 1953, as in force in the Union territory of Chandigarh, in so far as it is inconsistent with the provisions of this Act, is hereby repealed."

- (b) in sub-section (2),—

- (i) for the word "enactments" wherever it occurs, the word "enactment" shall be substituted;
- (ii) in clause (i), for the words "either of the said enactments", the words "the said enactment", and for the words "State Government", the word "Government" shall be substituted;
- (iii) in the second proviso to clause (i), the portion beginning with the words "and the cases pending before the Pepsu Land Commission" and ending with the words "for disposal" shall be omitted.

ANNEXURE

THE PUNJAB LAND REFORMS ACT, 1972 (PUNJAB ACT 10 OF 1973) AS EXTENDED TO THE UNION TERRITORY OF CHANDIGARH

An Act to consolidate and amend the law relating to ceiling on land holdings, acquisition of proprietary rights by tenants and other ancillary matters in the State of Punjab.

Be it enacted by the Legislature of the State of Punjab in the Twenty-third Year of the Republic of India as follows :—

1. Short title, extent and commencement.—(1) This Act may be called the Punjab Land Reforms Act, 1972.

(2) It extends to the whole of the Union territory of Chandigarh.

(3) It shall come into force on such date as the Administrator may, by notification in the Chandigarh Gazette appoint.

CHAPTER 1

PRELIMINARY

2. Declaration as to giving effect to certain directive principles.—It is hereby declared that this Act is for giving effect to the policy of the State towards securing the principles specified in clauses (b) and (c) of Article 39 of the Constitution of India.

3. Definitions.—In this Act, unless the context otherwise requires,—

(1) "Administrator" means the administrator of the Union territory of Chandigarh appointed by the President under article 239 of the Constitution;

(1A) "appointed day" means the twenty-fourth day of January, 1971;

(2) "banjar land" means land which has remained uncultivated for a continuous period of not less than four years immediately preceding the date on which the question whether such land is banjar or not arises;

(3) "Collector" means the Collector of the district or any other officer not below the rank of Assistant Collector of the first grade empowered in this behalf by the Administrator;

(4) "family" in relation to a person means the person, the wife or husband, as the case may be, of such person and his or her minor children, other than a married minor daughter;

(5) "land" means land which is not occupied as the site of any building in a town or village and is occupied or has been let for agricultural purposes or for purposes subservient to agriculture, or for pasture, and includes—

(a) the sites of buildings, and other structures on such land, and

(b) "landowner" shall have the meaning assigned to it in the Punjab Land Revenue Act, 1887 (Punjab Act XVII of 1887);

Explanation.—In respect of land mortgaged with possession, the mortgagee shall be deemed to be the landowner;

(7) "minor" means a person who has not completed the age of eighteen years;

(8) "orchard" means a compact area of land having fruit bearing trees grown thereon in such number that they preclude, or when fully grown would preclude, a substantial part of such land from being used for any other agricultural purpose but shall not include land under banana or guava trees or land comprised in vineyard;

(9) [Omitted];

(10) "person" includes a company, family, association or other body of individuals, whether incorporated or not, and any institution capable of holding property;

(11) "prescribed" means prescribed by rules made under this Act;

(12) "Punjab law" means the Punjab Security of Land Tenures Act, 1953;

(13) "self-cultivation" means cultivation by a landowner either personally or through any member of his family or through his brother or through a servant or hired labour under the personal supervision of the landowner or supervision of a member of his family, subject to the condition that the servant or hired labour is paid wages in cash or in kind or partly in cash and partly in kind but not as a share of the produce;

(14) [Omitted by Punjab Act 40 of 1973];

(15) "surplus area" means the area in excess of the permissible area;

(16) "tenant" has the meaning assigned to it in the Punjab Tenancy Act, 1887 (Act XVI of 1887) and includes a sub-tenant, and self-cultivating lessee, but shall not include a present holder as defined in clause (f) of section 2 of the East Punjab Displaced Persons (Land Resettlement) Act, 1949;

(17) all other words and expressions used herein and not defined but defined in the Punjab Tenancy Act, 1887 (Punjab Act XVI of 1887), or the Punjab Land Revenue Act, 1887 (Punjab Act XVII of 1887), shall have the meanings assigned to them in either of those Acts.

CHAPTER II

CEILING ON LAND

4. (1) Subject to the provisions of section 5, no person shall own or hold land as landowner or mortgagee with possession or tenant or partly in one capacity and partly in another in excess of the permissible area.

(2) 'Permissible area' shall mean in respect of—

- land under assured irrigation and capable of yielding at least two crops in a year (hereinafter in this Act referred to as "the first quality land"), seven hectares; or
- land under assured irrigation for only one crop in a year, eleven hectares; or
- barani land, 20.5 hectares; or
- land of other classes including banjar land, an area to be determined according to the prescribed scale with reference to the intensity of irrigation, productivity and soil classification of such classes, having regard to the respective valuation and the permissible area of the classes of land mentioned at (a), (b) and (c) above subject to the condition that the area so determined shall not exceed 21.8 hectares;

Provided that—

- where land consists of two or more classes, the permissible area shall be determined on the basis of relative valuation of such classes of land, subject to the condition that it does not exceed 21.8 hectares;
- where the number of members of a family exceeds five, the permissible area shall be increased by one-fifth of the permissible area for each member in excess of five, subject to the condition that additional land shall be allowed for not more than three such members.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-section (2), where any land is comprised in an orchard on the appointed day, such land shall, for the purpose of determining the permissible area, be treated as barani land.

(4) (a) Where a person is a member of a registered co-operative farming society, his share in the land held by such society together with his other land if any, or if such person is a member of a family, together with the land held by every member of the family shall be taken into account for determining the permissible area;

(b) Where a person is a member of a family, the land held by such person together with the land held by every other member of the family, whether individually or jointly, shall be taken into account for determining the permissible area.

(5) In determining the permissible area, any land which was transferred by sale, gift or otherwise, other than a bona fide sale or transfer, after the appointed day but before the commencement of this Act in the Union Territory of Chandigarh, shall be taken into account as if such land had not been transferred and the onus of proving the transfer as bona fide shall be on the transferor.

(6) For the purpose of valuation of land one and quarter hectares of banjar land shall be treated as equivalent in value to one hectare of barani land.

(7) For evaluating the land of any person at any time under this Act, the land owned by him immediately before

the commencement of this Act in the Union Territory of Chandigarh as well as the land acquired by him after such commencement by inheritance, bequest or gift from a person to whom he is an heir shall be evaluated as if the evaluation was being made on the appointed day and the land acquired by him after such commencement in any other manner shall be evaluated as if the evaluation was being made on the date of such acquisition.

5. Selection of permissible area and furnishing of declaration by certain persons.—(1) Every person, who on the appointed day or at any time thereafter, owns or holds land as landowner or mortgagee with possession or tenant or partly in one capacity and partly in another in excess of the permissible area, shall select his permissible area and intimate his selection to the Collector, and where land is situate in more than one district, to the Collectors concerned, through a declaration to be furnished in such form and manner and within such period as may be prescribed and if such person has an adult son, he shall also be entitled to select separate permissible area in respect of each such son, out of the land owned or held by him, subject to the condition that the land so selected together with the land already owned or held by such son, shall not exceed the permissible area of each such son :

Provided that where land is situate in more than one patwar circle, the declaration shall be supported by an affidavit in the prescribed form.

(2) In making the selection, such a person shall include, firstly, land mortgaged without possession and, secondly, land under self-cultivation on the date of commencement of the period prescribed for furnishing the declaration under sub-section (1), but shall not include area declared surplus under the Punjab law or this Act, other than the area which was exempt from utilization by the Government immediately before such commencement.

6. Collection of information in case declaration is not furnished.—If any person fails to furnish the declaration in accordance with the provisions of section 5, the Collector shall obtain the requisite information in the prescribed manner.

(7) Determination of permissible and surplus areas.—(1) On the basis of the information given in the declaration furnished under section 5 or the information obtained under section 6, as the case may be, and after making such inquiry as he may deem fit, the Collector shall, by an order, determine the permissible area and the surplus area of a landowner or a tenant, as the case may be.

(2) If any person referred to in sub-section (1) of section 5 fails to furnish the declaration or files a declaration containing information which is false or which he knows or has reason to believe to be false or which he does not believe to be true, he shall be punishable with imprisonment which may extend to two years, or with fine which may extend to two thousand rupees or with both.

(3) (Omitted by Punjab Act 22 of 1976.).

(4) For the purpose of determining the surplus area of any person,—

(i) any judgement, decree or order of a court or other authority obtained on or after the appointed day and having the effect of diminishing the surplus area of such a person;

(ii) a tenancy created on or after the appointed day in any land which has been or could have been declared as surplus area of such a person under the Punjab law or this Act;

shall be ignored.

8. Vesting of unutilized surplus area in the Government.—Notwithstanding anything contained in any law, custom or usage for the time being in force, but subject to the provisions of section 15, the surplus area, declared as such under the Punjab law, which has not been utilized till the commencement of this Act in the Union Territory of Chandigarh and the surplus area declared as such under this Act shall, on the date on which possession thereof is taken by or on behalf of the Government, vest in the Government free from

all encumbrances and in the case of surplus area of a tenant, which is included within the permissible area of the landowner, the right and interest of the tenant in such area shall stand terminated on the aforesaid date :

Provided that where any land falling within the surplus area is mortgaged with possession, only the mortgage rights shall vest in the Government.

9. Power to take possession of surplus area.—(1) The Collector may, by an order in writing, after an area has become surplus under the Punjab law or becomes surplus under this Act, direct the landowner or tenant or any other person in possession of such area to deliver possession thereof, within ten days of the service of the order on him, to such person as may be specified in the order.

(2) If the landowner or tenant or any other person in possession of such area refuses or fails without reasonable cause to comply with the order made under sub-section (1), the Collector may take possession of that area and may, for that purpose, use such force as may be necessary.

10. Amount payable for the surplus area.—(1) The Collector or the officer authorised by the Administrator in this behalf shall determine the amount to be paid for the land which has vested in the Government under section 8, in accordance with the principles hereinafter set out, that is to say—

- (i) for the first three hectares of land, twelve times the fair rent, subject to a maximum of five thousand rupees per hectare ;
- (ii) for the next three hectares of land, nine times the fair rent subject to a maximum of three thousand seven hundred and fifty rupees per hectare ; and
- (iii) for the remaining land, six times the fair rent, subject to a maximum of two thousand and five hundred rupees per hectare.

Explanation.—For the purpose of this sub-section, 'fair rent' shall mean the value of one-fifth of the gross produce of the land determined in the prescribed manner by the Collector or the officer authorised in this behalf by the Administrator.

(2) For the purpose of sub-section (1), the Collector or the officer authorised by the Administrator shall prepare a statement in such form and manner as may be prescribed and shall, after following the prescribed procedure, apportion the amount amongst the persons, including tenants, having interests in the land.

(3) Where in the surplus area of any person mortgagee rights have vested in the Government, the amount payable to the mortgagee shall be mortgage money due to the mortgagee, or the amount payable under this section, whichever is less.

(4) The amount shall be payable either in lump sum or in half yearly instalments not exceeding fifteen in the manner prescribed :

Provided that the amount shall be applied firstly to discharge Government dues, secondly to meet the claims of secured creditors and then to pay the dues of other claimants.

11. Disposal of surplus area.—(1) The surplus area, which has vested in the Government under section 8, shall be at the disposal of the Government.

(2) The Administrator may, by notification in the Chandigarh Gazette, frame a scheme for utilizing the surplus area under the Punjab law or this Act by,—

- (a) conferment of rights of ownership on tenants in respect of such land as is comprised in the surplus area of the landowner of such a tenant ; and
- (b) allotment to tenants, members of Scheduled Castes and Backward Classes and landless agricultural workers, of an area not exceeding two hectares of the first quality land or equivalent area, provided that the total area held or owned by any such

allottee, after the allotment, shall not exceed two hectares of the first quality land or equivalent area.

(3) Any scheme framed by the Administrator under sub-section (2) may provide for the terms and conditions on which the rights of ownership are to be conferred on the tenants and also the terms and conditions on which the land comprised in the surplus area is to be allotted.

(4) The Administrator may, by notification in the Chandigarh Gazette, add to, amend, vary or revoke any scheme made under this section.

(5) Notwithstanding anything contained in any other law for the time being in force and save in the case of land acquired by the Government under any law for the time being in force or by an heir by inheritance, no transfer or other disposition of land which is comprised in the surplus area under the Punjab law or this Act, shall affect the vesting thereof in the Government or its utilization under this Act.

(6) The utilization of any surplus area before the commencement of this Act in the Union Territory of Chandigarh will not affect the right of the tenant to purchase land in accordance with the provisions of section 15 or the right of the landowner to receive rent from the tenant settled on the surplus area till the tenant becomes the owner thereof.

(7) Where succession has opened after the surplus area or any part thereof has been terminated by the Collector, the saving specified in favour of an heir by inheritance under sub-section (5) shall not apply in respect of the area so determined.

12. Bar on future acquisition of land in excess of permissible area.—(1) Notwithstanding anything to the contrary in any law, custom, usage, contract or agreement, from and after the commencement of this Act in the Union Territory of Chandigarh, no person, whether as landowner or tenant, shall acquire or possess by transfer, exchange, lease, agreement or settlement any land, which with or without the land already owned or held by him, in the aggregate, exceeds the permissible area :

Provided that nothing in this section shall apply to land held by a co-operative society if the land owned or held by an individual member of the society, together with his share in the land by such a society, does not exceed the permissible area.

(2) Any transfer, exchange, lease, agreement or settlement made in contravention of the provisions of sub-section (1) shall be null and void.

13. Power to separate share of landowners in joint lands.—(1) Where a person owns land jointly with other person and his share of such land or part thereof has been or is to be declared as surplus area, the Collector, of his own motion, may after summary enquiry and after affording to such a person an opportunity of being heard, separate his share of such land or part thereof in the land owned by him jointly with other persons.

(2) Where, after the declaration of the surplus area of any person and before the utilization thereof, his land has been subjected to the process of consolidation, the Collector shall also be competent to separate the surplus area of such a person out of the area of land obtained by him after consolidation in the manner referred to in sub-section (1).

14. Exemption of lands belonging to religious or charitable institutions.—Notwithstanding any judgement, decree or any court or authority, the provisions of this Chapter shall not apply to lands belonging to any religious or charitable institution of a public nature in existence immediately before the date of commencement of this Act in the Union Territory of Chandigarh, but not belonging to the mahant, mohattam or manager thereof :

Provided that the exemption specified herein shall be admissible till such time only as the land or income therefrom is utilized for the specified purpose of such institution and shall not be admissible to the lessees of such lands.

Explanation.—For the purpose of this section, 'religious or charitable institution' means,—

- (i) a temple ;
- (ii) a gurdwara ;
- (iii) a gaushala ;
- (iv) a wakf as defined in clause (ii) of section 3 of the Wakfs Act, 1954 (Parliament Act 29 of 1954) ; or
- (v) any other religious place of public nature.

CHAPTER III MISCELLANEOUS

15. Saving of certain rights of tenants to purchase land.—(1) Notwithstanding anything contained in this Act, a tenant who was entitled to purchase the land comprised in his tenancy, under section 18 of the Punjab law immediately before the commencement of this Act in the Union Territory of Chandigarh, shall be entitled to purchase such land from the landowner on the same terms and conditions, as were applicable immediately before such commencement :

Provided that—

- (i) the amount payable by the tenant for the land shall be equivalent to ninety times the land revenue (including rates and cesses) payable for such land or five hundred rupees per hectare, whichever is less ; and
- (ii) the procedure for purchase of such land shall be as is specified hereinafter and the period of limitation for exercise of such a right shall be one year from the date of commencement of this Act in the Union Territory of Chandigarh.

(2) An application for the purchase of land under sub-section (1) shall be made to the Assistant Collector of the first grade having jurisdiction who shall, after giving notice to the landowner and after making enquiry in the prescribed manner, determine the amount payable in respect thereof.

(3) The tenant may pay the amount determined under sub-section (2) either in lump sum or in half-yearly instalments not exceeding fifteen in the manner prescribed.

(4) On the payment of the entire amount or the first instalment thereof, as the case may be, the tenant shall be deemed to have become the owner of the land and the Assistant Collector shall, where the tenant is not already in possession of the land, put him in possession thereof, subject to the provisions of the Punjab Tenancy Act, 1887.

(5) If a default is committed in the payment of any of the instalments, the entire outstanding balance shall, on application by the person entitled to receive it, be recoverable as arrears of land revenue.

(6) If the land is subject to mortgage at the time of purchase, the land shall pass to the tenant unencumbered by the mortgage, but the mortgage amount shall be a charge on the purchase price.

16. Summary eviction and fine.—(1) Any person who is in wrongful or unauthorised possession of any land—

- (a) the transfer of which either by the act of parties or by the operation of law is invalid under the provisions of this Act ; or
- (b) to the use and occupation of which he is not entitled under the provisions of this Act ;

may, on an application made within a period of one year of such wrongful or unauthorised possession, and after summary enquiry, be ejected by the Collector, who may also impose on such person a penalty not exceeding one thousand rupees.

(2) The Collector may direct that the whole or any part of the penalty imposed under sub-section (1) shall be paid

to the person who has sustained any loss or damage by the wrongful or unauthorised possession of the land.

17. Abrogation of pending decrees, orders and notices.—No decree or order of any court or authority and no notice of ejectment shall be valid save to the extent to which it is consistent with the provisions of this Act.

18. Appeal, review and revision.—The provision in regard to appeal, review and revision under this Act shall, so far as may be, the same as provided in sections 80, 81, 82, 83 and 84 of the Punjab Tenancy Act, 1887 (Act XVI of 1887).

19. Correction of clerical errors.—Clerical and arithmetical mistakes in any order passed by any officer or authority under this Act or errors arising therein from any accidental slip or omission may at any time be corrected by such officer or authority either of his own motion or on an application received in this behalf from any of the parties.

20. Court-fees.—Notwithstanding anything contained in the Court-fees Act, 1870 (VII of 1870), every application, appeal or other proceeding under this Act shall bear a court-fee stamp of such value as may be prescribed.

21. Bar of jurisdiction.—(1) Save as provided by or under this Act, the validity of any proceedings or order taken or made under this Act shall not be called in question in any court or before any other authority.

(2) No civil court shall have jurisdiction to entertain any suit, or proceed with any suit instituted after the appointed day, for specific performance of a contract for transfer of land which affects the right of the Government to the surplus area under this Act.

22. Indemnity.—No suit or other legal proceedings shall lie against any authority in respect of anything done in good faith in pursuance of the provisions of this Act.

23. Penalty for making false statements.—If, during the course of any proceedings under this Act, any person makes a declaration or a statement or furnishes any information which is false or which he knows or has reason to believe to be false or which he does not believe to be true, he shall be punishable with imprisonment which may extend to six months, or with fine which may extend to one thousand rupees, or with both.

24. Mode of recovery.—Any amount payable under this Act including the amount of penalty imposed under this Act may be recovered as arrears of land revenue.

25. Power to remove difficulties.—If any difficulty arises in giving effect to the provisions of this Act, the Administrator may, by order published in the Chandigarh Gazette, make such provision or give such directions not inconsistent with the provisions of this Act, as appears to him to be necessary or expedient for removing such a difficulty.

26. Power to make rules.—(1) The Administrator may, by notification in the Chandigarh Gazette, make rules for carrying out the purposes of this Act.

(2) [Omitted].

27. Exemption of certain lands from the operation of the Act.—The provisions of this Act shall not apply to—

- (a) lands owned by or vested in the Government otherwise than under the provisions of this Act, or lands taken on lease by the Government ;
- (b) lands belonging to or vested in a local authority or the Punjab Agricultural University or any corporation owned or controlled by the Central Government or any State Government ;
- (c) lands owned by or vested in or taken on lease by the Central Government ;
- (d) lands owned by the Bhoodan Yagna Board under the Punjab Bhoodan Yagna Act, 1955 ; and

(e) lands owned or held by an agricultural co-operative credit society, Land Mortgage Bank, the State or Central Co-operative Bank or any other bank;

(f) lands owned by an educational institution, recognised by Government, which is engaged in the education and research in agricultural sciences and has been conducting such education and research on the appointed day;

(g) lands owned by an educational trust of public nature in existence on the appointed day:

Provided that nothing in this section shall apply to a lessee of any of the authorities or institutions referred to above.

Explanation.—For the purposes of clause (c) "bank" means a banking company as defined in section 5 of the Banking Regulation Act, 1949, and includes the State Bank of India constituted under the State Bank of India Act, 1955, a subsidiary bank as defined in the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, a corresponding new bank as defined in the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, and Agricultural Refinance Corporation constituted under the Agricultural Refinance Corporation Act, 1963.

28. Repeal and Saving.—(1) The Punjab Security of Land Tenures Act, 1953, as in force in the Union Territory of Chandigarh, in so far as it is inconsistent with the provisions of this Act, is hereby repealed.

(2) The repeal of the enactment mentioned in sub-section (1), hereinafter referred to as the said enactment, shall not affect—

(i) the proceedings for the determination of the surplus area pending immediately before the commencement of this Act in the Union Territory of Chandigarh, under the said enactment, which shall be continued and disposed of as if this Act had not been passed, and the surplus area so determined shall vest in, and be utilised by, the Government in accordance with the provisions of this Act:

Provided that such proceedings shall, as far as may be, be continued and disposed of, from the stage these were immediately before the commencement of this Act in the Union Territory of Chandigarh, in accordance with the procedure specified by or under this Act:

Provided further that nothing in this section shall affect the determination and utilisation of the surplus area, other than the surplus area referred to above, in accordance with the provisions of this Act:

(ii) the previous operation of the said enactment or anything duly done or suffered thereunder;

(iii) any right, privilege, obligation or liability acquired, accrued or incurred under the said enactment, in so far as such right, privilege, obligation or liability is not inconsistent with the provisions of this Act and any proceeding or remedy in respect of such right, privilege, obligation or liability may be instituted, continued or enforced as if this Act had not been passed:

Provided that such proceeding or remedy shall, as far as may be, be instituted, continued or enforced in accordance with the procedure specified by or under this Act.

[No. U-11015/11/76-UTL-(147)]

H. C. BAKHSI, Under Secy.

(भारत के महापंजीकार का कार्यालय)

नई दिल्ली, 10 नवम्बर, 1978

सां.कां.वि० 1371.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, जनगणना कार्य निदेशक

और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक कार्यालय केरल (ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद) भर्ती नियम, 1973 में और संशोधन के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम केरल में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय [ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद भर्ती (संशोधन)] नियम, 1978 होगा।

(2) ये नियम शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. केरल में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय (ग्रुप ग और ग्रुप घ पद (भर्ती)) नियम, 1973 को अनुसूची में :—

(1) सहायक संकलनकर्ता के पद से संबंधित मद 17 के समक्ष :—

(क) स्तम्भ 10 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"सीधी भर्ती 75%

नोट :—

रिक्तियाँ 10% ग्रुप "ब" के उन कर्मचारियों (जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय के नियमित कर्मचारी) द्वारा भरे जाने के लिए प्रारक्षित होंगी जो निम्नलिखित शर्तों के अधीन अनुसूची 7 में विहित शर्तों को पूरा करते हों :—

(क) मामलों पर विचार करने के लिए अधिकतम आयु-सीमा 45 वर्ष (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए 50 वर्ष)

(ख) ग्रुप घ में कम से कम 5 वर्ष की सेवा अनिवार्य होगी। इस पद्धति द्वारा नियुक्त किए जाने वाले सीधे भर्ती के यथांश (कोटा) में व्यक्तियों की अधिकतम संख्या सहायक संकलनकर्ता के संदर्भ में साल में होने वाली रिक्तियों की 10% तक सीमित होगी और बिना भरी गई रिक्तियों को दूसरे वर्ष में नहीं ले जाया जाएगा।

स्थानांतरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा 25%"

[सं० 3/13/77-प्रशा० I]

(Office of the Registrar General, India)

New Delhi, the 10th November, 1978

G.S.R. 1371.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Kerala (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1973, namely :—

1. (1) These rules may be called the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Kerala (Group C and Group D posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Kerala (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1973,—

(1) against item 17 relating to the post of Assistant Compiler,—

(a) in column 10, for the existing entries, the following shall be substituted, namely:—

“Direct recruitment 75 per cent

Note:

10 per cent of the vacancies shall be reserved for being filled up by Group D employees (borne on the regular establishment of the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations) who fulfil the conditions prescribed in column 7, subject to the following conditions:

(a) the maximum age limit for consideration would be 45 years (50 years for the Scheduled Castes the Scheduled Tribes candidates).

(b) At least 5 years' service in Group D would be essential. The maximum number of recruits by this method would be limited to 10 per cent of the vacancies in the cadre of Assistant Compiler occurring in a year, against the direct recruitment quota, and unfilled vacancies would be carried over.

Transfer, failing which by direct recruitment 25 per cent”.

[No. 3/13/77-Ad. I]

सांकांनि० 1372—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय हिमाचल प्रदेश (ग्रुप ग तथा ग्रुप ड पद) भर्ती नियम, 1973 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम हिमाचल प्रदेश में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय (ग्रुप ग तथा ग्रुप ड पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 होगा।

(2) ये नियम शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. हिमाचल प्रदेश में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय (ग्रुप ग और ग्रुप ड पद) भर्ती नियम, 1973 की अनुसूची में:—

(1) सहायक संकलनकर्ता के पद से संबंधित मंत्र 19 के समक्ष:—

(क) स्तम्भ 10 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“सीधी भर्ती 75%”

नोट:—

रिक्तियाँ 10% ग्रुप “ब” के उन कर्मचारियों (जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय के नियमित कर्मचारी) द्वारा भरे जाने के लिए धारित होंगी जो निम्नलिखित शर्तों के अधीन अध्यधीन स्तम्भ 7 में विहित शर्तों को पूरा करते हों:—

(क) मामलों पर विचार करने के लिए अधिकतम आयु-सीमा 45 वर्ष (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए 50 वर्ष)

(ख) ग्रुप ड में कम से कम 5 वर्ष की सेवा अनिवार्य होगी। इस पद्धति द्वारा नियुक्त किए जाने वाले सीधी भर्ती के यथांश (कोटा) में व्यक्तियों की अधिकतम संख्या सहायक संकलनकर्ता के सचरा में साल में होने वाली रिक्तियों की 10% तक सीमित होगी और बिना भरी गई रिक्तियों को दूसरे वर्ष में नहीं ले जाया जाएगा।

स्थानान्तरण द्वारा जिसके न होने करने पर सीधी भर्ती द्वारा 25%”

[सं० 3/13/77-प्रशा० I]

G.S.R. 1372.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Himachal Pradesh (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1973, namely:—

1. (1) These rules may be called the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Himachal Pradesh (Group C and Group D posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Himachal Pradesh (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1973,—

(1) against item 19 relating to the post of Assistant Compiler,—

(a) in column 10, for the existing entries, the following shall be substituted, namely:—

“Direct recruitment 75 per cent

Note:

10 per cent of the vacancies shall be reserved for being filled up by Group D employees (borne on the regular establishment of the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations) who fulfil the conditions prescribed in column 7, subject to the following conditions:

(a) the maximum age limit for consideration would be 45 years (50 years for the Scheduled Castes the Scheduled Tribes candidates).

(b) At least 5 years' service in Group D would be essential. The maximum number of recruits by this method would be limited to 10 per cent of the vacancies in the cadre of Assistant Compiler occurring in year, against the direct recruitment quota, and unfilled vacancies would not be carried over.

Transfer, failing which by direct recruitment 25 per cent”.

[No. 3/13/77-Ad. I]

सांकांनि० 1373—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय बिहार (ग्रुप ग तथा ग्रुप ड पद) भर्ती नियम, 1973 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम बिहार में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय (ग्रुप ग तथा ग्रुप ड पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 होगा।

(2) ये नियम शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. बिहार में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय (ग्रुप ग और ग्रुप घ पद) भर्ती नियम 1973 की अनुसूची में:—

(1) सहायक संकलनकर्ता के पद से संबंधित मद 16 के समक्ष:—

(क) स्तम्भ 10 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“सीधी भर्ती 75%”

नोट:—

रिक्तियाँ 10% ग्रुप “घ” के उन कर्मचारियों (जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय के नियमित कर्मचारी) द्वारा भरे जाने के लिए आरक्षित होंगी जो निम्नलिखित शर्तों के अधीन अद्यधीन स्तम्भ 7 में विहित शर्तों को पूरा करते हों:—

(क) मामलों पर विचार करने के लिए अधिकतम आयु-सीमा 45 वर्ष (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए 50 वर्ष)

(ख) ग्रुप घ में कम से कम 5 वर्ष की सेवा अनिवार्य होगी। इस पदवि द्वारा नियुक्त किए जाने वाले सीधी भर्ती के यथाश (कोटा) में व्यक्तियों की अधिकतम संख्या सहायक संकलनकर्ता के संवर्ग में साल में होने वाली रिक्तियों की 10% तक सीमित होगी और बिना भरी गई रिक्तियों को दूसरे वर्ष में नहीं ले जाया जाएगा।

स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा 25%”

[सं० 3/13/77-प्रशास० I]

G.S.R. 1373.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Bihar (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1973, namely:—

1. (1) These rules may be called the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Bihar (Group C and Group D posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Bihar (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1973,—

(1) against item 16 relating to the post of Assistant Compiler,—

(a) in column 10, for the existing entries, the following shall be substituted, namely:—

“Direct recruitment 75 per cent

Note:

10 per cent of the vacancies shall be reserved for being filled up by Group D employees (borne on the regular establishment of the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations) who fulfil the conditions prescribed in column 7, subject to the following conditions:

(a) the maximum age limit for consideration would be 45 years (50 years for the Scheduled Castes the Scheduled Tribes candidates).

(b) At least 5 years' service in Group D would be essential. The maximum number of recruits by this method would be limited to 10 per cent of the vacancies in the cadre of Assistant Compiler occurring in year, against the direct recruitment quota, and unfilled vacancies would not be carried over.

Transfer, failing which by direct recruitment 25 per cent”.

[No. 3/13/77-Ad. I]

सां०का०नि० 1374—संविधान के अनुच्छेद 309 के परतुक द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय मध्य प्रदेश (ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद) भर्ती नियम, 1973 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम मध्य प्रदेश में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय (ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 होगा।

(2) ये नियम शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से प्रवर्त होंगे।

2. मध्य प्रदेश में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय (ग्रुप ग और ग्रुप घ पद) भर्ती नियम 1973 की अनुसूची में:—

(1) सहायक संकलनकर्ता के पद से संबंधित मद 15 के समक्ष:—

(क) स्तम्भ 10 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“सीधी भर्ती 75%”

नोट:—

रिक्तियाँ 10% ग्रुप “घ” के उन कर्मचारियों (जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय के नियमित कर्मचारी) द्वारा भरे जाने के लिए आरक्षित होंगी जो निम्नलिखित शर्तों के अधीन अद्यधीन स्तम्भ 7 में विहित शर्तों को पूरा करते हों:—

(क) मामलों पर विचार करने के लिए अधिकतम आयु-सीमा 45 वर्ष (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए 50 वर्ष)

(ख) ग्रुप घ में कम से कम 5 वर्ष की सेवा अनिवार्य होगी। इस पदवि द्वारा नियुक्त किए जाने वाले सीधी भर्ती के यथाश (कोटा) में व्यक्तियों की अधिकतम संख्या सहायक संकलनकर्ता के संवर्ग में साल में होने वाली रिक्तियों की 10% तक सीमित होगी और बिना भरी गई रिक्तियों को दूसरे वर्ष में नहीं ले जाया जाएगा।

स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा 25%”

[सं० 3/13/77-प्रशा० I]

G.S.R. 1374.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Madhya Pradesh (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1973, namely:—

1. (1) These rules may be called the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Madhya Pradesh (Group C and Group D posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census

Operations, Madhya Pradesh (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1973,—

(1) against item 15 relating to the post of Assistant Compiler,—

(a) in column 10, for the existing entries, the following shall be substituted, namely:—

“Direct recruitment 75 per cent

Note :

10 per cent of the vacancies shall be reserved for being filled up by Group D employees (borne on the regular establishment of the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations) who fulfil the conditions prescribed in column 7, subject to the following conditions :

(a) the maximum age limit for consideration would be 45 years (50 years for the Scheduled Castes the Scheduled Tribes candidates).

(b) At least 5 years' service in Group D would be essential. The maximum number of recruits by this method would be limited to 10 per cent of the vacancies in the cadre of Assistant Compiler occurring in a year, against the direct recruitment quota, and unfilled vacancies would not be carried over.

Transfer, failing which by direct recruitment 25 per cent”.

[No. 3/13/77-Ad. I]

सांकां.निं 1375—संविधान के अनुच्छेद 309 के परलुक् द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय जम्मू और कश्मीर (ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद) भर्ती नियम, 1974 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम जम्मू और कश्मीर में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय (ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 होगा।

(2) ये नियम शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. जम्मू और कश्मीर में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय (ग्रुप ग और ग्रुप घ पद) भर्ती नियम, 1974 की अनुसूची में:—

(1) सहायक संकलनकर्ता के पद से संबंधित मद 18 के समक्ष:—

(क) स्तम्भ 10 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

“सीधी भर्ती 75%

नोट:—

रिक्तियाँ 10% ग्रुप “घ” के उन कर्मचारियों (जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय के नियमित कर्मचारी) द्वारा भरे जाने के लिए आरक्षित होंगी जो निम्नलिखित शर्तों के अधीन अव्ययित स्तम्भ 7 में विहित शर्तों को पूरा करते हों:—

(क) मामलों पर विचार करने के लिए अधिकतम आयु-सीमा 45 वर्ष (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए 50 वर्ष)।

(ख) ग्रुप घ में कम से कम 5 वर्ष की सेवा अनिवार्य होगी। इस पदवि द्वारा नियुक्त किए जाने वाले सीधी भर्ती के व्यंश (कोटा) में व्यक्तियों की अधिकतम संख्या सहायक संकलनकर्ता के संवर्ग में साल में होने वाली रिक्तियों की 10% तक सीमित होगी और बिना भरी गई रिक्तियों को दूसरे वर्ष में नहीं ले लिया जाएगा।

स्थानांतरण द्वारा जिनके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा 25%”

[सं. 3/13/77-प्रशा. 1]

G.S.R. 1375.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Jammu and Kashmir (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1974, namely:—

1. (1) These rules may be called the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Jammu and Kashmir (Group C and Group D posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Jammu and Kashmir (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1974,—

(1) against item 18 relating to the post of Assistant Compiler,—

(a) in column 10, for the existing entries, the following shall be substituted, namely:—

“Direct recruitment 75 per cent

Note :

10 per cent of the vacancies shall be reserved for being filled up by Group D employees (borne on the regular establishment of the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations) who fulfil the conditions prescribed in column 7, subject to the following conditions :

(a) the maximum age limit for consideration would be 45 years (50 years for the Scheduled Castes the Scheduled Tribes candidates).

(b) At least 5 years' service in Group D would be essential. The maximum number of recruits by this method would be limited to 10 per cent of the vacancies in the cadre of Assistant Compiler occurring in a year, against the direct recruitment quota, and unfilled vacancies would not be carried over.

Transfer, failing which by direct recruitment 25 per cent”

[No. 3/13/77-Ad. I]

सांकां.निं 1376—संविधान के अनुच्छेद 309 के परलुक् द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय महाराष्ट्र (ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद) भर्ती नियम, 1973 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम महाराष्ट्र में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय (ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 होगा।

(2) ये नियम शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. महाराष्ट्र में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय (ग्रुप ग और ग्रुप घ पद) भर्ती नियम, 1973 की अनुसूची में:—

(1) सहायक संकलनकर्ता के पद से संबंधित मद 16 के समक्ष:—

(क) स्तम्भ 10 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“सीधी भर्ती 75%”

नोट:—

रिक्तियाँ 10% ग्रुप “घ” के उन कर्मचारियों (जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय के नियमित कर्मचारी) द्वारा भरे जाने के लिए आरक्षित होंगी जो निम्नलिखित शर्तों के अधीन अध्यधीन-स्तम्भ 7 में विहित शर्तों को पूरा करते हों:—

(क) मामलों पर विचार करने के लिए अधिकतम आयु-सीमा 45 वर्ष (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए 50 वर्ष)

(ख) ग्रुप घ में कम से कम 5 वर्ष की सेवा अनिवार्य होगी। इस पद्धति द्वारा नियुक्त किए जाने वाले सीधी भर्ती के यथांश (कोटा) में व्यक्तियों की अधिकतम संख्या सहायक संकलनकर्ता के संवर्ग में साल में होने वाली रिक्तियों की 10% तक सीमित होगी और बिना भरी गई रिक्तियों को दूसरे वर्ष में नहीं ले जाया जाएगा।

स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा 25%”

[सं. 3/13/77-प्रश्ना. 1]

G.S.R. 1376.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Maharashtra (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1973, namely:—

1. (1) These rules may be called the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Maharashtra (Group C and Group D posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Maharashtra (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1973,—

(1) against item 16 relating to the post of Assistant Compiler,—

(a) in column 10, for the existing entries, the following shall be substituted, namely:—

“Direct recruitment 75 per cent

Note:

10 per cent of the vacancies shall be reserved for being filled up by Group D employees (borne on the regular establishment of the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations) who fulfil the conditions prescribed in column 7, subject to the following conditions:

(a) the maximum age limit for consideration would be 45 years (50 years for the Scheduled Castes the Scheduled Tribes candidates).

(b) At least 5 years' service in Group D would be essential. The maximum number of recruits by this method would be limited to 10 per cent of the vacancies in the cadre of Assistant Compiler occurring in a year, against the direct recruitment quota, and unfilled vacancies would not be carried over.

Transfer, falling which by direct recruitment 25 per cent”.

[No. 3/13/77-Ad. I]

सांकां. 1377.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय कर्णाटक (ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद) भर्ती नियम, 1974 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम कर्णाटक में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय (ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 होगा।

(2) ये नियम शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. कर्णाटक में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय (ग्रुप ग और ग्रुप घ पद) भर्ती नियम, 1974 की अनुसूची में:—

(1) सहायक संकलनकर्ता के पद से संबंधित मद 13 के समक्ष:—

(क) स्तम्भ 10 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“सीधी भर्ती 75%”

नोट:—

रिक्तियाँ 10% ग्रुप “घ” के उन कर्मचारियों (जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय के नियमित कर्मचारी) द्वारा भरे जाने के लिए आरक्षित होंगी जो निम्नलिखित शर्तों के अधीन अध्यधीन-स्तम्भ 7 में विहित शर्तों को पूरा करते हों:—

(क) मामलों पर विचार करने के लिए अधिकतम आयु-सीमा 45 वर्ष (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए 50 वर्ष)

(ख) ग्रुप घ में कम से कम 5 वर्ष की सेवा अनिवार्य होगी। इस पद्धति द्वारा नियुक्त किए जाने वाले सीधी भर्ती के यथांश (कोटा) में व्यक्तियों की अधिकतम संख्या सहायक संकलनकर्ता के संवर्ग में साल में होने वाली रिक्तियों की 10% तक सीमित होगी और बिना भरी गई रिक्तियों को दूसरे वर्ष में नहीं ले जाया जाएगा।

स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा 25%”

[सं. 3/13/77-प्रश्ना. 1]

G.S.R. 1377.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Karnataka (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1974, namely:—

1. (1) These rules may be called the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Karnataka (Group C and Group D posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Karnataka (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1974,—

(1) against item 13 relating to the post of Assistant Compiler,—

- (a) in column 10 for the existing entries, the following shall be substituted, namely :—
"Direct recruitment 75 per cent

Note.—10 per cent of the vacancies shall be reserved for being filled up by Group D employees (borne on the regular establishment of the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations) who fulfil the conditions prescribed in column 7, subject to the following conditions :

- (a) the maximum age limit for consideration would be 45 years (50 years for the Scheduled Castes/the Scheduled Tribes candidates).
(b) At least 5 years' service in Group D would be essential. The maximum number of recruits by this method would be limited to 10 per cent of the vacancies in the cadre of Assistant Compiler occurring in a year, against the direct recruitment quota, and unfilled vacancies would not be carried over.

Transfer, failing which by direct recruitment 26 per cent."

[No. 3/13/77-Ad. I]

सांकांति 1378.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय हरियाणा (ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद) भर्ती नियम, 1973 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम हरियाणा में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय (ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 होगा।

(2) ये नियम शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. हरियाणा में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय (ग्रुप ग और ग्रुप घ पद) भर्ती नियम 1973 की अनुसूची में :—

(1) सहायक संकलनकर्ता के पद से संबंधित मद 18 के समक्ष :—

(क) स्तम्भ 10 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
"सीधी भर्ती 75 %

नोट :—

रिक्तियाँ 10 % ग्रुप "ब" के उन कर्मचारियों (जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय के नियमित कर्मचारी) द्वारा भरे जाने के लिए आरक्षित होंगी जो निम्नलिखित शर्तों के अधीन अध्यधीन स्तम्भ 7 में विहित शर्तों को पूरा करते हों :—

(क) मामलों पर विचार करने के लिए अधिकतम आयु-सीमा 45 वर्ष (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए 50 वर्ष)

(ख) ग्रुप घ में कम से कम 5 वर्ष की सेवा अनिवार्य होगी। इस पदवृत्ति द्वारा नियुक्त किए जाने वाले सीधी भर्ती के यथांश (कोटा) में व्यक्तियों की अधिकतम संख्या सहायक संकलनकर्ता के संबंध में साल में होने वाली रिक्तियों को 10 % तक सीमित होगी और बिना मरी गई रिक्तियों को दूसरे वर्ष में नहीं ले जाया जाएगा।

स्थानान्तरण द्वारा जिसके त हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा 25 %"

[सं. 3/13/77-प्रशा. I]

G.S.R. 1378.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Haryana (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1973, namely :—

1. (1) These rules may be called the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Haryana (Group C and Group D posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Haryana (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1973,—

(1) against item 18 relating to the post of Assistant Compiler—

(a) in column 10 for the existing entries, the following shall be substituted, namely :—
"Direct recruitment 75 per cent

Note.—10 per cent of the vacancies shall be reserved for being filled up by Group D employees (borne on the regular establishment of the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations) who fulfil the conditions prescribed in column 7, subject to the following conditions :

(a) the maximum age limit for consideration would be 45 years (50 years for the Scheduled Castes/the Scheduled Tribes candidates).

(b) At least 5 years' service in Group D would be essential. The maximum number of recruits by this method would be limited to 10 per cent of the vacancies in the cadre of Assistant Compiler occurring in a year, against the direct recruitment quota, and unfilled vacancies would not be carried over.

Transfer, failing which by direct recruitment 25 per cent."

[No. 3/13/77-Ad. I]

सांकांति 1379.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय गुजरात (ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद) भर्ती नियम, 1973 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम गुजरात में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय (ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 होगा।

(2) ये नियम शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. गुजरात में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय (ग्रुप ग और ग्रुप घ पद) भर्ती नियम 1973 की अनुसूची में :—

(1) सहायक संकलनकर्ता के पद से संबंधित मद 18 के समक्ष :—

(क) स्तम्भ 10 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
"सीधी भर्ती 75 %

नोट :—

रिक्तियाँ 10 % ग्रुप "ब" के उन कर्मचारियों (जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय के नियमित कर्मचारी)

द्वारा भरे जाने के लिए आरक्षित होगी जो निम्नलिखित शर्तों के अधीन अध्यधीन स्तम्भ 7 में विहित शर्तों को पूरा करते हों:—

(क) मामलों पर विचार करने के लिए अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए 50 वर्ष)

(ख) ग्रुप ड में कम से कम 5 वर्ष की सेवा अनिवार्य होगी। इस पद्धति द्वारा नियुक्त किए जाने वाले सीधी भर्ती के यथांश (कोटा) में व्यक्तियों की अधिकतम संख्या सहायक संकलनकर्ता के संबंध में साल में होने वाली रिक्तियों की 10 प्रतिशत तक सीमित होगी और बिना भरी गई रिक्तियों को दूसरे वर्ष में नहीं ले जाया जाएगा।

स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा 25%”

[सं० 3/13/77-प्रशा० I]

G.S.R. 1379.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Gujarat (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1973 namely:—

1. (1) These rules may be called the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Gujarat (Group C and Group D posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Gujarat (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1973,—

(1) against item 18 relating to the post of Assistant Compiler—

(a) in column 10 for the existing entries, the following shall be substituted, namely:—
“Direct recruitment 75 per cent

Note.—10 per cent of the vacancies shall be reserved for being filled up by Group D employees (borne on the regular establishment of the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations) who fulfil the conditions prescribed in column 7, subject to the following conditions:

(a) the maximum age limit for consideration would be 45 years (50 years for the Scheduled Castes/the Scheduled Tribes candidates).

(b) At least 5 years' service in Group D would be essential. The maximum number of recruits by this method would be limited to 10 per cent of the vacancies in the cadre of Assistant Compiler occurring in a year, against the direct recruitment quota, and unfilled vacancies would not be carried over.

Transfer, failing which by direct recruitment 25 per cent.”

[No. 3/13/77-Ad. I]

सा०का०वि० 1380—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय, मणिपुर (ग्रुप ग तथा ग्रुप ड पद) भर्ती नियम, 1974 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात:—

1. (1) इन नियमों का नाम मणिपुर में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय (ग्रुप ग तथा ग्रुप ड पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 होगा।

(2) ये नियम शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. मणिपुर में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय (ग्रुप ग और ग्रुप ड पद) भर्ती नियम, 1974 की अनुसूची में:—

(1) सहायक संकलनकर्ता के पद से संबंधित मद 14 के समक्ष:—

(क) स्तम्भ 10 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थात:—

“सीधे भर्ती 75 प्रतिशत

नोट:—

रिक्तियां 10 प्रतिशत ग्रुप “ड” के उन कर्मचारियों (जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय के नियमित कर्मचारी) द्वारा भरे जाने के लिए आरक्षित होगी जो निम्नलिखित शर्तों के अधीन अध्यधीन स्तम्भ 7 में विहित शर्तों को पूरा करते हों:—

(क) मामलों पर विचार करने के लिए अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए 50 वर्ष)

(ख) ग्रुप ड में कम से कम 5 वर्ष की सेवा अनिवार्य होगी। इस पद्धति द्वारा नियुक्त किए जाने वाले सीधी भर्ती के यथांश (कोटा) में व्यक्तियों की अधिकतम संख्या सहायक संकलनकर्ता के संबंध में साल में होने वाली रिक्तियों की 10 प्रतिशत तक सीमित होगी और बिना भरी गई रिक्तियों को दूसरे वर्ष में नहीं ले जाया जाएगा।

स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा 25%”

[सं० 3/13/77-प्रशा० I]

G.S.R. 1380.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Manipur (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1974 namely:—

1. (1) These rules may be called the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Manipur (Group C and Group D posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Manipur (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1974,—

(1) against item 14 relating to the post of Assistant Compiler—

(a) in column 10, for the existing entries, the following shall be substituted, namely:—

“Direct recruitment 75 per cent.

Note.—10 per cent of the vacancies shall be reserved for being filled up by Group D employees (borne on the regular establishment of the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations) who fulfil the conditions prescribed in column 7, subject to the following conditions:

(a) in column 10, for the existing entries, the following be 45 years (50 years for the Scheduled Castes/the Scheduled Tribes candidates).

(b) At least 5 years' service in Group D would be essential. The maximum number of recruits by this method would be limited to 10 per cent of the vacancies in the cadre of Assistant Compiler occurring in a year, against the direct recruitment quota, and unfilled vacancies would not be carried over.

Transfer, failing which by direct recruitment

25 per cent”.

[No. 3/13/77-Ad. I]

सांकांनि 1381—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय, मेघालय (ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद) भर्ती नियम 1973 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थातः—

1. (1) इन नियमों का नाम मेघालय में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय (ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 होगा।

(2) ये नियम शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. मेघालय में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय (ग्रुप ग और ग्रुप घ पद) भर्ती नियम, 1973 की अनुसूची में—

(1) सहायक संकलनकर्ता के पद से संबंधित मद 15 के समक्ष :—

(क) स्तम्भ 10 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थातः—
“सीधी भर्ती 75 प्रतिशत

नोटः—

रिक्तियां 10 प्रतिशत ग्रुप “घ” के उन कर्मचारियों (जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय के नियमित कर्मचारी) द्वारा भरे जाने के लिए आरक्षित होंगी जो निम्नलिखित शर्तों के अधीन उच्चधीन स्तम्भ 7 में विहित शर्तों को पूरा करते होंः—

(क) मामलों पर विचार करने के लिए अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए 50 वर्ष)

(ख) ग्रुप घ में कम से कम 5 वर्ष की सेवा अनिवार्य होगी। इस पद्धति द्वारा नियुक्त किए जाने वाले सीधी भर्ती के यथांश (कोटा) में व्यक्तियों की अधिकतम संख्या सहायक संकलनकर्ता के संवर्ग में साल में होने वाली रिक्तियों की 10 प्रतिशत तक सीमित होगी और बिना भरी गई रिक्तियों को दूसरे वर्ष में नहीं ले जाया जाएगा।

स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा 25%”

[सं० 3/13/77-प्रशा० I]

G.S.R. 1381.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Meghalaya (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1973, namely :—

1. (1) These rules may be called the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Meghalaya (Group C and Group D posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Meghalaya (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1973,—

(1) against item 15 relating to the post of Assistant Compiler—

(a) in column 10, for the existing entries, the following shall be substituted, namely :—

“Direct recruitment 75 per cent.

Note.—10 per cent of the vacancies shall be reserved for being filled up by Group D employees (borne on the regular establishment of the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations) who fulfil the conditions prescribed in column 7, subject to the following conditions :

(a) the maximum age limit for consideration would be 45 years (50 years for the Scheduled Castes/ the Scheduled Tribes candidates).

(b) At least 5 years' service in Group D would be essential. The maximum number of recruits by this method would be limited to 10 per cent of the vacancies in the cadre of Assistant Compiler occurring in a year, against the direct recruitment quota, and unfilled vacancies would not be carried over.

Transfer, failing which by direct recruitment 25 per cent”
[No. 3/13/77-Ad. I]

सांकांनि 1382—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, जनगणना कार्य निदेशक और जनगणना कार्यालय अधीक्षक का कार्यालय नागालैंड (ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद) भर्ती नियम, 1976 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थातः—

1. (1) इन नियमों का नाम नागालैंड में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय (ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 होगा।

(2) ये नियम शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. नागालैंड में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय (ग्रुप ग और ग्रुप घ पद) भर्ती नियम, 1976 की अनुसूची में—

(1) सहायक संकलनकर्ता के पद से संबंधित मद 9 के समक्षः—

(क) स्तम्भ 10 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थातः—
“सीधी भर्ती 75 प्रतिशत

नोटः—

रिक्तियां 10 प्रतिशत ग्रुप “घ” के उन कर्मचारियों (जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय के नियमित कर्मचारी) द्वारा भरे जाने के लिए आरक्षित होंगी जो निम्नलिखित शर्तों के अधीन उच्चधीन स्तम्भ 7 में विहित शर्तों को पूरा करते होंः—

(क) मामलों पर विचार करने के लिए अधिकतम आयु-सीमा 45 वर्ष (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए 50 वर्ष)

(ख) ग्रुप घ में कम से कम 5 वर्ष सेवा अनिवार्य होगी। इस पद्धति द्वारा नियुक्त किए जाने वाले सीधी भर्ती के यथांश (कोटा) में व्यक्तियों की अधिकतम संख्या सहायक संकलनकर्ता के संवर्ग में साल में होने वाली रिक्तियों की 10 प्रतिशत तक सीमित होगी और बिना भरी गई रिक्तियों को दूसरे वर्ष में नहीं ले जाया जाएगा।

स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा 25 प्रतिशत”

[सं० 3/13/77-प्रशा० I]

G.S.R. 1383.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Nagaland (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1976, namely :—

1. (1) These rules may be called the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Nagaland (Group C and Group D posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Nagaland (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1976,—

(1) against item 9 relating to the post of Assistant Compiler—

(a) in column 10, for the existing entries, the following shall be substituted, namely :—

"Direct recruitment 75 per cent.

Note.—10 per cent of the vacancies shall be reserved for being filled up by Group D employees (borne on the regular establishment of the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations) who fulfil the conditions prescribed in column 7, subject to the following conditions :

(a) the maximum age limit for consideration would be 45 years (50 years for the Scheduled Castes/ the Scheduled Tribes candidates).

(b) At least 5 years' service in Group D would be essential. The maximum number of recruits by this method would be limited to 10 per cent of the vacancies in the cadre of Assistant Compiler occurring in a year, against the direct recruitment quota, and unfilled vacancies would not be carried over.

Transfer, falling which by direct.

25 per cent."

[No. 3/13/77-Ad. I]

सां. क्र. नि. 1383—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय उड़ीसा (ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद) भर्ती नियम 1973 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम उड़ीसा में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय (ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद) भर्ती (संशोधन) नियम 1978 होगा।

(2) ये नियम शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उड़ीसा में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय (ग्रुप ग और ग्रुप घ पद) भर्ती नियम 1973 की अनुसूची में—

(1) सहायक संकलनकर्ता के पद से संबंधित मद 14 के समक्ष :—

(क) स्तम्भ 10 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थात् :—
"सीधी भर्ती" 75%

नोट :—

रिक्तियों 10% ग्रुप "घ" के उन कर्मचारियों (जनगणना कार्य निदेशक निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय के नियमित कर्मचारी) द्वारा भरे जाने के लिए आरक्षित होगी जो निम्नलिखित शर्तों के अधीन अधिष्ठान स्तम्भ 7 में विहित शर्तों को पूरा करते हों :—

(क) मामलों पर विचार करने के लिए अधिकतम आयु-सीमा 45 वर्ष (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए 50 वर्ष)

(ख) ग्रुप घ में कम से कम 5 वर्ष की सेवा अनिवार्य होगी। इस पदवी द्वारा नियुक्त किए जाने वाले सीधी भर्ती के यथांश (कोटा) में व्यक्तियों की अधिकतम सहायक संकलनकर्ता के स्वर्ग में साल में होने वाली रिक्तियों की 10% तक सीमित होगी और बिना भरी गई रिक्तियों को दूसरे वर्ष में नहीं ले जाया जाएगा।

स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा 25%

[सं. 3/13/77-प्रशा. I]

G.S.R. 1382.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Orissa (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1973, namely :—

1. (1) These rules may be called the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Orissa (Group C and Group D posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Orissa (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1973,—

(1) against item 14 relating to the post of Assistant Compiler—

(a) in column 10, for the existing entries, the following shall be substituted, namely :—

"Direct recruitment 75 per cent.

Note.—10 per cent of the vacancies shall be reserved for being filled up by Group D employees (borne on the regular establishment of the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations) who fulfil the conditions prescribed in column 7, subject to the following conditions :

(a) the maximum age limit for consideration would be 45 years (50 years for the Scheduled Castes/ the Scheduled Tribes candidates).

(b) At least 5 years' service in Group D would be essential. The maximum number of recruits by this method would be limited to 10 per cent of the vacancies in the cadre of Assistant Compiler occurring in a year, against the direct recruitment quota, and unfilled vacancies would not be carried over.

Transfer, falling which by direct

recruitment

25 per cent"

[No. 3/13/77-Ad. I]

सा० का० वि० 1384—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय पंजाब (ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद) भर्ती नियम 1973 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम पंजाब में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय (ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद) भर्ती (संशोधन) नियम 1978 होगा।

(2) ये नियम शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2 पंजाब में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय (ग्रुप ग और ग्रुप घ पद) भर्ती नियम 1973 की अनुसूची में :—

(1) सहायक संकलनकर्ता के पद से संबंधित मद 19 के समक्ष :—

(क) स्तम्भ 10 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थात्—
“सीधी भर्ती” 75%

नोट :—

रिक्तियाँ 10% ग्रुप “ब” के उन कर्मचारियों (जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय के नियमित कर्मचारियों) द्वारा भरे जाने के लिए आरक्षित होंगी जो निम्नलिखित शर्तों के अधीन अग्रणीन स्तम्भ 7 में विहित शर्तों को पूरा करते हों :—

(क) मामलों पर विचार करने के लिए अधिकतम आयु-सीमा 45 वर्ष (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए 50 वर्ष)

(ख) ग्रुप घ में कम से कम 5 वर्ष की सेवा अनिवार्य होगी। इस पद्धति द्वारा नियुक्त किए जाने वाले सीधी भर्ती के यथांश (कोटा) में व्यक्तियों की अधिकतम संख्या सहायक संकलनकर्ता के संबंध में साल में होने वाली रिक्तियों की 10% तक सीमित होगी और बिना भरी गई रिक्तियों को दूसरे वर्ष में नहीं भे जाया जाएगा। स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा 25%

[सं० 3/13/77-प्रशा० I]

G.S.R. 1384.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Punjab (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1973, namely :—z

1. (1) These rules may be called the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Punjab (Group C and Group D Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Punjab (Group C and Group D Posts) Recruitment Rules, 1973,—

(1) against item 19 relating to the post of Assistant Com-
piler—

(a) in column 10, for the existing entries, the following shall be substituted, namely :—

“Direct recruitment 75 per cent.

Note :

10 per cent of the vacancies shall be reserved for being filled up by Group D employees (borne on the regular establishment of the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations) who fulfil the conditions prescribed in column 7, subject to the following conditions :

(a) the maximum age limit for consideration would be 45 years (50 years for the Scheduled Castes/the Scheduled Tribes candidates).

(b) At least 5 years' service in Group D would be essential. The maximum number of recruits by this method would be limited to 10 per cent of the vacancies in the cadre of Assistant Compiler occurring in a year, against the direct recruitment quota, and unfilled vacancies would not be carried over.

Transfer, failing which by direct recruitment 25 per cent”.

[No. 3/13/77-Ad. I]

सा० का० वि० 1385—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय राजस्थान (ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद) भर्ती नियम 1974 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम राजस्थान में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय (ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद) भर्ती (संशोधन) नियम 1978 होगा।

(2) ये नियम शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. राजस्थान में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय (ग्रुप ग और ग्रुप घ पद) भर्ती नियम 1974 की अनुसूची में :—

(1) सहायक संकलनकर्ता के पद से संबंधित मद 16 के समक्ष :—

(क) स्तम्भ 10 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
“सीधी भर्ती” 75%

नोट :—

रिक्तियाँ 10% ग्रुप “ब” के उन कर्मचारियों (जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय के नियमित कर्मचारियों) द्वारा भरे जाने के लिए आरक्षित होंगी जो निम्नलिखित शर्तों के अधीन अग्रणीन स्तम्भ 7 में विहित शर्तों को पूरा करते हों :—

(क) मामलों पर विचार करने के लिए अधिकतम आयु-सीमा 45 वर्ष (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए 50 वर्ष)

(ख) ग्रुप घ में कम से कम 5 वर्ष की सेवा अनिवार्य होगी। इस पद्धति द्वारा नियुक्त किए जाने वाले सीधी भर्ती के यथांश (कोटा) में व्यक्तियों की अधिकतम संख्या सहायक संकलनकर्ता के संबंध में साल में होने वाली रिक्तियों की 10% तक सीमित होगी और बिना भरी गई रिक्तियों को दूसरे वर्ष में नहीं भे जाया जाएगा।

स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा 25%

[सं० 3/13/77-प्रशा० II]

G.S.R. 1385.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Rajasthan (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1974, namely :—

(1) against item 16 relating to the post of Assistant Compiler of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Rajasthan (Group C and Group D Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Rajasthan (Group C and Group D Posts) Recruitment Rules, 1974,—

(1) against item 16 relating to the post of Assistant Compiler—

(a) in column 10, for the existing entries, the following shall be substituted, namely :—

“Direct recruitment 75 per cent.

Note :

10 per cent of the vacancies shall be reserved for being filled up by Group D employees (borne on the regular establishment of the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations) who fulfil the conditions prescribed in column 7, subject to the following conditions :

(a) the maximum age limit for consideration would be 45 years (50 years for the Scheduled Castes/the Scheduled Tribes candidates).

(b) At least 5 years' service in Group D would be essential. The maximum number of recruits by this method would be limited to 10 per cent of the vacancies in the cadre of Assistant Compiler occurring in a year, against the direct recruitment quota, and unfilled vacancies would not be carried over.

Transfer, failing which by direct recruitment 25 per cent.”

[No. 3/13/77-Ad. I]

• सां. कां. निं. 1386—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय त्रिपुरा (ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद) भर्ती नियम 1973 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम त्रिपुरा में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक का कार्यालय (ग्रुप ग तथा ग्रुप घ पद) भर्ती (संशोधन) नियम 1973 होगा।

(2) ये नियम शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. त्रिपुरा में जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना अधीक्षक के कार्यालय (ग्रुप ग और ग्रुप घ पद) भर्ती नियम 1973 की अनुसूची में :—

(1) सहायक संकलनकर्ता के पद से सम्बन्धित मद 15 के समक्ष :—

(क) स्तम्भ 10 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थात् :—
“सीधी भर्ती” 75%

नोट :—

रिक्तियाँ 10% ग्रुप “घ” के उन कर्मचारियों (जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक के कार्यालय के नियमित कर्मचारी) द्वारा भरे जाने के लिए आरक्षित होंगी जो निम्नलिखित शर्तों के अधीन अद्यतन स्तम्भ 7 में विहित शर्तों को पूरा करते हों :—

(क) मामलों पर विचार करने के लिए अधिकतम आयु-सीमा 45 वर्ष (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए 50 वर्ष)

(ख) ग्रुप घ में कम से कम 5 वर्ष की सेवा अनिवार्य होगी। इस पद्धति द्वारा नियुक्त किए जाने वाले सीधी भर्ती के यथांश (कोटा) में व्यक्तियों की अधिकतम संख्या सहायक संकलनकर्ता के संवर्ग में साल में होने वाली रिक्तियों की 10% तक सीमित होगी और बिना भरी गई रिक्तियों को दूसरे वर्ष में नहीं ले जाया जाएगा।

स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा 25%

[सं. 3/13/77-प्रशा. 1]

पी. पद्मनाभ भारत के महापंजीकार

G.S.R. 1386.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Tripura (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1973, namely :—

1. (1) These rules may be called the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Tripura (Group C and Group D posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations Tripura (Group C and Group D posts) Recruitment Rules, 1973†

(1) against item 15 relating to the post of Assistant Compiler—

(a) in column 10, for the existing entries, the following shall be substituted, namely :—

“Direct recruitment 75 per cent.

Note : 10 per cent of the vacancies shall be reserved for being filled up by Group D employees (borne on the regular establishment of the Office of the Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations) who fulfil the conditions prescribed in column 7, subject to the following conditions :

(a) the maximum age limit for consideration would be 45 years (50 years for the Scheduled Castes/the Scheduled Tribes candidates).

(b) At least 5 years' service in Group D would be essential. The maximum number of recruits by this method would be limited to 10 per cent of the vacancies in the cadre of Assistant Compiler occurring in a year, against the direct recruitment quota, and unfilled vacancies would not be carried over.

Transfer, failing which by direct recruitment 25 per cent”

[No. 3/13/77-Ad. I]

P. PADMANABHA, Registrar General, India

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 13 नवम्बर, 1978

सां.कां.निं. 1387—भारत के दिनांक 13 जुलाई, 1978 के अधिसूचना राजपत्र के भाग II खण्ड 3 उप-खण्ड (i) में सां. कां. निं. 359 (ई) के अधीन प्रकाशित भारतीय वन सेवा (भर्ती) नियम, 1966 के संशोधन से संबंधित इस विभाग की दिनांक 13 जुलाई, 1978 की अधिसूचना संख्या 16013/1/78 आ. भा. से. (4) के पैरा 2 में दिए गए 'उप-नियम (5)' के स्थान पर 'उप-नियम (4)' तथा अंक '(6)' के स्थान पर अंक '(5)' पढ़ें।

[संख्या 16013/1/78-आ. भा. से. (4)]

आर. एल. अग्रवाल, अवर सचिव

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 13th November, 1978

CORRIGENDUM

G.S.R. 1387.—Please read "sub-rule (4)" for "sub-rule (5)" and figure '(5)' for figure '(6)' appearing in para 2 of this Department's Notification No. 16013/1/78-AIS (IV) dated the 13th July, 1978, regarding amendment of Indian Forest Service (Recruitment) Rules, 1966, published under G.S.R. 359(E) in part II Section 3 sub-section (i) of Gazette of India Extraordinary dated the 13th July, 1978.

[No. 16013/1/78-AIS (IV)]

R. L. AGGARWAL, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

नई दिल्ली, 25 नवम्बर, 1978

सां. भा. निं. 1388.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं. 68/71-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 29 मई, 1971 और सं. 39/73-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1973 में निम्नलिखित संशोधन और करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में अंत में, निम्नलिखित स्पष्टीकरण अतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"स्पष्टीकरण:— इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए—

(1) प्लास्टिक की किसी चीज के संबंध में 'फ्लेक्सिबल' शब्द से वह वस्तु अभिप्रेत है जिसको प्लास्टिक की कठोरता (ए.एस.टी.एम अधिधान डी-474-63) के लिए, प्लास्टिक के आनमन गुणों (ए.एस.टी.एम अधिधान डी-790-63) के लिए, या प्लास्टिक के तनाव गुणों (ए.एस.टी.एम अधिधान डी-638-64 टी) के लिए, या पतली प्लास्टिक की चादरों के तनाव गुणों (ए.एस.टी.एम डी-882-64 टी) के परीक्षण की प्रवृत्ति के अनुसार 23 डिग्री सेन्टीग्रेड और 50 प्रतिशत सापेक्ष आर्द्रता पर परीक्षण किए जाने पर आनमन या तनाव में प्रतिवर्ग सेन्टीमीटर 700 किलोग्राम से अधिक लचीलापन सापेक्ष हो;

(2) प्लास्टिक से किसी चीज के संबंध में 'कठोर' शब्द से खण्ड (i) में 4वां परिभाषित 'फ्लेक्सिबल' चीजों से भिन्न सभी चीजें अभिप्रेत हैं।"

[सं. 198/78-फा. सं. 93/31/77-के. उ. शु. 0-3]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 25th November, 1978

CENTRAL EXCISES

G.S.R. 1388.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendments to the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 68/71-Central Excises, dated the 29th May, 1971, and No. 39/73-Central Excises dated the 1st March, 1973, namely:—

In the said notifications, the following explanation shall be inserted at the end, namely:—

"Explanation:—For the purposes of this notification—

(i) the expression "flexible", in relation to an article made of plastics, means the article which has a modulus of elasticity either in flexure or in tension of not over 700 kilograms per square centimeter at 23 degrees centigrade and 50 per cent relative humidity when tested in accordance with the method of test for stiffness of plastics (ASTM Designation D-474-63), for flexural properties of plastics (ASTM Designation D-790-63), for Tensile properties of plastics (ASTM Designation D-638-64T), or for Tensile properties of Thin plastic sheeting (ASTM Designation D-882-64T);

(ii) the expression "rigid", in relation to an article made of plastic, means all articles other than 'flexible' articles as defined in clause (i)."

[No. 198/78/F. No. 93/11/77-CX. 3]

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सां. भा. निं. 1389.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 उपनियम (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं. 72/71 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 29 मई, 1971 और सं. 75/71 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 29 मई, 1971 में निम्नलिखित संशोधन और करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, अंत में निम्नलिखित स्पष्टीकरण अतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"स्पष्टीकरण— इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, "फ्लेक्सिबल" शब्द का वही अर्थ होगा, जो अधिसूचना सं. 68/71 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 29 मई, 1971 में उसका है।"

[सं. 200/78 फा. सं. 93/11/77-के. उ. शु. 0-3]

CENTRAL EXCISES

G.S.R. 1389.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of the rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment to the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 72/71-Central Excises, dated the 29th May, 1971, and No. 75/71-Central Excises, dated the 29th May, 1971, namely:—

In the said notifications, the following explanation shall be inserted at the end, namely:—

"Explanation—For the purposes of this notification, the expression "flexible" has the meaning assigned to it in the Explanation to notification No. 68/71-Central Excises, dated the 29th May, 1971."

[No. 200/78—F. No. 93/11/77-CX. 3.]

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सां. भा. निं. 1390.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की

अधिसूचना सं० 70/71 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 29 मई, 1971
और सं० 71/71 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 29 मई, 1971 में निम्न-
लिखित संशोधन और करती है, अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना में, अंत में निम्नलिखित स्पष्टीकरण अन्तः स्थापित
किया जाएगा, अर्थात् :-

“स्पष्टीकरण—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, “कठोर” शब्द का
वही अर्थ होगा, जो अधिसूचना सं० 68/71 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख
29 मई, 1971 में उसका है।”

[सं० 199/78 के० उ० शु०/फा० सं० 93/11/77 के० उ० शु०]
एन० वी० राघवन अय्यर, उप सचिव

CENTRAL EXCISES

G.S.R. 1390.—In exercise of the powers conferred by sub-
rule (1) of rule 8 of the Central Excises Rules, 1944, the
Central Government hereby makes the following further
amendment to the notifications of the Government of India
in the Ministry of Finance (Department of Revenue and
Insurance) No. 70/71-Central Excises, dated the 29th May,
1971, namely :—

In the said notifications, the following explanation shall be
inserted at the end, namely :—

“Explanation—For the purposes of this notification,
‘rigid’ has the meaning assigned to it in the Ex-
planation to notification No. 68/71-Central Excises,
dated the 29th May, 1971.”

[No. 199/78-CE/F. No. 93/11/77-CE. 3]
N. V. RAGHAVAN IYER, Dy. Secy.

वाणिज्यिक जानकारी तथा अंकसंकलन महानिदेशालय

कलकत्ता, 7 नवम्बर, 1978

सा० का० नि० 1391:—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक के द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में राष्ट्रपति, वाणिज्यिक जानकारी तथा अंकसंकलन के महा-
निदेशक के कार्यालय के (वर्ग ‘डी’ पद) भर्ती नियम, 1976 को संशोधित करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं; नामतः :-

1. इन नियमों को वाणिज्यिक जानकारी तथा अंकसंकलन के महानिदेशक के कार्यालय के (वर्ग ‘डी’ पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 कहा जाये।
2. वाणिज्यिक जानकारी तथा अंकसंकलन के महानिदेशक के कार्यालय के (वर्ग ‘डी’ पद) पद भर्ती नियम, 1976 (जिन्हें इसके बाद उक्त नियम कहा जायेगा) के नियम 4 के बाद, निम्नलिखित सचीन नियम का अन्तर्वेशन किया जायेगा;

“4अ. अपरासी के रूप में नियुक्त व्यक्तियों का गृहक्षी के रूप में प्रशिक्षण लेने का वायित्व।

इन नियमों में कोई भी बात रहने के बावजूद, इन नियमों के अंतर्गत अपरासी के रूप में नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति को, तीन वर्ष की अवधि के लिए गृहक्षी के रूप में प्रशिक्षण लेना पड़ेगा,

बशर्ते कि गृहक्षियों के महाकमान्डेंट, प्रशिक्षण की अवधि के दौरान, किसी व्यक्ति के द्वारा किए गए काम तथा उपलब्ध प्रशिक्षण के स्तर को देखते हुए, अवधि को घटाकर दो वर्ष कर दें।

3. उक्त नियमों की अनुसूची में, “भाडूकरा” के पद से सम्बन्धित सब 8 तथा उससे संबंधित प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित सब तथा प्रविष्टियां निविष्ट की जायेगी, नामतः :-

1	2	3	4	5	6	7
6. रात का पहरेदार	2	सामान्य केन्द्रीय सेवाएं वर्ग डी वफ्तरी भ्रमला भराजपत्रित	सं० 196-3-220-ब० रो०-3-232.	प्रयोजनीय नहीं है	18-25 वर्षों के बीच (सरकारी कर्मचा- रियों के लिए 35 वर्ष तक की रियायत)	मिडिल स्कूल स्तर उत्तीर्ण
8	9	10	11	12	13	
प्रयोजनीय नहीं है	दो वर्ष	सीधी भर्ती	प्रयोजनीय नहीं है	वर्ग ‘डी’ विभागीय पदोन्नति समिति :		
				1. वाणिज्यिक जानकारी तथा अंकसंकलन के महा- निदेशक के कार्यालय, कलकत्ता, से वरिष्ठ, उपमहानिदेशक (वा० जा०) —अध्यक्ष।		
				2. वाणिज्यिक जानकारी तथा अंकसंकलन के महा- निदेशक के कार्यालय, कलकत्ता से उपमहा- निदेशक (प्रशासन)		
				—सदस्य-सचिव।		

8	9	10	11	12	13
				3. राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन, कलकत्ता से सहनिदेशक—सदस्य	
				4. द्राणिज्यिक जानकारी तथा प्रकसकलन के महा-निदेशक के कार्यालय, कलकत्ता, से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन-जाति के लिए सम्पर्क अधिकारी—सदस्य ।	
[जी० एस० न्यू० सं० एस्ट—I/5(1)/78/7805]					
श्री० ए० नायर, महानिदेशक					

DIRECTORATE GENERAL OF COMMERCIAL INTELLIGENCE AND STATISTICS

Calcutta, the 7th November, 1978

G.S.R. 1391.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the office of the Director General of Commercial Intelligence and Statistics (Group 'D' posts) Recruitment Rules, 1976, namely :—

1. These rules may be called the office of the Director General of Commercial Intelligence and Statistics (Group 'D' posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

2. After rule 4 of the office of the Director General of Commercial Intelligence and Statistics (Group 'D' posts) Recruitment Rules, 1976 (hereinafter referred to as the said rules) the following new rule shall be inserted, namely :—

"4A Liability of persons appointed as Peons to undergo training as Home Guards.—Notwithstanding anything contained in these rules, every person appointed as a peon under these rules shall undergo training as a Home Guard for a period of three years; Provided that the Commandant General, Home Guards may, having regard to the performance of and standard of training achieved by any person during the period of training, reduce such period to two years".

3. In the Schedule to the said rules after item 5 relating to the post of 'Sweeper' and the entries relating thereto the following item and entries shall be inserted, namely :—

1	2	3	4	5	6	7
6. Night Watchman	2	General Central Services Group 'D' Ministerial (Non-Gazetted).	Rs. 196-3-220-EB-3-232.	Not applicable	Between 18--25 years (Relaxable upto 35 years in case of Government servants).	Middle School Standard Pass
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	Two years	Direct Recruitment	Not applicable	Group 'D' Departmental Promotion Committee : 1. Senior Deputy Director General (Commercial Intelligence) from the Office of the Director General of Commercial Intelligence and Statistics, Calcutta—Chairman. 2. Deputy Director General (Admn.) from the Office of the Director General of Commercial Intelligence and Statistics, Calcutta—Member-Secretary. 3. Assistant Director from the National Samples Survey Organisation, Calcutta—Member. 4. Liaison Officer for Scheduled Caste/Scheduled Tribe from the Office of the Director General of Commercial Intelligence and Statistics, Calcutta.—Member	Not applicable	

[G.S. Q. No. Estt. 1/5(1)78/7805]

B. N. NAIR, Director General

MINISTRY OF INDUSTRY

New Delhi, the 9th November, 1978

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 30th October, 1978

CENTRAL BOILERS BOARD

G.S.R. 1392.—Whereas certain regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950 were published as required by sub-section (1) of section 31 of the Indian Boiler Act, 1923 (5 of 1923) at page 10 of the Gazette of India, Part II-Section 3-Sub-Section (i), dated the 7th January, 1978 under the notification of the Government of India in the Ministry of Industry, Department of Industrial Development (Central Boilers Board) No. G.S.R. 13 dated the 13th December, 1977 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the 10th April, 1978.

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 10th January, 1978;

And whereas no objections or suggestions have been received;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 28 of the Indian Boiler Act, 1923 (5 of 1923), the Central Boilers Board hereby makes the following regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Indian Boiler (Sixth Amendment) Regulations, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Boiler Regulations, 1950, in Appendix 'K', in the list of "Well known Forges," the following shall be added at the end, namely :—

"21. M/s. Echjay Steels,
Lalpari Lake Road,
Rajkot-360003."

[F. No. 8(26)/76-Boilers]

G.S.R. 1393.—Whereas certain regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950 were published as required by sub-section (1) of section 31 of the Indian Boiler Act, 1923 (5 of 1923) at page 3172-73 of the Gazette of India, Part II—Section 3-Sub-Section (i), dated the 12th November, 1977 under the notification of the Government of India in the Ministry of Industry, Department of Industrial Development (Central Boilers Board), No. G.S.R. 1545 dated the 18th October, 1977 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the 12th February, 1978.

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 14th November, 1977 ;

And whereas no objections or suggestions have been received ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 28 of the Indian Boiler Act, 1923 (5 of 1923), the Central Boilers Board hereby makes the following regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Indian Boiler (Seventh Amendment) Regulations, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Boiler Regulations, 1950, in the list of "Well Known Foundries" in Appendix 'K' the following entry shall be added at the end, namely :—

"24. M/s. Burn & Company Limited Howrah Iron Works 20, 21, 22, Nityidhan Mukherjee Road, Howrah-1, West Bengal."

[F. No. 8(17)/76-Boilers.]

S. C. DEY, Secy.

इस्पात और खान मंत्रालय

(लोहा तथा इस्पात नियंत्रण)

कलकत्ता, 7 नवम्बर, 1978

सा० का० नि० 1394:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस्पात विभाग के अधीन लोहा और इस्पात नियंत्रक कार्यालय, कलकत्ता में कनिष्ठ आशुलिपिक के रूप 'सी' पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम एतद् द्वारा बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(क) इन नियमों का नाम लोहा और इस्पात नियंत्रण रूप 'सी' पद भर्ती नियम, 1977 होगा।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उपरोक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उससे संलग्न वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से संलग्न अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएं:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं तथा उससे सम्बन्धित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निहर्ताएं:—वह व्यक्ति, (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. ध्यावृत्ति:—इन नियमों में कोई भी बात, इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों और व्यक्तियों के अन्य विशेष प्रवर्गों के लिए उपबन्ध करने के लिए अपेक्षित आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेगी।

अनुसूची

पद का नाम	पद की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अथवा अथवा सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए प्रायः	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6
कनिष्ठ आशुलिपिक	2	सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप 'सी' अराजपक्षित लिपिक-वर्गीय।	र० 330-10-380-- र० री०-12-500- र० री०-15-560	लागू नहीं होता	18 से 25 वर्ष की बीच (1) किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय अथवा बोर्ड से मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा पास हो। (2) आशुलिपिक तथा टंकण में क्रमशः 100 शब्द तथा 40 शब्द प्रति मिनट की गति हो।
सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए बिहित प्रायः और शैक्षिक अर्हताएं पदोन्नति की वृत्ति में लागू होगी या नहीं।	परिवीक्षा की काला	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधी होगी या पदोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिपात।	पदोन्नति अथवा प्रतिनियुक्ति अथवा यदि विभागीय पदोन्नति समिति भर्ती करने में कि न है तो उसकी संरचना दशा में वे श्रेणियां जिनसे पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।	परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।	
8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	दो वर्ष	स्थानान्तरण द्वारा	लोहा और इस्पात नियंत्रण कार्यालय के निम्न श्रेणी लिपिकों, जिन्होंने इस ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो तथा जो स्तंभ 7 में निर्धारित की गई अर्हताएं पूरी करते हों, का आशुलिपिक तथा टंकण में परीक्षा के माध्यम से अयन किया जाएगा अथवा इसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा अयन किया जाएगा।	लोहा और इस्पात नियंत्रक लागू नहीं होता। —अध्यक्ष लोहा और इस्पात संयुक्त नियंत्रक—सदस्य मूल्य व लेखा अधिकारी —सदस्य लोहा और इस्पात उप नियंत्रक (प्रशासन)— सदस्य सचिव।	

[सं० ई० आई०-2(4)/75]

एस० एन० विश्वास, संयुक्त नियंत्रक।

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Iron & Steel Control)

Calcutta, the 7th November, 1978

G.S.R. 1394.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment of the Group-C posts of Junior Stenographer in the office of the Iron and Steel Controller, Calcutta under the Department of Steel, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Iron & Steel Control Group-C posts Recruitment rules, 1977

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualifications.—No person,

(a) who has entered into, or contracted, a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with person,

shall be eligible for appointment to the said posts.

Provided that the Central Government, may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age for direct recruitment	Education and other qualifications required for direct recruitment
1	2	3	4	5	6	7
Junior Stenographer	7	General Central Service Group C, Non-Gazetted Ministerial	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.	Not applicable	Between 18--25 years	(1) Matric or equivalent examination of a recognised University or Board (2) Speed of 100 words per minute in Short-hand and 40 words per minut in typewriting.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of Probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percontago of vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer grades from which promotion, deputation or transfer to be made	If a Departmental Pro-motion Committee exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	Two years	By transfer	By Selection through a test in stenography and type-writing from amongst Lower Division Clerks of the office of the Iron & Steel Controller, who have put in at least 3 years' service in the grade and possess qualifications prescribed in column 7, failing which by direct recruitment	Iron & Steel Controller—Chairman. Joint Iron and Steel Controller and Price and Accounts Officer—Members. Deputy Iron and Steel Controller (Amdn.) —Member Secretary.	Not applicable.	

[No. EI-2(4)/75]

S. N. BISWAS, Jt. Controller

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

नई दिल्ली, 20, नवम्बर, 1978

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Mines)

New Delhi, the 20th November, 1978

सं० का० नि० 1395:—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति द्वारा, भारतीय खान ब्यूरो (श्रेणी-लिपिकवर्गीय पद) भर्ती नियम, 1965 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद् द्वारा निम्नलिखित नियम बनाए जाते हैं:—

- (1) ये नियम भारतीय खान ब्यूरो (श्रेणी-3 लिपिकवर्गीय पद) भर्ती (द्वितीय संशोधन) नियम 1978 कहलाएंगे।
- (2) ये नियम शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से लागू माने जाएंगे।
- भारतीय खान ब्यूरो (श्रेणी-3 लिपिकवर्गीय पद) भर्ती नियम, 1965 में नियम 3 के अंतर्गत उप नियम (3) के बाद निम्नलिखित उप-नियम जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—

“(4) निम्न श्रेणी लिपिक पदों के भर्ती नियमों वाली अनुसूची में किसी बात के होते हुए भी भारतीय खान ब्यूरो में इस समय काम कर रहे टेलीफोन ऑपरेटरों को निम्न श्रेणी लिपिकों के कांडर में सम्मिलित कर लिया जाएगा यद्यपि कि वे निम्न श्रेणी लिपिक के पद की आवश्यकता अर्हताएँ रखते हों।”

[फा० सं० ए-11019/9/77-खान-6]

मनमोहन बखशी, अवर सचिव

S.G.R. 1395.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Indian Bureau of Mines (Class III Ministerial Posts) Recruitment Rules, 1965.

- (1) These rules may be called the Indian Bureau of Mines (Class III Ministerial Posts) Recruitment (Second Amendment) Rules, 1978.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Bureau of Mines (Class III Ministerial Posts) Recruitment Rules, 1965, in rule 3, after sub-rule (3), the following sub-rule shall be inserted, namely:—

“(4) Notwithstanding anything contained in the Schedule containing the Recruitment Rules for the posts of Lower Division Clerk, Telephone Operators, now working in the Indian Bureau of Mines would be inducted in the cadre of Lower Division Clerk provided they fulfil the requisite qualifications for the post of Lower Division Clerk.”

[F. No. A-11019/9/77-M-VI]

M. M. BAKSHI, Under Secy.

स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1978

सं० का० नि० 1396:—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्द्वारा होम्योपैथिक भेषज संहिता प्रयोगशाला गाजियाबाद (समूह 'क' तकनीकी पद) भर्ती नियम, 1977 को संशोधित करने के लिए निम्नलिखित और नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- (1) इन नियमों का नाम होम्योपैथिक भेषज संहिता प्रयोगशाला, गाजियाबाद (समूह 'क' तकनीकी पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 है।
- (2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- होम्योपैथिक भेषज संहिता प्रयोगशाला, गाजियाबाद (समूह 'क' तकनीकी पद) भर्ती नियमावली, 1977 में:—
- (1) प्रस्तावना में वर्तमान प्रविष्टि “और (2) वैज्ञानिक अधिकारी (भेषजगुण विज्ञान)” के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—
- “(2) वैज्ञानिक अधिकारी (भेषजगुण विज्ञान) और (3) वैज्ञानिक अधिकारी (सूक्ष्म जीव विज्ञान)”
- (2) अनुसूची में मद '2' के बाद और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित मद और प्रविष्टियाँ रखी जाएँ, अर्थात्:—

अनुसूची

पदनाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	क्या सेलेक्शन पद सीधी भर्ती के लिए अथवा गैर-सेले- ब्रेशन पद आयु सीमा	सीधी भर्ती के लिए अपेक्षित तथा अन्य अर्हताएँ
1	2	3	4	5	6
3. वैज्ञानिक अधि-कारी (सूक्ष्म जीव विज्ञान)	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह 'क' राजपत्रित।	700-40-900-ब०रो०-40-1100-50-1300 रुपये	लागू नहीं होता	25 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी कर्मचारियों के लिए शिथिलता) टिप्पणी:—आयु सीमा निश्चित करने की निर्णायक तारीख
					प्रतिवार्य: (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से सूक्ष्मजीव विज्ञान/जीव विज्ञान में एम० एस० सी० डिग्री अथवा समतुल्य अर्हता।

1	2	3	4	5	6	7
					भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से भावेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी (उनसे भिन्न जो अण्डमान और निकोबार तथा लक्षद्वीप में रहते हैं)	(2) रोग निदान के संबंध में उपयोग किए जाने वाले सूक्ष्म जीव विज्ञान संबंधी अभ्यवनों सूक्ष्म जीव विज्ञान संबंधी उत्पादों के सानकीकरण में तीन वर्ष का अनुभव ।
						टिप्पणी 1. अन्यथा सुयोग्य उम्मीदवारों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग के विवेक पर ग्रहंताएं शिथिलनीय हैं ।
						टिप्पणी 2. यदि चयन की किसी अवस्था में संघ लोक सेवा आयोग की यह राय हो कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों के लिए भारक्षित रिक्तियों को भरने हेतु अपेक्षित अनुभव रखने वाले इन समुदायों के उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे तो इन जातियों के उम्मीदवारों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग के विवेक पर अनुभव संबंधी ग्रहंता/ग्रहंताएं शिथिलनीय हैं/हैं ।
						शांछनीय : संबंधित विषय में डॉक्टोरेट डियरी ।
क्या पदोन्नति से रखे जाने वाले उम्मीदवारों के मामले में सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के निर्धारित आयु और शैक्षिक ग्रहंताएं लागू होंगी ।	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो ।	भर्ती का तरीका, सीधी भर्ती द्वारा या पदोन्नति के द्वारा अवस्था - नान्तरण के द्वारा तथा विभिन्न तरीकों द्वारा भरे जाने वाले पदों की प्रतिभासता ।	पदोन्नति या प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण के द्वारा भर्ती के मामले में वे प्रेक्ष जिनसे पदोन्नति या प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण किया जाना है ।	यदि विभागीय पदोन्नति समिति है तो उसका क्या गठन है ।	परिस्थितियां जिनमें भर्ती के लिए [संघीय लोक सेवा आयोग से परामर्श लिया जाता है।	
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	समूह 'क' प्रोन्नति समिति : (पुष्टिकरण पर विचार करने के लिए) 1. संयुक्त सचिव—अध्यक्ष (होम्योपैथी का कार्य देखने वाले) ; 2. सलाहकार—सदस्य (होम्योपैथी) 3. उप सचिव—सदस्य (होम्योपैथी प्रभाग)	सीधी भर्ती के समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श सेना आवश्यक है ।	

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

New Delhi, the 18th October, 1978

G.S.R. 1396.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Homoeopathic Pharmacopocial Laboratory, Ghaziabad (Group 'A' Technical Posts) Recruitment Rules, 1977, namely :—

1. (1) These rules may be called the Homoeopathic Pharmacopocial Laboratory, Ghaziabad (Group 'A' Technical Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Homoeopathic Pharmacopocial Laboratory, Ghaziabad (Group 'A' Technical Posts) Recruitment Rules, 1977 :—

- (1) In the preamble, for the existing entry "and (ii) Scientific Officer (Pharmacology)", the following entry shall be substituted, namely :—

"(ii) Scientific Officer (Pharmacology and (iii) Scientific Officer (Microbiology))."

- (2) In the Schedule, after item 2 and the entries relating thereto, the following item and entries thereof shall be inserted, namely :—

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or Non-Selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
3. Scientific Officer (Microbiology)	1	General Central Service Group 'A' Gazetted.	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.	Not applicable	Not exceeding 35 years. (Relaxable for Government servants) Note :— The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of application from candidates in India (Other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep.	Essential : (i) M.Sc Degree in Microbiology, Bacteriology of a recognised University or equivalent. (ii) Three years' experience in Microbiological studies/standardisation of Microbiological products used clinically. Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the U.P.S.C. in case of candidates otherwise well qualified. Note 2 : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the U.P.S.C. in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if at any stage of selection, the U.P.S.C. of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available for fill up the vacancies reserved for them. Desirable : Doctorate Degree in the subject concerned.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of Probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a DPC exists, what is its composition.	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
8	9	10	11	12	13
Not applicable	Two years	By direct recruitment	Not applicable	Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering confirmation). 1. Joint Secretary (dealing with Homoeopathy) —Chairman. 2. Adviser (Homoeopathy) —Member. 2. Deputy Secretary (Homoeopathy Division) —Member.	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment.

[A-12018/1/77-Homoeo.]

J.C. DASS, Desk Officer.

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1978

सं० का० वि० 1397. —राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के पन्थुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कृषि और मिर्चाई मंत्रालय, कृषि विभाग, अर्थ एवं मांछिकी निदेशालय में गेस्टेटर पर्यवेक्षक के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम अर्थ एवं मांछिकी निदेशालय गेस्टेटर पर्यवेक्षक भर्ती नियम, 1978 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, उसका वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हों।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं, आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं :—यह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति के विवाह पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए, किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू राष्ट्रीय विधि के अधीन अनुद्ध्य है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रयत्न से छूट दे सकेगी।

5. नियम शिथिल करने की शक्ति :—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहां, वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को, किसी वर्ष या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों की बाबत आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्याप्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षण आयु सीमा संबंधी छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों का संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
गेस्टेटर पर्यवेक्षक	एक	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह ग, अराजपत्रित अलिपिकीय	330-10-380-ब०रो० -12-300-द०रो०- 15-560 रु०	अचयन	30 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 35 वर्ष तक की जा सकती है) टिप्पणी : आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्याधियों से (उनसे भिन्न जो अन्धमास और निकोबार समूह तथा लक्ष्य द्वीप में रहते हैं) आशेषन प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी। जिन पदों को रोज-गार कार्यालयों के माध्यम से भरा जाना है उनके बारे में आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख वह तारीख होगी जिस तक उन कार्यालयों से नाम भेजने के लिए कहा गया है।	आवश्यक : (1) मैट्रिकुलेशन या समतुल्य (2) गेस्टेटर मशीनों के चलाने में वक्षता। शैक्षणिक : गेस्टेटर ऑपरेटर के रूप में 10 वर्ष का अनुभव।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए बिहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं	परिक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति-भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिपात	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियों जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किस परिस्थितियों में संक्षेप लोक सेवा आयोग में से परामर्श किया जाएगा।
8	9	10	11	12	13
नहीं	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय में वरिष्ठ गेस्टेटर अपरेटरों में से, जिन्होंने उस श्रेणी में 8 वर्षों की सेवा की हो, प्रोन्नति द्वारा।	निदेशालय में विभागीय प्रोन्नति समिति समूह में निम्नलिखित होंगे : 1. विशेष सहायकार (आब) —सदस्य 2. अपर अर्थ एवं सांख्यिकी सहायकार—सदस्य 3. निदेशक (कार्यक्रम तथा मूल्यांकन)—सदस्य 4. अपर सचिव (वृत्ति विभाग)—सदस्य 5. मुख्य प्रशासन अधिकारी—सदस्य	लागू नहीं होता

[सं० 13013/2/78-अर्थ नीति]

वरचारी, अपर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 6th November, 1978

G.S.R. 1397.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Gestetner Supervisor in the Directorate of Economics and Statistics in the Department of Agriculture of the Ministry of Agriculture and Irrigation, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Directorate of Economic and Statistics (Gestetner Supervisor) Recruitment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification, scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

822 G of I/78—5.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection Post or Non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
Gestetner Supervisor	One	General Central Services, Group 'C' Non-Gazetted, Non-Ministerial	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.	Non-Selection	30 years (relaxable upto 35 years for Government servants). Note : "The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). In respect of posts, the appointments which are made through the Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names".	Essential :— (i) Matriculation or its equivalent. (ii) Proficiency in handling Gestetner machines. Desirable: 10 years' experience as Gestetner Operator.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances under which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
No.	Two years.	By promotion, failing which, by direct recruitment.	Promotion from Senior Gestetner Operators in the Directorate of Economics and Statistics with eight year's service in the grade.	Departmental Promotion Committee Group 'C' Posts in the Directorate consisting of— 1. Special Adviser (Food) —Chairman. 2. Additional Economic and Statistical Adviser —Member. 3. Director (Programme and Evaluation) —Member. 4. Under Secretary (Department of Agriculture)—Member. 5. Chief Administrative Officer. —Member.	Not applicable

[No. 13013/2/78-Econ. Py.]

DARBARI LAL, Under Secy.

(खाद्य विभाग)

(खाद्य और पोषण बोर्ड)

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1978

सां. कां. निं. 1398.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, खाद्य विभाग के अधीन केन्द्रीय सरकार फल-रस-संयंत्र में समूह 'क', 'ख' और 'ग' पदों पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य विभाग, केन्द्रीय सरकार फल-रस-संयंत्र (समूह 'क', 'ख' और 'ग' पद) भर्ती नियम, 1978 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. लागू होना:—ये नियम इससे उपर्युक्त अनुसूची 1, 2 और 3 के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पदों को लागू होंगे।
3. संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
4. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा तथा अन्य अर्हताएं आदि:—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
5. निरहताएं:—वह व्यक्ति—
(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो;
उक्त पदों में से किसी पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।
- परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुशेष है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूब हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।
6. नियम शिथिल करने की शक्ति:—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किन्हीं उपबंधों की जहां तक वे समूह 'क' और समूह 'ख' पदों से संबंधित हैं किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।
7. व्यावृत्ति:—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करता अपेक्षित है।

अनुसूची I
समूह 'क' पद

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अन्य पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक व अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
1. सहा प्रबंधक	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'क' राजपत्रित	1800-100-2000-125-2-2250 रु०	लागू नहीं होता	45 वर्ष से अधिक (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती है) टिप्पण: आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अस्थायियों से (उनसे भिन्न जो अन्वमान और निकोबार द्वीप-समूह तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी।	आवश्यक:— (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय/संस्था से फल और सब्जी प्रसंस्करण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा सहित विज्ञान में उपाधि, या जीव रसायन शास्त्र में एम०एस०सी० या खाद्य प्रौद्योगिकी/खाद्य प्रौद्योगिकी और जीव रसायन शास्त्र या रसायन इंजीनियरी में उपाधि या रसायनिक इंजीनियरी या समतुल्य। या केन्द्रीय फल प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मैसूर से फल प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा या फल प्रौद्योगिकी में सहसहस्यता (एसोसिएटशिप) (2) किसी फल प्रसंस्करण कारखाने में या खाद्य संसाधन उद्योगों के अनुसंधान और/या विकास में संयोजक करने वाले किसी संगठन में किसी उत्तरदायी पर्यवेक्षी हैसियत में कम-से-कम 10 वर्ष का अनुभव।

टिप्पण 1 : ग्रहंताएं, ग्रन्थशा सुप्रसिद्ध ग्रन्थधियों की वशा से संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं।

टिप्पण 2 : अनुभव संबंधी ग्रहंताएं संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों ग्रन्थशा अनुसूचित जनजातियों के ग्रन्थधियों के मामलों में उस दशा में शिथिल की जा सकती हैं, जब कि जयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय हो कि इनके लिये प्रारंभित पदों पर भर्ती के लिए प्रपेक्षित अनुभव रखने वाले इन समुदायों के ग्रन्थधियों पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हैं।

वांछनीय : फल और सब्जी प्रसं कर कारखानों की अधिमानतः फल-रस और ग्रन्थ वेयों को बोटलबन्ध करने में लगे कारखानों की योजना या उनको चलाने का अनुभव।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित प्राय और शैक्षिक ग्रहंताएं प्रोन्नति की वशा में लागू होंगी या नहीं	परिवीक्षा की प्रबधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किम परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा परामर्श किया जाएगा
---	--------------------------------	---	---	-----------------------------------	---

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	को वर्ष	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसमें अल्प-कालिक संविदा सम्मिलित है।) द्वारा जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसमें अल्प-कालिक संविदा सम्मिलित है) केन्द्रीय/राज्य सरकारों/प्रायस्था-प्राप्त शैक्षिक/अनुसंधान संस्थाओं या पब्लिक सेक्टर उपक्रमों के वे अधिकारी जो (i) कम से कम 1500 रुपये प्रतिमास प्राधारी वेतन ले रहे हों और (ii) स्तम्भ 7 में सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित प्रावश्यक ग्रहंताएं और अनुभव रखते हों। (प्रतिनियुक्ति/संविदा की प्रबधि साधारणतया 4 वर्ष से अधिक नहीं होगी।)	समूह 'क' प्रोन्नति समिति (स्था-नान्तरिती और सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों के पुष्टिकरण पर विचार करने के लिए) में निम्न-लिखित होंगे :— 1. संयुक्त सचिव (प्रशासन) —ग्रन्थशा 2. संयुक्त सचिव (डी एण्ड प्रार) —सबस्य 3. कार्यपालक निदेशक (एफ एंड एन बी) —सबस्य 4. उपसचिव (प्रशासन) —सबस्य	जयन संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा।
			स्थानान्तरण : ऐसे अधिकारी जो (i) कम से कम 1500 रुपये प्रतिमास प्राधारी वेतन ले रहे हों और (ii) स्तम्भ 7 में सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित प्रावश्यक ग्रहंताएं और अनुभव रखते हों।		

1	2	3	4	5	6	7
2. इंजीनियरी प्रबंधक	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'क' राजपत्रित	1100-50-1600 रु०	लागू नहीं होता	40 वर्ष से अनधिक (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती है) टिप्पण : आयु सीमा प्रवधारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अन्वधान और निकोबार द्वीप-समूह तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी ।	आवश्यक : (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से खान या फल प्रौद्योगिकी या कृषि/यांत्रिक/रासायनिक इंजीनियरी में उपाधि या समतुल्य । (2) किसी खान या फल प्रसंस्करण उद्योग में किसी उत्तरदायित्व-पूर्ण/पर्यवेक्षी प्रास्थिति में 5 वर्ष का अनुभव । टिप्पण : 1. ग्रहंताएँ, अन्यथा सुप्रसिद्ध अभ्यर्थियों की वशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है । टिप्पण : 2. अनुभव संबंधी ग्रहंताएँ संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों के मामलों में उस वशा में शिथिल की जा सकती है, जब कि चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय हो कि इनके लिए आरक्षित पदों पर भर्ती के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले इन समुदायों के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हैं । वांछनीय : बोलबाला करने वाले संघों की आयोजना/संश्लेषण/चलाने/अनुरक्षण में अनुभव ।
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसमें अल्प-कालिक संविदा सम्मिलित है) स्थानान्तरण द्वारा जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा ।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसमें अल्पकालिक संविदा सम्मिलित है) केन्द्रीय/राज्य सरकारों/मान्यता-प्राप्त अनुसंधान संस्थानों या पब्लिक सेक्टर उपक्रमों के वे अधिकारी जो प्रत्येक मामले में (i) सवृष पद धारण करते हों या जिन्होंने 700-1300 रु० वेतनमान वाले या सम-तुल्य पदों पर 5 वर्ष नियमित सेवा की हो और (ii) स्तम्भ 7 के अधीन सीधी भर्ती के लिए बिहित आवश्यक ग्रहंताएँ और अनुभव रखते हों । (प्रतिनियुक्ति/संविदा की अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी ।) स्थानान्तरण—केन्द्रीय राज्य सरकार के ऐसे अधिकारी जो— (i) सवृष पद धारण करते हों या जिन्होंने 700-1300 रु० वेतनमान वाले या समतुल्य पदों पर 5 वर्ष नियमित सेवा की हो और (ii) स्तम्भ 7 के अधीन सीधी भर्ती के लिए बिहित ग्रहंताएँ और अनुभव रखते हों ।	समूह 'क' विभागीय प्रोभति समिति (स्थानान्तरितों और सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों के पुष्टिकरण पर विचार करने के लिए) में निम्नलिखित होंगे :— 1. संयुक्त सचिव (प्रशासन) —अध्यक्ष 2. संयुक्त सचिव (डी एंड आर) —सदस्य 3. कार्यपालक निवेशक (एफ.एंड.एन.डी.)—सदस्य 4. उपसचिव (प्रशासन) —सदस्य	चयन संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा ।	

समूह-2

समूह 'ख' पद

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अभ्यन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य महत्ताएं
1	2	3	4	5	6	7
1. कार्यालय अधीक्षक	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख', अराज-पत्रित लिपिकवर्गीय	550-25-750-ब० रो०-30-900 रु०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
2. लेखापाल	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' अराज-पत्रित, लिपिकवर्गीय	550-25-750-ब० रो०-30-900 रु०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
<p>सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक महत्ताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं</p> <p>परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो</p> <p>प्रोन्नति की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता</p> <p>प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा</p> <p>प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना</p> <p>भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा परामर्श किया जाएगा।</p>						

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार के ऐसे अधिकारी जिन्होंने 425-700 रु० वेतनमान वाले पदों या समतुल्य में 5 वर्ष निरन्तर सेवा की हो और जिन्हें स्थापन तथा लेखा-विषयों का अनुभव हो। (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	लागू नहीं होता	संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श तब तक आवश्यक नहीं होगा जब तक कि किसी अवसर पर भर्ती नियमों के उपबन्धों को शिथिल करने का प्रस्ताव न हो।
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : किसी भी संगठित लेखा विभाग उदाहरणतया भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग, भारतीय रक्षा लेखा विभाग, भारतीय रेल लेखा विभाग, भारतीय डाक-तार लेखा और वित्त विभाग और भारतीय सिविल लेखा विभाग से अधीनस्थ लेखा सेवा लेखापाल (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।)	लागू नहीं होता	संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श तब तक आवश्यक नहीं होगा जब तक कि किसी अवसर पर भर्ती नियमों के उपबन्धों को शिथिल करने का प्रस्ताव न हो।

धनुस्ची-3

समूह 'ग' पद

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	न्यूनतम पद अथवा अधिनियम पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हतायें
1	2	3	4	5	6	7
1. आशुलिपिक	2	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' (अराज-पक्षित लिपिकवर्गीय)	330-10-380-ब० रो०-12-500-ब० रो०-15-560-ब०	लागू नहीं होता	25 वर्ष, परन्तु (1) निहित आयुसीमा निम्नलिखित के लिए शिथिल की जा सकती है — (क) सरकारी सेवकों के लिए आयु 35 वर्ष तक, और (ख) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन-जाति तथा व्यक्तियों के अन्य विशेष प्रवर्गों के अभ्यर्थियों की वृत्ति में, समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार, (2) आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अद्यतन और निकोबार द्वीप-समूह तथा लक्षद्वीप रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी।	आवश्यक : (1) मैट्रिकुलेशन या समतुल्य (2) आशुलिपि में 100 शब्द प्रति मिनट की गति और टंकण में 40 शब्द प्रति मिनट की गति
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए निहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की वृत्ति में लागू होंगी या नहीं	परिवर्द्धन की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होंगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वृत्ति में वे श्रेणियां जिन्हें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा परामर्श किया जाएगा	
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	2 वर्ष	स्थानान्तरण/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा	स्थानान्तरण/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सचिवालयी आशुलिपिक सेवा के आशुलिपिक श्रेणी 'ब' (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे : 1. महाप्रबंधक—आध्यक्ष 2. लेखा-नियंत्रक के कार्यालय में लेखा अधिकारी—सदस्य 3. इंजीनियरी प्रबन्धक या उत्पादन प्रबंधक—सदस्य	लागू नहीं होता	

1	2	3	4	5	6	7
2. रोकड़िया	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' (भराज-पत्रित लिपिकवर्गीय)	330-10-380-ब० रो०-12-500-ब० रो०-15-560-ब०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
3. निम्न श्रेणी लिपिक	5	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ग' (भराज-पत्रित लिपिकवर्गीय)	260-6-290-ब० रो०- 6-326-द० रो० 8-390-400-ब०	लागू नहीं होता	25 वर्ष, परन्तु (1) विहित आयुसीमा निम्नलिखित के लिए शिथिल की जा सकती है— (क) सरकारी सेवकों के लिए आयु 35 वर्ष तक, और (ख) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति तथा व्यक्तियों के अन्य विशेष प्रवर्गों के अभ्यर्थियों की वृद्धा में समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार, (2) आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अल्पमान और निकोबार द्वीप-समूह तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी।	आवश्यक : (1) मैट्रिकुलेशन या समतुल्य ग्रहण। (2) टंकण में 30 शब्द प्रति मिनट की गति, परन्तु : (क) ऐसा व्यक्ति जो टंकण में उक्त ग्रहण नहीं रखता इस शर्त के अधीन रहते हुए नियुक्त किया जा सकता है कि वह इस वेतनमान में वेतनवृद्धि लेने या स्थायीवृत्ता के लिए या उस श्रेणी में पुष्टिकरण के लिए तब तक पास नहीं होगा जब तक कि वह टंकण में 30 शब्द प्रति मिनट की गति न अर्जित कर ले, और (ख) ऐसा विकलांग व्यक्ति जो लिपिकीय पद धारण करने के लिए अन्यथा ग्रहित है किन्तु टंकण में उक्त ग्रहण नहीं रखता, इस शर्त के अधीन रहते हुए नियुक्त किया जा सकता है कि विकलांगों के लिए रोजगार कार्यालय से संलग्न फिकिस्ता बोर्ड या जहाँ ऐसा कोई बोर्ड न हो वहाँ सिविल सर्जन यह प्रमाणित न कर दे कि उक्त विकलांग व्यक्ति ऐसी वृद्धा में नहीं है कि टंकण में सम्मर्थ हो।
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	स्थानान्तरण/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	पर स्थानान्तरण/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : (क) केन्द्रीय सचिवालयी लिपिकीय सेवा के उच्च श्रेणी लिपिक श्रेणी का ऐसा अधिकारी जिसने रोकड़ और लेखा विषयों में प्रशिक्षण प्राप्त किया हो और जिसे अधिमात्रतः रोकड़ और लेखा अनुभाग में कार्य का अनुभव हो। (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	
लागू नहीं होता	दो वर्ष	90 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा 10 प्रतिशत—ऐसे समूह 'ब' कर्मचारियों की जो मैट्रिकुलेट हैं या जो समतुल्य ग्रहण रखते हैं और टंकण में कम-से-कम 30 शब्द प्रति मिनट की गति रखते हैं सीमित प्रतियोगितात्मक या विभागीय परीक्षा द्वारा।	लागू नहीं होता	समूह 'ग' विभागीय प्रशिक्षण समिति में निम्नलिखित होंगे :— 1. महाप्रबन्धक—अध्यक्ष 2. लेखा नियंत्रक के कार्यालय में लेखा अधिकारी—सदस्य 3. इंजीनियरी या उत्पादन प्रबन्धक—सदस्य	लागू नहीं होता	

1	2	3	4	5	6	7
4. स्टाफ कार-वालाक	1 साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ग' (भराज-पत्रित अलिपिक-बर्गिय)	260-6-326-द० रो०-8-350 र०	लागू नहीं होता	30 वर्ष, परन्तु (1) विहित आयुसीमा निम्नलिखित के लिए भिधिल की जा सकती है— (क) सरकारी सेवकों के लिए आयु 35 वर्ष तक, और (ख) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन-जाति तथा व्यक्तियों के अन्य विशेष प्रवर्गों के अभ्यर्थियों की दशा में समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार, (2) आयु सीमा अव-धारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अन्धमान और निकोबार द्वीप-समूह तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) आवे-दन प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी।	आवश्यक : लगभग 3 वर्ष के बालन के अनु-भव सहित कार की विधिमान्य बालन-अनुज्ञप्ति। बोछनीय : मिडिल स्तर	
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	दो वर्ष	स्थानान्तरण द्वारा, जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा	स्थानान्तरण : खाद्य विभाग के अधीन ऐसे नियमित समूह 'ब' कर्मचारी जो स्तम्भ 7 में उल्लिखित अर्हताएं रखते हैं।	समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित हैं— 1. महाप्रबन्धक—अध्यक्ष 2. लेखा नियंत्रक के कार्यालय में लेखा अधिकारी—सदस्य 3. इंजीनियरी या उत्पादन प्रबन्धक—सदस्य	लागू नहीं होता	

[सं० 12(3)/78-एफ० एच० बी०-डी० I (यू० एस०)]

भार० एस० सरीन, अधर सचिव

other matters relating to the said posts shall be as specified in columns 5 to 13 of the schedules aforesaid.

5. Disqualification.—No person,—

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission in so far as the provisions of these rules relate to Group 'A' and Group 'B' posts, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time, in this regard.

**Department of Food
(Food and Nutrition Board)**

New Delhi, the 6th November, 1978

G.S.R. 1398.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to various Groups 'A', 'B' and 'C' posts in the Central Government Fruit Juice Plant, under the Department of Food namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Department of Food, Central Government Fruit Juice Plant (Group 'A', 'B' and 'C' posts) Recruitment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedules I, II and III annexed to these rules.

3. Number, Classification and Scale of Pay.—The number of the said posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the schedules aforesaid.

4. Method of recruitment, age limit, other qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and

SCHEDULE I
GROUP 'A' POSTS

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-Selection Post	Age limit for direct recruit	Educational and other qualification required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7

1. General Manager

1

General Central Service, Group 'A' Gazetted

Rs. 1800-100-2000-125/2-2250.

Not applicable

Not exceeding 45 yrs. (Relaxable for Govt. Servants).
Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date of receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman & Nicobar Island and Lakshadweep).

Essential :

- (i) Degree in Science with Post Graduate Diploma in Fruit and Vegetable processing, or M.Sc. in Biochemistry or Degree in Food Technology/ Food Technology & Biochemistry or Chemical Engineering of a recognised University/Instt. or equivalent.
OR
Diploma in Fruit Technology or Associateship in Fruit Technology of the CFTRI, Mysore, or equivalent.
(ii) At least 10 years experience in a responsible/supervisory position in a fruit processing factory or an organisation dealing with research and/or development of Food processing industries.

Note 1:—Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.

Note 2:—The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes if at any stage of selection the Union Public Service Commission of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

Desirable :

Experience of planning or running of fruit and vegetable processing factories preferably engaged in the bottling of fruit juices and beverages.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruit whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making rectt.
8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	By transfer on deputation (including short-term contract)/transfer, failing which by direct recruitment.	<p>Transfer on deputation :</p> <p>(Including short term contract) Officer of the Central/ State Govts., recognised educational/research Institutions or Public Sector undertakings, in each case.</p> <p>(i) drawing a basic pay of not less than Rs. 1500 per month and</p> <p>(ii) Possessing the essential qualifications and experience prescribed for direct recruitment in Col. 7.</p> <p>(Period of deputation/contract shall ordinarily not exceed 4 years).</p> <p>Transfer :</p> <p>Officer of the Central/State Govts. in each case.</p> <p>(i) drawing a basic pay of not less than Rs. 1500 per month and</p> <p>(ii) possessing the essential qualifications and experience prescribed for direct recruitment in Column 7.</p>	Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering confirmation of the transferee and direct recruit) consisting of:—	Selection to be done in consultation with the Union Public Service Commission
			<p>1. Joint Secretary (Administration)—Chairman</p> <p>2. Joint Secretary (D&R). —Member</p> <p>3. Executive Director (FNB)—Member</p> <p>4. Dy. Secretary (Administration)—Member</p>		

1	2	3	4	5	6	7
2. Engineering Manager	1	General Central Service, Group 'A' Gazetted	Rs. 1100-50-1600	Not applicable	Not exceeding 40 years (Relaxable for Govt. servants). Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	<p>Essential :</p> <p>(i) Degree in Food or fruit Technology or Agricultural/ Mechanical/Chemical Engineering of a recognised University or equivalent.</p> <p>(ii) 5 years experience in a responsible/supervisory position in a Food or Fruit processing industry.</p> <p>Note 1:—Qualifications are relaxable at the Union Public Service Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified.</p> <p>Note 2:—The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that the sufficient number of candidates from these communities possessing requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.</p> <p>Desirable :</p> <p>Experience in planning/erection/running maintenance of bottling plants.</p>

8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	By transfer on deputation (including short-term contracts) transfer failing which by direct recruitment.	Transfer on deputation (including short-term contract) : Officers of the Central/State Govts./recognised Research Institutes or Public Sector Undertakings in each case, (i) holding analogous posts or with 5 years regular service in posts in the scale of Rs. 700-1300 or in equivalent, and (ii) possessing the essential qualifications and experience prescribed for direct recruitment under Col. 7. (Period of deputation/contract shall not ordinarily exceed 3 years). Transfer: Officers of the Central/State Govts. in each case. (i) holding analogous posts or with 5 years regular service in the scale of Rs. 700-1300 or equivalent; and (ii) Possessing the qualifications and experience prescribed for direct recruitment under Col. 7.	Group A Departmental Promotion Committee (for considering confirmation of the transferees and direct recruits consisting of:— (i) JS(A)—Chairman (ii) JS (D&R)—Member (iii) ED (FNB)—Member (iv) DS(A)—Member	Selection to be done in consultation with the Union Public Service Commission.

SCHEDULE II

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational & other qualifications
1	2	3	4	5	6	7
1. Office Superintendent	1	General Central Service Group 'B' Non-Gazetted Ministerial	Rs. 550-25-750-EB-30-900	Not applicable	Not applicable	Not applicable
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation, if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer grades from which promotion deputation/transfer to be made	If a D.P.C. exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making rectt.	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	Not applicable	By transfer on deputation.	Transfer on deputation : Officers of the Central Govt with 5 years' regular service in posts in the scale of Rs. 425-700 or equivalent and having experience of establishment and accounts matters. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years.)	Not applicable	The Union Public Service Commission need not be consulted unless the provisions of the recruitment rules are proposed to be relaxed on any occasion.	

1	2	3	4	5	6	7
2. Accountant	1	General Central Service Group 'B' Non-Gazetted Ministerial	Rs. 550-25-750-EB-30-900	Not applicable	Not applicable	Not applicable
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	Not applicable	By transfer on deputation	Transfer on deputation : S.A.S. Accountant from any of the organised accounts Department, e.g., Indian Audit and Accounts Department, Indian Defence Accounts Deptt., Indian Railway Accounts Department, Indian Posts and Telegraphs Accounts and Finance Department and Indian Civil Accounts Department. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years.)	Not applicable	The Union Public Service Commission need not be consulted unless the provisions of the recruitment rules are proposed to be relaxed on any occasion.	

SCHEDULE III

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational qualification required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
1. Stenographer	2	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Ministerial.	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.	Not applicable	25 years provided that (1) The age limit prescribed may be relaxed—(a) for Govt. servants upto 35 years, and (b) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by Central Government from time to time. (2) The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India and (Other than those in the Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential : (i) Matriculation or equivalent. (ii) Speed of 100 words per minute in shorthand and 40 words in typewriting.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether direct recruitment or by transfer on deputation and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making rectt.
---	-----------------------------	---	--	---	--

8	9	10	11	12	13
---	---	----	----	----	----

Not applicable	2 years	By transfer/Transfer on deputation failing which by direct recruitment.	Transfer/Transfer on deputation : Stenographer of CSSS—Grade 'D' (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years).	Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of 1. General Manager—Chairman. 2. Accounts officer in the office of Controller of Accounts—Member 3. Engineering Manager or Production Manager—Member.	Not applicable
----------------	---------	---	---	--	----------------

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

2. Cashier	1	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Ministerial	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.	Not applicable	Not applicable	Not applicable
------------	---	--	-------------------------------------	----------------	----------------	----------------

8	9	10	11	12	13
---	---	----	----	----	----

Not applicable	Not applicable	Transfer/Transfer on deputation.	Transfer/Transfer on deputation : (a) an officer of Upper Division Clerks Grade of the Central Secretariat Clerical Service, who has received training in cash and accounts matters and preferably having experience of working in cash or Accounts Section. (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years).	Not applicable	Not applicable
----------------	----------------	----------------------------------	---	----------------	----------------

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

3. Lower Division Clerk	5	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Ministerial	Rs. 260-6-290-EB-6-326-EB-8-390-400.	Not applicable	25 years provided that, or (1) The age limit prescribed may be relaxed— (a) for Govt. servants upto 35 years and (b) in the case of candidates belonging to the	Essential : Matriculation or equivalent qualifications (ii) Speed of 30 words per minute in typewriting provided that :— (a) a person not possessing the said qualification in typewriting may be appointed subject to the condition that he shall not be eligible
-------------------------	---	--	--------------------------------------	----------------	--	---

1	2	3	4	5	6	7
					Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time. 2. The crucial date for determining the age limit will be the closing date for receipt of applications from candidates in India (Other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	for drawing increments in the pay scale or for quasi-permanency or for confirmation in the grade till he acquires a speed of 30 words per minute in typewriting; and (b) a physically handicapped person who is otherwise qualified to hold a clerical post but does not possess the said qualification in typewriting may be appointed subject to the condition that the Medical Board attached to the Employment Exchange for handicapped or where there is no such Board, the Civil Surgeon certifies that the said handicapped person is not in fit condition to be able to type.

8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	90% by Direct recruitment. 10% by departmental or limited competitive examination of Group 'D' employees who are Matriculates or possess equivalent qualifications and possess a speed of at least 30 words per minute in typewriting.	Not applicable	Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of 1. General Manager—Chairman. 2. Accounts officer in the office of the Controller or Accounts—Member. 3. Engineering or Production Manager—Member.	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7
4. Staff Car Driver,	1	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 260-6-326-EB-8-350.	Not applicable.	30 years provided that : (1) The age limit prescribed may be relaxed : (a) for Government servants upto 35 years; and (b) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes	Essential : A valid driving licence for car with about 3 years driving experience Desirable Middle standard.

1	2	3	4	5	6	7
					and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time. (2) The crucial date for determining the age limit shall be the closing date of receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	

8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	By transfer failing which by direct recruitment.	Transfer : Regular Group D employees under the Department of Food possessing the qualification mentioned in col. 7.	Group 'C' Deptt. Promotion Committee consisting of :— 1. General Manager—Chairman. 2. Accounts Officer in the Office of the Controller of Accounts—Member. 3. Engineering or production Manager—Member.	Not applicable

[No. 12(3)/78-FNB-D.I (US)]
R. S. SARIN, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 1978

New Delhi, the 9th November, 1978

सांकांमि० 1399.—केन्द्रीय सरकार, भाण्डागारण निगम अधिनियम, 1962 (1962 का 68) की धारा 41 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय भाण्डागारण निगम नियम, 1963 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इस नियमों का नाम केन्द्रीय भाण्डागारण निगम (संशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय भाण्डागारण निगम नियम, 1963 में, अध्याय 1क में नियम 2ख के पश्चात् निम्नलिखित नियम अस्त:स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“2ग- परामर्शी सेवा निगम, केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार अथवा किसी केन्द्रीय, प्रांतीय या राज्य अधिनियम द्वारा या उसके अधीन स्थापित किसी निगम अथवा कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 617 में यथापरिभाषित किसी सरकारी कम्पनी या किसी सहकारी सोसाइटी द्वारा निवेदन किए जाने पर किसी भाण्डागार के निर्माण या उससे सम्बन्धित किसी विषय के लिए कोई परियोजना तैयार करेगा या परामर्शी सेवा प्रदान करेगा।”

[सं० एफ० 6-11/78 एस जी]

ए० के० गर्दे, उप सचिव

G.S.R. 1399.—In exercise of the powers conferred by section 41 of the Warehousing Corporations, Act 1962 (58 of 1962), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Warehousing Corporation Rules, 1963, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Warehousing Corporation (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Warehousing Corporation Rules, 1963, in Chapter IA, after rule 2B the following rule shall be inserted, namely:—

“2 C. Consultancy Service :—The Corporation may, at the request of the Central Government or any state Government or a corporation established by or under a Central, Provincial or State Act or a Government company as defined in section 617 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) or a Co-operative society, prepare any project or render consultancy service for construction of Warehouses or any matter connected therewith.”

[No. F. 6-11/78-SG]

A. K. GARDE, Dy. Secy.

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 10 मई, 1978

सां० का० नि० 1400.—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कतिपय नियम बनाना चाहती है। जैसा उक्त धारा की उपधारा (2) द्वारा अपेक्षित है, उन नियमों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है, और सूचना दी जाती है कि प्रारूप पर हम अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पचास दिन के अन्तरात् विचार किया जाएगा।

इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पूर्व, उक्त प्रारूप की बाबत किसी भी व्यक्ति से जो भी आपत्ति या सुझाव प्राप्त होगा, केन्द्रीय सरकार उस पर विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

अध्याय—1

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कोचीन पत्तन सक्षमता प्रमाणपत्र (बन्दरगाह या न) नियम, 1978 है।

(2) येको प्रवृत्त होंगे।

अध्याय—2

कोचीन पत्तन में चलने वाले यन्त्र-नौवित यानों के अन्तःस्थलीय मास्टरों और सेरंगों की सक्षमता प्रमाणपत्र के प्रदान के लिए नियम :

2. परिभाषाएं—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

2. (क) “प्रथम वर्ग अन्तःस्थलीय मास्टर प्रमाणपत्र” से ऐसा सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है जो किसी व्यक्ति को, कोचीन पत्तन में चलने वाले ऐसे वाष्प जलयान का, जिसमें किसी सूचित अथवा शक्ति के इंजन लगे हों, या ऐसे मोटर जलयान का जिसमें किसी भी ब्रेक अथवा शक्ति के इंजन लगे हों, मास्टर होने के लिए इन नियमों के अधीन प्रदान किया गया है ;

(ख) “लैंटर्न परीक्षण” और “अक्षर परीक्षण” से रूप और रंग की बाबत अभ्यर्थियों की दृक् शक्ति से दृष्टि परीक्षण अभिप्रेत हैं ;

(ग) “सेरंग प्रमाणपत्र” से ऐसा सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है जो किसी व्यक्ति को, कोचीन पत्तन में चलने वाले ऐसे वाष्प जलयान का, जिसमें 300 से कम सूचित अथवा शक्ति के इंजन लगे हों, या ऐसे मोटर जलयान का जिसमें 226 से कम ब्रेक अथवा शक्ति के इंजन लगे हों, मास्टर होने के लिए इन नियमों के अधीन प्रदान किया गया है ;

(घ) “द्वितीय वर्ग अन्तःस्थलीय मास्टर प्रमाणपत्र” से ऐसा सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है जो किसी व्यक्ति को, कोचीन पत्तन में चलने वाले ऐसे वाष्प जलयान का, जिसमें 750 से कम सूचित अथवा शक्ति के इंजन लगे हों, या ऐसे मोटर जलयान का जिसमें 565 से कम ब्रेक अथवा शक्ति के इंजन लगे हों, मास्टर होने के लिए इन नियमों के अधीन प्रदान किया गया है ;

(ङ) “प्रदान अधिकारी” से प्रदान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास अभिप्रेत है ;

3. प्रमाणपत्र का जारी किया जाना :—सक्षमता प्रमाणपत्र उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाएगा जो अपेक्षित परीक्षाएं उत्तीर्ण कर लेते हैं और अन्यथा अपेक्षित शर्तों का अनुपालन करते हैं तथा इस प्रयोजन के लिए, 822 GI/78—7

कोचीन पत्तन पर समय-समय पर परीक्षाएं आयोजित करने के प्रबंध किए जाएंगे।

4. परीक्षा—परीक्षा प्रधान अधिकारी द्वारा या ऐसे अधिकारी द्वारा, जो नौवाहन सर्वेक्षक की वृत्ति से निचला न हो और जिसे उसके द्वारा इस निमित्त नियुक्त किया जाए (जिसे इसमें आगे परीक्षक कहा गया है), आयोजित की जाएगी।

5. परीक्षा के लिए आवेदन का प्रस्तुत किया जाना—(1) परीक्षा के अभ्यर्थी अपने आवेदन प्रारूप 1 में देंगे जो इंजीनियर और पोत सर्वेक्षक, वाणिज्यिक समुद्री विभाग के कार्यालय ब्रिजिंग्टन आइलैंड, कोचीन-3 में उपलब्ध होगा तथा उसे परीक्षक या ऐसे अधिकारी के समक्ष जो उसके द्वारा इस निमित्त नियुक्त किया जाए, भरा जाएगा।

(2) समुचित रूप से भरा गया प्रारूप आवेदक के शंसापत्रों और निस्तरण प्रमाणपत्रों के साथ, परीक्षा के दिन के कम से कम दस दिन पहले परीक्षक को प्रस्तुत किया जाएगा।

6. शंसापत्र प्रावि—(1) सभी आवेदकों को चरित्र के तथा परीक्षार्थ आवेदन की तारीख से पूर्ववर्ती कम से कम 12 मास के, पोत पर संयम, अनुभव, योग्यता और उदाहरण के शंसापत्र देने होंगे।

(2) जिन आवेदकों ने गत 12 मास के भीतर पोत पर सेवा न की हो, उन्हें पूर्ववर्ती शंसापत्रों के अतिरिक्त, अपने नियोजकों के, या यदि वे नियोजित नहीं हों तो किसी जिम्मेदार व्यक्ति के, उसी प्रकार के प्रमाणपत्र देने होंगे।

(3) किसी भी अभ्यर्थी की परीक्षा ली जाने को तब तक अनुज्ञा नहीं दी जाएगी, जब तक उसने गत छह वर्ष के भीतर दो वर्ष समुद्र पर या अन्तर्देशीय जलक्षेत्रों में, तथा उसके परीक्षार्थ आवेदन की तारीख के पूर्ववर्ती गत तीन वर्ष के भीतर छह मास पोत पर सेवा न की हो।

7. शंसापत्रों का अधिप्रमाणित किया जाना—(1) अभ्यर्थियों के सेवा शंसापत्र उनके नियोजक के कार्यालय अभिलेखों पर आधारित होंगे।

(2) जो दावाकृत सेवा नियोजक के कार्यालय अभिलेखों से सत्यापित नहीं की जा सकती है, वह ऐसे व्यक्तियों के जिनके अधीन ऐसी सेवाएं की गई हैं, शंसापत्रों द्वारा तथा स्वयं अभ्यर्थी के शपथपत्र द्वारा अधि-प्रमाणित की जाएगी।

8. आयु—यदि किसी अभ्यर्थी की आयु के बारे में कोई शंका हो तो उसने यह अवस्था की जाएगी कि वह परीक्षक के समाधानप्रद रूप में जन्म प्रमाणपत्र या आयु का अन्य दस्तावेजों सबूत पेश करे।

9. प्रमाणपत्र में पृष्ठांकन—परीक्षार्थी ऐसे अभ्यर्थियों की बाबत, जो अंग्रेजी बोलने में समर्थ न हो, उनके प्रमाणपत्रों पर इस आशय का पृष्ठांकन किया जाएगा कि वे केवल ऐसे जलयानों के लिए विधिमार्ग हैं जिनके कर्मचारी और अधिकारी पूर्णतया ऐसे व्यक्ति हैं जो वह भाषा बोलते हैं जिसमें कि अभ्यर्थी की परीक्षा ली गई थी ; इस पृष्ठांकन से अभिवृत्ति प्रदान की जा सकेगी, यदि परीक्षा पूर्णतया अंग्रेजी में संचालित की जाती है।

10. विहित परीक्षण—(1) सक्षमता प्रमाणपत्र के प्रत्येक अभ्यर्थी को प्रमाणपत्र जारी किए जाने के पहले उसे विहित दृष्टि परीक्षण उत्तीर्ण करना चाहिए।

(2) जो व्यक्ति दृष्टि परीक्षण में अपनी परीक्षा ली जाने का इच्छुक है, उसे प्रारूप 2 में परीक्षक को आवेदन करना चाहिए तथा इंजीनियर और पोत सर्वेक्षक, वाणिज्यिक समुद्री विभाग कोचीन को 4/- रुपए फीस का संदाय करना चाहिए।

2. विभिन्न परीक्षण—(1) अक्षर परीक्षण—प्रमाणपत्र के प्रत्येक अभ्यर्थी को अक्षर परीक्षण कराना चाहिए।

(2) लैटर्न परीक्षण—प्रत्येक अभ्यर्थी को प्रत्येक ऐसे अवसर पर, जब वह अपने प्रथम सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा के लिए उपस्थित होता है, लैटर्न परीक्षण कराना चाहिए; यदि वह उत्तीर्ण हो जाता है तो उससे किसी पश्चात्तर्फी अवसर पर लैटर्न परीक्षण कराने की अपेक्षा नहीं की जाएगी।

12. परीक्षा में उत्तीर्ण या अनुत्तीर्ण होना—(क) अक्षर परीक्षण—यदि अभ्यर्थी अक्षर परीक्षण में उत्तीर्ण हो जाता है तो वह लैटर्न परीक्षण के लिए अग्रसर होगा, जब तक कि उसके पास सक्षमता प्रमाणपत्र न हो; किन्तु यदि यह अक्षर परीक्षण में अनुत्तीर्ण हो जाता है तो वह,—

(1) लैटर्न परीक्षण के लिए अग्रसर हो सकेगा जिस वशा में, यह विनिश्चित करने के लिए कि उसे उत्तीर्ण किया जाए या नहीं, दोनों परीक्षाओं के परिणामों पर विचार किया जाएगा; अथवा

(2) परीक्षा का परित्याग कर सकेगा और अन्यून तीन मास के समय में पुनः परीक्षा के लिए उपस्थित हो सकेगा।

(ख) लैटर्न परीक्षण—यदि अभ्यर्थी अक्षर परीक्षण उत्तीर्ण करने के पश्चात्, लैटर्न परीक्षण उत्तीर्ण कर लेता है तो वह समझा जाएगा कि वह परीक्षा में उत्तीर्ण हो गया है,

(1) यदि लैटर्न परीक्षण का परिणाम अनिश्चायक हो, अथवा यदि अभ्यर्थी अक्षर परीक्षण में अनुत्तीर्ण हो जाने के पश्चात् उसे उत्तीर्ण करता है तो उसका मामला प्ररूप 3 में प्रधान अधिकारी को प्रस्तुत किया जाएगा, जो यह विनिश्चित करेगा कि वह उत्तीर्ण हो गया है या अनुत्तीर्ण हुआ है अथवा उसे विशेष परीक्षा के लिए निर्देशित किया जाए या नहीं।

(2) यदि अभ्यर्थी लैटर्न परीक्षण उत्तीर्ण करने में असफल रहता है तो परीक्षक नियम 14 में कथित वह शर्त उसे बताएगा जिसके अधीन वह अपील कर सकता है तथा अपीलें प्रधान अधिकारी को की जाएंगी;

(3) जो अभ्यर्थी लैटर्न परीक्षण उत्तीर्ण करने में असफल रहता है, उसकी तब तक पुनः परीक्षा नहीं ली जाएगी, जब तक कि प्रधान अधिकारी यह विनिश्चय न करे कि तीन मास के भीत जाने पर उसकी पुनः परीक्षा ली जाए।

13. विशेष परीक्षा : निर्देशित मामले—ऐसे अभ्यर्थी की वशा में जिसे अतिरिक्त परीक्षा के लिए निर्देशित किया गया है, प्रधान अधिकारी विशेष परीक्षा के लिए हतजाम करेगा जिसके लिए कोई अतिरिक्त फीस क्रमारित नहीं की जाएगी।

14. विशेष परीक्षा : अपील मामले—ऐसा अभ्यर्थी जो लैटर्न परीक्षण में अनुत्तीर्ण हो गए विनिर्णीत किया जाता है, के लिए विशेष परीक्षक निकाय को विनियमित करेगा। ऐसे अभ्यर्थी को 20/- रुपये विशेष फीस का संदाय करना होगा जो उसे तब वापस कर दी जाएगी, यदि यह घोषित किया जाता है कि उसने विशेष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।

15. विशेष परीक्षा—अभ्यर्थियों का ठीक समय पर उपस्थित होना :—

(1) उन अभ्यर्थियों को, जिन्हें विशेष परीक्षा के लिए निर्देशित किया जाता है या जो स्थानीय परीक्षकों के परिणाम के विरुद्ध अपील करते हैं, प्रधान अधिकारी द्वारा वह समय अधिसूचित किया जाएगा, जब उन्हें विशेष परीक्षा के लिए उपस्थित होना चाहिए, और उनसे यह आशा की जाती है कि वे प्रधान अधिकारी को यह सूचित करें कि वे उस समय उपस्थित हो सकेंगे या नहीं।

(2) कोई भी अभ्यर्थी जो प्रधान अधिकारी को यह सूचित करने के पश्चात् कि वह उपस्थित होना, नियत समय पर उपस्थित होने पर असफल रहता है, इस बात का भागी होगा कि उसकी परीक्षा अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी जाए, और यदि उसने नियम 14 के अधीन अपील

की है तो 20/- रु० अपील फीस भी समाहृत कर ली जाए, तथा उसकी विशेष परीक्षा के लिए आगे हतजाम किए जाने के पूर्व उसे अतिरिक्त फीस की उतनी ही रकम जमा करनी होगी।

16. विशेष परीक्षा में अनुत्तीर्णता—(1) जहां किसी विशेष परीक्षा के दौरान, ऐसे अभ्यर्थी की बाबत जिसकी अपील की है या जिसे निर्देशित किया गया है, यह पाया जाता है कि उसकी दृष्टि शक्ति में ऐसी स्थायी कृटि है जो उसे समुद्री वृत्ति के लिए अयोग्य बना देती है, वहां उसे अन्तिम रूप से अस्वीकृत कर दिया जाएगा और किसी भी भावी अवसर पर दृष्टि परीक्षण में पुनः उसकी परीक्षा ली जाने के लिए उसे अनुज्ञात नहीं किया जाएगा:

परन्तु यदि अभ्यर्थी फिर भी असंतुष्ट हो तो उसे यह स्वतंत्रता होगी कि यदि वह चाहे तो 50/- रुपये फीस का संदाय करने पर वह द्वितीय विशेष परीक्षा के लिए उपस्थित हो सकता है।

(2) ऐसे अभ्यर्थी को परीक्षा का साक्षी बनाने के लिए अपने साथ एक पर-व्यक्ति को भी लाना चाहिए;

(3) इस नियम के अधीन द्वितीय परीक्षा सर्वथा स्वेच्छिक होगी और वह सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा का कोई भाग नहीं होगी;

(4) केन्द्रीय सरकार इस बात का अवधारण करने में कि प्रमाणपत्र प्रदान किया जाए या नहीं, ऐसी परीक्षा के परिणाम पर विचार कर सकेगी।

17. विशेष अपील फीस—पचास रुपये अपील फीस तब तक प्रत्या-वर्तनीय नहीं होगी, जब तक कि केन्द्रीय सरकार, किसी विनिर्दिष्ट मामले की विशेष परिस्थितियों में, उसे वापस करना उचित न समझे।

18. सेरंग प्रमाणपत्र के लिए शर्तें—(i) सेरंग सक्षमता प्रमाण-पत्र के सभी अभ्यर्थियों को अक्षर और वर्ण दर्शन परीक्षणों में परीक्षा ली जाएगी।

(ii) सेरंग प्रमाणपत्र के अभ्यर्थी को 21 वर्ष से कम आयु का नहीं होना चाहिए और उसे अपने नियोजकों से सेवा और आचरण का सन्तोष-प्रद प्रमाणपत्र पेश करना चाहिए।

(iii) उसने समुद्र पर या अन्तर्देशीय जल क्षेत्रों में 4¹ वर्ष सेवा की हो जिस सेवा के अन्तिम वर्ष में वह सुबानी या नाविक के रूप में किसी अन्तर्देशीय या बन्दरगाह बाण या मोटर जलयान पर रहा होना चाहिए

(iv) उसकी निम्नलिखित विषयों में मौखिक परीक्षा ली जाएगी:

(1) मार्ग नियम

(2) बन्दरगाह लान्वों के चालन और प्रबंधकरण की बाबत साधारण प्रश्न अथवा प्रायोगिक परीक्षण यदि परीक्षक द्वारा आवश्यक समझे जाएं;

(3) स्थानीय संकेतों की जानकारी;

(4) कोचीन पत्तन और डॉक विनियम 1975 तथा स्थानीय बोयों प्रकाश स्तम्भों, भू-चिन्हों, जलमार्गों आदि तथा कोचीन पत्तन और उसके पड़ोच मार्गों में ज्वारीय पेटर्न का ज्ञान।

मद (3) और (4) के लिए परीक्षक द्वारा मौखिक परीक्षा कोचीन पत्तन के उपसंरक्षक के साथ में ली जाएगी;

(5) यदि कोई अभ्यर्थी अनुत्तीर्ण हो जाता है तो उसकी पुनः परीक्षा तब तक नहीं ली जाएगी जब तक कि उसने किसी अन्तर्देशीय या बन्दरगाह बाण या मोटर जलयान पर सुबानी या नाविक के रूप में तीन मास अतिरिक्त सेवा न कर ली हो।

19. द्वितीय वर्ग अन्तःस्थलीय मास्टर प्रमाणपत्र के लिए शर्तें—

(I) द्वितीय वर्ग अन्तःस्थलीय मास्टर सक्षमता प्रमाणपत्र के सभी अभ्यर्थियों की सर्वप्रथम और अक्षर परीक्षण में परीक्षा ली जाएगी।

(II) द्वितीय वर्ग अन्तःस्थलीय मास्टर प्रमाणपत्र के अभ्यर्थी को 22 वर्ष से कम आयु के नहीं होना चाहिए तथा उसे अपने नियोजकों से सेवा और आचरण प्रमाणपत्र पेश करने चाहियें।

(III) उसने समुद्र पर या अन्तर्देशीय जल क्षेत्र में कम से कम 5 वर्ष सेवा की हो जिस सेवा के अन्तिम 3 वर्ष वह 300 से अत्युत्तम सूचित अथवा शक्ति वाले अन्तर्देशीय या बन्दरगाह बाष्प जलयान के या 226 से अत्युत्तम शक्ति वाले मोटर जलयान के सुखानी या नाविक के रूप में रहा हो अथवा 110 से अधिक सूचित अथवा शक्ति से अधिक के बाष्प लान्व या 80 से अधिक शक्ति वाले मोटर लान्व के भारसाधक सेरंग के रूप में तीन वर्ष की आनुकूलिक सेवा की हो और जिसके पास अन्तर्देशीय बाष्प जलयान अधिनियम 1917 (1917 का 1) के अधीन या इन नियमों के अधीन प्रदान किया गया सक्षमता प्रमाणपत्र हो तथा उन्हें निम्नलिखित विषयों में सन्तोषप्रद मौखिक परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी; अर्थात्:—

- (1) मार्ग नियम;
 - (2) सभी आकस्मिकताओं में छोटे बाष्प और मोटर जलयानों का प्रबन्धकरण;
 - (3) स्थानीय संकेतों का ज्ञान;
 - (4) ज्वारभाटा सारणियों का निर्वचन;
 - (5) कम्पास (अभ्यर्थियों को कम्पास के बिन्दु पढ़ने में समर्थ होना चाहिए);
 - (6) कोचीन पत्तन और डॉक विनियम 1975 तथा स्थानीय बोयों, प्रकाश स्तम्भों भूचिह्नों, जल-मार्गों और ज्वारीय पेटर्न का ज्ञान।
- उपर्युक्त की मद (3), (4), (6) के लिए परीक्षक द्वारा मौखिक परीक्षा कोचीन पत्तन के उपसंरक्षक के साथ में ली जाएगी।

(IV) यदि कोई अभ्यर्थी अनुत्तीर्ण हो जाता है तो उसकी पुनः परीक्षा तब तक नहीं ली जाएगी जब तक कि उसने सेरंग के रूप में तीन मास प्रतिरिक्त सेवा न की हो और उसके पास अन्तर्देशीय बाष्प जलयान अधिनियम 1917 (1917 का 1) के अधीन या इन नियमों के अधीन प्रदान किया गया सेरंग प्रमाणपत्र न हो या उसने 300 से अत्युत्तम सूचित अथवा शक्ति के किसी अन्तर्देशीय या बन्दरगाह बाष्प जलयान या 226 से अत्युत्तम शक्ति वाले मोटर जलयान के सुखानी या नाविक के रूप में तीन मास तक प्रतिरिक्त सेवा न की हो।

20. प्रथम वर्ग अन्तःस्थलीय मास्टर प्रमाणपत्र के लिए अर्हताएं:—

(I) प्रथम वर्ग अन्तःस्थलीय मास्टर सक्षमता प्रमाणपत्र के सभी अभ्यर्थियों की सर्व प्रथम अक्षर परीक्षण में परीक्षा ली जाएगी।

(II) प्रथम वर्ग अन्तःस्थलीय मास्टर प्रमाणपत्र के अभ्यर्थी को—

- (1) 24 वर्ष से कम आयु का नहीं होना चाहिए और उसने किसी अन्तर्देशीय बाष्प या मोटर जलयान के भारसाधक द्वितीय वर्ग अन्तःस्थलीय मास्टर के रूप में कम से कम तीन वर्ष सेवा की हो या उसके पास भारतीय बाष्प जलयान अधिनियम 1917 (1917 का 1) के अधीन या इन नियमों के अधीन प्रदान किया गया द्वितीय वर्ग अन्तःस्थलीय मास्टर प्रमाणपत्र होने के साथ-साथ उसने बाष्प या मोटर जलयान के सेरंग के रूप में कम से कम छह वर्ष सेवा की हो; अथवा
- (2) उसने समुद्र पर कम से कम 3 वर्ष या किसी अन्तर्देशीय बाष्प या मोटर जलयान के मेट के रूप में अथवा किसी नदी पट्टेला के मास्टर के रूप में कम से कम 3 वर्ष अथवा किसी अन्तर्देशीय बाष्प या मोटर जलयान के मेट के रूप में या किसी नदी पट्टेला के मास्टर के रूप में कम से कम 6 वर्ष सेवा की हो।

(III) प्रत्येक अभ्यर्थी को निम्नलिखित विषयों में मौखिक परीक्षा ली जाएगी:—

- (1) मार्ग नियम;
 - (2) सभी आकस्मिकताओं में किसी भी प्रकार के बन्दरगाह या अन्तर्देशीय बाष्प या मोटर जलयान का प्रबंधकरण जिसमें उच्च शक्ति कर्षणाओं का चालन भी सम्मिलित है;
 - (3) ज्वारभाटा सारणियों का निर्वचन;
 - (4) स्थानिक संकेतों का ज्ञान;
 - (5) कम्पास का ज्ञान;
 - (6) कोचीन पत्तन और डॉक विनियम, 1975 तथा कोचीन पत्तन और उसके पड़ुच मार्गों के स्थानीय बोया समूह, प्रकाश स्तम्भों, भूचिह्नों जल मार्गों और ज्वारीय प्रवाह के पेटर्न का ज्ञान।
- उपर्युक्त की मद (3), (4), (6) के लिए परीक्षक द्वारा मौखिक परीक्षा कोचीन पत्तन के उपसंरक्षक के साथ में ली जाएगी।

(IV) यदि कोई अभ्यर्थी अनुत्तीर्ण हो जाता है तो उसकी पुनः परीक्षा तब तक नहीं ली जाएगी जब तक कि उसने या तो किसी अन्तर्देशीय या बन्दरगाह बाष्प या मोटर लान्व के भारसाधक द्वितीय वर्ग अन्तःस्थलीय मास्टर के रूप में अथवा किसी अन्तर्देशीय या बन्दरगाह बाष्प या मोटर जलयान के मेट या द्वितीय भारसाधक के रूप में या किसी नदी पट्टेला के मास्टर के रूप में तीन मास तक प्रतिरिक्त सेवा न की हो।

21. फीस: (I) परीक्षा के अभ्यर्थियों को प्ररूप 1 में अपने आवेदन करते समय उनकी सेवाओं की बाबत पूछताछ करके या उनकी अर्हताओं का परीक्षण करके या इन नियमों द्वारा विहित किसी अन्य चर्चा का अनुसरण करके कोई कार्यवाही की जाने के पहले परीक्षा फीस देनी होगी;

(II) यदि यह पाया जाए कि उनकी परीक्षा ली जाने का उन्हें हकदार बनाने के लिए उनकी सेवाएं पर्याप्त नहीं हैं अथवा यदि उनके शंसापत्र असमाधानप्रद हों अथवा यदि अन्य किसी भी कारण से उनकी परीक्षा नहीं ली जाए तो फीस का कोई भी भाग उन्हें वापस नहीं किया जाएगा किन्तु यथास्थिति जब उन्होंने अपेक्षित सेवा पूरी कर ली हो या वे समाधानप्रद शंसापत्र पेश कर सकें हों तो उन्हें किसी प्रतिरिक्त फीस का संवाय किए बिना उसी श्रेणी के प्रमाणपत्र के लिए परीक्षार्थ पुनः उपस्थित होने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा।

(III) परीक्षा के लिए फीस का संवाय परीक्षक को या ऐसे अधिकारी को जो कि पंक्ति से निचला न हो और जो उसके द्वारा इस निमित्त सम्यक रूप से प्राधिकृत हो, किया जाएगा।

(IV) यदि अभ्यर्थी अपनी परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो जाता है तो फीस का कोई भी भाग उसे वापस नहीं किया जाएगा।

22. फीसें निम्न प्रकार होंगी:—

- | | |
|--|----------|
| (1) प्रथम वर्ग अन्तःस्थलीय मास्टर प्रमाणपत्र | 20 रुपये |
| (2) द्वितीय वर्ग अन्तःस्थलीय मास्टर प्रमाणपत्र | 15 रुपये |
| (3) सेरंग प्रमाणपत्र | 10 रुपये |

23. साधारण: (1) प्रथम और द्वितीय वर्ग अन्तःस्थलीय मास्टर प्रमाणपत्र और सेरंग प्रमाणपत्र प्ररूप 4 में तैयार किए और जारी किए जाएंगे।

(2) ऐसा प्रत्येक प्रमाणपत्र दो प्रतियों में तैयार किया जाएगा और उसे प्रमाणपत्र का हकदार प्रत्येक व्यक्ति पासपोर्ट आकार के अपने फोटों की दो प्रतियां परीक्षक को देगा जिनमें से एक-एक प्रमाणपत्र को प्रत्येक प्रति पर चिपकाई जाएगी।

(3) प्रमाणपत्र की एक प्रति प्रमाणपत्र के हकदार व्यक्ति को दे दी जाएगी और दूसरी प्रति परीक्षक द्वारा रखी और अभिलेखबद्ध कर ली जाएगी।

अध्याय—3

कोचीन पत्तन में चलने वाले ग्रन्थ मोविन (बाध्य या मोटर) यानों के इंजन ड्राइवरों को सक्षमता प्रमाणपत्र दिये जाने के लिए नियम

24. इस अध्याय में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “प्रथम वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र” से ऐसा सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है जो किसी व्यक्ति को, कोचीन पत्तन में चलने वाले ऐसे बाण जलयान का, जिसमें 780 से कम सूचित अश्व शक्ति वाले इंजन लगे हों, इंजन ड्राइवर होने के लिए नियमों के अधीन प्रदान किया गया है ;

(ख) “प्रथम वर्ग मोटर इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र” से ऐसा सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है जो किसी व्यक्ति को, कोचीन पत्तन में चलने वाले ऐसे मोटर जलयान का, जिसमें 565 से कम ब्रेक अश्व शक्ति के इंजन लगे हों, इंजन ड्राइवर होने के लिए इन नियमों के अधीन प्रदान किया गया है ;

(ग) “द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र” से ऐसा सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है जो किसी व्यक्ति को, कोचीन पत्तन में चलने वाले ऐसे बाण जलयान का, जिसमें 300 से कम सूचित अश्व शक्ति के इंजन लगे हों, इंजन ड्राइवर होने के लिए इन नियमों के अधीन प्रदान किया गया है ;

(घ) “द्वितीय वर्ग मोटर इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र” से ऐसा सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है जो किसी व्यक्ति को, कोचीन पत्तन में चलने वाले ऐसे मोटर जलयान का, जिसमें 226 से कम ब्रेक अश्व शक्ति के इंजन लगे हों, इंजन ड्राइवर होने के लिए इन नियमों के अधीन प्रदान किया गया है ;

(ङ) “जलयान” से कोई ऐसा पोत या बन्दरगाह यान अभिप्रेत है जिसमें नौदित के यान्त्रिक साधन लगे हों ;

25. (i) सक्षमता प्रमाणपत्र उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाएगा जो अपेक्षित परीक्षाएं उत्तीर्ण कर लेते हैं और अन्यथा अपेक्षित शर्तों का अनुपालन करते हैं ।

(ii) इस प्रयोजन के लिए कोचीन पत्तन पर समय-समय पर परीक्षाएं आयोजित की जाने का प्रबन्ध किया जाएगा ।

26. परीक्षाएं इंजीनियर और पोत सर्वेक्षक, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, कोचीन द्वारा, जिसे इसमें भागे परीक्षक कहा गया है, आयोजित की जाएंगी ।

27. आवेदन प्रस्तुत करना :—परीक्षा के अभ्यर्थियों को अपने आवेदन प्रारूप 5 में देने चाहिए जिसे परीक्षक या ऐसे अधिकारी के समक्ष, जो नौसर्वेक्षक की पंक्ति से निचला न हो, और जिसे परीक्षक द्वारा इस निमित्त नियुक्त किया जाए, भरा जाना चाहिए । समुचित रीति से भरा गया प्रारूप अभ्यर्थी के मूल शंसापत्रों के साथ, परीक्षा के दिन से कम से कम 15 दिन पूर्व, परीक्षक को प्रस्तुत किया जाना चाहिए ।

28. शंसापत्र आदि :—(i) आवेदकों से प्राथिक निस्तारण पत्रों या सेवा अभिलेख के अतिरिक्त संयम, अनुभव, योग्यता तथा परीक्षार्थ आवेदन की तारीख से पूर्ववर्ती कम से कम गत 12 मास की जलयान पर की सेवा के, जब तक कि वाणिज्यिक समुद्री विभाग, कोचीन, मामले का अन्वेषण कर लेने के पश्चात्, समय का कम करना उचित न समझे साधारण सदाचरण की बाबत समाधानप्रद शंसापत्र पेश करने की अपेक्षा की जाएगी ।

(ii) ऐसे आवेदक को, जिसके पास पहले ही इन नियमों के अधीन प्रदान किया गया प्रमाणपत्र है और जो किसी उच्चतर श्रेणी की परीक्षा में सम्मिलित होने का इच्छुक हो, अपना प्रमाणपत्र और वे सभी निस्तारण

पत्र तथा सेवाअभिलेख और शंसापत्र जो निम्न श्रेणी की परीक्षा के लिए प्रस्तुत किए गए थे तथा वे निस्तारण प्रमाणपत्र या वे सेवा अभिलेख और शंसापत्र भी जो उच्चतर श्रेणी प्रमाणपत्र के लिए आवश्यक हों, पेश करना चाहिए ।

(iii) यदि परीक्षा के अभ्यर्थियों द्वारा संविग्ध अधिप्रामाणिकता के निर्देश प्रस्तुत किए जायें तो परीक्षक अभ्यर्थियों से उनके असली होने की बाबत सबूत या उस आशय का लिया गया शपथपत्र मांग सकेगा ।

(iv) यदि आवेदकों ने अपने आवेदन देने के तुरन्त पूर्व तट पर सेवा की हो तो उन्हें अपने नियोजकों से अथवा यदि वे नियोजित नहीं हैं तो किसी पत्तन न्यास या राजपत्रित अधिकारी से लिया गया आचरण प्रमाणपत्र वेना होगा ।

(v) किसी भी अभ्यर्थी को तब तक परीक्षा नहीं लेने दी जाएगी, जब तक उसने, परीक्षा ली जाने के लिए अपने आवेदन की तारीख से पूर्ववर्ती अन्तिम तीन वर्ष के भीतर एक वर्ष तक जलयान पर सेवा न की हो ।

29. कृपि आवेदकों को परीक्षा ली जा सकने के पूर्व ऐसे शंसापत्रों और निस्तारणों का सत्यापन किया जाना पड़ सकता है, अतः यह बांछनीय है कि वे प्रारूप 5 के साथ ही यथा संभव शीघ्र सीप किए जाने चाहिए :

(i) यदि अभ्यर्थी की आयु के बारे में कोई सन्देह हो तो उससे अपेक्षा की जाएगी कि वह परीक्षक के समाधानप्रद रूप में जन्मप्रमाणपत्र या, बपतिस्मा या आयु का कोई अन्य दस्तावेजी सबूत पेश करे ।

(ii) अभ्यर्थियों की सेवाओं के शंसापत्र सामान्यता उनके नियोजकों के अभिलेख पर आधारित होने चाहिए, जो परीक्षक के विवेकाधिकार पर पेश किया या पेश कराया जा सकेगा ।

(iii) वे दावाकृत सेवाएं जिनका सत्यापन नियोजक के कार्यालय अभिलेखों से नहीं किया जा सकता है, उन व्यक्तियों को शपथ पत्रों द्वारा, जिनके अधीन ऐसी सेवाएं की गई हैं तथा स्वयं अभ्यर्थी के शपथपत्र द्वारा अधिप्रमाणित की जानी चाहिये ।

(iv) अभ्यर्थियों से यह अपेक्षा की जाएगी कि वे अपनी सेवा में किन्हीं अन्तरालों का दस्तावेजी साक्ष्य सहित लेखा-जोखा दें ।

30. द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र के लिए अर्हताएं:—द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर के प्रमाणपत्र के अभ्यर्थी ने 21 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली होनी चाहिये और उसके पास निम्नलिखित अर्हताओं में से कोई अर्हता होनी चाहिए, अर्थात्:—

(i) उसने किसी मान्यताप्राप्त कर्मशाला में बाण इंजनों के निर्माण या मरम्मत कार्य में कम से कम 3 वर्ष और किसी ऐसे जलयान के, जो 300 से अन्तून सूचित अश्वशक्ति के बाण द्वारा नौदित हों, इंजन-कक्ष में एक वर्ष शिक्षता की हो; अथवा

(ii) उसने समुद्र पर या अन्तर्वेशीय जलक्षेत्रों में ऐसे इंजीनियर या प्रथम वर्ग इंजन ड्राइवर के अधीन, जो अन्तर्वेशीय बाण जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन या इन नियमों के अधीन प्रदान किया गया सक्षमता प्रमाणपत्र धारण करता हो, स्टीमर के इंजन कक्ष में 4 वर्ष सेवा की हो, जिस सेवा का एक वर्ष, 100 से अन्तून सूचित अश्व-शक्ति के इंजन वाले जलयान में निगरानी के भारसाधक मीजर, सहायक ड्राइवर या फायरमैन के रूप में रहा हो; अथवा

(iii) उसने जलयान के इंजन कक्ष में 5 वर्ष सेवा की हो जिस सेवा का एक वर्ष 100 से अन्तून सूचित अश्वशक्ति के जलयान में, अन्तर्वेशीय बाण जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन या इन नियमों के अधीन प्रमाणपत्र प्राप्त प्रथम

वर्ग इंजन ड्राइवर के अधीन निगरानी के भारसाधक ग्रीजर, सहायक ड्राइवर या फायरमैन के रूप में रहा हो।

31. उसे परीक्षा के विवेकाधिकार पर, अन्य ऐसे सभी परीक्षाओं को पूरा करने के पश्चात् जो उससे दिलाए जाएं, किसी छोटे स्टीमर के इंजनों को वस्तुतः चालू करके अपनी व्यावहारिक अर्हताएं दर्शित करने में समर्थ होना चाहिये।

32. द्वितीय वर्ग मोटर इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र के लिए अर्हता:—
द्वितीय वर्ग मोटर इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र के अभ्यर्थी ने 21 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली हो तथा उसके पास निम्नलिखित अर्हताओं में से कोई अर्हता होनी चाहिए, अर्थात्:—

- (i) उसने शिक्षा के रूप में अथवा अन्तर्वहन समुद्री इंजनों के निर्माण फिटिंग या मरम्मत के कार्य में कम से कम 3 वर्ष सेवा की हो और उसके अतिरिक्त उसने 100 से अत्युन्नत ब्रेक अथवा शक्ति के इंजनों वाले मोटर जलयान के इंजन कक्ष में 6 मास या 50 से अत्युन्नत ब्रेक अथवा शक्ति के इंजनों वाले जलयान में 9 मास तक सेवा की हो; अथवा
- (ii) उसने 226 से अत्युन्नत ब्रेक अथवा शक्ति के मोटर जलयान के इंजन कक्ष में कम से कम 4 वर्ष की अवधि तक सेवा की हो, जिस अवधि में से कम से कम एक वर्ष ग्रीजर, सहायक ड्राइवर या फायरमैन के रूप में सेवा की गई हो;

परन्तु ऊपर उल्लिखित 4 वर्ष में से, 18 मास, 300 से अत्युन्नत सूचित अथवा शक्ति के वाष्प जलयान के इंजन कक्ष में सेवा की हो सकती है; अथवा

- (iii) उसने 100 से अत्युन्नत ब्रेक अथवा शक्ति के इंजनों वाले मोटर जलयान के इंजन कक्ष में कम से कम 5 वर्ष की अवधि तक या 75 से अत्युन्नत ब्रेक अथवा शक्ति के इंजनों वाले जलयान के इंजन कक्ष में 6 वर्ष की अवधि तक ग्रीजर, सहायक ड्राइवर या फायरमैन के रूप में सेवा की हो;

परन्तु ऊपर उल्लिखित 5 या 6 वर्ष की सेवा में से 18 मास, 150 से अत्युन्नत सूचित अथवा शक्ति के वाष्प जलयान के इंजन कक्ष में सेवा की गई हो सकती है; अथवा

- (4) उसने भारतीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन या इन नियमों के अधीन प्रदान किए गए, वाष्प जलयानों के द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र सहित अथवा 100 से अत्युन्नत ब्रेक अथवा शक्ति के इंजनों वाले मोटर जलयान के इंजन कक्ष में उच्चतर श्रेणी प्रमाणपत्र सहित, कम से कम 6 मास अथवा 75 से अत्युन्नत ब्रेक अथवा शक्ति के इंजनों वाले मोटर जलयान में 9 मास तक सेवा की हो।

33. अभ्यर्थियों का मौखिक परीक्षा उत्तीर्ण करना:—अभ्यर्थी को मौखिक परीक्षा समाधानप्रद रूप में उत्तीर्ण करना चाहिये।

34. (1) अभ्यर्थी को ईंधन तैल टंकियों से धरण के परिणामस्वरूप होने वाले संकट की जानकारी होनी चाहिए तथा इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि विस्फोट के प्रति क्या पूर्वनिर्धारित जानकारी होनी चाहिए।
- (2) उसे इस बात में भी समर्थ होना चाहिए कि जब इंजन बन्द किए जाते हैं दो वाष्पित्र से ज्वलनशील वाष्प के निकास से रक्षा के लिए वह आवश्यक पूर्वनिर्धारित करे।
- (3) उसे इस बात की भी जानकारी होनी चाहिए कि यदि अग्नि बड़क उठे तो वह क्या उपाय करे।

35. अभ्यर्थी को इस बात में भी समर्थ होना चाहिए कि वह परीक्षक द्वारा जब भी अपेक्षा की जाए तब अपना व्यावहारिक ज्ञान प्रदर्शित करे।

36. प्रथम वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र के लिए अर्हताएं:—प्रथम वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र के अभ्यर्थी ने 22 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली हो और उसके पास निम्नलिखित अर्हताओं में से कोई अर्हता होनी चाहिए, अर्थात्:—

- (1) उसने अन्तर्वेशीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन या इन नियमों के अधीन प्रदान किया गया वाष्प जलयान के लिए द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र धारण करते हुए, किसी मान्यताप्राप्त समुद्री कर्मशाला में कम से कम 3 वर्ष शिक्षता का काम तथा 750 से अत्युन्नत सूचित अथवा शक्ति के इंजनों वाले स्टीमर में कनिष्ठ इंजीनियर के रूप में 1 वर्ष सेवा की हो; अथवा
- (2) उसने अन्तर्वेशीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन या इन नियमों के अधीन प्रदान किया गया वाष्प जलयानों के लिए द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र धारण करते हुए, समुद्र पर या अन्तर्वेशीय जलक्षेत्रों में किसी स्टीमर के इंजन कक्ष में 5 वर्ष सेवा की हो, जिस सेवा के दो वर्ष और छह मास वह, 375 से अत्युन्नत सूचित अथवा शक्ति के विद्युत-सतह संयन्त्र इंजनों वाले स्टीमर में निगरानी के भारसाधक ग्रीजर, सहायक ड्राइवर या फायरमैन के रूप में रहे हों; अथवा
- (3) उसने अन्तर्वेशीय वाष्प जलयान, 1917 (1917 का 1) के अधीन या इन नियमों के अधीन प्रदान किया गया वाष्प जलयानों के लिए द्वितीय वर्ग ड्राइवर प्रमाणपत्र धारण करते हुए, 375 से अत्युन्नत सूचित अथवा शक्ति के विद्युत-सतह संयन्त्र इंजनों वाले स्टीमर के मुख्य इंजनों और वायुलरों की निगरानी के भारसाधक द्वितीय वर्ग ड्राइवर के रूप में 1 वर्ष सेवा की हो; अथवा
- (4) उसने अन्तर्वेशीय मोटर जलयान अधिनियम-1917 (1917 का 1) के अधीन या इन नियमों के अधीन प्रदान किया गया वाष्प जलयानों के लिए द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र धारण करते हुए, 375 से अत्युन्नत सूचित अथवा शक्ति के विद्युत-सतह संयन्त्र इंजन वाले स्टीमर के मुख्य इंजन और वायुलरों की निगरानी के भारसाधक ग्रीजर या सहायक ड्राइवर के रूप में 18 मास सेवा की हो।

37. उसे इस बात में भी समर्थ होना चाहिए कि जब भी अपेक्षा की जाए, उसे उन सभी अन्य परीक्षाओं को पूरा करने के पश्चात्, जो उससे दिलाए जाएं, स्टीमर के इंजनों को वस्तुतः चालू करके अपना व्यावहारिक ज्ञान प्रदर्शित करे।

38. प्रथम वर्ग मोटर इंजन-ड्राइवर प्रमाणपत्र के लिए अर्हताएं:—
प्रथम वर्ग मोटर इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र के अभ्यर्थी ने 22 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली हो और उसके पास निम्नलिखित अर्हताओं में से कोई अर्हता होनी चाहिए, अर्थात्:—

- (1) उसने अन्तर्वेशीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन या इन नियमों के अधीन प्रदान किया गया मोटर जलयानों के लिए द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र धारण करते हुए, 565 से अत्युन्नत ब्रेक अथवा शक्ति मोटर जलयान के मुख्य इंजनों की नियमित निगरानी पर के इंजन ड्राइवर के रूप में कम से कम दो वर्ष सेवा की हो; अथवा
- (2) उसने अन्तर्वेशीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन या इन नियमों के अधीन प्रदान किया गया मोटर जलयानों के लिए द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र धारण करते हुए 226 से अत्युन्नत ब्रेक अथवा शक्ति के मोटर जलयान के मुख्य इंजनों पर निगरानी के भारसाधक द्वितीय ड्राइवर के रूप में कम से कम 3 वर्ष की अवधि पर्यन्त सेवा की हो; अथवा

(iii) उसने 226 से अन्यून ब्रेक अश्व शक्ति के मोटर जलयान के इंजन कक्ष में कम से कम 5 वर्ष की अवधि तक सेवा की हो, जिस अवधि में से कम से कम एक वर्ष निगरानी के भारसाधक ग्रीजर सहायक ड्राइवर या फायरमैन के रूप में सेवा की गई हो; अथवा

(iv) उसने अन्तर्राष्ट्रीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन या इन नियमों के अधीन प्रदान किया गया वाष्प जलयान का द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र धारण करते हुए, 565 से अन्यून ब्रेक अश्व शक्ति के मोटर जलयान के इंजन ड्राइवर या मुख्य इंजनों पर नियमित निगरानी कर्ता के रूप में कम से कम दो वर्ष सेवा की हो; अथवा

(v) उसने अन्तर्राष्ट्रीय मोटर जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन या उन नियमों के अधीन प्रदान किया गया मोटर यान के द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र को धारण करते हुए, 226 से अन्यून ब्रेक अश्व शक्ति के मोटर जलयान के इंजन ड्राइवर के रूप में या उसके मुख्य इंजनों की नियमित निगरानी के रूप में कम से कम पांच वर्ष सेवा की हो; अथवा

(vi) उसके पास वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 के अधीन प्रदान किया गया समुद्रगामी वाष्प जलयान का इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र होना चाहिए और उसने 565 से अन्यून ब्रेक अश्वशक्ति के मोटर जलयान के मुख्य इंजनों को नियमित चौकसी पर कम से कम 1 वर्ष की अवधि पर्यन्त सेवा की हो।

39. अभ्यर्थियों का मौखिक परीक्षा उत्तीर्ण करना :—उसे ऐसी मौखिक परीक्षा जो कि द्वितीय वर्ग मोटर इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र के लिए अपेक्षित है, किन्तु उससे अधिक उच्च स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण करनी चाहिए।

40. फीस :—(i) अभ्यर्थियों को परीक्षा के लिए प्ररूप 5 में अपने आवेदन देते समय, किसी भी कार्यवाही के किए जाने से पूर्व, चाहे वह उनकी सेवाओं के बारे में कोई जांच हो या उनकी अर्हताओं का परीक्षण आदि हो, परीक्षा फीस का संदाय करना होगा।

प्ररूप सं० 1

[नियम 5 और 21]

प्रमाणपत्र की परीक्षा के लिए आवेदन

कोचीन पत्र में चलने वाले—

750 से कम सूचित अश्वशक्ति के/किसी ब्रेक अश्वशक्ति के इंजनों वाले वाष्प जलयान

565 से कम ब्रेक अश्वशक्ति के/किसी ब्रेक अश्वशक्ति के इंजनों वाले मोटर जलयान

अथवा

300 से कम सूचित अश्वशक्ति के इंजनों वाले वाष्प जलयान

के संलग्न

226 से कम ब्रेक अश्वशक्ति के इंजनों वाले मोटर जलयान

के रूप में कार्य करने के लिए प्रमाणपत्र की परीक्षा के लिए आवेदन।

ध्यान दीजिए :—अपेक्षित विशिष्टियां भरने से पहले अभ्यर्थियों को खण्ड (1) में की सूचना और घोषणा को सावधानी से पढ़ लेना चाहिए।

(क) अभ्यर्थी का नाम, आदि

पूरा नाम

जन्म की तारीख और स्थान

(ii) किन्हीं भी परिस्थितियों में फीस का कोई भी भाग उन्हें लौटाया नहीं जाएगा; किन्तु यदि यह पाया जाए कि परीक्षा देने का उन्हें हकदार बनाने के लिए उनकी सेवा पर्याप्त नहीं है या कि उनके शंसापत्र असमाधानप्रद हैं तो उन्हें कोई अतिरिक्त फीस दिए बिना तब परीक्षा में उपस्थित होने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा, जब कि उन्होंने यथास्थिति, अपेक्षित सेवा की पूर्ति कर दी हो या वे समाधानप्रद शंसापत्र प्रस्तुत करने में समर्थ हों।

41. यदि अभ्यर्थी अपनी परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो जाता है तो उसने जिस फीस का संदाय किया है, उसका कोई भी भाग उसे लौटाया नहीं जाएगा।

42. फीसें निम्न प्रकार होंगी :—

द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र या

द्वितीय वर्ग मोटर इंजन ड्राइवर

प्रमाणपत्र

20 रुपए

प्रथम वर्ग इंजन ड्राइवर या प्रथम वर्ग

मोटर इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र

30 रुपए

43. अनुत्तीर्णता :—यदि आवेदक मौखिक परीक्षा या परीक्षा के प्रायोगिक भाग में अनुत्तीर्ण हो जाता है तो वह पुनः परीक्षा के लिए तब तक उपस्थित नहीं हो सकेगा, जब तक वह सर्वेक्षक के समाधानप्रद रूप में, अतिरिक्त प्लावी सेवा का सबूत पेश नहीं कर सकता है।

44. साधारण :—प्रथम और द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र प्ररूप 6 में तैयार और जारी किया जाएगा।

45. (i) प्रत्येक ऐसा प्रमाणपत्र दो प्रतियों में तैयार किया जाएगा और ऐसे प्रमाणपत्र का हकदार प्रत्येक व्यक्ति प्रधान अधिकारी को पासपोर्ट आकार के अपने फोटोग्राफ की दो प्रतियां देगा जिनमें से एक एक प्रमाणपत्र की प्रत्येक प्रति पर चिपकाई जाएगी।

(ii) प्रमाणपत्र की एक प्रति, प्रमाणपत्र के हकदार व्यक्ति को दे दी जाएगी और दूसरी प्रति प्रधान अधिकारी द्वारा रख ली और अभिलेखबद्ध कर ली जाएगी।

के अन्तःस्थलीय मास्टर

स्थायी पता जिसमें नगर या ग्राम का नाम, गली और मकान की संख्या तथा उस व्यक्ति का नाम (यदि कोई हो) बताएं जिसके साथ निवास कर रहा हो।

(ख) किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए सभी पूर्वतन प्रमाणपत्रों (यदि कोई हों) की विशिष्टियां

संख्या सक्षमता सेवा आदि श्रेणी कहां जारी किया गया जारी करने की तारीख यदि किसी समय रद्द या निलम्बित किया तारीख कारण गया हो तो यह बताएं कि किस प्राधिकारी द्वारा किया गया।

(ग) अब अपेक्षित प्रमाणपत्र :—

श्रेणी पता जिस पर वह भेजा जाता तारीख पत्र जिसके लिए प्रमाणपत्र वह विषय जिससे अभ्यर्थी अनुत्तीर्ण हुआ है।

(घ) जो प्रमाणपत्र अब अपेक्षित है, उसके लिए यदि अभ्यर्थी किसी पूर्वतन परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ हो, तो उसे वहां यह बताना चाहिए कि वह कब अनुत्तीर्ण हुआ। यदि वह अनुत्तीर्ण नहीं हुआ है तो उसे इस खण्ड के सामने लिखित रूप में ऐसा कथन करना चाहिए।

(ङ) प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास का प्रमाणपत्र।

घोषणा (1) पर मेरे समक्ष के समक्ष हस्ताक्षर किए गए और
..... रु० फीस मैंने प्राप्त की।

तारीख 19...

परीक्षक,
वाणिज्यिक समुद्री विभाग,
मद्रास/कोचीन

(च) परीक्षकों का प्रमाणपत्र

परीक्षा की तारीख और स्थान
तारीख स्थान

(छ) अभ्यर्थी का शारीरिक विवरण

ऊँचाई रंगरूप उत्तीर्ण या अनुत्तीर्ण
कुट दंत वर्ष

बालों का प्रांखों का शारीरिक चिह्न या विशिष्टताएं यदि कोई हो

मैं प्रमाणित करता हूँ कि खंड (च) और (छ) में दी गई विशिष्टियां सही हैं और अभ्यर्थी ने सेवा के समाधानप्रद शंसापत्र और सबूत पेश कर दिए हैं।

तारीख 19...

प्रधान अधिकारी,
वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास

(ज) शंसापत्रों की सम्पूर्ण सूची और आरम्भ से या वर्तमान प्रमाणपत्र की तारीख से, सेवा का पूर्ण विवरण (शंसापत्रों को निम्नलिखित विवरण के प्रथम स्तम्भ में दी हुई संख्या के अनुसार लगातार संख्यांकित किया जाए)।

शंसापत्रों को यदि कोई हों, संख्या	अज्ञान का नाम	अज्ञानों के टनमार की विशिष्टियां	सूचित अवकाशित/ब्रेक अवकाशित	आवेक की सेवा की विशिष्टियां						ट्रेड जिस में जिस टिप्पणी	सत्यापक के हस्ताक्षर	
				क्षमता	प्रारंभ की तारीख	पर्यवसान की तारीख	सेवा की अवधि वर्ष मास दिन जित है	नियो-				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13

कुल सेवा

वह सेवाकृत समय जिसके लिए अब सेवा सबूत पेश किया गया है।

वह सेवाकृत समय जिसके लिए कोई सबूत पेश नहीं किया गया है।

(झ) अभ्यर्थी द्वारा की जाने वाली घोषणा

(सूचना :—जो कोई व्यक्ति अपने लिए या किसी अन्य व्यक्ति के लिए सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करने के प्रयोजन के लिए कोई मिथ्या व्यपदेशन करता है या करता है या किए जाने में सहायता करता है उस पर अभियोजन चल सकेगा।)

मैं घोषणा करता हूँ कि इस प्ररूप के खण्ड (क), (ख), (ग), (घ) और (ज) में दी गई विशिष्टियां मेरे पूर्ण ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही और सत्य हैं तथा खण्ड (ज) में प्रमाणित और इस प्ररूप के साथ भेजे गए कागज पत्र सत्य और असली दस्तावेज हैं और वे उन व्यक्तियों द्वारा दिए गए और हस्ताक्षरित किए गए हैं जिनके नाम उन पर दिए हुए हैं। मैं यह भी घोषणा करता हूँ कि विवरण (ज) में मेरा सम्पूर्ण सेवा का निरपवाद रूप से सत्य और सही वृत्तान्त दिया गया है।

तारीख 19...

परीक्षक, वाणिज्यिक समुद्र विभाग, मद्रास/कोचीन के समक्ष हस्ताक्षर किए गए।

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर
वर्तमान पता

प्ररूप 2

[नियम-10]

दृष्टि परीक्षण में परीक्षा ली जाने के लिए आवेदन

(क) अभ्यर्थी का नाम, आदि।

1. पूरा नाम
2. स्थायी पता जिसके साथ पूर्ण विशिष्टियां
3. जन्म तारीख
4. जन्म स्थान
नगर या ग्राम
5. यदि अभ्यर्थी ने समुद्र पर सेवा की है तो बताएं—
(i) कितने वर्ष
(ii) प्रमाणपत्र का (यदि कोई हो) वर्तमान निर्धारण, संख्यांक और श्रेणी
6. यदि अभ्यर्थी ने समुद्र पर सेवा नहीं की है, तो बताएं—
(i) क्या समुद्र पर जाने वाला है।
(ii) किसी हैसियत में।

राज्य या जिला

(ख) यदि दृष्टि परीक्षणों में अभ्यर्थी को पहले परीक्षा कर ली गई है तो उसे यहाँ यह बताना चाहिए कि अन्तिम परीक्षा कब और कहाँ हुई थी और उसे प्रत्येक विषय के सामने क्या स्थिति "उत्तीर्ण" "अनुत्तीर्ण" या "परीक्षा नहीं ली गई है" लिखना चाहिए। यदि अभ्यर्थी के पास सक्षमता प्रमाणपत्र है तो उसकी वर्ण दृष्टि की परीक्षा नहीं ली जानी चाहिए और 'परीक्षा नहीं ली गई' प्रविष्टि खण्ड 14 में दर्ज की जानी चाहिए।

7. तारीख
8. पत्तन
9. रूप दर्शन परीक्षण
पुराना नया
10. वर्ण दर्शन परीक्षण

(ग) अभ्यर्थी द्वारा की जाने वाली घोषणा

मैं घोषणा करता हूँ कि इस प्ररूप के खण्ड (क) और (ख) में दी गई विशिष्टियां मेरे पूर्ण ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही और सत्य हैं। और मैं यह घोषणा शुद्ध अन्तःकरण से इस विश्वास के साथ करता हूँ कि यह सत्य है।

तारीख

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर

(घ) फीस की परीक्षक की रसीद

11. प्राप्त हुई रकम 4 रुपए (केवल चार रुपए)
12. प्राप्ति की तारीख
13. वह स्थान जहाँ प्राप्त की।

उपरोक्त घोषणा पर मेरे समक्ष हस्ताक्षर किए गए और निर्धारित फीस मैंने प्राप्त कर ली है।

परीक्षक,

वाणिज्यिक समुद्री विभाग,
मद्रास/कोचीन

(ङ) परीक्षक का प्रमाणपत्र

मैं प्रमाणित करता हूँ कि ऊपर नामित अभ्यर्थी की मैंने आज रूप और वर्ण दृष्टि के लिए परीक्षणों में परीक्षा ली, जिसका निम्नलिखित परिणाम रहा :—

14. रूप दर्शन परीक्षण
पुराना + नया +
15. वर्ण दर्शन परीक्षण +

कोचीन पत्तन

तारीख परीक्षक

सेवा में,

प्रधान अधिकारी,
वाणिज्यिक समुद्री विभाग,
मद्रास

टिप्पणी—परीक्षक इस प्ररूप को भरेगा और परीक्षा के दिन उसे प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास जिला, मद्रास को भेजेगा।

वर्ण दर्शन परीक्षण में, यथास्थिति, "उत्तीर्ण" या "अनुत्तीर्ण" लिखिए। यदि अभ्यर्थी के पास सक्षमता प्रमाणपत्र है तो "परीक्षा नहीं की गई" प्रविष्टि होनी चाहिए।

प्ररूप-3

[नियम 12 ख (1)]

भारत सरकार द्वारा जारी किया गया

कोचीन पत्तन

तारीख : 19...

वृद्धि परीक्षण

परीक्षक के लिए टिप्पणः—प्रत्येक ऐसे मामले में, जिसमें अभ्यर्थी रूप या वर्ण दर्शन के परीक्षण उत्तीर्ण नहीं करता है, इस प्ररूप में रिपोर्ट प्रधान अधिकारी को भेजी जाएगी। परीक्षक को उसके मार्ग दर्शन के लिए अधिकथित अनुदेशों पर वह यथावत् ध्यान देना चाहिए। अभ्यर्थियों को वर्ण दर्शन परीक्षण में तब तक परीक्षा नहीं ली जाएगी जब तक उन्होंने रूप दर्शन परीक्षण उत्तीर्ण न कर लिया हो।

अभ्यर्थी का नाम, आदि

1. पूरा नाम
2. उपनाम
3. जन्म तारीख
4. जन्म स्थान
5. यदि अभ्यर्थी ने समुद्र पर सेवा की हो तो बताएं:—
 - (i) कितने वर्ष
 - (ii) प्रमाणपत्र का (यदि कोई हो) वर्तमान निर्धारण और संख्यांक तथा श्रेणी।
6. यदि अभ्यर्थी ने समुद्र पर सेवा नहीं की है तो बताएं:—
 - (i) क्या समुद्र पर जाने वाला है।
 - (ii) किस हैसियत में।

यदि दृष्टि परीक्षणों में अभ्यर्थी की पहले परीक्षा कर ली गई है तो यहाँ यह बताना चाहिए कि अन्तिम परीक्षण कब और कहाँ हुई थी और प्रत्येक विषय में सामने यथास्थिति "उत्तीर्ण" "अनुत्तीर्ण" या "परीक्षा नहीं ली गई" लिखिए:—

7. तारीख
8. पक्षम
9. रूप दर्शन परीक्षण—

पुराना

उपान्तरित नया

पूर्ण नया

10. वर्ण दर्शन परीक्षण
अभ्यर्थी का शारीरिक विवरण :

11. ऊँचाई फुट इंच
12. रंगरूप
13. निम्नलिखित का वर्ण :—
 - (i) बाल
 - (ii) आँखें
14. शारीरिक चिन्ह या विशिष्टताएं, यदि कोई हों।

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर

वर्तमान पता

मेरा निवेदन है कि मैंने ऊपर नामित अभ्यर्थी की बाबत यह सूचना दे दी है कि वह परीक्षण या (क) रूप दर्शन (पुराना परीक्षण) (नया परीक्षण), (ख) वर्ण दर्शन* में अनुत्तीर्ण हो गया है।

परीक्षक के हस्ताक्षर

सेवा में,

प्रधान अधिकारी,
वाणिज्यिक समुद्री विभाग,
मद्रास

*जो शब्द लागू न हो उन्हें काट दें।

रूप दर्शन

- (1) क्या अभ्यर्थी रूप दर्शन के परीक्षण में उत्तीर्ण हुआ या अनुत्तीर्ण ।
- (2) यदि अभ्यर्थी अपेक्षित मानक प्राप्त करने में असफल रहता है तो निम्नलिखित सारणी भरी जानी चाहिए और उसे इस बाबत अनुदेशों के लिए प्रधान अधिकारी को प्रस्तुत किया जाना चाहिए कि अभ्यर्थी को उत्तीर्ण माना जाए या अनुत्तीर्ण [नियम 12(ख)(1) देखिए] ।

प्रांख*	प्रयुक्त शीटें	प्रत्येक शीट की प्रत्येक पंक्ति में की गई गलतियों की संख्या
		पहली पंक्ति दूसरी पंक्ति तीसरी पंक्ति चौथी पंक्ति पांचवीं पंक्ति छठी पंक्ति सातवीं पंक्ति
	पहली दूसरी तीसरी चौथी	

*यह बताएं कि क्या अभ्यर्थी ने दोनों प्रांखों का प्रयोग एक साथ किया या अपनी केवल बेहतर प्रांख का प्रयोग किया ।

- (3) जब अभ्यर्थी की परीक्षा ली गई थी तब प्रकाश की स्थिति कैसी थी ।

वर्ण दर्शन

- (1) क्या अभ्यर्थी अनुत्तीर्ण हुआ है अथवा सामान्य वर्ण दर्शन के परीक्षण में निर्देशित किया गया है ।

साधारण टिप्पणियों और लेटर्न परीक्षण में की गलतियों का अभिलेख ।

प्ररूप 4

[नियम 23]

सक्षमता प्रमाणपत्र

कोचीन पत्तन में चलने वाले—

300 से कम सूचित अश्व-शक्ति के इंजनों वाले वाष्प जलयान के सेंरंग के रूप में 226 से कम ब्रेक अश्व-शक्ति के इंजनों वाले मोटर जलयान

अथवा

750 से कम सूचित अश्व-शक्ति के इंजनों वाले वाष्प जलयान के द्वितीय वर्ग अंतः स्थलीय मास्टर के रूप में
665 से कम सूचित अश्व-शक्ति के इंजनों वाले मोटर जलयान

अथवा

किसी भी सूचित अश्व-शक्ति के इंजनों वाले वाष्प जलयान के द्वितीय वर्ग अंतः स्थलीय मास्टर के रूप में,
किसी भी ब्रेक अश्व-शक्ति के इंजनों वाले मोटर जलयान
सक्षमता का प्रमाण पत्र ।

सेवा में

.....
.....

चूंकि आपकी परीक्षा के पश्चात्

कोचीन पत्तन में चलने वाले—

300 से कम सूचित अश्व-शक्ति के इंजनों वाले वाष्प जलयान के सेंरंग,
226 से कम ब्रेक अश्व-शक्ति के इंजनों वाले मोटर जलयान

अथवा

750 से कम सूचित अश्व-शक्ति के इंजनों वाले वाष्प जलयान के द्वितीय वर्ग अंतः स्थलीय मास्टर,
665 से कम ब्रेक अश्व-शक्ति के इंजनों वाले मोटर जलयान

अथवा

किसी भी सूचित श्रवण-शक्ति के इंजनों वाले वाष्प जलयान — के प्रथम वर्ग अर्थात् स्थलीय मास्टर के कर्तव्यों की पूर्ति करने के लिए सम्यक् रूप से अर्हित पाया गया है, किसी भी ब्रेक श्रवण-शक्ति के इंजनों वाले मोटर जलयान

अतः मैं आपको कोचीन पत्तन में चलने के लिए, ऐसे के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र प्रदान करता हूँ ।

मेरे हस्ताक्षर से और मुद्रा लगाकर दिया गया ।

प्रधान अधिकारी

वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास ।

तारीख

प्रमाणपत्र सं०

धारक पुत्र श्री

जन्म की तारीख और स्थान जिसमें ग्राम, ताल्लुका और जिला दर्शित किया जाए

निवास स्थान जिसमें ग्राम, ताल्लुका और जिला दर्शित किया जाए

ऊंचाई

भारीरिक विवरण जिसमें विशिष्टतया कोई स्थायी चिह्न या क्षत चिह्न बताए जाएं ।

रजिस्टर टिकट सं०

ध्यान दीजिए : यदि यह प्रमाणपत्र इसके मालिक से भिन्न किसी व्यक्ति के कब्जे में आ जाता है तो उससे यह अपेक्षा की जाती है कि वह उसे तुरंत प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास को भेज दे ।

तारीख को स्थान पर जारी किया गया ।

रजिस्ट्रीकृत

प्रधान अधिकारी,
वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास

प्रारूप 6

[मिथम 27, 29 और 40]

सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा ली जाने के लिए आवेदन

कोचीन पत्तन में चलने वाले—

घयवा

300 से कम सूचित श्रवण-शक्ति/750 से कम सूचित श्रवण-शक्ति के इंजनों वाले वाष्प जलयान के इंजन ग्राहवर के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा 226 से कम ब्रेक श्रवण-शक्ति/565 से कम ब्रेक श्रवण-शक्ति के इंजनों वाले मोटर जलयान ली जाने के लिए आवेदन ।

टिप्पणः—परीक्षा के आवेदक द्वारा इस प्रारूप के खण्ड (क), (ख), (ग), (घ), (ङ) और (छ) को उक्त प्रधान अधिकारी या ऐसे पदधारी के समक्ष भरा जाएगा, जिसे उसके द्वारा इस निमित्त नियुक्त किया जाए, और वह अभ्यर्थी के शंसापनों और पूर्वतर प्रमाणपत्र के सहित, यदि कोई हो, उसे सौंप दिया जाएगा ।

(क) आवेदन का नाम, धावि

1. पूरा नाम
2. उपनाम
3. पिता का नाम
4. स्थायी पता जिसमें मकान की सं०, नगर/ग्राम धावि बताएं
5. जन्म तारीख
6. जन्म कहाँ हुआ :
(क) नगर या ग्राम और ताल्लुका :
(ख) जिला :

(ख) सभी पूर्वतन प्रमाणपत्रों (यदि कोई हों) की विशिष्टियाँ, जहाँ जारी किए गए हों :—

सं० सेवा की सक्षमता	श्रेणी	कहाँ जारी किया गया	जारी करने की तारीख	यदि किसी समय निलम्बित या रद्द किया गया हो तो बताए कि किसी न्यायालय या प्राधिकारी द्वारा किया गया	तारीख	कारण
7	8	9	10	11	12	13

(ग) प्रमाणपत्र जो अब अपेक्षित है .

(15) श्रेणी

(16) सेवा की सक्षमता

(17) पता जिस पर इसे भेजा जाना है ।

(घ) यदि आवेदक उस प्रमाणपत्र के लिए, जो अब अपेक्षित है, किसी पूर्वतन परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ है, तो उसे यहाँ यह बताना चाहिए कि कब और कहाँ हुआ यदि वह अनुत्तीर्ण नहीं हुआ है तो उसे इस खंड भर में लिखित रूप से ऐसा कथन करना चाहिए ।

(18) तारीख

(19) पक्ष

(20) वे विषय जिनमें वह अनुत्तीर्ण हुआ ।

(ङ) आवेदक द्वारा की जाने वाली घोषणा :

मैं इसके द्वारा घोषणा करता हूँ कि इस प्रश्न के खंड (क), (ख), (ग), (घ) और (ङ) में दी गई विशिष्टियाँ मेरी पूर्ण जानकारी और विश्वास के अनुसार सही और सत्य हैं, तथा खंड (छ) में प्रमाणित और इस प्रश्न साथ भेजे गए कागज पत्र सत्य और असली दस्तावेज हैं जो उन व्यक्तियों द्वारा दिए गए और हस्ताक्षरित किए गए हैं जिनके नाम उन पर दिए गए हैं । मैं यह भी घोषणा करता हूँ कि कथन (छ) में निरपवाद रूप से मेरी संपूर्ण सेवा का सत्य और सही वृत्तांत है ।

और मैं यह घोषणा शुद्ध अन्तःकरण से इस विश्वास के साथ कर रहा हूँ कि वह सत्य है ।

प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास के समक्ष हस्ताक्षर किए गए ।

यदि आवश्यक हो तो ऐसे पदधारी का नाम भरा जा सकेगा जिसे प्रधान अधिकारी द्वारा नियम 4 के अधीन नियुक्त किया जाए ।

तारीख—

आवेदक के हस्ताक्षर
वर्तमान पता

(च) प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास परीक्षक को

उपर्युक्त घोषणा (ङ) पर मेरे समक्ष हस्ताक्षर किए गए और— व० फीस मैंने प्राप्त की है ।

तारीख—

हस्ताक्षर
पदनाम

(छ) संसापत्रों की सूची और तट पर समुद्र पर की सेवा का विवरण (संसापत्रों को नीचे स्तम्भ 21 में दी गई संख्या के अनुसार लगातार संख्यांकित किया जाएगा) :—

यदि जलयान घर की सेवा हो						
संसापत्रों (यदि कोई हों) की संख्या	कहाँ नियोजित है या जलयान का नाम	इंजनों की क्षमता	रजिस्ट्री की धारिता पक्ष और जलयान की अधिकृत सं०	आवेदक की प्रारम्भ तारीख	पर्यवसान की तारीख	
21	22	23	24	25	26	27

सेवा	ट्रेड जिसमें नियोजित था	सत्यापक के हस्ताक्षर
इस सेवा में किससे समय तक नियोजित रहा		
वर्ष मास दिन		
28 29 30	31	32

(ज) सेवा काल की विधिष्टियाँ:—

33. जलयानों पर और तट पर की कुल सेवा

(क) जलयान पर की कुल सेवा

(ख) तट की कुल सेवा

टिप्पण:—परीक्षक को खण्ड (ज) और (झ) को भरना चाहिए और सभी मामलों में, यथासंभव शीघ्र इस कागज को प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास को प्रेषित करना चाहिए। यदि आवेदक उत्तीर्ण हो जाता है तो उसके शंसापत्र और पूर्वतन प्रमाणपत्र, यदि कोई हो, इस कागज के साथ प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास को भेजा जाएगा। नए प्रमाणपत्र और शंसापत्रों का आवेदक को परिदान खंड (ग) 17 में दिए गए पते पर किया जाएगा।

(33) परीक्षा की तारीख और स्थान

(34) नीचे प्रत्येक मद के सामने "उत्तीर्ण" या "अनुत्तीर्ण" लिखिए:—

(1) प्रश्न का हल करने में

(2) मौखिक परीक्षा में

(35) रैंक, जिसमें उत्तीर्ण हुआ।

(झ) आवेदक का शारीरिक विवरण

(36) ऊँचाई फुट इंच

(37) रंगरूप

(38) शारीरिक धिन्नु या विधिष्टता, यदि कोई हो।

(1) बालों का वर्ण

(2) आँखों का वर्ण

मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि खंड (ज) और (झ) में दी गई विधिष्टियाँ सही हैं।

इस प्रकृप और शंसापत्रों को प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास को प्रेषित किया जाता है।

परीक्षक के हस्ताक्षर

तारीख—

सेवा में

प्रधान अधिकारी,
वाणिज्यिक समुद्री विभाग,
मद्रास।

प्रकृप 6

(नियम 44)

सक्षमता प्रमाणपत्र

कोशील पत्तन में चलने वाले,

300/760 से कम शक्तिशाली इंजन वाले वाण्य जलयान के इंजनों के ग्राइवर के रूप में,

226 से कम ब्रेक शक्ति/565 से कम ब्रेक शक्ति इंजन वाले मोटर जलयान

सक्षमता प्रमाणपत्र

सेवा में

चूंकि परीक्षा के पश्चात् आपको कोचीन परतन में चलने वाले 300/750 से कम सूचित अश्वशक्ति के इंजनों वाले वाष्पजलयान इंजन ड्राइवर के 226/565 से कम श्रेक अश्वशक्ति के इंजनों वाले मोटर जलयान ।

कर्तव्य की पूर्ति करने के लिए सम्पक रूप ग्रहित पाया गया है, अतः मैं आपको ऐसे प्रथम वर्ग/द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर के रूप में सक्षमता का यह प्रमाणपत्र प्रदान करता हूँ।

मेरे हस्ताक्षर से और मेरी मुद्रा लगाकर दिया गया।

तारीख

प्रमाणपत्र सं.

प्रधान अधिकारी,
वाणिज्यिक समुद्री विभाग,
मद्रास

भारत

पिता का नाम

जन्म की तारीख और स्थान जिसमें ग्राम, तालुका और जिला दर्शाया गया है

ऊँचाई

भारीरिक विवरण जिसमें विशिष्टतया स्थायी शरीर विहृत बताए जाएं।

रजिस्टर टिकट सं.

हस्ताक्षर

ध्यान दीजिए:— यदि यह प्रमाणपत्र इसके मालिक से बिना किसी व्यक्ति के कब्जे में आ जाता है तो उससे अपेक्षा की जाती है कि वह उसे तुरन्त प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास को भेज दे।

तारीख _____ को _____ स्थान पर जारी किया गया।

रजिस्ट्रीकृत

प्रधान अधिकारी,
वाणिज्यिक समुद्री विभाग,
मद्रास

टिप्पणी:— इस अधिसूचना का अंग्रेजी अनुवाद दिनांक 27 मई, 1978 के भारत राजपत्र भाग II-खण्ड 3 (i) में पृष्ठ 1223 पर सां. कां. नि. 683 के अन्तर्गत प्रकाशित हो चुका है।

[सं. पी० जी० एल०-34/76]

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1978

नियमों का प्रारूप

सां. कां. नि० 1401.—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम,

अध्याय 1

1908 (1908 का 15) की धारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कतिपय नियम बनाने की प्रस्तावना करती है और इस नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, उक्त धारा की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार, उन सभी व्यक्तियों को जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर राजपत्र में उसके प्रकाशित होने की तारीख से 60 दिन की अवधि के अवसान पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

ऐसी किसी भी आपत्ति या सुझाव पर जो उक्त प्रारूप के संबंध में उक्त अवधि के अवसान से पूर्व किसी व्यक्ति से प्राप्त होगा, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम नव तूतीकोरिन पत्तन सक्षमता प्रमाणपत्र (बंदरगाह) नियम, 1977 है।

(2) ये _____ को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं:—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) “इंजीनियर प्रमाणपत्र” से इन नियमों के अधीन किसी व्यक्ति तूतीकोरिन पत्तन में चलने वाले किसी आकलित अश्व-शक्ति के इंजनों वाले वाष्प जलयान का इंजीनियर होने के लिए अनुदत्त सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है,

- (ख) "प्रथम वर्ग इंजन चालक प्रमाणपत्र" से इन नियमों के अधीन किसी व्यक्ति को नव तूतीकोरिन पत्तन में चलने वाले 100 आकलित अश्व-शक्ति से कम के इंजनों वाले वाष्प जलयान का इंजन-चालक होने के लिए अनुदत्त सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है;
- (ग) "प्रथम वर्ग मास्टर प्रमाणपत्र" से इन नियमों के अधीन किसी व्यक्ति को किसी आकलित अश्व-शक्ति के इंजनों वाले वाष्प जलयान का या नव तूतीकोरिन पत्तन में चलने वाले किसी ब्रेक अश्व-शक्ति के इंजनों वाले मोटर जलयान का मास्टर होने के लिए अनुदत्त सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है;
- (घ) "प्रथम वर्ग मोटर इंजन-चालक प्रमाणपत्र" से इन नियमों के अधीन किसी व्यक्ति को नव तूतीकोरिन पत्तन में चलने वाले 565 ब्रेक अश्व-शक्ति से कम के इंजनों वाले मोटर जलयान का इंजन चालक होने के लिए अनुदत्त सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है;
- (ङ) 'प्रारूप' से इन नियमों से उपाबद्ध प्रारूप अभिप्रेत है;
- (च) "बत्ती परीक्षण" और "घंसा परीक्षण" से रूप और रंग के संबंध में अभ्यर्थी का वृष्टिपरीक्षण अभिप्रेत है ।
- (छ) "मोटर इंजीनियर प्रमाणपत्र" से इन नियमों के अधीन किसी व्यक्ति को नव तूतीकोरिन पत्तन में चलने वाले किसी ब्रेक अश्व-शक्ति के इंजनों वाले मोटर जलयान का इंजीनियर होने के लिए अनुदत्त सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है;
- (ज) "प्रधान अधिकारी" से प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास जिला अभिप्रेत है;
- (झ) "द्वितीय वर्ग इंजन चालक प्रमाणपत्र" से इन नियमों के अधीन किसी व्यक्ति को नव तूतीकोरिन पत्तन में चलने वाले 40 आकलित अश्व-शक्ति से कम के इंजनों वाले वाष्प जलयान का इंजन-चालक होने के लिए अनुदत्त सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है;
- (ञ) "द्वितीय वर्ग मास्टर प्रमाणपत्र" से इन आवेशों के अधीन किसी व्यक्ति को 100 आकलित अश्व-शक्ति से कम के इंजनों वाले वाष्प जलयान का या नवतूतीकोरिन पत्तन में चलने वाले 565 ब्रेक अश्व-शक्ति से कम के इंजनों वाले मोटर जलयान का मास्टर होने के लिए अनुदत्त सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है;
- (ट) "द्वितीय वर्ग मोटर इंजन चालक प्रमाणपत्र" से इन नियमों के अधीन किसी व्यक्ति को नव तूतीकोरिन पत्तन में चलने वाले 226 ब्रेक अश्व-शक्ति से कम के इंजन वाले मोटर जलयान का इंजन चालक होने के लिए अनुदत्त सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है;
- (ठ) "सारंग प्रमाणपत्र" से इन आवेशों के अधीन 40 अश्व-शक्ति से कम के इंजनों वाले वाष्प जलयान का या नव तूतीकोरिन पत्तन में चलने वाले 226 ब्रेक अश्व-शक्ति से कम के इंजन वाले मोटर जलयान का मास्टर होने के लिए अनुदत्त सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है;
- (ड) "पोत परिवहन अधिनियम" से वाणिज्यिक पोत-परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) अभिप्रेत है;
- (डू) "वाष्प जलयान अधिनियम" से अन्तर्वेशीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 14) अभिप्रेत है;

अध्याय-2

नव तूतीकोरिन पत्तन में चलने वाले मंत्रनोदित यानों के मास्टरों और सारंगों को सक्षमता प्रमाणपत्र का अनुदान

3. प्रमाणपत्र का जारी किया जाना :—(क) सक्षमता प्रमाणपत्रों का उन व्यक्तियों को अनुदान दिया जाएगा जो अपेक्षित परीक्षा उत्तीर्ण करें और अन्यथा अपेक्षित शर्तों का पालन करें;

(ख) इस प्रयोजन के लिए नव तूतीकोरिन पत्तन पर कालिकतः परीक्षाएं लेने के लिए इन्तजाम किए जाएंगे ।

4. परीक्षाएं :—परीक्षा प्रधान अधिकारी द्वारा या ऐसे अधिकारी द्वारा (जिसे हममें इसके पश्चात् परीक्षक कहा गया है) आयोजित की जाएगी जिसे इस निमित्त उसके द्वारा नियुक्ति किया जाए ।

5. परीक्षा के लिए उपयुक्तता :—(क) परीक्षा के लिए अभ्यर्थी अपने आवेदन प्रारूप-1 में करेंगे जो कि परीक्षक के सामने या ऐसे पदाधिकारी के सामने, जो उसके द्वारा इस निमित्त नियुक्त किया जाए, भरा जाएगा । उचित रूप से भरे प्ररूप, अभ्यर्थियों के शंसा-पत्रों सहित, परीक्षा की तारीख के पूर्व के तीन दिनों के भीतर, प्रधान अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे;

(ख) पत्तन यान की दशा में सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति, अपने आवेदन नव तूतीकोरिन पत्तन के उपसंरक्षक के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे, जो उन्हें सेवा के लिए परीक्षित किए जाने वाले अभ्यर्थियों की उपयुक्तता के बारे में अपनी सिफारिशों के साथ, प्रधान अधिकारी को भेजेगा ।

(ग) नव तूतीकोरिन पत्तन के बन्दरगाह यान नियमों के अधीन रजिस्ट्रीकृत वाणिज्यिक रूप से या निजी रूप से स्वामित्वाधीन जलयानों में नियोजित व्यक्ति अपने आवेदन संबंध स्वामियों के माध्यम से नव तूतीकोरिन पत्तन के उपसंरक्षक को प्रस्तुत करेंगे । उप-संरक्षक आवेदन को अपेक्षित प्रमाणपत्रों के लिए परीक्षण लिए जाने वाले अभ्यर्थियों का उप-युक्तता के बारे में अपनी सिफारिशों के साथ प्रधान अधिकारी को भेजेगा;

(घ) प्रधान अधिकारी, आवेदन प्राप्त होने पर, उनका परिशीलन करेगा और यदि वे सभी प्रकार से उचित पाए जाते हैं तो अभ्यर्थियों की परीक्षा करने के लिए एक परीक्षक नियुक्त करेगा ।

(ङ) परीक्षा ऐसे दिनों की और ऐसे समय पर होगी, जो प्रधान अधिकारी द्वारा अधिसूचित किए जाएं ;

(च) संचालित परीक्षा के परिणाम प्रधान अधिकारी को अनुमोदनार्थ भेजे जाएंगे । परीक्षा के परिणाम के अनुमोदित होने पर प्रधान अधिकारी अभ्यर्थियों को सक्षमता प्रमाणपत्र जारी करेगा ।

6. शंसा-पत्र प्राप्ति :—(क) चरित्र, संयतता, अनुभव, योग्यता और जलयान पर घण्टे आचरण के लिए शंसा-पत्र, जो परीक्षाएं आवेदन की तारीख से पूर्ववर्ती सेवा किए गए कम से कम 12 मास की सेवा के लिए हो, सभी आवेदकों से अपेक्षित होंगे;

(ख) ऐसे आवेदकों से, जिन्होंने जलयान पर पिछले बारह मास के भीतर सेवा नहीं की है, यह अपेक्षा की जाएगी कि वे पूर्ववर्ती शंसा-पत्रों के अतिरिक्त अपने नियोजकों से उसी प्रकार के प्रमाणपत्र, या यदि वे नियोजित न रहे हों तो किसी सम्मानित गृह स्वामी के प्रमाणपत्र, पेश करें;

(ग) किसी भी अभ्यर्थी को तब तक परीक्षा देने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा जब तक कि उसने समुद्र के या अन्तर्वेशीय जल के जलयान उन पर पिछले परीक्षाएं उसके आवेदन की तारीख से पूर्व छह वर्षों के भीतर दो वर्ष तक और पिछले तीन वर्षों के भीतर छह मास तक सेवा न की हो ।

7. कतिपय शंसा-पत्रों का सक्षमता :—(क) अभ्यर्थियों की सेवा के शंसापत्र सामान्यतया उनके नियोजकों के कार्यालय अभिलेखों पर आधारित होंगे ।

(ख) बाबाकुल ऐसी सेवा जिसका सत्यापन नियोजक के कार्यालय अभिलेखों से नहीं किया जा सकता, ऐसे व्यक्तियों के शपथपत्रों द्वारा जिनके अधीन ऐसी सेवाएं दी गयी हैं और अभ्यर्थी के स्वयं के शपथपत्र द्वारा भी अधिप्रमाणित की जाएगी;

(ग) यदि किसी अभ्यर्थी की आयु के बारे में कोई संदेह हो तो उससे अपेक्षा की जाएगी कि वह परीक्षक के समाधानप्रद रूप में जन्म या आयु का प्रमाणपत्र अन्य दस्तावेजों सहित पेश करें।

8. वृष्टि परीक्षण:—(क) सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए प्रत्येक अभ्यर्थी उसकी प्रमाणपत्र जारी किए जाने के पूर्व विहित वृष्टि परीक्षण की उत्तीर्ण करेगा;

(ख) वृष्टि परीक्षण कराने के लिए इच्छुक कोई व्यक्ति परीक्षक को प्ररूप 11 में आवेदन करेगा और प्रधान अधिकारी को धार रपट की फीस का संदाय करेगा;

(ग) वृष्टि परीक्षण के लिए अभ्यर्थी निम्नलिखित परीक्षण करवाएगा:—

(1) अक्षर परीक्षण: प्रमाणपत्र के लिए प्रत्येक अभ्यर्थी अक्षर परीक्षण कराएगा;

(2) बत्ती परीक्षण : प्रत्येक अभ्यर्थी ऐसे प्रत्येक अवसर पर जब वह अपने प्रथम सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा के लिए उपस्थित होता है, बत्ती परीक्षण कराएगा, किन्तु यदि वह उस समय उत्तीर्ण हो जाता है तो उससे पश्चात्बर्ती किसी अवसर पर बत्ती परीक्षण कराने के अपेक्षा नहीं की जाएगी।

9. परीक्षा में उत्तीर्ण या अनुत्तीर्ण होना : (क) अक्षर परीक्षण :— यदि अभ्यर्थी अक्षर परीक्षण में उत्तीर्ण हो जाता है तो वह बत्ती परीक्षण के लिए जाएगा जब तक कि उसके पास सक्षमता प्रमाणपत्र न हो। यदि वह अक्षर परीक्षण में उत्तीर्ण हो जाता है; तो वह:—

(1) बत्ती परीक्षण के लिए जा सकेगा, जिस दशा में दोनों परीक्षणों के परिणाम का यह विनिश्चय करने में ध्यान रखा जाएगा कि उसे उत्तीर्ण किया जाना है या नहीं;

(2) परीक्षा देने से रुक जाएगा और तीन मास से अन्यून में पुनः परीक्षा के लिए उपस्थित होगा।

(ख) बत्ती परीक्षण :—यदि अभ्यर्थी अक्षर परीक्षण उत्तीर्ण करने के पश्चात् बत्ती परीक्षण में भी उत्तीर्ण हो जाता है तो उसके बारे में यह समझा जाएगा कि उसने परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।

(1) यदि बत्ती परीक्षण का परिणाम अधिश्रव्यात्मक है और यदि अभ्यर्थी इसमें अक्षर परीक्षण में अनुत्तीर्ण होने के पश्चात् उत्तीर्ण हो जाता है तो उसका मामला प्ररूप 3 में प्रधान अधिकारी को भेज दिया जाएगा, जो विनिश्चय करेगा कि वह उत्तीर्ण हुआ है या अनुत्तीर्ण या उसे विशेष परीक्षा के लिये निर्दिष्ट किया जाएगा।

(2) यदि अभ्यर्थी बत्ती परीक्षण में उत्तीर्ण होने में असफल रहता है तो परीक्षक उसको नियम 12 में कथित शर्तें बताएगा, जिनके अधीन वह अपील कर सकता है। अपील प्रधान अधिकारी को की जाएगी।

(3) ऐसे अभ्यर्थी को, जो बत्ती परीक्षण उत्तीर्ण करने में असफल रहता है, पुनः परीक्षा नहीं ली जाएगी जब तक कि प्रधान अधिकारी यह निश्चित न करे कि तीन मास बीत जाने के पश्चात् उसको पुनः परीक्षा ली जा सकती है। बाणिज्यिक समुद्री विभाग द्वारा विहित प्ररूप में प्रमाणपत्र में जो अभ्यर्थी को दिया जाता है, कथित होगा कि उसकी पुनः परीक्षा ली जा सकती है या नहीं।

10. अतिरिक्त परीक्षा तथा अपीलें :—(क) यदि ऐसे मामलों में जो नियम 9 के अन्तर्गत आते हैं, प्रधान अधिकारी विनिश्चय करता है कि अतिरिक्त परीक्षा आवश्यक है तो विशेष परीक्षा के लिए इंतजाम किए जाएंगे;

(ख) तथापि, यदि परीक्षक की रिपोर्ट पर प्रधान अधिकारी विनिश्चय करता है कि की गयी गलतियों को प्रकृति निम्नव्यात्मक रूप से यह प्रदर्शित करती है कि किसी अभ्यर्थी की वृष्टि इतनी वृष्टिपूर्ण है कि वह उसके कारण प्रमाणपत्र धारण करने के लायक है तो अभ्यर्थी के बारे में ये समझा जाएगा कि वह उत्तीर्ण हो गया है;

(ग) ऐसे मामलों में जहां परीक्षण की रिपोर्ट पर कोई अभ्यर्थी प्रधान अधिकारी द्वारा अनुत्तीर्ण किया जाता है और किसी विशेष परीक्षा के मामले में, भारत सरकार ऐसे अभ्यर्थी को, जो इस विनिश्चय से असंतुष्ट है, नियम 12 में उपर्युक्त शर्तों के अधधीन रहते हुए अतिरिक्त परीक्षा में बैठने की अनुज्ञा दे सकती है;

(घ) ऐसे अभ्यर्थी के मामले में जो अतिरिक्त परीक्षा के लिए निर्दिष्ट किया गया है, प्रधान अधिकारी परीक्षा के लिए इंतजाम करेगा, जिसके लिए कोई अतिरिक्त फीस नहीं ली जाएगी।

11. विशेष परीक्षा : अपील वाले मामले :—कोई अभ्यर्थी, जो बत्ती परीक्षण में अनुत्तीर्ण हुआ न्यायनिर्णीत किया गया है, प्रधान अधिकारी को अपील कर सकता है, जो मामले की विनिश्चय के लिए परीक्षाओं के विशेष निकाय को भेजेगा। ऐसे अभ्यर्थी से अपेक्षा की जाएगी कि वह 32 रुपए की विशेष फीस का संदाय करे जो कि उसे यदि वह विशेष परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ घोषित किया जाता है, तो वापस कर दी जाएगी।

12. विशेष परीक्षा में नियमित रूप से हाजिर होना :—(क) उन अभ्यर्थियों को, जिन्हें विशेष परीक्षा के लिए निर्दिष्ट किया गया है या जो स्थानीय परीक्षण के परिणाम के विरुद्ध अपील करते हैं, उक्त प्रधान अधिकारी द्वारा वह समय, जब उन्हें विशेष परीक्षा के लिए हाजिर होना चाहिए, अधिसूचित किया जाएगा और उनसे आशा की जाएगी कि वे प्रधान अधिकारी को सूचित करें कि वे उस समय हाजिर हो सकेगे या नहीं;

(ख) कोई अभ्यर्थी जो, उक्त प्रधान अधिकारी को सूचना देने के पश्चात् कि वह आज हाजिर होगा नियत समय पर हाजिर होने में प्रवृत्त रहता है उसकी परीक्षा अनिश्चित रूप से स्थगित कर दी जाएगी और यदि उसने नियम 11 के अधीन अपील की है, तो 32 रु० की अपील फीस समायोजित कर ली जाएगी और उससे अपेक्षा की जाएगी कि वह अपनी विशेष परीक्षा के लिए और इंतजाम किए जाने के पूर्व फीस के रूप में ही उतनी रकम की और फीस जमा करे।

13. विशेष परीक्षा में असफलता :—(क) जहां विशेष परीक्षा के दौरान उस अभ्यर्थी की वृष्टि में, जिसमें अपील की है या जो निर्दिष्ट किया गया है, ऐसी स्थायी त्रुटि पाई जाती है जो कि उसे सामुद्रिक के प्राजीविका के लिए लायक बनाती है, वहां उसे प्रतिम रूप से अस्वीकार कर दिया जाएगा और उसे भविष्य में किसी भी अवसर पर पुनः वृष्टि परीक्षण कराने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा परन्तु यदि अभ्यर्थी जब भी असंतुष्ट है तो उसे इस बात की स्वतंत्रता होगी, कि वह ऐसी गीछा करे तो, कि वह 75 रु० की फीस का संदाय करके अपना द्वितीय विशेष परीक्षण करा ले;

(ख) ऐसे अभ्यर्थी से अपेक्षा की जाएगी कि वह किसी निम्न की परीक्षण का वर्णक होने के लिए लाए।

(ग) इस नियम के अधीन द्वितीय परीक्षण पूर्ण रूप से स्वीकृत होगा, और वह सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा का भाग नहीं होगा।

(घ) केन्द्रीय सरकार ऐसी परीक्षा के परिणाम को यह अवधारण करने में ध्यान में रख सकती है कि अभ्यर्थी का प्रमाणपत्र अनुवर्त किया जाए या नहीं।

14. विशेष शर्तों की शर्त :—अनुवर्त के लिए 75. ५० की विशेष शर्तों के प्रतिवेद नहीं होगी जब तक कि किसी व्यक्तिगत मामले की विशेष परिस्थितियों में केन्द्रीय सरकार इसका प्रतिदाय करना ठीक न समझे।

15. सारंग-प्रमाणपत्रों के लिए अर्हताएं :—(क) सारंग सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए सभी अभ्यर्थियों की श्रम और धर्म परीक्षा ली जाएगी;

(ख) (1) सारंग प्रमाणपत्र के लिए अभ्यर्थी सत्ताईस से कम आयु का नहीं होगा और संयतता और बुद्धि का समाधानप्रद प्रमाणपत्र पेश करेगा;

(2) उसने समुद्र पर या अन्तर्देशीय जलयानों पर चार वर्ष सेवा की हो, जिसमें १ प्रतिशत वर्ष की सेवा अन्तर्देशीय या बन्दरगाह वाष्प या मोटर जलयानों पर कर्णधार या डेक-हैंड के रूप में होनी चाहिए और उसके निम्नलिखित विषयों में जानकारी के बारे में मौखिक परीक्षा ली जाएगी, अर्थात् :—

- (1) सड़क के नियम,
- (2) बन्दरगाह लाइनों की देखभाल और प्रबंध के बारे में सादा प्रश्न,
- (3) तूफान संकेत,
- (4) पत्तन नियम और नव तूलीकोरित पत्तन में उत्पन्न, प्रकाशों, निर्दिष्ट बिन्दुओं, चैनलों, पुलियों, ज्वारों तथा उनकी पहुँच के रास्तों की जानकारी।

(ग) यदि कोई अभ्यर्थी अनुत्तीर्ण हो जाता है तो उसकी तब तक पुनः परीक्षा नहीं ली जाएगी जब तक कि उसने किसी अन्तर्देशीय या बन्दरगाह वाष्प या मोटर जलयान पर खुरानी या डेक-हैंड के रूप में तीन मास के प्रतिरिक्त सेवान की हो।

16. द्वितीय वर्ग मास्टर प्रमाणपत्र के लिए अर्हताएं :—(क) द्वितीय वर्ग मास्टर प्रमाणपत्र के लिए सभी अभ्यर्थियों का प्रथमतः कृष्टि और वर्ग परीक्षण किया जाएगा;

(ख) द्वितीय वर्ग मास्टर प्रमाणपत्र के लिए अभ्यर्थी 22 वर्ष से कम आयु का नहीं होगा और संयतता एवं बुद्धि के प्रमाणपत्र पेश करेगा;

(ग) उसने समुद्र पर या अन्तर्देशीय जलो पर 5 वर्ष सेवा की होगी, जिसमें अन्तिम तीन वर्ष की सेवा 40 आंकलित अश्व-शक्ति से अन्तर्देशीय या बन्दरगाह वाष्प जलयान के या 226 ब्रेक अश्व शक्ति से अन्तर्देशीय या बन्दरगाह वाष्प जलयान के सुखानों या डेक-हैंड के रूप में होगी या अनुकल्पतः तीन वर्ष की सेवा 15 आंकलित अश्व शक्ति के वाष्प लोच के या 80 ब्रेक अश्व शक्ति के मोटर लोच के ऐसे सारंग भारमाधक के रूप में होगी जिसके पास अन्तर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन यान नियमों के अधीन अनुवर्त सक्षमता प्रमाणपत्र हो और निम्नलिखित विषयों में उसे समाधानप्रद रूप में मौखिक परीक्षा पास करनी होगी, अर्थात् :—

- (1) सड़क के नियम,
- (2) सभी आवश्यकताओं में छोटे वाष्प और मोटर जलयानों का प्रबंध,
- (3) तूफान संकेत,
- (4) ज्वार सारणी,
- (5) नव तूलीकोरित पत्तन के पत्तन नियम,
- (6) नव तूलीकोरित पत्तन में उत्पन्न, प्रकाशों, निर्दिष्ट बिन्दुओं, चैनलों पुलियों और ज्वारों तथा उनकी पहुँच के रास्तों की जानकारी,

(7) (अभ्यर्थी को दिक्बुचक के बिन्दुओं को पढ़ने में समर्थ होना चाहिए)।

(घ) यदि कोई अभ्यर्थी अनुत्तीर्ण हो जाता है तो उसकी तब तक पुनः परीक्षा नहीं ली जाएगी जब तक कि उसने ऐसे सारंग के रूप में, जिसके पास अन्तर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियम के अधीन अनुवर्त सारंग प्रमाणपत्र हो या 40 आंकलित अश्व शक्ति से अन्तर्देशीय या बन्दरगाह वाष्प जलयान या 226 ब्रेक अश्व शक्ति से अन्तर्देशीय या बन्दरगाह वाष्प जलयान के सुखानी या डेक-हैंड के रूप में, तीन मास के लिए प्रतिरिक्त सेवा न की हो।

17. प्रथम वर्ग मास्टर प्रमाणपत्र के लिए अर्हताएं :—(क) प्रथम वर्ग मास्टर प्रमाणपत्र के सभी अभ्यर्थियों का प्रथमतः अक्षर और वर्ण परीक्षा किया जाएगा;

(ख) प्रथम वर्ग मास्टर प्रमाणपत्र के लिए कोई अभ्यर्थी :—

(1) चौबीस वर्ष से कम आयु का नहीं होना चाहिए और अन्तर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन अनुवर्त द्वितीय वर्ग मास्टर प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात् अन्तर्देशीय वाष्प या मोटर जलयान के द्वितीय वर्ग मास्टर भारसाधक के रूप में उसकी तीन वर्ष से अन्तर्देशीय की सेवा होनी चाहिए अथवा वाष्प या मोटर जलयान के द्वितीय सारंग के रूप में 4 वर्ष से अन्तर्देशीय की सेवा होनी चाहिए, या

(2) चाईस वर्ष से कम आयु का नहीं होना चाहिए और उसके पास पोत परिवहन अधिनियम के अधीन या किसी अन्य अधिनियमित के अधीन अनुवर्त विदेश जाने वाले द्वितीय मेट या मेट होम ट्रेड के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र होना चाहिए और अन्तर्देशीय वाष्प या मोटर जलयान के मेट के रूप में सेवा होनी चाहिए, या

(3) चौबीस वर्ष से कम आयु का नहीं होना चाहिए और उसकी या तो समुद्र पर तीन वर्ष से अन्तर्देशीय की और अन्तर्देशीय वाष्प या मोटर जलयान के मेट के रूप में या अन्तर्देशीय वाष्प या मोटर जलयान के मेट के रूप में छ वर्ष से अन्तर्देशीय की सेवा होनी चाहिए।

(ग) प्रत्येक अभ्यर्थी की अलग की परीक्षा ली जाएगी और निम्नलिखित विषयों में से प्रत्येक में और सभी मौखिक परीक्षा ली जाएगी अर्थात् :—

- (1) सड़क के नियम
- (2) सभी अधिमितताओं में किसी भी प्रकार के बन्दरगाह या अन्तर्देशीय वाष्प या मोटर जलयान का प्रबंध जिसके अन्तर्गत कर्णनाव का चलाना भी है,
- (3) ज्वार सारणी,
- (4) तूफान संकेत
- (5) नव तूलीकोरित पत्तन विनियमों की पूरी जानकारी,
- (6) नव तूलीकोरित पत्तन में उत्पन्न, प्रकाशों, निर्दिष्ट बिन्दुओं चैनलों, पुलियों और ज्वारों और उनकी पहुँच के रास्तों की जानकारी, और
- (7) दिक्बुचक की प्रारंभिक जानकारी।

(घ) यदि कोई अभ्यर्थी अनुत्तीर्ण हो जाता है तो उसकी तब तक पुनः परीक्षा नहीं ली जाएगी जब तक कि उसने किसी अन्तर्देशीय या बन्दरगाह वाष्प या मोटर जलयान के द्वितीय वर्ग मास्टर भारसाधक के रूप में या किसी अन्तर्देशीय या बन्दरगाह वाष्प या मोटर जलयान के मेट अथवा द्वितीय भारसाधक के रूप में तीन मास के लिए प्रतिरिक्त सेवा न की हो।

18. परीक्षा :—इन नियमों में अंतर्निहित किसी बात के होते हुए भी किसी अभ्यर्थी को प्रथम या द्वितीय वर्ग मास्टर प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा में यथा स्थिति, नियम 16 के खण्ड ग(5) और ग(6) में या नियम 17 के खण्ड ग(5) या ग(6) में उल्लिखित विषयों में से परीक्षा की जाएगी और यदि वह परीक्षक का विहित विषयों की जानकारी के बारे में और साधारणतया वाष्प या मोटर जलयान का भारसाधक होने के लिए अपनी सक्षमता के बारे में समाधान कर देता है तो उसे इन नियमों के अधीन सक्षमता प्रमाणपत्र अनुवर्त कर दिया जाएगा।

19. निम्न श्रेणी का प्रमाणपत्र :—(क) यदि कोई अभ्यर्थी अपनी परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो गया है किन्तु वे विषय जिनमें वह अनुत्तीर्ण हुआ है, निम्न श्रेणी के प्रमाणपत्र के लिए अपेक्षित विषयों में सम्मिलित नहीं किए गए हैं, तो वह, यदि इसकी वांछा करे तो, ऐसी निम्न श्रेणी का प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है।

(ख) यदि कोई अभ्यर्थी केवल नियम 15 के खण्ड (ख) (2) (क) और (ख) (2) (घ) में उल्लिखित विषयों में अनुत्तीर्ण होता है, किन्तु अन्यथा समाधानप्रद परीक्षा उत्तीर्ण करता है, तो उसे इन नियमों के अधीन सक्षमता प्रमाणपत्र अनुवर्त कर दिया जाएगा।

20. फीस का पुनः संदाय किया जाना :—जब निम्न श्रेणी का प्रमाणपत्र नियम 19 में उपबंधित रूप में किसी अभ्यर्थी को अनुवर्त किया जाता है तो उसके द्वारा संदाय की गयी किसी फीस का कोई भाग उसे वापस नहीं किया जाएगा और उच्च वर्ग के प्रमाणपत्र के लिए पुनः परीक्षा के लिए उसके उपस्थित होने पर, अब वह ऐसा करने का हकदार हो, उससे अपेक्षा की जाएगी कि वह पूरी फीस का पुनः संदाय करे।

21. फीस :—(क) (i) परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों से प्ररूप 1 में अपना आवेदन करते समय यह अपेक्षा की जाएगी कि वे कोई कार्यवाही किए जाने के पूर्व, जो चाहे उनकी सेवाओं के बारे में जांच करने के संबंध में हो या उनकी अर्हताओं का परीक्षण करने के संबंध में या नियमों द्वारा विहित कोई अन्य मार्ग अपनाए जाने के संबंध में हो, परीक्षा फीस का संदाय करे।

(ii) यदि यह पाया जाए कि उनकी सेवाएं परीक्षा लिए जाने के लिए उन्हें हकदार बनाने के लिए पर्याप्त नहीं है या यदि उनके प्रमाणपत्र असंतोषजनक हैं या यदि उनको किसी अन्य कारण से परीक्षा नहीं ली जानी चाहिए, तो फीस का कोई भाग उन्हें वापस नहीं किया जाएगा, किन्तु जब यथास्थिति, उन्होंने अपेक्षित सेवा पूरी कर ली हो या वे संतोषजनक प्रमाणपत्र पेश करने में समर्थ हो उन्हें पुनः किसी अतिरिक्त फीस का संदाय किए बिना उसी वर्ग के प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा के लिए उपस्थित होने के लिए अनुज्ञात कर दिया जाएगा।

(iii) परीक्षा के लिए फीस का संदाय परीक्षक को या ऐसे अधिकारी को किया जाएगा जो इस निमित्त उसके द्वारा सम्यक्तः प्राधिकृत किया जाए। किसी भी ऐसे मामले में, जिसमें कोई अभ्यर्थी किसी अन्य अधिकारी को धन देने को कहता है, इस प्रकार धन देने वाले अभ्यर्थी के लिए यह समझा जाएगा कि उसने अवधार किया है और उसे अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा उसे बारह मास तक दोबारा परीक्षा देने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी।

(ख) यदि कोई अभ्यर्थी अपनी परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो जाता है तो फीस का कोई भाग उसे वापस नहीं किया जाएगा।

(ग) यदि अभ्यर्थी विहित विषयों को अपनी जानकारी के बारे में और साधारणतया नव तृतीकोरिन परतन में चलने वाले वाष्प या मोटर जलयानों को समावेश देने की अपनी सक्षमता के बारे में परीक्षक का समाधान कर देता है तो परीक्षक अभ्यर्थी की प्रमाणपत्र का अनुदान करेगा।

(घ) फीस यथा निम्नलिखित होगी :

प्रथम वर्ग मास्टर प्रमाणपत्र	20 रु०
द्वितीय वर्ग मास्टर प्रमाणपत्र	15 रु०
सारंग प्रमाणपत्र	10 रु०

22. साधारणतया :—(क) प्रथम और द्वितीय वर्ग मास्टर प्रमाणपत्र और सारंग प्रमाणपत्र पुरख 4 में बनाए और जारी किए जाएंगे।

(ख) प्रत्येक ऐसा प्रमाणपत्र दो प्रतियों में बनाया जाएगा और ऐसे प्रमाणपत्र के लिए हकदार प्रत्येक व्यक्ति परीक्षक की वामपोट साइज की अपनी फोटो की दो प्रतियां देगा जिसमें से एक एक प्रमाणपत्र को प्रत्येक प्रति पर चिपकाई जाएगी। प्रमाणपत्र की एक प्रति प्रमाणपत्र के लिए हकदार व्यक्ति को परिवर्त की जाएगी और दूसरी प्रधान अधिकारी द्वारा रखी और अभिलेखबद्ध की जाएगी।

अध्याय-3

नव तृतीकोरिन परतन में चलने वाले यांत्रिक रोलिंग स मोविंग यान के इंजीनियरों और इंजन ड्राइवरों की सक्षमता प्रमाणपत्र का अनुदान

23. प्रमाणपत्र जारी करने के लिए प्राधिकार :—(क) (i) सक्षमता प्रमाणपत्र उन व्यक्तियों की अनुवर्त किए जाएंगे जो अपेक्षित परीक्षाओं में उत्तीर्ण होते हैं और अन्यथा अपेक्षित शर्तों का पालन करते हैं।

(ii) इस प्रयोजन के लिए नव तृतीकोरिन परतन में कालिकत परीक्षाएं लेने के लिए इंतजाम किए जाएंगे।

(ख) परीक्षाएं इंजीनियर और पूर्ण सर्वेक्षक वाणिज्यिक समुद्री विभाग मद्रास (जिसमें इसमें इसके पश्चात् परीक्षक कहा गया है) द्वारा ली जाएगी। वे पूर्वाह्न में आरम्भ होंगी और तब तक जारी रहेंगे जब तक ऐसे सभी अभ्यर्थियों की परीक्षा नहीं हो जाती जिनके नाम परीक्षा के दिन प्रधान अधिकारी की सूची में रखे गए हैं।

24. परीक्षा के लिए उपयुक्तता :—(क) (i) परीक्षा के लिए अभ्यर्थी प्ररूप 5 में आवेदन करेंगे जो प्रधान अधिकारी या ऐसे अन्य अधिकारी के सामने भरा जाएगा जो इस निमित्त उसके द्वारा नियुक्त किया जाए।

(ii) समुचित रूप से भरे हुए प्ररूप अभ्यर्थी के सहायकों सहित परीक्षा के दिन से 3 दिन पूर्व प्रधान अधिकारी के पास भेजा जाएगा।

(iii) (क) परीक्षा के लिए अभ्यर्थी अपने आवेदन प्ररूप 1 में करेंगे जो कि परीक्षक के सामने या ऐसे पदाधिकारी के सामने, जो उसके द्वारा इस निमित्त नियुक्त किया जाए, भरा जाएगा। उचित रूप से भरे प्ररूप अभ्यर्थियों के प्रश्नोत्तर पत्रों सहित परीक्षा की तारीख के पूर्व के तीन दिनों के भीतर, प्रधान अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ख) परतन यान की दशा में सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति अपने आवेदन नव तृतीकोरिन परतन के उपसंरक्षक के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे जो उन्हें सेवा के लिए परीक्षित किए जाने वाले अभ्यर्थियों की उपयुक्तता के बारे में अपनी सिफारिशों के साथ प्रधान अधिकारी को भेजेगा।

(ग) नव तृतीकोरिन परतन के अन्तरगत यान नियमों के अधीन रजिस्ट्रीकृत वाणिज्यिक रूप से या निजी रूप से स्वामित्ववादीन जलयानों में नियोजित व्यक्ति अपने आवेदन संबंधी स्वामियों के माध्यम से नव तृतीकोरिन परतन के उपसंरक्षक को प्रस्तुत करेंगे। उप संरक्षक आवेदन को अपेक्षित प्रमाणपत्रों के लिए परीक्षित किए जाने वाले अभ्यर्थियों की उपयुक्तता के बारे में अपनी सिफारिशों के साथ प्रधान अधिकारी को भेजेगा।

(घ) प्रधान अधिकारी, आवेदन प्राप्त होने पर, उनका परीक्षण करेगा और यदि वे सभी प्रकार से उचित पाए जाते हैं तो अभ्यर्थियों की परीक्षा करने के लिए एक परीक्षक नियुक्त करेगा।

(ङ) परीक्षा ऐसे दिनों की और ऐसे समय पर होगी, जो प्रधान अधिकारी द्वारा अधिसूचित किए जाएं।

(च) संचालित परीक्षा के परिणाम प्रधान अधिकारी को अनुमोदनाथ भेजे जाएं। परीक्षा के परिणाम के अनुमोदित होने पर प्रधान अधिकारी अभ्यर्थियों को सक्षमता प्रमाणपत्र जारी करेगा।

(ख) (i) आवेदकों से अपेक्षा की जाएगी कि वे सेवामुक्ति अभिलेख के प्राथिक प्रकरणों के अतिरिक्त संयतता, अनुभव योग्यता और सामान्य अच्छे आचरण के बारे में समाधानप्रद संसापत्र पेश करें, जो परीक्षा किए जाने वाले आवेदन की तारीख से पूर्ववर्ती जहाज के फलक पर पिछले कम से कम बारह मास की सेवा के लिए हों। जब तक कि केन्द्रीय सरकार मामले का अन्वेषण करने के पश्चात् यह ठीक न समझे कि समय कम किया जाय।

(ii) आवेदक जिसके पास पहले से ही इन नियमों के अधीन अनुवर्त प्रमाणपत्र है और जो किसी उच्च श्रेणी के लिए परीक्षा देने की वांछ करता है, अपने ऐसे प्रमाणपत्र और सभी सेवा-मुक्ति अभिलेख और संसापत्र जो उसने निम्न श्रेणी में परीक्षा के लिए आवेदन करते समय प्रस्तुत किए थे और ऐसे सेवा मुक्ति अभिलेख और संसापत्र भी जो उच्च श्रेणी प्रमाणपत्र के लिए आवश्यक हों, पेश करेगा।

(iii) यदि परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों द्वारा संकास्पद अधिप्रमाणिकरण का निवेश प्रस्तुत किया जाए तो प्रधान अधिकारी अभ्यर्थी से अपेक्षा करेगा कि वह उनकी असलियत का सबूत या उस आशय शपथपत्र है।

(iv) यदि आवेदकों ने अपने आवेदन से ठीक पहले समुद्र तट पर सेवा की है, तो उन्हें संयतता का प्रमाणपत्र अपने नियोजकों से से या यदि वे नियोजित न हों तो सामान्य गृह स्वामियों से पेश करने चाहिये।

(v) किसी अभ्यर्थी को परीक्षा देने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा जब तक कि उसने परीक्षा किए जाने वाले उसके आवेदक की तारीख से पूर्ववर्ती पिछले तीन वर्ष के भीतर छह मास के लिए फलक पर सेवा न की हो।

(vi) चूंकि ऐसे संसापत्रों और सेवा-मुक्ति पत्रों का अभ्यर्थियों को परीक्षा दिए जाने से पूर्व सत्यापन किया जाना होगा, इसलिए वे, इस प्रयोजन के लिए विहित प्ररूप 5 सहित यथाशक्यशीघ्र दिए जाने चाहिये।

(ग) (i) अभ्यर्थियों की सेवा के प्रमाणपत्र साधारणतया उनके नियोजकों के कार्यालय अभिलेखों पर आधारित होने चाहिये।

(ii) बाकायल ऐसी सेवा, जिसका सत्यापन नियोजक के कार्यालय अभिलेखों से नहीं किया जा सकता, ऐसे व्यक्तियों के शपथपत्रों द्वारा, जिनके अधीन ऐसी सेवायें की गयी हैं और अभ्यर्थियों के स्वयं शपथपत्र द्वारा भी अधिप्रमाणित की जानी चाहिये।

(iii) यदि किसी अभ्यर्थी की आयु के बारे में कोई संदेह हो तो उससे अपेक्षा की जाएगी कि वह प्रधान अधिकारी के समाधानप्रद रूप में जन्म प्रमाणपत्र या आयु का अन्य दस्तावेजों का सद्ध पेश करे।

(घ) समान अर्हताएं वाले प्रमाणित समुद्री इंजीनियरों या यंत्रिक इंजीनियरों से सेवा के संसापत्र स्वीकार किए जाएंगे।

(ङ) अभ्यर्थियों से यह अपेक्षा की जाएगी कि वे अपनी सेवाओं में किसी अन्तराल का लेखा-जोखा दस्तावेजी साक्ष्य द्वारा दें।

25. द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र के लिए अर्हताएं :—द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र के लिए अभ्यर्थी को 21 वर्ष का होना चाहिए और उसके पास निम्नलिखित अर्हताओं में से एक अवश्य होना चाहिए अर्थात्:—

(क) उसने बाष्प इंजनों के बनाने का या मरम्मत करने में कम से कम तीन वर्ष और स्टीमर के इंजन कक्ष में एक वर्ष शिशु के रूप में सेवा की हो, या

(ख) उसने समुद्र पर स्टीमर के इंजन कक्ष में या बाष्प जलयान अधिनियम के अधीन अनुवर्त सक्षमता प्रमाणपत्र रखने वाले किसी इंजीनियर या प्रथम वर्ग इंजन ड्राइवर के अधीन अंतर्देशीय जलों पर चार वर्ष सेवा की हो, जिनमें से एक वर्ष की सेवा 20 आकलित अश्व शक्ति से अल्पतम के इंजनों वाले जलयान में सारंग, टिन्डल या वाच के फायरमैन भार-साधक के रूप में हो, या

(ग) उसने किसी स्टीमर के इंजन कक्ष में पांच वर्ष सेवा की हो, जिनमें से एक वर्ष की सेवा बाष्प जलयान अधिनियम के अधीन अनुवर्त प्रथम वर्ग प्रमाणपत्र रखने वाले प्रथम वर्ग इंजन ड्राइवर के अधीन 15 आकलित अश्व शक्ति से अल्पतम के जलयान में सारंग टिन्डल, वाच के फायरमैन या फायरमैन भारसाधक के रूप में होनी चाहिए, या

(घ) उसने समुचित रूप से ग्रहित प्रबन्धक या इंजीनियर के अधीन स्टीमर या मिन के इंजन के भारसाधक के रूप में 2 वर्ष सेवा की हो, जिनमें से 1 वर्ष का सेवा 15 आकलित अश्व शक्ति से अल्पतम के स्टीमर में इंजन कक्ष सारंग, टिन्डल या प्रधान फायरमैन के रूप में हो।

(2) उपनियम (1) में उल्लिखित किन्हीं अर्हताओं के अतिरिक्त:—

(क) उसे समुद्री इंजनों और बायलरों के बनाने के बारे में और जुड़तारों के विभिन्न भागों के उपयोगों के बारे में और ब्रिग काबल मोटर के उपयोग और वर्धनमर के बारे में, नमकीन या गन्धे पानी में बायलरों का देखभाल और मितथयों स्टार्किंग कला और धुएँ के निवारण के बारे में मौखिक परीक्षा समाधानप्रद रूप से उत्तीर्ण करनी चाहिए, और

(ख) उसे यदि अपेक्षा की जाए तो अपनी व्यावहारिक अर्हताओं को, सभी ऐसे अन्य परीक्षकों को पूरा करने के पश्चात्, जिनको उसे पूरा करना होगा, छोटे स्टीमर के इंजनों में वास्तविक रूप से कार्य करके, दक्षिण करने में समर्थ होना चाहिए।

26. द्वितीय वर्ग मोटर इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र के लिए अर्हताएं :—

(1) द्वितीय वर्ग मोटर इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र के लिए अभ्यर्थी 21 वर्ष का होना चाहिए और उसके पास निम्नलिखित अर्हताओं में से एक होनी चाहिए, अर्थात्:—

(क) उसने अतिरिक्त बहुत या समुद्री स्टीम इंजनों के बनाने, फिट करने या मरम्मत करने में शिशु या जर्नोमैन के रूप में तीन वर्ष से अल्पतम के लिए सेवा की हो और इसके अतिरिक्त उसने 88 ब्रैक अश्व शक्ति से अल्पतम के इंजनों वाले मोटर जलयान, के इंजन कक्ष में छह मास के लिए या 40 ब्रैक अश्व शक्ति से अल्पतम के इंजनों वाले जलयान में नौ मास के लिए सेवा की हो,

(ख) उसने 226 ब्रैक अश्व शक्ति से अल्पतम के मोटर जलयान के इंजन कक्ष में चार वर्ष से अल्पतम का कालावधि के लिए सेवा की हो, जिनमें से एक वर्ष से अल्पतम का कालावधि के लिए उसकी सेवा सारंग प्रधान टिन्डल या मुख्य प्रीजर के रूप में हो।

परन्तु यह कि ऊपर उल्लिखित चार वर्षों में से एक तिहाई में उसकी सेवा 40 आकलित अश्व शक्ति के अल्पतम के बाष्प जलयान के इंजन कक्ष में हो सकती है, या

(ग) उसने 85 ब्रैक अश्व शक्ति से अल्पतम के इंजनों वाले मोटर जलयान के इंजन कक्ष में पांच वर्ष से अल्पतम की कालावधि के लिए,

या 40 ब्रैक अश्व शक्ति से अत्यून के इंजनों वाले जलयान के इंजन कक्ष में छह वर्ष के लिए सारंग, टिन्डल या मुख्य ग्रीजर के रूप में सेवा की हो :

परन्तु यह कि ऊपर वर्णित पांच और छह वर्ष की सेवा में एक तिहाई सेवा 10 आकलित अश्व शक्ति से अत्यून के वाष्प जलयान के इंजन कक्ष में हो सकती है, या

(घ) उसने प्रमाणपत्र प्राप्त इंजीनियर के अधीन कारखाने या मिल के इंजन के भारसाधक के रूप में दो वर्ष से अत्यून की कालावधि के लिए और 85 ब्रैक अश्व शक्ति से अत्यून के मोटर जलयान में इंजन कक्ष में एक वर्ष से अत्यून की कालावधि के लिए या 40 ब्रैक अश्व शक्ति से अत्यून के इंजनों वाले मोटर जलयान में अट्टारह मास के लिए सारंग, टिन्डल या मुख्य ग्रीजर के रूप में सेवा की हो, या

(ङ) उसने वाष्प जलयान अधिनियम या इन नियमों के अधीन अनुवृत्त वाष्प जलयानों के लिए द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात् या 85 ब्रैक अश्व शक्ति से अत्यून के इंजनों वाले मोटर जलयान के इंजन कक्ष में उच्च श्रेणी का प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात् कम से कम छह मास के लिए या 40 ब्रैक अश्व शक्ति से अत्यून के इंजनों वाले मोटर जलयान में नौ मास के लिए सेवा की हो, या

(च) उसने, कम से कम दो वर्ष के लिए, जब उसके पास 40 ब्रैक अश्व शक्ति के इंजनों वाले मोटर जलयान के इंजन ड्राइवर के रूप में वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या नव तृतीकोरिन पसन बन्दरगाह यान नियम, 1977 के नियम 29 के परसुक के अधीन अनुवृत्त अनुज्ञापत्र हो, और 40 ब्रैक अश्व शक्ति से अधिक इंजनों वाले मोटर जलयान के इंजन कक्ष में तीन वर्ष के लिए सारंग, टिन्डल या मुख्य ग्रीजर के रूप में, सेवा की हो,:

परन्तु यह कि जब अभ्यर्थी 40 ब्रैक अश्व शक्ति के या कम के इंजनों वाले लांचों में ऐसे अनुज्ञापत्र के साथ लम्बी सेवा का सवृत्त पेश करता है तो 40 ब्रैक अश्व शक्ति से अधिक के इंजनों में सेवा की छूट उच्च शक्ति प्राप्त लांचों में छह मास की सेवा के बदले में कम शक्ति प्राप्त लांचों एक वर्ष की सेवा के अनुपात से दी जा सकती है और वह छूट अधिकतम अट्टारह मास की हो सकती है तथा छूट के लिए गणना में ली जाने वाली सेवा 40 अश्व शक्ति के या कम के लांचों में अपेक्षित दो वर्ष की सेवा से अधिक होनी चाहिए ।

(2) उप नियम (1) में उल्लिखित किन्हीं अर्हताओं के अतिरिक्त—

(क) अभ्यर्थी को विभिन्न प्रकार के आंतरिक दहन इंजनों के कार्य-करण पर मौखिक परीक्षा समाधानप्रद रूप में उत्तीर्ण करनी चाहिए और उसे मशीनरी के मुख्य भागों का नाम बताने में समर्थ होना चाहिए ।

(ख) अभ्यर्थी को जानना चाहिए कि मशीनरी के विभिन्न भागों पर कितना ध्यान देने की जरूरत है, उसे विभिन्न बाल्वों, कावस, पाइपों और कनेक्शनों के उपयोग और प्रबंध को समझना चाहिए और सिलिन्डरों में वायु और फूल का प्रदाय करने की विभिन्न प्रणालियों से अवगत होना चाहिए ।

(ग) अभ्यर्थी उम मुख्य कारणों का वर्णन करने में, जो कि इंजन का स्टार्ट होना कठिन बनाते हैं और उसको यह स्पष्ट करने में भी समर्थ होना चाहिए कि वह उससे संबंधित त्रुटियों को कैसे दूर करेगा और उसे यह वर्णित करने में भी समर्थ होना चाहिए कि वह स्टार्ट करने और रिवर्स करने में व्यवस्थाओं से संबंधित पक्षिकत्व को समझता है और वह उसकी त्रुटियों को दूर करने में सक्षम है ।

(घ) अभ्यर्थी कार्यकारी पुर्जों का समायोजन करने में लिए और इंजन को पुनः घण्टी काम बसाऊ हालत में लाने के लिए इंजन की पूर्ण मरम्मत करने में समर्थ होना चाहिए । उसे यह भी समझना चाहिए कि वह मशीन को साधारण चिसाई से होने वाली क्षति को कैसे दूर

कर सकता है और दुर्घटनाओं से होने वाली त्रुटियों को कैसे ठीक कर सकता है,

(ङ) अभ्यर्थी आंतरिक दहन इंजनों में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न ईंधन तेलों की प्रकृति और गुणों से अवगत होना चाहिए । उसे समझना चाहिए कि 'फ्लेश प्वाइंट' का क्या अर्थ है,

(च) (i) अभ्यर्थी को ईंधन तेल के टैंकों के क्षरण से होने वाले खतरे को जानना चाहिए और विस्कोटन के संबंध में किए जाने वाले पूर्वोपायों को समझना चाहिए,

(ii) उसे काष्ठित से जब इंजन बन्द किया जाता है, ज्वलनशील वाष्प के पलायन से उसको रक्षा करने के लिए आवश्यक पूर्वापार्यों को करने में समर्थ होना चाहिए,

(iii) उसे यह भी जानना चाहिए कि यदि भाग लग जाती है तो क्या कार्रवाई की जाए,

(छ) अभ्यर्थी, यदि अपेक्षा की जाए तो अपनी व्यावहारिक जानकारी, परीक्षक की उपस्थिति में मोटर जलयान के इंजनों में वास्तविक रूप से कार्य करके दर्शित करने में समर्थ होना चाहिए, और

(ज) अभ्यर्थी को सहायक वाष्प वायुधरों की और उससे संबंधित मशीनरी की अर्थात् विद्युत लाइट इंजनों, स्टीयरिंग इंजनों वाष्प पत्तों और पम्पों की कार्यकारी जानकारी होनी चाहिए ।

27. प्रथम वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र के लिए अर्हताएं :—

(1) प्रथम वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र के लिए अभ्यर्थी 22 वर्ष का होना चाहिए और उसके पास निम्नलिखित अर्हताओं में से एक होनी चाहिए, अर्थात् :—

(क) उसने वाष्प इंजनों के बनाने या उनकी मरम्मत करने में कम से कम तीन वर्ष तक शिक्षु के रूप में और वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन अनुवृत्त वाष्प जलयानों के लिए द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र धारण करते हुए 80 आकलित अश्व शक्ति से अत्यून के इंजनों वाले स्टीमर में सहायक इंजीनियर के रूप में एक वर्ष के लिए सेवा की हो, या

(ख) उसने समुद्र या अन्तर्वेणीय जलों पर स्टीमर के इंजन कक्ष में पांच वर्ष सेवा की हो, जिनमें से दो वर्ष की सेवा वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन वाष्प जलयानों के लिए अनुवृत्त द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र धारण करते हुए 30 आकलित अश्व शक्ति से अत्यून के मिश्रित पृष्ठ द्रवण (कंपाउंड सरफेस कन्डेन्सिंग) इंजनों वाले स्टीमर में सारंग, प्रधान टिन्डल या वाच के भारसाधक फायरमैन के रूप में होना चाहिए, या

(ग) उसने वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन वाष्प जलयानों के लिए अनुवृत्त द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पश्चात् द्वितीय ड्राइवर के रूप में या 30 आकलित अश्व शक्ति से अत्यून के मिश्रित पृष्ठ द्रवण इंजनों वाले स्टीमर के मुख्य इंजनों और वायुधरों पर वाच के भारसाधक के रूप में सेवा की हो, या

(घ) उसने वाष्प जलयान अधिनियम या इन नियमों के अधीन अनुवृत्त वाष्प जलयानों के लिए द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात् 20 आकलित अश्व-शक्ति से अत्यून के मिश्रित पृष्ठ द्रवण इंजनों वाले स्टीमर के इंजनों के चालक के भार-साधक के रूप में एक वर्ष के लिए सेवा की होनी चाहिए, या

(ङ) उसने वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन वाष्प जलयानों के लिए अनुवृत्त द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर के रूप में अट्टारह मास सेवा की हो या इन नियमों के अधीन 30 आकलित अश्व शक्ति से अत्यून के मिश्रित पृष्ठ द्रवण इंजनों वाले स्टीमर के मुख्य इंजन और वायुधरों पर वाच के भारसाधक के रूप में सेवा की हो, या

(च) उसने समुचित रूप से अर्हित प्रबंधक या इंजीनियर के अधीन कारखाने या मिल के इंजनों के भारसाधक के रूप में तीन वर्ष और बाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन बाष्प जलयानों के लिए अनुवत्त द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र धारण करते हुए 80 अश्वशक्ति से अत्यून के इंजनों वाले स्टीमर के सहायक इंजीनियर, इंजन कक्ष सारंग या प्रधान टिन्डल के रूप में सेवा की हो।

(2) उपनियम (1) में उल्लिखित किन्हीं अर्हताओं के अतिरिक्त—

(क) उसे द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र के लिए नियम 26 द्वारा अपेक्षित के समान किन्तु अधिक उच्च मौखिक परीक्षा उत्तीर्ण करनी चाहिए।

(ख) उसे, यदि अपेक्षा की जाए तो अपनी व्यावहारिक अर्हताएं, सभी परीक्षाओं को पूरी करने के पश्चात् जिनको उसे पूरा करना होगा, स्टीमर के इंजनों पर वास्तविक रूप में कार्य करके दर्शित करने में समर्थ होना चाहिए।

28. प्रथम वर्ग मोटर इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र के लिए अर्हताएं :—

(1) प्रथम वर्ग मोटर इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र के लिए अद्ययुक्ती बार्डिस वर्ष का होना चाहिए और उसके पास निम्नलिखित अर्हताओं में से एक होनी चाहिए, अर्थात् :—

(क) उसने बाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन मोटर जलयानों के लिए अनुवत्त द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र धारण करते हुए 565 अश्वशक्ति से अत्यून के मोटर जलयानों के मुख्य इंजनों पर नियमित बाच पर इंजन ड्राइवर के रूप में एक वर्ष से अत्यून के लिए सेवा की हो, या

(ख) उसने बाष्प जलयान अधिनियम के अधीन मोटर जलयान के लिए अनुवत्त द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात् द्वितीय ड्राइवर के रूप में अट्टारह मास से अत्यून की कालावधि के लिए सेवा की हो, या

(ग) उसने 226 अश्वशक्ति से अत्यून के मोटर जलयान के इंजन कक्ष में चार वर्ष से अत्यून की कालावधि के लिए सेवा की हो जिनमें से 1 वर्ष से अत्यून की कालावधि के लिए उसने बाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन मोटर जलयानों के लिए अनुवत्त द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात् मुख्य गीजर सारंग या प्रधान टिन्डल के रूप में सेवा में की हो। यदि मोटर जलयान 170 अश्वशक्ति से कम का न हो तो ऐसे जलयानों में पांच वर्ष से अत्यून की कालावधि के लिए ऐसे जलयान में सेवा की हो, जिनमें से दो वर्ष से अत्यून की कालावधि के लिए उसने बाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन मोटर जलयानों के लिए अनुवत्त द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र धारण करते हुए सारंग प्रधान आयलमैन या मुख्य गीजर के रूप में सेवा की हो, या

(घ) उसने बाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन मोटर जलयान के लिए अनुवत्त द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात् अट्टारह मास से अत्यून की कालावधि के लिए 113 अश्वशक्ति से अत्यून के मोटर जलयान के इंजन के भारसाधक ड्राइवर के रूप में सेवा की हो, या

(ङ) उसने बाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन मोटर जलयान के लिए अनुवत्त द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात् 226 अश्वशक्ति से अत्यून के मोटर जलयान में सारंग, प्रधान टिन्डल या मुख्य गीजर के रूप में दो वर्ष से अत्यून के लिए सेवा की हो, या

(च) उसने प्रमाणित इंजीनियर के अधीन कारखाने या मिल के इंजनों के भारसाधक के रूप में तीन वर्ष से अत्यून के लिए और बाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन मोटर जलयानों

के लिए अनुवत्त द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र धारण करते हुए सहायक इंजीनियर, सारंग, प्रधान टिन्डल या मुख्य गीजर के रूप में 226 अश्वशक्ति से अत्यून के मोटर जलयान के इंजन कक्ष में एक वर्ष से अत्यून के लिए सेवा की हो, या

(छ) उसने बाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन अनुवत्त प्रथम वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र धारण करते हुए 226 अश्वशक्ति से अत्यून के मोटर जलयान के मुख्य इंजनों पर नियमित बाच पर इंजन ड्राइवर के रूप में दो वर्ष से अत्यून के लिए सेवा की हो।

(ज) उसने बाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन अनुवत्त द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र धारण करते हुए 226 अश्वशक्ति से अत्यून के मोटर जलयान के मुख्य इंजनों पर नियमित बाच पर इंजन ड्राइवर के रूप में चार वर्ष से अत्यून के लिए सेवा की हो, या

(झ) उसके पास वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम के अधीन अनुवत्त समुद्र में जाने वाले बाष्प जलयानों के लिए इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र और उसने एक वर्ष से अत्यून की कालावधि के लिए 226 अश्वशक्ति से अत्यून के मोटर जलयान के मुख्य इंजनों पर नियमित बाच पर सेवा की हो।

(2) उपनियम (1) में उल्लिखित किन्हीं अर्हताओं के अतिरिक्त— उसे मौखिक परीक्षा जो कि द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र के लिए नियम 26 के उपनियम (2) के अधीन अपेक्षित के समान किन्तु अधिक उच्च प्रकार की हो, उत्तीर्ण करनी चाहिए।

29. इंजीनियर प्रमाणपत्र के लिए अर्हताएं :—इंजीनियर प्रमाणपत्र के लिए अद्ययुक्ती कम से कम बार्डिस वर्ष का होना चाहिए और उसके पास निम्नलिखित अर्हताएं होनी चाहिए, अर्थात् :—

(क) (i) उसने चार वर्ष के लिए शिक्षु इंजीनियर के रूप में सेवा की हो और उसे साबित करना चाहिए कि वह अपनी शिक्षुता की कालावधि के दौरान स्टीम इंजन बायलरों और बैसी ही वस्तुओं के बनाने या मरम्मत करने में नियोजित रहा है,

(ii) जनोपेन का समय शिक्षुता के बराबर समझा जाएगा,

(iii) ऊपर वर्णित शिक्षुता के अतिरिक्त आवेदक ने उसके पश्चात् दो वर्ष 80 अश्वशक्ति से अत्यून के इंजनों वाले स्टीमर में सहायक इंजीनियर के रूप में या बाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन अनुवत्त प्रथम वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात् मिश्रित पृष्ठ द्रवण इंजनों वाले स्टीमर के या 30 अश्वशक्ति से अत्यून के मिश्रित पृष्ठ द्रवण इंजनों वाले स्टीमर के भारसाधक ड्राइवर के रूप में सेवा की हो, या

(iv) उपर्युक्त सेवा में असफल होने पर उसने बाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन अनुवत्त प्रथम वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात् तीन वर्ष 80 अश्वशक्ति से अत्यून के मिश्रित पृष्ठ द्रवण इंजनों वाले अन्तर्देशीय जलयान के इंजनों के भारसाधक के रूप में या चार वर्ष 30 अश्वशक्ति से अत्यून के अन्तर्देशीय जलयान के इंजनों के भारसाधक के रूप में सेवा की हो।

(ख) उसे बायलरों का और विभिन्न बल्बों, कावसों, पाइपों और कनेक्शनों के उपयोग और प्रबंध से उनके एक साथ जुड़े रहने की प्रणालियों का समाधानप्रद विवरण देने में समर्थ होना चाहिए।

(ग) उसे समझना चाहिए कि चुर्चटता, ध्वज, धाव से हुई त्रुटियों को कैसे ठीक किया जाए और ऐसी त्रुटियों को दूर करने के क्या साधन हैं।

(ग) उसे जल-प्रमापी/वायु-प्रमापी, बैरोमीटर, थर्मामीटर और लवण-तापमापी का उपयोग समझना चाहिए और ये सिद्धांत समझने चाहिए जिस पर उनकी रचना की गयी है।

(घ) उसे पंपही और कोरेसन के कारणों प्रभावों और उनके सामान्य उपचारों को बताना चाहिए।

(च) उसे स्लाइड वाल्वों की जड़ाईका परीक्षण करने और उनमें परिवर्तन करने की प्रणालियाँ और गैपों की ऋजूता का परीक्षण करने और उनका समायोजन करने की प्रणालियाँ बनाने में समर्थ होना चाहिए।

(छ) उसे वाष्प वायुशर के कार्यकारी वाब और उसकी जटिल-ताओं का कार्यकारी ज्ञान होना चाहिए।

(ज) उसे सहायक मशीनरी की, जो कि उसके भारसाधन में रखी जाए, अर्थात् विद्युत लाइट इंजनों (वाष्प और तेल) और ड्राइने विद्युत मोटरों, विभिन्न प्रकार के स्टीयरिंग इंजनों, द्रवचालित और प्रशीतन मशीनरी की रचना समझनी चाहिए और उसको आलू अवस्था में बनाए रखने में समर्थ होना चाहिए।

(झ) उसे अपकेन्ट्री वाल्टी और प्लजन पम्पों की रचना समझनी चाहिए और वह सिद्धांत भी जिन पर वे कार्य करती हैं, समझना चाहिए।

(ञ) उसे यह बताने में समर्थ होना चाहिए कि मशीनरी के किसी भाग के अपविन्यास की दशा में या उसके पूर्ण रूप से फेल हो जाने की दशा में प्रस्थायी या स्थाई मरम्मत कैसे की जा सकती है।

(ब) उसका लेब सुपाठ्य होता चाहिए और उसे साधारण और दशमलव भिन्नों और बर्ग और घनमूलों तक का और उनके साथ-साथ गणित का अच्छा ज्ञान होना चाहिए। उसे यह भी समझना चाहिए कि सुरक्षा वाल्वों, कोयले की छपत, सामग्री की छपत, टैंकों और बन्करों आदि की क्षमता के बारे में प्रश्नों को ये नियम कैसे लागू हैं।

(ड) उसे साधारण उपयोग में आनेवाले वाष्प इंजनों की विभिन्न रचनाओं के बारे में उनके वाष्प और आंतरिक विभिन्न कार्यकारी भागों के व्योरो के बारे में और प्रत्येक भाग के उपयोग के बारे में विवरणपूर्ण परीक्षा उत्तीर्ण करने में समर्थ होना चाहिए।

(ड) उसे वहन, उष्मा, वाष्प और विद्युत से संबंधित मुख्य तथ्यों की विवरणपूर्ण जानकारी होनी चाहिए।

(ड) उसे समुद्री मोटर इंजनों के विभिन्न प्रकारों, उनके कार्यकरण का और उनके विभिन्न भागों के उपयोगों का वर्णन करने में समर्थ होना चाहिए।

30. मोटर इंजीनियर प्रमाणपत्र के लिए अर्हताएं :—मोटर इंजीनियर प्रमाणपत्र के लिए अभ्यर्थी बाइस वर्ष का होना चाहिए और उसके पास निम्नलिखित अर्हताएं होनी चाहिए, अर्थात् :—

(क) (i) उसने ऐसे वाष्प या मोटर इंजनों के, जो समुद्री इंजीनियरों के लिए लाभदायक प्रशिक्षण देने के रूप में मान्यताप्राप्त हों; बनने में, जोड़ने में और मरम्मत करने में शिक्षा इंजीनियर या जनोमैन के रूप में चार वर्ष से अन्यून के लिए सेवा की हो।

(ii) 16 वर्ष की आयु से पूर्व की गयी सेवा का कोई समय स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस कालावधि के 3 वर्ष से अन्यून आंतरिक वहन इंजन से जोड़ने, बनाने या मरम्मत करने में व्यतीत किए गए हों।

(iii) शेष वर्ष इस प्रकार के कार्य में या तो पूर्णतः रूप से या भागशः या समुद्र में जाने वाले इंजीनियरों की परीक्षा से संबंधित नियमों में यथाउल्लिखित अनुमोदित तकनीकी स्कूल में व्यतीत किए गए हों।

(iv) जनोमैन के रूप में सेवा शिक्षता के समतुल्य समझी जाएगी किन्तु 16 वर्ष की आयु के पूर्व की गयी सेवा का कोई समय स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(v) उपर्युक्त से निम्न कर्मशाला सेवा स्वीकार की जा सकती है यदि वह मोटर इंजीनियर के लिए लाभदायक प्रशिक्षण समझी जाए किन्तु ऐसे सभी मामले अभ्यर्थी की परीक्षा लिए जाने से पूर्व विचारण के लिए प्रधान अधिकारी को भेजे जाने चाहिए और समुद्री आंतरिक वहन इंजनों पर अर्हता सेवा के कम से कम अतिरिक्त तीन मास या तो संकटों पर या इन इंजनों द्वारा नोदित जलयानों के मुख्य इंजन कक्ष में नियमित वाच पर इस प्रकार की या ऐसे स्वीकार किए गए वहन इंजनों के बनाने या मरम्मत करने से भिन्न प्रकार की कर्मशाला सेवा के प्रत्येक बारह मास के संबंध में पूरे किए गए हों।

(vi) यदि सेवा पूर्णतः संतोषजनक न हो तो विनिर्दिष्ट से भिन्न और लम्बी अतिरिक्त अवधि की अपेक्षा की जा सकती है।

(vii) अपेक्षित चार वर्ष की कर्मशाला सेवा में कोई कमी आंतरिक वहन इंजनों द्वारा नोदित 565 ब्रेक शक्ति से अन्यून के जलयानों के मुख्य इंजन कक्ष में जल मार्गस्थ पण्य सेवा द्वारा या निमित्त वाच द्वारा पूरी की जा सकती है।

(viii) यदि जलयान समुद्र में जाने वाला जलयान है तो कम कालावधि को डेढ़ गुनी कालावधि तक सेवा की जानी चाहिए और यदि आंतरिक जलयान है तो कम कालावधि की सेवा दो गुनी कालावधि तक सेवा की जाने की अपेक्षा की जाएगी, इस प्रकार अभ्यर्थी जिसने कोई कर्मशाला सेवा नहीं की है उसे यथोचित समुद्र में जाने वाले जलयान में छह वर्ष या शिक्षता के बचले में अंतर्वर्षीय जलयान में नौ वर्ष सेवा करनी चाहिए।

(ख) (i) ऊपर वर्णित कर्मशाला सेवा या अनुकल्पी जलमार्गस्थ पण्य सेवा के अतिरिक्त अभ्यर्थी को 565 ब्रेक शक्ति से अन्यून के आंतरिक वहन इंजनों द्वारा नोदित समुद्र में जाने वाले पोत के मुख्य इंजन पर इंजीनियर या नियमित वाच के रूप में समुद्र पर छठारह मास या समान अंतर्वर्षीय जलयान में सप्ताईस मास व्यतीत करनी चाहिए।

(ii) उपर्युक्त सेवा के न होने पर, उसने, वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन अनुवत्त प्रथम वर्ग मोटर इंजन बालक प्रमाणपत्र सहित, आंतरिक वहन इंजनों द्वारा नोदित 565 ब्रेक शक्ति से अन्यून के अंतर्वर्षीय या बन्दरगाह जलयान के इंजनों के भार-साधक के रूप में तीन वर्ष या 226 ब्रेक शक्ति से अन्यून के अंतर्वर्षीय जलयान के इंजनों के भारसाधक के रूप में चार वर्ष सेवा की हो।

(ग) (i) कोई ऐसा इंजीनियर भी जिसके पास वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम या वाष्प जलयान अधिनियम या इन नियमों के अधीन अनुवत्त सक्षमता प्रमाणपत्र (वाष्प) ही, मोटर इंजीनियर के प्रमाणपत्र के लिये भी पात्र है;

(ii) उसने समुद्र में जाने वाले वाष्प पोतों के नियम पोत परिवहन अधिनियम के अधीन अनुवत्त या विधिमाम्य रूप से मान्यताप्राप्त प्रथम वर्ग सक्षमता प्रमाणपत्र करते हुए 565 ब्रेक शक्ति से अन्यून के आंतरिक वहन इंजनों द्वारा नोदित समुद्र में जाने वाले पोत के मुख्य इंजनों पर नियमित वाच पर सहायक इंजीनियर के रूप में छह मास से अन्यून के लिए या वैसे ही अंतर्वर्षीय जलयान में नौ मास के लिए सेवा की हो।

(iii) उसे परीक्षक का यह भी समाधान करना चाहिए कि वह अतिरिक्त वहन इंजनों से पूर्णतया अवगत है और उसे लिखित और मौखिक दोनों परीक्षाओं में भी यह दर्शित करने में समर्थ होना चाहिए कि उसे इस नियमों के खण्ड (ब) से (ड) तक और (घ) से (प) दिए गए विषयों की समाधानप्रद जानकारी है।

(iv) उसे समुद्र में जाने वाले पोतों के लिए, पोत परिवहन अधिनियम के अधीन अनुवत्त या विधिमाम्यतः मान्यताप्राप्त द्वितीय वर्ग सक्षमता प्रमाणपत्र धारण करते हुए 565 ब्रेक शक्ति से अन्यून के आंतरिक वहन इंजनों द्वारा नोदित समुद्र में जाने वाले पोत के मुख्य इंजनों

पर नियमित वाष्प पर सहायक इंजीनियर के रूप में बारह मास से अन्यून के लिए वैसे ही अन्तर्देशीय जलयान में अष्टादश मास से अन्यून के लिए सेवा की हो।

(v) उसे परीक्षक का यह भी समाधान करना चाहिए कि वह अतिरिक्त बहुत इन्जनों से पूर्णतया अवगत है उसे शिक्षित और मौखिक दोनों परीक्षाओं में यह दक्षित करने में समर्थ होना चाहिए कि इन नियमों के नियम 32 खण्ड 1 (च) से (ठ) तक में और (घ) से (प) तक में दिए गए विषयों की जानकारी है।

(घ) उसे इंजीनियरों की, जिनके पास इंजीनियर प्रमाणपत्र के रूप में वाष्प जलयान अधिनियम या इन नियमों के अधीन अनुवक्त साधारण सक्षमता प्रमाणपत्र है, मोटर इंजीनियर प्रमाणपत्र के अनुदान के लिए परीक्षा की जा सकती है।

परन्तु यह तब जब कि वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन अनुवक्त इंजीनियर प्रमाणपत्र धारण करते हुए उन्होंने 565 ब्रेक शक्ति से अन्यून के आंतरिक बहुत इन्जनों द्वारा नौवित समुद्र में जाने वाले पोतों के मुख्य इंजीनियरों पर नियमित वाष्प पर सहायक इंजीनियर के रूप में बारह मास से अन्यून के लिए या वैसे ही अन्तर्देशीय जलयान पर अष्टादश मास से अन्यून के लिए सेवा की हो।

(ङ) उसका लेख सुपाठ्य होना चाहिए और उसे साधारण और दशमलव भिन्नों और वर्गों और वर्ग मूल का और साथ-साथ गणित का अच्छा ज्ञान होना चाहिए। उसे कमाना या लीबरधारित सुरक्षा और रिलीफ बास्कों से संबंधित प्रश्नों को हल करने तेलों और सामग्री की छपत, टैंकों, रैंकों आदि, जलयानों की गति और अन्य समरूप समस्याओं की क्षमता का पता चलाने में समर्थ होना चाहिए।

(च) उसे उन सिद्धान्तों का स्पष्टीकरण देने में, जिन पर तेल, गैस या अन्य अन्तर्दहन इन्जन कार्य करते हैं, जिनके अन्तर्गत ज्वलन की प्रणालियां भी हैं, उनके बीच अन्तर बताने में, और उदाहरणात्मक रेखाचित्रों द्वारा और अन्यथा यह दक्षित करने में भी समर्थ होना चाहिए कि वह साधारण उपयोग में उनकी संरचना के व्योहों को समझता है।

(छ) उसे विभिन्न प्रकार के इन्जनों में सिलिन्डरों के लिए वायु और ईंधन का प्रवाह करने की विभिन्न प्रणालियों से, और ईंधन को कार्बुरेटिंग एटामाइजिंग या भंसीभूत करने के लिए उपकरण की रचना से और सिलिन्डर, पिस्टनों आदि के ठन्डा करने के साधनों से अवगत होना चाहिए।

(ज) उसे कर्मशाला में अन्तर्दहन इन्जनों की रचना में की गई प्रक्रिया की और पोत फलक पर मशीन फिट करने में उपयोग की गई पद्धतियों की समाधानप्रद जानकारी होनी चाहिये।

(झ) उसे जानना चाहिये कि मशीनरी के विभिन्न भागों पर कितना ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है और उसे विभिन्न बास्कों, फाकों पाइपों और कनेक्शनों का उपयोग और प्रबन्ध समझन चाहिये।

(ञ) उसे उन मुख्य कारणों का कथन और वर्णन करने में, जो ईंधन का स्टार्ट करना कठिन बना सकते हैं और यह स्पष्ट करने में समर्थ होना चाहिए कि वह उनमें होने वाली किसी त्रुटि को कैसे ठीक करेगा।

(ट) वह यह दक्षित करने में भी समर्थ होना चाहिए कि वह स्टार्ट करने और रिवर्स करने की अवस्थाओं से संबंधित यांत्रिकत्व को समझता है और उसमें होने वाली त्रुटियों को दूर कर सकता है।

(ड) उसे समझना चाहिए कि मशीन में होने वाली साधारण घिसाई के नुकसान को कैसे दूर किया जाए, पौफिटिंग आदि की अनुज्ञा का कैसे परीक्षण किया जाए, दुर्घटना, जलब से होने वाली त्रुटियों को कैसे दूर किया जाए और अवस्था या पूर्ण रूप से फेल हो जाने की दशा में कैसे स्थायी या अस्थायी मरम्मत की जाए।

(ड) उसे वाष्पोज, बैरोमीटर, थर्मोमिटर का रचना को और इन्जन कक्ष में उपयोग किए जाने वाले इन्जनों और उन सिद्धान्तों को समझना चाहिए जिन पर वे कार्य करते हैं।

(ढ) उसे सेन्टीफ्यूगल बाल्टी और प्लंजर पम्पों की रचना और तापमान को और उन विद्युतों को समझना चाहिए जिन पर वे कार्य करते हैं।

(ण) उसे वायु संवीडकों, गैस उत्पादकों, स्टोयरिंग इन्जनों, विद्युत इन्जनों और आहतनों में, विद्युत मोटरों, प्रशीतन, हाइड्रोलिक और गैस फनक पर पाई जाने वाली अन्य सहायक मशीनरी की रचना और कार्यकरण को समझना चाहिए।

(त) उसे सहायक स्टीम वायलरों और मशीनरों की संरचना और संबंध की अच्छी कार्यकारी जानकारी होनी चाहिए और उसे दहन उष्मा और स्टोल से संबंधित प्रमुख तथ्यों से अवगत होना चाहिए।

(थ) उसे अन्तर्दहन इन्जनों में साधारणतया उपयोग किए जाने वाले विभिन्न तेलों को प्रकृति और गुणों से अवगत होना चाहिए, उसे समझना कि फ्लैश प्वाइंट से क्या अभिप्रेत है और उसे उन तेलों, आदि के द्वारा, जब वह वायु को निश्चित मात्रा के साथ मिश्रित किए जाएं, निकाली गई वाष्प पर गैस के विस्फोटक गुणों की जानकारी होनी चाहिए और उसे नग्न प्रकाश में ऐसी गैस या वाष्प के उद्भावन से या तेल के टैंकों में विशेष रूप से जलयानों के तेलों और असंक्रालिक स्थानों में या गैस उत्पादकों, पाइप आदियों आदि से कोई क्षरण होने दिए जाने के खतरे से पूर्ण रूप से परिचित होना चाहिए।

(द) उसे तेल या गैस से लगने वाली आग या होने वाले विस्फोटक के संज्ञ में निरूपित जाने वाले पूर्वोक्तों को पूर्ण रूप से समझना चाहिए और या वह जाना चाहिए कि आग लग जाने की दशा में क्या कार्यवाही की जाए।

(ध) उसे वायर गैज डायफमों की क्रिया से, जब वे पाइपों में रखे जाएं और तेल के टैंकों में तेल वाष्प के विस्फोटन या ज्वलन का निवारण करने के प्रयोजन के लिए उनके कनेक्शनों से, परिचित होना चाहिए।

(न) उसे प्रारंभिक और द्वितीयक रैटिफायर्स और प्रेरण कुन्डलियों का प्रमुख रचना और व्यवस्थाओं को, जहां तक तेल के इंजन के कुशल प्रबन्ध के लिए आवश्यक है, स्पष्ट करने में समर्थ होना चाहिए।

(प) उसे मशीनरी के किसी मामूली पुर्जों के रेखाचित्र का आलेखन बनाने में समर्थ होना चाहिए।

31. इंजीनियरों की परीक्षा के बारे में साधारण नियम: (1) परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों के उपयोग के लिए सभी आवश्यक पुस्तकों का व्यवस्था की जाएगी और आवेदकों को परीक्षा कक्ष में कोई पुस्तक लाज, दस्तावेज या किसी भी प्रकार का ज्ञापन ले जाने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी और इसके परचात् निर्दिष्ट उपबंधों के अध्वधीन रहते हुए उन्हें स्लेट या रूही कागज पर अपने प्रश्नों की हल करने के लिए अनुज्ञा नहीं किया जाएगा।

(2) अभ्यर्थी को अपने कार्य का कोई भाग आवंटित समय में रह करने के लिए प्रदान नहीं किया जाएगा और जब अपेक्षित हो, परीक्षक द्वारा प्रोत्तेजित कार्य का प्रवाह किया जाएगा। वे अतिरिक्त कागज परीक्षार्थों से संलग्न और उनका भाग होने चाहिए।

(3) किसी अभ्यर्थी के दूसरे अभ्यर्थी से प्रतिलिपि करते हुए या दूसरे को कोई सहायता करते हुए या कोई सूचना देते हुए या किसी भी तरह दूसरे के साथ परीक्षा के समय के दौरान सम्पर्क बनाते हुए पकड़े जाने की दशा में उसे अपनी परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुए समझा जाएगा और उसे तीन मास के लिए उसी रीति से वापस कर दिया जाएगा मानों

वह परीक्षा के प्रयोगात्मक भाग में अनुत्तीर्ण हो गया है और ऐसी फीस का कोई भाग, जो उसने परीक्षा के लिए संवत् की हो, उसे वापस नों किया जाएगा।

(4) यदि कोई अभ्यर्थी किसी ऐसे प्रश्न का उत्तर देने के पूर्व जो उसे दिया गया है, कक्ष छोड़ता है, तो उसे तत्पश्चात् उसका उत्तर देने की अनुज्ञा नहीं दी जा सकेगी, किन्तु परीक्षक अन्य आंकड़े या दूसरे प्रश्न उसकी जगह दे सकता है।

(5) मोटर इंजीनियर प्रमाणपत्र के लिए अभ्यर्थियों की परीक्षा के तीन भाग होंगे, गणित, प्रारंभिक प्रश्न और मौखिक परीक्षा जब गणित में प्राप्त किए गए अंक अधिकतम के दो तिहायी हों तो अभ्यर्थी गणित में उत्तीर्ण होगा।

(6) मोटर इंजीनियर प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाले सभी आवेदकों से यह अपेक्षा की जाएगी कि वे दस प्रश्नों का लिखित उत्तर दें। ये प्रश्न परीक्षा के समय अभ्यर्थियों की जानकारी का अनुमान लगाने के लिए और अभ्यर्थियों को उनके हस्तलेख एवं हिज्जे की तरफ अधिक ध्यान देने के लिए प्रेरित करने के लिए बनाए जाते हैं।

(7) प्रश्न 6 में, जिस पर ये उत्तर लिखे जाएंगे, आवेदक के अनुभव सम्बन्धी भी कुछ प्रश्न हैं, जिनका उत्तर उसके द्वारा लिखित रूप में दिया जाना है।

(8) परीक्षक मौखिक परीक्षा में बाण्ड इंजनों और बायलरों के प्रयोगात्मक प्रबन्ध पर प्रश्न पूछ सकता है।

(9) यदि समय की समाप्ति पर अभ्यर्थी ने उसे दिए गए सभी प्रश्नों को सही सही हल कर लिया है और उस ने मौखिक परीक्षा में संतोषप्रव उत्तर दिए हैं, तो वह उत्तीर्ण हुआ घोषित किया जाएगा।

(10) यदि अनुज्ञात समय की समाप्ति पर उसने उसके दिए गए सभी प्रश्नों को हल नहीं किया है किन्तु यदि ऐसे प्रश्नों के उत्तर के जिन्हें उसने हल किया है, सहयोग से ली गई मौखिक परीक्षा परीक्षक का यह समाधान करने के लिए पर्याप्त है कि आवेदक के इंजनों का भार-साधक होने लिए सक्षम है तो वह उत्तीर्ण हुआ घोषित किया जाएगा।

(11) अन्य मामलों में वह अनुत्तीर्ण हुआ घोषित किया जाएगा।

(12) परीक्षा की रिपोर्ट और परीक्षा पत्र परीक्षक द्वारा विहित प्ररूप पर प्रधान अधिकारी को भेजे जाएंगे।

(13) यदि अभ्यर्थी उत्तीर्ण हो जाता है तो उसे इस आशय का प्ररूपक टिप्पण प्राप्त होगा जिस पर प्रधान अधिकारी ऐसे अभ्यर्थी की, जिस के शंसापत्र प्राप्ति उसी समय वापस किए जाएंगी, प्रमाणपत्र हा देगा।

(14) (क) परीक्षा के लिए अभ्यर्थों से प्ररूप 5 पर अपना आवेदन करते समय अभ्यर्थी से अपेक्षा की जाएगी की वे कोई भी कार्यवाही किए जाने के पूर्व जो चाहें उनकी सेवाओं के बारे में जांच करने के सम्बन्ध में हों उनकी अर्हताओं आदि का परीक्षण करने के संबंध में परीक्षा फीस का संदाय करे।

(ख) फीस का कोई भाग किसी भी परिस्थिति में उन्हें वापस नहीं किया जाएगा किन्तु यदि यह पाया जाए कि उनकी सेवाएं परीक्षा लिए जाने के लिए उन्हें हकदार बनाने के लिए पर्याप्त नहीं है या उनके प्रमाण पत्र असंतोषजनक है तो किसी अतिरिक्त फीस का संदाय किए बिना यथास्थिति, जब उन्होंने अपेक्षित सेवा पूरी कर दी हो या वे संतोषजनक प्रमाणपत्र पेश करने में समर्थ हो, उन्हें परीक्षा के लिए उपस्थित होने के लिए अनुज्ञात कर दिया जाएगा।

(ग) परीक्षा के लिये फीस का संदाय प्रधान अधिकारी को या ऐसे अधिकारी को किया जाएगा जिसे इस निमित्त उसके द्वारा सम्यक्तः प्राविष्टत किया जाये।

(घ) कि भी मामले में, जिसमें कोई अभ्यर्थी किसी भी अधिकारी को धन देने की प्रस्थापना करता है, इस प्रकार धन की प्रस्थापना करने वाले अभ्यर्थी के बारे में यह समझा जाएगा कि उसने अवचार किया है और उसे अस्वीकार कर दिया जायेगा तथा बारह मास तक परीक्षा में बैठने नहीं दिया जायेगा।

(ङ) यदि कोई अभ्यर्थी अपनी परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो जाता है तो उसे फीस का, जिसका उसने संदाय किया, कोई भाग उसे वापस नहीं किया जायेगा।

(च) फीस निम्नलिखित है :—

द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर या द्वितीय वर्ग मोटर इंजन ड्राइवर

प्रमाणपत्र

10 रु०

प्रथम वर्ग इंजन ड्राइवर या प्रथम वर्ग मोटर इंजन ड्राइवर

प्रमाणपत्र

15 रु०

इंजीनियर या मोटर इंजीनियर प्रमाणपत्र

20 रु०

32. असफलता :—(क) यदि आवेदक मौखिक परीक्षा में या परीक्षा के प्रयोगात्मक भाग में अनुत्तीर्ण हो जाता है तो वह तब तक पुनः परीक्षा नहीं दे सकेगा जब तक कि वह जलमार्गस्थ पर्य सेवा में अतिरिक्त तीन मास की सेवा के सवृत न पेश करे।

(ख) यदि वह केवल गणित में अनुत्तीर्ण होता है तो वह किसी भी समय पुनः परीक्षा दे सकेगा।

(ग) इंजन ड्राइवरों की सारंग या प्रधान टिण्डल या द्वितीय ड्राइवर के रूप में सक्रिय सेवा के छह मास के पश्चात् नये सिरे से परीक्षा ली जा सकेगी, यदि भागतः परीक्षा दणित करती है कि उससे अर्हित होने की युक्तियुक्त रूप से आशा की जा सकती है।

33. साधारण :—(क) इंजीनियर और मोटर इंजीनियर प्रमाणपत्र प्रथम और द्वितीय वर्ग इंजीनियर ड्राइवर प्रमाणपत्र प्रथम और द्वितीय वर्ग मोटर इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र प्ररूप 7 बनाये जायेंगे और जारी किये जायेंगे।

(ख) प्रत्येक ऐसा प्रमाणपत्र दो प्रतियों में बनाया जायेगा और ऐसे प्रमाणपत्र के लिये हकदार प्रत्येक व्यक्ति परीक्षक की पासपोर्ट साइज की अपनी फोटो की दो प्रतियां देगा जिनमें से एक प्रति प्रमाणपत्र की प्रत्येक प्रति पर चिपकाई जायेगी।

(ग) प्रमाणपत्र की एक प्रति प्रमाणपत्र के लिये हकदार व्यक्ति को परिवर्तन की जायेगी और दूसरी प्रधान अधिकारी द्वारा रखी और अभिलेखबद्ध की जायेगी।

अध्याय—4

नव तूतीकोरिन पलन में चलने वाले 40 ब्रेक अश्व शक्ति से या 15 अकालित अश्व शक्ति से अनधिक के मोटर बाण्ड जलयानों के इंजीनियरों या मोटर ड्राइवरों को अनुज्ञा पत्रों का अनुदान।

33. अनुज्ञापत्रों का अनुदान :—अनुज्ञापत्रों का अनुदान उन व्यक्तियों को किया जायेगा जो अपेक्षित परीक्षाएं उत्तीर्ण करते हैं और अन्यथा निश्चित अपेक्षित शर्तों पर पालन करते हैं। इस प्रयोजन के लिये नव तूतीकोरिन पलन पर कालिकता, परीक्षाएं लेने के लिये इस्तजाम किये जायेंगे।

34. परीक्षाएं :—(क) परीक्षाएं वाणिज्यिक ससूत्री विभाग, मद्रास (जिसे इसमें इसके पश्चात् परीक्षक कहा गया है) द्वारा ली जायेगी।

(ख) परीक्षाएं पूर्वाह्न में शीघ्र ही प्रारंभ होंगी और तब तक चालू रहेंगी जब तक कि ऐसे सभी अभ्यर्थियों की, परीक्षा नहीं से ली जाती है जिनके नाम परीक्षक की सूची में परीक्षा के लिए दिये गये हैं।

(ग) (i) परीक्षा के लिये अभ्यर्थी अपने आवेदन नीचे दिये गये प्ररूप 8 में करेंगे, जोकी प्रधान अधिकारी के, या ऐसे पदाधिकारी के समक्ष बरी जायेगी, जो उसके द्वारा इस निमित्त नियुक्त किया जायेगा।

(ii) आवेदक को सेवा के शासपत्रों सहित, जोकि नियोजक के कार्यालय अभिलेखों पर साधारित होने चाहिये, उचित रूप से भरा हुआ प्ररूप परीक्षा के दिन से कम से कम तीन दिन पूर्व प्रधान अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिये।

(घ) परीक्षा के लिये अभ्यर्थियों से प्राप्त प्ररूप 8 में विनिर्दिष्ट प्ररूप में अपने आवेदन करते समय यह भी अपेक्षा की जायेगी कि वे 4 रुपये (केवल चार रुपये) की फीस का संवाय प्रधान अधिकारी को या इस निमित्त उसके द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत अधिकारी को करें।

(ङ) अनुशासन के लिये अभ्यर्थी की आयु इक्कीस वर्ष होनी चाहिये और उसने किसी इंजीनियरिंग फर्म या कर्मशाला में कम से कम दो लगातार वर्षों तक सेवा की हो जिनमें से छह मास से अन्यून की सेवा मोटर इंजन के भारसाधक सहायक ड्राइवर या फिटर की हैसियत से होनी चाहिये।

(च) उसे मौखिक परीक्षा उत्तीर्ण करनी चाहिये और परीक्षक का समाधान करना चाहिये कि—

(i) वह मोटर इंजनों का कार्यकरण और प्रबन्ध एवं मेगनेटो, कारबेटरी, जल संचालन और तेल पम्पों, स्प्रिंग प्लगों आदि का प्रबन्ध

उपयोग पूर्ण रूप से समझता है और किसी सीमा तक उनकी संक्रियाओं की वास्तविक सिद्धांतों को स्पष्ट करने में समर्थ है;

(ii) वह मोटर इंजनों को खोलने और उनके किसी आवश्यक भाग को अत्यधिक बिसाई या अन्य त्रुटि का, जहां धह हो, पता लगा सकने में और उस भाग को पुनः ठीक से लगा सकने में समर्थ है;

(iii) वह यह पता लगाने में समर्थ है कि इंजन के स्टार्ट न होने की दशा में या किसी आवश्यक भाग के अपने उचित रूप से कार्य न करने की दशा में कहां पर त्रुटि है,

(iv) वह यह बर्णित करने में समर्थ है कि वह मशीनरी के किसी हिस्से के बेकार हो जाने की दशा में कैसे कार्य करेगा।

(v) वह यह बर्णित करने में समर्थ है कि वह अग्नि के खतरों को पूर्ण रूप से अनुभव करता है और वह भी समझता है कि उसका निवारण करने के लिये क्या आवश्यक पुर्नोपाय किये जायें और यह भी कि अब वास्तव में घाग लग जाये तो क्या करना चाहिये।

(छ) यदि अभ्यर्थी उत्तीर्ण हो जाता है तो प्रधान अधिकारी उसे प्ररूप 9 में अनुशासन देगा।

प्ररूप 1

[नियम 5(क) देखिए]

पराधीन पत्तन में चलने वाले 100 आकलित अश्व शक्ति/किसी आकलित अश्व शक्ति से कम के इंजनों वाले वाध्य जलयान
के मास्टर

565 ब्रेक अश्व शक्ति/किसी ब्रेक अश्व शक्ति से कम के इंजनों वाले मोटर जलयान

या

40 आकलित अश्व शक्ति से कम के इंजनों वाले वाध्य जलयान

के सारंग

226 ब्रेक अश्व शक्ति से कम के इंजनों वाले मोटर जलयान के रूप में कार्य करने के प्रमाणपत्र के लिये परीक्षा लिये जाने के लिये आवेदन अपेक्षित विशिष्टियों को भरने के पूर्व अभ्यर्थी को खण्ड (1) में दी गई सूचना और घोषणा सावधानीपूर्वक पढ़नी चाहिये।

(क) अभ्यर्थी का नाम आदि

पूरा नाम	जन्म की तारीख और स्थान	स्थायी पता जिसमें शहर या ग्राम, गली और गृह की सं० और उस व्यक्ति का नाम (यदि कोई हो) जिसके साथ निवास कर रहे हैं कथित हैं
----------	------------------------	---

(ख) सभी पूर्ण प्रमाणपत्रों को (यदि कोई हो) विशिष्टियां

संख्या	सक्षमता सेवा या आर० एम० आर०	श्रेणी	कहां से जारी किया गया	जारी करने की तारीख	यदि किसी समय रद्द या निलंबित किया गया तो बताएं किस न्यायालय या किस प्राधिकारी द्वारा	तारीख	कारण
--------	-----------------------------	--------	-----------------------	--------------------	--	-------	------

(ग) प्रमाणपत्र जो अब अपेक्षित है

श्रेणी	पत्तन जिस पर उसे भेजा जाता है।	तारीख	पत्तन जिसके लिए प्रमाण पत्र अपेक्षित है।	वह विषय जिसमें अभ्यर्थी अनुत्तीर्ण हुआ है।
--------	--------------------------------	-------	--	--

(घ) यदि अभ्यर्थी अब अपेक्षित प्रमाणपत्र के लिए पूर्ण परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ है तो उसे यह अवश्य बताना चाहिए कि वह कब अनुत्तीर्ण हुआ है, यदि वह अनुत्तीर्ण नहीं हुआ है तो उसे इस खण्ड में लिखित रूप से अवश्य ऐसा बताना चाहिए।

(ङ) प्रधान अधिकारी वाणिज्यिक समुद्री विभाग मद्रास जिला का प्रमाणपत्र घोषणा (1) पर मेरी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए थे और रूप की फीस मुझे प्राप्त हुई थी।

तारीख

प्रधान अधिकारी,
वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास जिला

(च) परीक्षकों का प्रमाणपत्र

परीक्षा की तारीख और स्थान		उत्तीर्ण या अनुत्तीर्ण	
तारीख	स्थान		
(छ) अभ्यर्थी का व्यक्तिगत विवरण			
लम्बाई	रंग रूप	रोग	विलक्षणता का व्यक्तिगत बिन्दु यदि कोई हो
फुट	इंच	बाल	नेत्र

मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि खण्ड (च) और (छ) में दी गई विशिष्टियाँ ठीक हैं और अभ्यर्थी ने सेवा के समाधान शंसापत्र और सबूत पेश किए हैं।

तारीख

प्रधान अधिकारी
वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास जिला

(ज) शंसापत्रों की सम्पूर्ण सूची और प्रारंभ से या वर्तमान प्रमाणपत्र की तारीख से सेवा का पूर्ण विवरण।

(शंसापत्रों को नीचे दिए गए विवरण के प्रथम स्तंभ में दी गई संख्या के अनुसार क्रमिक रूप से संख्यांकित किया जाए)

प्रमाण शंसापत्रों की संख्या यदि कोई हो	पोत का नाम	पोतटन आकलित अवशक्ति की विशिष्टियाँ	आवेक की सेवा की विशिष्टियाँ	व्यवसाय जिसमें नियोजित था	टिप्पणियाँ	सत्यापक के अक्षर
		हैसियत तारीख	पारम्भ की तारीख	समाप्ति की तारीख	सेवाकाल वर्ष मास दिन	

कुल सेवा

वह सेवाकाल, जिसके लिये अब शासकीय सबूत पेश किया गया है।

वह सेवाकाल, जिसके लिये कोई सबूत पेश नहीं किया गया है।

(झ) अभ्यर्थी द्वारा की जाने वाली घोषणा।

सूचना :—कोई व्यक्ति जो अपने लिये या किसी अन्य व्यक्ति के लिये सक्षमता प्रमाणपत्र प्राप्त करने के प्रयोजनार्थ कोई मिथ्या परिचाय करता है या करने के लिये दलावी करता है या करने में सहायता करता है अभियोजन के लिये दायी होगा।

मैं इसके द्वारा घोषणा करता हूँ कि उक्त प्ररूप के खण्ड (क), (ख), (ग), (घ), और (ज) में दी गई विशिष्टियाँ मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार ठीक और सही हैं और खण्ड (ज) में परिगणित और इस प्ररूप के साथ भेजे गये दस्तावेज सही और असली दस्तावेज हैं जो उन व्यक्तियों द्वारा दिये गये और हस्ताक्षरित हैं जिनके नाम उन में दिये हुए हैं। मैं आगे घोषित करता हूँ कि विवरण (ज) में बिना अपवाद के मेरी सम्पूर्ण सेवाओं का सही और ठीक लेखा दिया गया है। और मैं यह घोषणा शुद्ध अन्तःकरण से इसकी सही मानते हुए करता हूँ।

तारीख

प्रधान अधिकारी,

वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास जिला की उपस्थिति में हस्ताक्षरित।

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर
वर्तमान पता

प्ररूप 2

[नियम 8(ख) देखिए]

दृष्टि परीक्षण किए जाने के लिए आवेदन

(क) अभ्यर्थी का नाम आदि

1. पूरा नाम
2. कुल नाम
3. स्थायी पता : शहर या ग्राम गली और गृह की संख्या और उस व्यक्ति का नाम (यदि कोई हो) जिसके साथ निवास कर रहे हैं लिखिए।
4. जन्म तारीख
5. जन्म स्थान : शहर : देश
6. यदि अभ्यर्थी ने समुद्र पर सेवा की है तो निम्नलिखित बताइए :
 - (1) वर्षों की संख्या
 - (2) वर्तमान श्रेणी और प्रमाणपत्र की संख्या और बर्ग (यदि कोई हो)
7. यदि अभ्यर्थी ने समुद्र पर सेवा नहीं की है तो निम्नलिखित बताइए :
 - (1) यदि समुद्र पर जाने वाला है
 - (2) किस हैसियत से

(ख) यदि अभ्यर्थी का पहले दृष्टि परीक्षण किया जा चुका है तो उसे बताना चाहिए कि कब और कहाँ अंतिम परीक्षा ली गई थी और प्रत्येक विषय के सामने यथास्थिति उत्तीर्ण/अनुत्तीर्ण या परीक्षा नहीं ली गई लिखना चाहिए। यदि अभ्यर्थी सक्षमता प्रमाणपत्र धारण करता है तो उसका वर्ण के संबंध में दृष्टि परीक्षण नहीं किया जाना चाहिए और परीक्षा नहीं ली गई प्रविष्टि की जानी चाहिए।

8. तारीख
9. पत्तन
10. दृष्टि परीक्षण का प्ररूप
पुराना नया
11. वर्ण दृष्टि परीक्षण

(ग) अभ्यर्थी द्वारा की जाने वाली घोषणा

मैं इसके द्वारा घोषणा करता हूँ कि इस प्ररूप के खण्ड (क) और (ख) में दी गई विविष्टियाँ मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार ठीक और सही हैं।

और मैं यह घोषणा शुद्ध अंतःकरण से इसे सही समझते हुए करता हूँ।

तारीख

ऊँचाई : (i) नेत्रों
(ii) बालों का रंग

(अभ्यर्थी के हस्ताक्षर)

रूप रंग : वैयक्तिक चिन्ह, यदि कोई हो

(घ) फीस के लिए प्रधान अधिकारी रसीद

12. प्राप्त की गई रकम : चार रुपये
13. प्राप्ति की तारीख
14. स्थान जहाँ प्राप्त की गई यह वाणिज्यिक समुद्री कार्यालय उपर्युक्त घोषणा पर मेरी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए थे और नामित फीस मुझे प्राप्त हुई थी।

प्रधान अधिकारी
वाणिज्यिक समुद्री विभाग
मद्रास जिला

(ङ) परीक्षक का प्रमाणपत्र

मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि ऊपर नामित अभ्यर्थी का मैंने रूप और वर्ण के संबंध में इस दिन दृष्टि परीक्षण किया था कि और उसका निम्नलिखित परिणाम हुआ :

- | | | |
|--|-----|--------------|
| 15. रूप दृष्टि परीक्षण | नया | नई प्रविष्टि |
| *पुराना | | |
| 16. वर्ण दृष्टि परीक्षण | | |
| परीक्षक का पत्तन | | |
| तारीख | | |
| सेवा में | | |
| प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, | | |
| मद्रास जिला। | | |

परीक्षक को इस प्ररूप को भरना चाहिए और परीक्षा के दिन निम्नलिखित को भेजना चाहिए।

*उत्तीर्ण या परीक्षा नहीं ली गई जैसी भी दृष्टि परीक्षण में स्थिति हो यहाँ प्रविष्टि प्रविष्टि कीजिए यदि अभ्यर्थी सक्षमता प्रमाणपत्र धारण करता है तो प्रविष्टि परीक्षा नहीं ली गई होनी चाहिए।

प्ररूप 3

[नियम 9(ख) (1) देखिए]

- भारत सरकार द्वारा जारी नव तृतीकोरित पत्तन
क्रमिक संख्या
तारीख
दृष्टि परीक्षण

परीक्षण के लिए दिव्यण : ऐसे प्रत्येक मामले में, जिसमें अभ्यर्थी रूप या वर्ण दृष्टि के लिए परीक्षण उत्तीर्ण नहीं करता, इस प्ररूप में प्रधान अधिकारी को एक रिपोर्ट भेजी जानी है। परीक्षक को इस मार्ग-दर्शन के लिए अधिकृत अनुदेशों की ओर धोर ध्यान देना चाहिए। अभ्यर्थियों की रंग दृष्टि परीक्षण उत्तीर्ण नहीं कर लेते।

अभ्यर्थी का नाम, आवि

1. पूरा नाम
2. कुल नाम
3. जन्म तारीख
4. जन्म स्थान
5. यदि अभ्यर्थी ने समुद्र पर सेवा की है तो निम्नलिखित बताइए :
 - (i) वर्षों की संख्या
 - (ii) वर्तमान श्रेणी और प्रमाणपत्र की संख्या और बर्ग (यदि कोई हो)
6. यदि अभ्यर्थी ने समुद्र पर सेवा नहीं की है तो निम्नलिखित बताइए :
 - (i) यदि समुद्र पर जाने वाला है
 - (ii) किस हैसियत से

यदि अभ्यर्थी का पहले दृष्टि परीक्षण किया जा चुका है तो उसे यहाँ पर यह बताना चाहिए कि उसने कब और कहाँ अंतिम परीक्षा दी

गई थी और प्रत्येक विषय के सामने यथास्थिति "उत्तीर्ण, अनुत्तीर्ण" या "परीक्षा नहीं ली गई" लिखिए।

7. तारीख
8. पत्तन
9. रूप दृष्टि परीक्षण का प्ररूप
पुराना भ्रान्तरिक नया पूर्ण नया
10. नए दृष्टि परीक्षण
अभ्यर्थी का वर्तमान विवरण
11. ऊंचाई फुट इंच
12. रूपरंग
13. (i) बालों
- (ii) नेत्रों का रंग
14. वैयक्तिक विलक्षणताएं, यदि कोई हों
अभ्यर्थी के हस्ताक्षर
वर्तमान पता

प्ररूप 4

[नियम 22(क) देखिए]

नव तूलीकोरिन पत्तन में चलने वाले 100 भाकलित अश्व शक्ति/ किसी भाकलित अश्व शक्ति से कम के इंजनों वाले वाष्प जलयान के मास्टर 565 ब्रेक अश्व शक्ति/किसी ब्रेक अश्व शक्ति से कम के इंजनों वाले मोटर जलयान या

40 भाकलित अश्व शक्ति से कम के इंजनों वाले वाष्प जलयान के सारंग 226 ब्रेक अश्व शक्ति से कम के इंजनों वाले मोटर जलयान के रूप में सक्षमता का प्रमाणपत्र सेवा में,

आप, परीक्षा के पश्चात् नव तूलीकोरिन पत्तन में चलने वाले 100 भाकलित अश्व शक्ति/किसी भाकलित अश्व शक्ति से कम के इंजनों वाले वाष्प जलयान के मास्टर 565 ब्रेक अश्व शक्ति/किसी ब्रेक अश्व शक्ति से कम के इंजनों वाले मोटर जलयान

40 भाकलित अश्व शक्ति से कम के इंजनों वाले मोटर जलयान सारंग 226 ब्रेक अश्व शक्ति से कम के इंजनों वाले मोटर जलयान के कर्तव्यों को पूरा करने के लिए सम्यक रूप से अर्हित पाए गए हैं मैं इसके द्वारा आपको उक्त पत्तन में चलने के लिए ऐसे मास्टर/सारंग के रूप में इस सक्षमता प्रमाणपत्र का अनुदान करता हूँ।

मेरे हस्ताक्षर और मुद्रा से दिया गया।

प्रधान अधिकारी
वाणिज्यिक समुद्री विभाग
मद्रास जिला

तारीख

प्रमाणपत्र की संख्या

..... वाहक का पुत्र श्री तारीख* और जन्म स्थान जिसके साथ ग्राम थाना और जिला बंशित हो निवास स्थान जिसके साथ ग्राम थाना और जिला दंगित हो।

ऊंचाई:

व्यक्तिगत वर्णन जिसमें विशेष रूप से कोई स्थायी चिन्ह या निशान बताया गया हो।

रजिस्टर टिकट की संख्या

हस्ताक्षर:

*यदि ठीक न मासूम हो तो सर्वोत्तम जानकारी या उपलब्ध साक्ष्य पर लिखी जानी चाहिए।

टिप्पण: प्रमाणपत्र के स्वामी से भिन्न किसी व्यक्ति से जिसके कब्जे में यह प्रमाणपत्र आ जाए अपेक्षा की जाती है कि वह उसे तत्काल प्रधान अधिकारी वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास जिला, कलकत्ता को भेज दें। तारीख को दिया गया।

रजिस्ट्रीकृत

प्रधान अधिकारी
वाणिज्यिक समुद्री विभाग
मद्रास जिला

प्ररूप-5

[नियम 24(क) (1) देखिए]

नव तूलीकोरिन पत्तन में चलने वाले किसी भाकलित अश्व शक्ति के इंजनों वाले वाष्प जलयान के इंजीनियर किसी ब्रेक अश्व शक्ति के इंजनों वाले मोटर जलयान

या

40 भाकलित अश्व शक्ति से कम 1100 भाकलित शक्ति से कम के इंजनों वाले वाष्प जलयान के इंजन ड्राईवर 226 ब्रेक अश्व शक्ति से कम की 1865 ब्रेक अश्व शक्ति से कम के इंजन वाले मोटर जलयान के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा लिए जाने का आवेदन।

टिप्पण: यह प्रारूप प्रधान अधिकारी वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास जिला, मद्रास के कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है।

इस वस्तावेज के खण्ड (क), (ख), (ग), (घ), (ङ) और परीक्षा के लिए आवेदक द्वारा प्रधान अधिकारी या ऐसे अधिकारी के समक्ष भरे जाएंगे और जिसे इस निमित्त इसके द्वारा नियुक्त किया जाए उसे अभ्यर्थी के प्रशंसापत्रों और पूर्व प्रमाणपत्रों, यदि कोई हों, के साथ दिए जाएंगे। सरकार के किसी अधिकारी या सेवकों को किसी पारिश्रमिक या उपदान की विनियमों में वर्णित फीस से अन्यथा, प्रस्थापना नहीं की जानी चाहिए या उन्हें इसको प्राप्त नहीं करना चाहिए। सरकार का कोई अधिकारी संदेश वाहक या सेवक, जो कोई भेंट या उपदान स्वीकार करता है तुरंत अपने पद से मुक्त कर दिया जाएगा और धन की प्रस्थापना करने वाले ऐसे अभ्यर्थी के बारे में यह माना जाएगा कि उसने दुराचार का कार्य किया है और उसे अस्वीकार कर दिया जाएगा और बारह मास तक परीक्षा लिए जाने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

(क) आवेदक का नाम प्रावि

1. पूरा नाम
2. कुल नाम
3. पिता का नाम
4. स्थायी पता जिसमें शहर, गली और मकान की संख्या और उस व्यक्ति का (यदि कोई हो) नाम जिसके साथ आवेदक निवास कर रहे हैं, लिखिए ।
5. जन्म तारीख
6. जन्म स्थान

(क) शहर या ग्राम और थाना

(ख) जिला

(ख) सभी पूर्व प्रमाणपत्रों की (यदि कोई हो) विशिष्टियां,

संख्या	सक्षमता या सेवा	श्रेणी	कहाँ से जारी किया गया	जारी करने की तारीख	यदि किसी समय निर्लब्ध या रद्द किया गया हो तो लिखिए कि किस न्यायालय या प्राधिकार द्वारा किया गया	तारीख	कारण
7	8	9	10	11	12	13	14

(ग) प्रमाणपत्र, जो अब अपेक्षित है ।

15. श्रेणी
16. सक्षमता या सेवा
17. पता जिस पर इसे भेजा जाना है ।

(घ) यदि आवेदक अब अपेक्षित प्रमाणपत्र के लिए पूर्व परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ है तो उसे यह बताना चाहिए कि कब और कहाँ । यदि वह अनुत्तीर्ण नहीं हुआ है तो उसे इस खण्ड के सामने लिखित रूप से ऐसा कथन करना चाहिए ।

18. तारीख
19. पत्तन
20. विषय, जिनमें वह अनुत्तीर्ण हुआ ।

(ङ) आवेदक द्वारा की जाने वाली घोषणा ।

मैं इसके द्वारा घोषणा करता हूँ कि उक्त प्ररूप के खण्ड (क), (ख), (ग), (घ) और (ङ) में दी गई विशिष्टियां मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार ठीक और सही हैं और खण्ड (छ) में परिगणित और इस प्ररूप के साथ भेजे गए दस्तावेज सही और असली दस्तावेज हैं जो उन व्यक्तियों द्वारा दिए गए और हस्ताक्षरित हैं जिनके नाम उनमें दिए हुए हैं । मैं आगे घोषणा करता हूँ कि बिबरणी (छ) में बिना अपवाद के मेरी संपूर्ण सेवाओं का सही और ठीक लेखा लिया गया है ।

और मैं यह घोषणा शुद्ध अंतःकरण से इसको सही मानते हुए करता हूँ । (ऐसे अधिकारी के नाम, जिसे प्रधान अधिकारी द्वारा नियुक्त किया जाए, यदि आवश्यक हो तो भरा जा सकेगा) ।

प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास जिला की उपस्थिति में हस्ताक्षरित ।

तारीख

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर

वर्तमान पता

(च) प्रधान अधिकारी,

वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास जिला

उपर्युक्त घोषणा (ङ) पर मेरी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए थे और ३० की फीस मुझे प्राप्त हुई थी ।

तारीख

हस्ताक्षर

व्यक्तिमान

(छ) शंसापत्रों की सूची और किनारे पर और समुद्र पर सेवा का विवरण/शंसापत्रों को नीचे स्तम्भ 21 में दी गई संख्या के अनुसार क्रमिक रूप से संख्याकित किया जाएगा।

शंसा पत्रों की संख्या यदि कोई हो	कहाँ नियोजित था या हो	यदि जलयान के फलक पर सेवा हो			आवेदक की सेवा		व्यवसाय सेवा-काल			जिसमें नियोजित था		सत्यापक के आक्षेप
		इंजन की आवश्यकता	रजिस्ट्री पोत जलयान की शासकीय संख्या	हैंसियत	प्रारंभ की तारीख	समाप्ति की तारीख	वर्ष	मास	दिन	जिसमें नियोजित था	सत्यापक के आक्षेप	
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	

33. बाष्प जलयानों पर कुल सेवा

किनारे पर कुल सेवा

उक्त सेवा की योग

(छ) (ज) परीक्षक का प्रमाणपत्र

टिप्पण: परीक्षकों के खण्ड (ज) और (झ) को सभी मामलों में यथाशीघ्र भरना चाहिए और इस प्ररूप की प्रधान अधिकारी वाणिज्यिक समुद्री विभाग मद्रास जिला, मद्रास को भेजना चाहिए। यदि आवेदक उत्तीर्ण हो जाता है तो उसके शंसापत्र और पूर्व प्रमाणपत्र, यदि कोई हो, इस प्ररूप के साथ प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास जिला, मद्रास को भेजे जाने चाहिए। नया प्रमाणपत्र और शंसापत्र आवेदक को खण्ड (ग) स्तम्भ 17 में नामित पते पर परिवर्तित किए जाएंगे।

34. परीक्षा की तारीख और स्थान

35. नीचे की प्रत्येक मध के सामने उत्तीर्ण या अनुत्तीर्ण लिखिए

(1) प्रश्नों को हल करते में

(2) मौखिक परीक्षा में

36. रैंक जिसके लिए उत्तीर्ण हुआ है

आवेदक का व्यक्तिगत वर्णन

37. ऊंचाई

फुट इंच

38. रूप रंग

39. व्यक्तिगत चिन्ह या विलक्षणता, यदि कोई हो।

40. निम्न का रंग

(1) जाल (2) नेत्र

मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि खण्ड (ज) और (झ) में अन्तर्विष्ट विविष्टियाँ ठीक हैं।

यह प्ररूप और शंसापत्र प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास जिला, मद्रास को भेजे जाते हैं।

तारीख

परीक्षक के हस्ताक्षर

सेवा में,

प्रधान अधिकारी,
वाणिज्यिक समुद्री विभाग,
मद्रास जिला,
मद्रास

प्ररूप 6

[नियम 31(7) देखिए]

सेवा में,

परीक्षक

परीक्षक सभी अभ्यर्थियों से यह अपेक्षा करेगा कि वे नीचे दिए गए व्योरे भरें और उन्हें, परीक्षा की रिपोर्ट के साथ प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग मद्रास जिला को भेजेगा।

प्रारंभिक प्रश्न में अनुत्तीर्ण होना गणित में अनुत्तीर्ण होना समझा जाएगा।

ऐसी परीक्षा के लिए प्रश्नों की संख्या का ध्यान परीक्षक द्वारा किया जाएगा और वे अभ्यर्थियों को तब तक नहीं बताए जाते हैं जब तक परीक्षा प्रारम्भ नहीं हो जाती।

पत्तन:

तारीख:

वर्ग जिसके लिए परीक्षा ली गई
अभ्यर्थी का नाम

क. आपने इंजनों के बनाने या उनकी मरम्मत करने का कार्य कहाँ और कितने समय तक किया और किस हैसियत में ?

ख. आपने समुद्र पर या अन्तर्देशीय जल पर या नव तृतीकोरिन पत्तन में इंजन कक्ष में कितने समय तक सेवा की है और किस हैसियत में ?

ग. आपने समुद्र पर या अन्तर्देशीय जल पर या नव तृतीकोरिन पत्तन में किस प्रकार के इंजनों पर सेवा की है ? इंजनों का आकार क्या था ?

घ. आपने समुद्र पर या अन्तर्देशीय जल पर या नव तृतीकोरिन पत्तन में किस प्रकार के बायलरों पर सेवा की है ?

ङ. समुद्र पर या अन्तर्देशीय जल पर या नव तृतीकोरिन पत्तन में किस प्रकार के इंजन दोष आपकी जानकारी में आए हैं ? सत्यापन के लिए जलयानों के नाम दीजिए ।

च. कौन से बायलर दोष आपकी जानकारी में आए हैं ? ये दोष किस प्रकार हुए और उनका उपचार किस प्रकार किया गया ? सत्यापन के लिए जलयानों के नाम दीजिए ।

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर

प्ररूप 7

[नियम 33(क) देखिए]

नव तृतीकोरिन पत्तन में चलने वाले 40/100 आकलित अथवा शक्ति से कम के इंजनों वाले वाष्प जलयान के इंजन क्रमांक 226/565 ब्रैक अथवा शक्ति से कम के इंजनों वाले मोटर जलयान

या

किसी आकलित अथवा शक्ति के इंजनों वाले वाष्प जलयान के इंजीनियर किसी ब्रैक अथवा शक्ति के इंजनों वाले जलयान के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र सेवा में

आप परीक्षा के पश्चात् नव तृतीकोरिन पत्तन में चलने वाले इंजनों वाले जलयान के

के कर्तव्यों को पूरा करने के लिए सम्यक रूप से श्रद्धित पाए गए हैं, मैं इसके द्वारा आपको के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र का अनुदान करता हूँ ।

मेरे हस्ताक्षर और मुद्रा से दिया गया

तारीख

प्रधान अधिकारी
वाणिज्यिक समुद्री विभाग
मद्रास जिला

प्रमाणपत्र की संख्या

वाहक पुत्र जाति

*जन्म-तारीख और स्थान जिसके साथ ग्राम, थाना और जिला भी दक्षित हो ।

ऊँचाई

व्यक्तिगत वर्णन जिसमें विशेष रूप से किसी स्थायी चिह्न या निशान का कथन हो :

रजिस्ट्री टिकट की संख्या

हस्ताक्षर

*यदि ठीक न मालूम हो तो सर्वोत्तम जानकारी या उपलब्ध साक्ष्य पर लिखी जानी चाहिए ।

टिप्पण: प्रमाणपत्र स्वामी से भिन्न किसी व्यक्ति से जिसके कब्जे में यह प्रमाणपत्र आ जाए अपेक्षा की जाती है वह उसे तत्काल प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास जिला मद्रास को भेज दे ।

तारीख

को जारी किया गया

रजिस्ट्रीकृत

प्रधान अधिकारी

वाणिज्यिक समुद्री विभाग
मद्रास जिला

प्ररूप 8

[नियम 34(ग) देखिए]

आवेदक का प्ररूप, प्ररूप क

नव तृतीकोरिन पत्तन में चलने वाले 40 या 40 से कम ब्रैक अथवा शक्ति । 15 या 15 से कम आकलित अथवा शक्ति से कम के इंजन वाले मोटर/वाष्प जलयान के इंजीनियर मोटर क्रमांक के रूप में कार्य करने के अनुज्ञापत्र के लिए आवेदन ।

1. आवेदक का पूरा नाम
2. पिता का नाम
3. स्थायी पता
4. आवेदक की जन्म तिथि और स्थान
5. यदि पूर्व परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ है और यदि ऐसा है तो कब और कहाँ ।

मैं इसके द्वारा घोषणा करता हूँ कि उपर्युक्त विवरण सही है ।

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर

अभ्यर्थी का वर्तमान-पता

तारीख

6. उपर्युक्त घोषणा पर मेरी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए थे और 4 रुपये की फीस मुझे प्राप्त हुई है ।

हस्ताक्षर

पदाभिधा

7. संसाधनों की सूची और सेवा का विवरण :

वेश किए गए संसाधनों की संख्या	कहाँ नियोजित था	सेवा के प्रारम्भ की तारीख	सेवा की समाप्ति की तारीख	सेवा काल	टिप्पणियाँ
-------------------------------	-----------------	---------------------------	--------------------------	----------	------------

8. परीक्षक का प्रमाणपत्र

- (क) परीक्षा की तारीख और स्थान
(ख) उत्तीर्ण/अनुत्तीर्ण

9. आवेदक का व्यक्तिगत वर्णन

- (क) ऊँचाई
(ख) रंग
(ग) व्यक्तिगत चिन्ह
(घ) बालों का रंग
(ङ) नेत्रों का रंग

मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संख्या 8 और 9 में अंतर्निष्ठ विभिन्नियाँ ठीक हैं।

यह प्रारूप और संसाधन प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास जिला को 'अनुज्ञापत्र' जारी करने के लिए भेजे जा रहे हैं।

परीक्षक के हस्ताक्षर

तारीख

प्रारूप 9

[निधम 34(ङ) देखिए]

नव तूतीकोरिन पत्तन में चलने वाले 40 ब्रेक शक्ति या कम के।

15 आकलित शक्ति या कम के मोटर वाहन जलयान के इंजन के भारसाधक के लिए अनुज्ञापत्र।

सेवा में,

आप परीक्षा के पश्चात् नव तूतीकोरिन पत्तन में चलने वाले 40 ब्रेक 15 आकलित शक्ति या कम के इंजनों वाले मोटर जलयान या वाहन जलयान के इंजन चलाने के लिए सम्यक रूप से प्रशिक्षित पाए गए हैं।

मैं इसके द्वारा आपकी इस अनुज्ञापत्र का अनुदान करता हूँ।

मेरे हस्ताक्षर और मुद्रा से दिया गया।

प्रधान अधिकारी
वाणिज्यिक समुद्री विभाग
मद्रास जिला,
मद्रास

तारीख

अनुज्ञापत्र की संख्या

वाहक पुत्र श्री

जन्म-तारीख

जन्म-स्थान

वर्तमान निवास-स्थान

ऊँचाई

व्यक्तिगत चिन्ह

हस्ताक्षर

टिप्पण: अनुज्ञापत्र स्वामी से भिन्न किसी व्यक्ति से, जिसके कब्जे में यह अनुज्ञापत्र आ जाए अपेक्षा की जाती है कि वह उसे तत्काल प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मद्रास जिला, मद्रास को भेज दे।

तारीख

को जारी किया गया।

रजिस्ट्रीकृत

प्रधान अधिकारी
वाणिज्यिक समुद्री विभाग
मद्रास जिला, मद्रास।

[का० सं० पी० जी० एल० 70/75]

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 4th November, 1978

G.S.R. 1401.—The following draft of certain rules which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by clause (k) of sub-section (1) of section 6 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), is hereby published as required by sub-section (2) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the said period will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT RULES

CHAPTER I

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Port of New Tuticorin Certificate of Competency (Harbour Craft) Rules, 1978.

(2) They shall come into force.....

2. Definitions.—In these Rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Engineer's certificate" means a Certificate of Competency granted under these rules to a person to be Engineer of a steam-vessel having engines of any nominal horsepower plying in the Port of new Tuticorin;

(b) "First Class Engine Driver's Certificate" means a Certificate of Competency granted under these rules to a person to be Engine Driver of a steam-vessel having engines of less than 100 nominal horsepower plying in the Port of New Tuticorin;

(c) "First Class Master's Certificate" means a Certificate of Competency granted under these rules to a person to be master of a steam vessel having engines of any nominal horsepower or of a motor vessel having engines of any brakehorsepower, plying in the Port of New Tuticorin;

(d) "First Class Motor Engine Driver's Certificate" means a Certificate of Competency granted under these rules to a person to be Engine Driver of a motor vessel having engines of less than 565 brake horsepower plying in the Port of New Tuticorin;

- (e) "form" means a form appended to these rules;
- (f) "Lantern test" and "Letter test" means the tests of eyesight of the candidates' vision of form and colour;
- (g) "Motor Engineer's Certificate" means a Certificate of Competency granted under these rules to a person to be Engineer of a motor vessel having engines of any brake horsepower plying in the Port of New Tuticorin;
- (h) "Principal Officer" means, the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Madras District;
- (i) "Second Class Engine Driver's Certificate" means a Certificate of Competency granted under these rules to a person to be engine driver of a steam vessel having engines of less than 40 nominal horsepower plying in the Port of New Tuticorin;
- (j) "Second Class Master's Certificate" means a Certificate of Competency granted under these rules to be Master of a steam vessel having engines of less than 100 nominal horsepower, or of a motor vessel having engines of less than 565 brake horsepower, plying in the Port of New Tuticorin;
- (k) "Second Class Motor Engine Driver's Certificate" mean a certificate of Competency granted under these rules to a person to be Engine Driver of a motor vessel having engines of less than 226 brake horsepower, plying in the Port of New Tuticorin;
- (l) "Serang's Certificate" means a Certificate of Competency granted under these rules to a person to be Master of a Steam-vessel having engines of less than 40 nominal horsepower, or of a motor vessel having engines of less than 226 brake horsepower, plying in the Port of New Tuticorin;
- (m) "Shipping Act" means the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958);
- (n) "Steam vessels Act" means the Inland Steam Vessels Act, 1917 (1 of 1917).

CHAPTER II

Grant of Certificates of Competency to Masters and serangs of Mechanically propelled crafts plying in the Port of New Tuticorin.

3. Issue of Certificate.—(a) Certificate of Competency shall be granted to those persons who pass the requisite examinations and otherwise comply with the requisite conditions.

(b) For this purpose, arrangements shall be made for holding examinations periodically at the Port of New Tuticorin.

4. Examinations.—The examinations shall be held by the Principal Officer, or by such Officer as may be appointed by him in this behalf (hereinafter called the Examiner).

5. Suitability for Examination.—(a) Candidates for examinations shall make their applications as in Form I which shall be filled up before the examiner or such official as may be appointed by him in this behalf. The form properly filled in, together with the candidate's testimonials must be lodged with the Principal Officer, not later than three days before the day of examinations.

(b) Persons applying for certificate of competency in the case of port craft shall submit their applications through the Deputy Conservator, Port of New Tuticorin who shall transmit it to the Principal Officer, with his recommendations as to the suitability of the candidates to be examined for service.

(c) Persons employed in commercially or privately owned vessels registered under the Harbour Craft Rules of the Port of New Tuticorin shall submit their application through the owners concerned to the Deputy Conservator, Port of New Tuticorin. The Deputy Conservator shall transmit the appli-

cation to the Principal Officer, with his recommendations as to the suitability of the candidates to be examined for the Certificates required.

(d) On receipt of the applications, the Principal Officer, will peruse them and if they are proper in all respects, appoint an Examiner to examine the candidates.

(e) The examination shall be held on such days and times as may be notified by the Principal Officer.

(f) The results of the examination conducted would be sent to the Principal Officer, for approval. On approval of the results of the examination, the Principal Officer will issue the certificates of competency to the candidates.

6. Testimonials etc.—(a) Testimonials of character and of sobriety, experience, ability and good conduct on board ship for at-least the last twelve months service preceding the date of application to be examined shall be required from all applicants.

(b) Applicants who have not served on board ship within the last twelve months shall be required to produce in addition to the preceding testimonials, certificates of a like nature from their employees or if unemployed from some respectable house-holder.

(c) No candidates shall be allowed to be examined unless he has served on boardship at sea or on inland waters two years within the last six years, and six months within the last three years preceding the date of his application to be examined.

7. Proof of certain testimonials.—(a) Testimonials of service of candidates shall ordinarily be based on their employer's office records.

(b) Service claimed which cannot be verified from the employer's office records must be authenticated by affidavits of men under whom such services have been performed as well as by an affidavit of the candidate himself.

(c) Should any doubt exist as to the age of a candidate, he shall be required to produce a certificate of birth or other documentary proof, of age, to the satisfaction of the Principal Officer.

8. Sight test.—(a) Every candidate for a certificate of Competency shall pass the prescribed sight test before a certificate can be issued to him.

(b) A person desirous of being examined in sight test shall make an application to the examiner in Form II and pay a fee of Rupees Four to the Principal Officer.

(c) A candidate for sight test shall undergo the following tests

(i) Letter Test.—Every candidate for a certificate shall undergo the letter test.

(ii) Lantern Test.—Every candidate shall undergo the lantern test on every occasion on which he presents himself for examination for his first certificate of Competency, but if he then passes he shall not be required to undergo lantern test on any subsequent occasion.

9. Passing or failure of examination.—(a) Letter Test. : If the candidate passes the letter test, he shall proceed to the lantern test, unless he holds a certificate of competency. If he fails in the letter test, he may—

(i) proceed to the lantern test, in which case the result of both tests will be taken into consideration in deciding whether he is to be passed or

(ii) break off the examination and present himself for re-examination in not less than three months' time.

(b) Lantern Test.—If the candidate passes the Lantern test after passing letter test, he shall be deemed to have passed the examination.

(i) If the result of the lantern test is inconclusive and if the candidate passes it after failing in the letter test, his case

shall be submitted in form III to the Principal Officer, who shall decide whether he was passed or failed or whether he shall be referred for a special examination.

(ii) If the candidate fails to pass lantern test the examiner shall point out to him the conditions stated in rule 12 under which he can appeal. Appeals shall be made to the Principal Officer.

(iii) A candidate who fails to pass the lantern test shall not be re-examined unless the Principal Officer decides that he be re-examined after a lapse of three months. The certificate in the form prescribed by Mercantile Marine Department, which is issued to the candidate shall state whether he may or may not be re-examined.

10. Further examination and appeals.—(a) If in the case covered by rule 9 the Principal Officer decides that a further examination is necessary, arrangements shall be made for special examination.

(b) If, however, on the report of the Examiner, the Principal Officer decides that the nature of the mistakes made, show conclusively that a candidate's sight is so defective as to render him unfit to hold a Certificate, the candidate shall be considered to have failed.

(c) In cases where, upon the report of the Examiner, a candidate is failed by the Principal Officer, as well as in the case of a special examination, the Government of India may allow a candidate, who is dissatisfied with his decision to appear for a further examination, subject to the conditions set out in rule 12.

(d) In the case of a candidate who is referred for further examination, the Principal Officer shall make arrangements for a special examination for which no additional fee shall be charged.

11. Special Examination : Appeal Cases.—A candidate who adjudicated to have failed in the lantern test may appeal to Principal Officer, who will remit the case to a special body of examiners for decision. Such candidates shall be required to pay a special fee of rupees thirtytwo which shall be returned to him if he is declared to have passed the special examination.

12. Punctuality to be deemed in attending special examination.—(a) Candidates who are referred for a special examination or who appeal from the result of the local test shall be notified by the Principal Officer, of the time at which they should attend for special examination and are expected to inform the Principal Officer, whether or not they will be able to attend at that time.

(b) Any candidate who, after informing the Principal Officer that he will attend, fails to appear at the time appointed, shall be liable to have his examination postponed indefinitely and also if he has appealed under rule 11 will forfeit the appeal fee of rupees thirtytwo and will be required to deposit a further fee of the same amount before further arrangements are made for this special examination.

13. Failure in special examination.—(a) Where during the course of a special examination a candidate who has appealed or has been referred is found to have a permanent defect in his eye-sight such as to render him unfit for a sea career, he shall be finally rejected and shall not be allowed to be examined again in the sight test on any future occasion, provided, that if the candidate is still dissatisfied, it will be open to him, if he so desires to present himself for a second special examination on payment of a fee of rupees seventyfive.

(b) Such candidate shall be required to bring with him a friend to witness the examination.

(c) A second examination under this rule shall be entirely voluntary, and shall form no part of the examination for a certificate of competency.

(d) The Central Government may take into consideration the result of such examination in determining whether a certificate shall be granted to the candidate or not.

14. Special Appeal Fee.—The special appeal fee of rupees seventyfive shall not be returnable unless, in the special circumstances of an individual case, the Central Government see fit to refund it.

15. Qualifications for Serang's Certificate.—(a) All candidates for Serang's Certificate shall be examined in the letter and colour tests.

(b) (i) A candidate for the Serang's certificate shall be not less than twenty-one years of age and must produce satisfactory certificates of sobriety and intelligence.

(ii) He shall have served four years at Sea or on inland waters, the last year of which service shall have been on an inland or harbour, steam or motor vessel as either a helmsman or a deck-hand, and shall be examined viva voce as to his knowledge in the following subjects :

- (1) the rules of the road;
- (2) simple questions on the handling and management of harbour launches;
- (3) the storm-signals ; and
- (4) the port rules and knowledge of buoys, lights, landmarks, channels, shoals and set of tides in the Port of New Tuticorin and its approaches.

(c) If a candidate fails, he shall not be re-examined until he has rendered additional service for three months on an inland or harbour steam or motor vessel as a helmsman or a deckhand.

16. Qualifications for Second Class Master's Certificate.—

(a) All candidates for Second-Class Master's Certificate shall first be examined in sight and colour.

(b) A candidate for a second-class Master's Certificate shall be not less than twentytwo years of age, and must produce certificate of sobriety and intelligence.

(c) He shall have served atleast five years at sea or on inland waters, the last three years of which service must have been as helmsman (sukhani) or deckhand of an inland or harbour steam vessel of not less than 40 nominal horsepower or a motor vessel of not less than 226 brake horsepower or an alternative service of three years as serang in charge of a steam launch of over 15 nominal horsepower or a motor launch of over 80 brake horsepower holding a certificate of Competency as Serang granted under the Inland Steam Vessels Act, or under these rules and shall pass a satisfactory viva voce examination in the following subjects :

- (i) the rules of the road ;
- (ii) the management of small steam and motor vessels under all contingencies ;
- (iii) storm-signals ;
- (iv) tide tables ;
- (v) the Port Rules of the Port of New Tuticorin ;
- (vi) knowledge of buoys, lights, landmarks, channels, Shoals and set of tides in the Port of New Tuticorin and its approaches ; and
- (vii) compass (the candidate should be able to read the points of the compass).

(d) If a candidate fails, he shall not be re-examined till he has rendered additional service for three months as a Serang holding a Serang's certificate granted under the Inland Steam-Vessels Act or under these rules, or as helmsman (Sukhani) or deckhand of an inland or harbour steam-vessel of not less than 40 nominal horsepower or a motor vessel of not less than 226 brake horsepower.

17. Qualifications for First Class Master's Certificate.—

(a) All candidates for First Class Master's Certificate shall first be examined in the latter and colour tests.

(b) A candidate for a first class Master's certificate —

- (i) shall be not less than twenty four years of age and shall have served as Second Class Master in charge

of an inland steam or motor vessel for not less than three years, or while possessing a Second Class Master's Certificate granted under the Inland Steam-Vessels Act or under these rules, have served as Second Serang of steam or motor vessel for not less than four years, or

(ii) shall be not less than twenty-two years of age and held a certificate of competency as second mate, Foreign-going or Mate Home Trade, granted under the Shipping Act and any other enactment and have served as a mate of an inland steam or motor vessel, or

(iii) shall not be less than twenty four years of age and should have served either, not less than three years at sea and three years as mate of an inland steam or motor vessel or not less than six years as a mate of an inland steam or motor vessel.

(c) Each candidate shall be examined apart, and viva-voce in each and all of the following subjects :—

(i) the rules of the road;

(ii) the management of any type of harbour or inland steam or motor vessel under all contingencies, including the handling of tugs;

(iii) tide tables ;

(iv) storm signals;

(v) a thorough knowledge of the Port of New Tuticorin Regulations;

(vi) Knowledge of buoys, lights, landmarks, channels, shoals and set of tides in the Port of New Tuticorin and its approaches; and

(vii) an elementary knowledge of the compass.

(d) If a candidate fails, he shall not be re-examined until he has rendered additional service for three months either as Second Class Master in charge of an inland or harbour steam or motor vessel as mate or second in charge of an inland or harbour steam or motor vessel.

18. Examination.—Notwithstanding anything contained in these rules, any candidate in an examination for a First or Second Class Master's certificate shall be examined in the subject mentioned in clause c (v) and c (vi) of rule 16 or clause c (v) or c (vi) of rule 17, as the case may be, and if he satisfies the examiner as to his knowledge of the prescribed subject and generally as to his competency to be in charge of a steam or motor vessel, he shall be granted a certificate of competency under these rules.

19. Certificate of Lower Grade.—(a) If a candidate has failed in his examination but the subjects in which he has failed are not included in the subjects required for a certificate of a lower grade, he may, if he desires, it, receive a certificate of such lower grade.

(b) If a candidate fails in the subjects mentioned in clause (b)(ii)(a) and (b)(ii)(d) of Rule 15, only, but otherwise passes a satisfactory examination, he shall be granted a Certificate of Competency under these rules.

20. Fee to be paid again.—When a certificate of lower grade is granted to a candidate as provided in rule 19, no part of any fee paid by him shall be returned to him, and on presenting himself, when entitled so to do, for re-examination for the higher grade of certificate, he shall be required to pay again the full fee.

21. Fees.—(a) (i) Candidates for examination in making their application on Form I, shall be required to pay the examination fee before any step is taken, whether by inquiring into their services or testing their qualifications or by following any other courses prescribed by these rules.

(ii) Should it be found that their services are not sufficient to entitle them to be examined, or should their testimonials be unsatisfactory, or should they from any other cause, not be examined, no part of the fee shall be returned to them, but when they have fulfilled the requisite service or are able to produce satisfactory testimonials, as the case

may be, they shall be allowed to again present themselves for examination for a certificate of the same grade without paying any further fee.

(iii) The fee for examination shall be paid to the examiner or such officer duly authorised by him in this behalf. In any case in which a candidate offers money to any other officer, the candidate so offering money shall be regarded as having committed an act of misconduct and shall be rejected and not allowed to be again-examined for twelve months.

(b) If a candidate fails in his examination, no part of the fee shall be returned to him.

(c) If the candidate satisfies the examiner, as to his knowledge of the prescribed subjects, and generally as to his competency, to command a steam or motor vessel plying in the Port of New Tuticorin, the examiner shall grant a certificate to the candidate.

(d) The fees are as follows :—

First-class Master's Certificate	: Rs. 20.00
Second-class Master's Certificate	: Rs. 15.00
Serang's Certificate	: Rs. 10.00

22. General.—(a) First and Second-Class Master's Certificate and Serang's Certificates shall be made and issued in Form IV.

(b) Every such certificate shall be made in duplicate and every person entitled to such certificate shall supply the examiner with two copies of his photograph, passport size, one of which shall be affixed on each of the copies of the certificate. One copy of the certificate shall be delivered to the person entitled to the certificate and the other shall be kept and recorded by the Principal Officer.

CHAPTER III

Grant of Certificate of competency to Engineers and Engine Drivers of Mechanically propelled craft plying in the port of New Tuticorin

23. Authority to issue certificate.—(a) (i) Certificate of Competency shall be granted to those persons who pass the requisite examinations and otherwise comply with the requisite conditions.

(ii) For this purpose arrangements shall be made for holding examinations periodically at the Port of New Tuticorin.

(b) The examinations shall be held by the Engineer and Ship Surveyor, Mercantile Marine Department, Madras, (hereinafter called the Examiner). They shall commence early in the forenoon and shall be continued until all the candidates whose names appear on the list of the Principal Officer on the day of the examination are examined.

24. Suitability for Examination.—(a) (i) Candidates for examination shall make their applications in Form V, which shall be filled in before the Principal Officer or such other officer as may be appointed by him in this behalf.

(ii) The form, properly filled in, together with the candidate's testimonials shall be lodged with the Principal Officer not later than three days before the day of examination.

(iii) (a) Candidates for examinations shall make their applications as in Form I which shall be filled up before the examiner or such official as may be appointed by him in this behalf. The form properly filled in, together with the candidate's testimonials must be lodged with the Principal Officer, not later than three days before the day of examinations.

(b) Persons applying for certificate of competency in the case of port craft shall submit their applications through the Deputy Conservator, Port of New Tuticorin who shall transmit it to the Principal Officer, with his recommendations as to the suitability of the candidates to be examined for service.

(c) Persons employed in commercially or privately owned vessels registered under the Harbour Craft Rules of the Port of New Tuticorin shall submit their application through the

owners concerned to the Deputy Conservator, Port of New Tuticorin. The Deputy Conservator shall transmit the application to the Principal Officer, with his recommendations as to the suitability of the candidates to be examined for the Certificates required.

(d) On receipt of the applications, the Principal Officer, will peruse them and if they are proper in all respects, appoint an Examiner to examine the candidates.

(e) The examination shall be held on such days and times as may be notified by the Principal Officer.

(f) The results of the examination conducted would be sent to the Principal Officer for approval. On approval of the results of the examination, the Principal Officer, will issue the certificates of competency to the candidates.

(b) (i) Applicants shall be required to produce, in addition to the usual forms of discharge or service record satisfactory testimonials as to sobriety, experience, ability and general good conduct for atleast the last twelve months' service on board a ship preceding the date of application to be examined unless the Central Government after having investigated the matter, shall see fit to reduce the time.

(ii) An applicant already possessed of a certificate granted under these rules and wishing to appear for one of a higher grade must produce his certificate and all the discharges or service records and testimonials be submitted when he applied for examination in the lower grade as well as the discharge or service records and testimonials necessary for the higher grade certificate.

(iii) Should reference of doubtful authenticity be submitted by candidates for examination, the Principal Officer may require proof from the candidates of their genuineness of an affidavit made to that effect.

(iv) If applicants have served on shore immediately preceding their application, certificates of sobriety must be produced from their employers or from a respectable house holder if unemployed.

(v) No candidate shall be allowed to be examined unless he has served on boardship six months within the last three years preceding the date of his application to be examined.

(vi) As such testimonials and discharges may have to be verified before the candidates can be examined, it is desirable that these should be handed over, together with form V as early as possible.

(c) (i) Testimonials of service of candidates shall ordinarily be based on their employer's office records.

(ii) Service claimed which cannot be verified from the employer's office records must be authenticated by affidavits of men under whom such services have been performed as well as by an affidavit of the candidate himself.

(iii) Should any doubt exist as to the age of a candidate, he shall be required to produce a certificate of birth or other documentary proof, of age, to the satisfaction of the Principal Officer.

(d) Testimonials of service from Certificated Marine Engineers or Mechanical Engineers with comparable qualifications shall be accepted.

(e) Candidates shall be required to account for any gap in their services with documentary evidence.

25. Qualifications for Second Class Engine Driver's Certificate.—A candidate for a second class engine driver's certificate must have attained the age of twenty one years and must possess one of the following qualifications, namely:—

(a) He should have served an apprenticeship of at least three years in the making or repairing of steam engines and one year in the engine room of a steamer; or

(b) He should have served four years in the engine room of a steamer at sea, or on inland waters under an Engineer or First Class Engine Driver possessing certificate of Competency, granted under the Steam Vessels Act, one year of which service should have been as a Serang, Tindal or Fireman in charge of a watch in a vessel having engines of not less than 20 nominal horsepower; or

(c) He should have served five years in the engine room of a steamer one year of which service must have been as a Serang, Tindal, Principal Fireman or Fireman in charge of a watch in a vessel of not less than 15 nominal horsepower under a First-Class Engine Driver Certificated under the Steam Vessels Act; or

(d) He should have served two years in charge of the engine of a factory or mill under an appropriately qualified manager or engineer and one year as engine room Serang, Tindal or Principal fireman in a steamer of not less than 15 nominal horsepower.

(2) In addition to any of the qualifications mentioned in sub-rule (1).

(a) he should satisfactorily pass a viva-voce examination as to the making of marine engines and boilers and the uses of the different parts and fittings, also as to the use of brine cocks, the salinometer and blowing off, the care of boilers in salt or full water, and the art of economical stocking and prevention of smoke; and

(b) he should be able, if required, to show his practical qualifications by actually working the engines of a small steamer, after fulfilling all the other tests to which he will be subjected.

26. Qualifications for Second Class Motor Engine Driver Certificate.—(a) A candidate for a Second Class Motor Engine Driver's Certificate should have attained the age of twenty one years and must possess one of the following qualifications namely:—

(a) He should have served for not less than three years as an apprentice or journeyman in the making, fitting and/or repairing of internal combustion or marine steam engines and in addition he should have served for six months in the engine room of a motor vessel having engines of not less than 85 brake horsepower or nine months in a vessel with engines of not less than 40 brake horsepower; or

(b) He should have served for a period of not less than four years in the engine room of a motor vessel of not less than 226 brake horsepower of which period not less than one year must have been served as a Serang, Principal Tindal or Chief Greaser :

Provided that of the four years mentioned above one-third may be served in the engine room of a steam vessel of not less than 40 nominal horsepower; or

(c) He should have served for a period of not less than five years in engine-room of a motor vessel having engines of not less than 85 brake horsepower, or six years in the engine room of a vessel having engines of not less than 40 brake horsepower as Serang, Tindal or Chief Greaser :

Provided that of the five or six years' service mentioned above, one-third may be served in the engine room of a steam vessel of not less than 10 nominal horsepower; or

(d) He should have served for a period of not less than two years in charge of the engine of a factory or mill under a certificated Engineer, as well as for a period of not less than one year in the engine room of a motor vessel of not less than 85 brake horsepower, or eighteen months in a motor vessel having engines of not less than 40 brake horsepower, as a Serang, Tindal or Chief Greaser; or

(e) He should have served for at least six months with a second Class Engine Driver's Certificate for steam vessels granted under the Steam Vessels Act, or under these rules, or with a Certificate of a higher grade in the engine room of a motor vessel having engines of not less than 85 brake horsepower or for nine months in a motor vessel having engine of not less than 40 brake horsepower; or

(f) He should have served for at least two years, whilst in possession of a permit granted under the Steam Vessels Act or the Proviso to rule 29 of the Harbour Craft Rules for the Port of New Tuticorin, 1977 as an Engine Driver of a motor vessel having engines of 40 brake horsepower or under, followed by three years' service in the engine room

of a motor vessel having engines of more than 40 brake horsepower as Serang Tindal or Chief Greaser :

Provided that when the candidate produces proof of a long service with such a permit in launches having engines of 40 brake horsepower or under, remission of service with engines of over 40 brake horsepower may be allowed in the ratio of one year lower powered launches in lieu of six months' service in higher powered launches with a maximum remission of eighteen months and the service to count for remission must be in excess of the two years required in launches of 40 brake horsepower or under.

(2) In addition to any of the qualifications mentioned in sub-rule (1)—

(a) the candidate should satisfactorily pass a viva-voce examination on the working of the various types of internal combustion engines and be able to name the principal parts of the machinery;

(b) the candidate should know what attention is required by the various parts of the machinery, understand the use and management of the different valves, cocks, pipes and connections and be familiar with the various methods of supplying air and fuel to the cylinders;

(c) the candidate should be able to describe the chief causes which may make the engine difficult to start and to explain how he would proceed to remedy any defects connected therewith, he should also be able to show that he understand the mechanism of the starting and reversing arrangements and that he is competent to deal with defects therein;

(d) the candidate should be able to overhaul the engine, to adjust the working parts and to put the engine together again in good working condition. He should also understand how to make good the result of ordinary wear and tear to the machinery and how to correct defects from accidents;

(e) the candidate should be familiar with the nature and properties of the various fuel oils used in internal combustion engines. He must understand what is meant by "flash-point";

(f) (i) the candidate should know the danger resulting from leakage from the fuel oil tanks and must understand the precautions to be taken against explosion;

(ii) he should also be able to take the necessary precautions to guard against the escape of inflammable vapour from the vapouriser when the engines are stopped;

(iii) he should also know how to deal with fire should it break out;

(g) the candidate should also be able, if required, to know his practical knowledge by actually working the engines of a motor vessel in the presence of the Examiner; and

(h) the candidate should possess a working knowledge of the auxiliary machinery connected therewith, namely, electric light engines, steering engines, evaporators and pumps.

27. Qualifications for First Class Engine Drivers Certificate—

(1) A candidate for a First Class Engine Driver's Certificate should have attained the age of twenty two years and should possess one of the following qualifications, namely :—

(a) He should have served an apprenticeship of at least three years in the making or repairing of steam engines and one year as Assistant in a steamer having engines of not less than 80 nominal horsepower whilst holding a second class engine drivers certificate for steam vessels granted under the Steam Vessels Act, or under these rules; or

(b) He should have served five years in the engine room of a steamer at sea or on inland waters, two years of which service must have been as Serang, Principal Tindal or Fireman in charge of watch in a steamer having compound surface, condensing engines of not less than 30 nominal horsepower whilst holding a Second Class Engine Driver's Certificate for steam vessels granted under the Steam Vessels Act, or under these rules; or

(c) he should have served one year as Second Driver with Second Class Engine Driver's Certificate for steam vessels granted under the Steam Vessels Act, or under these rules, in charge of a watch on the main engines and boilers of a steamer having compound surface condensing engines of not less than 30 nominal horsepower; or

(d) he should have served one year with a Second Class Engine Driver's certificate for steam vessels granted under the Steam Vessels Act, or under these rules as driver in charge of the engines of a steamer having compound surface condensing engines of not less than 20 nominal horsepower; or

(e) he should have served eighteen months as Serang or Principal Tindal with a Second Class Engine Driver's Certificate for steam vessels granted under the Steam Vessels Act, or under these rules, in charge of a watch on the main engines and boilers of a steamer having compound, surface condensing engines of not less than 30 nominal horsepower; or

(f) he should have served three years in charge of the engines of a factory or mill under an appropriately qualified Manager or Engineer, as well as two years as assistant engineer, engine room Serang or Principal Tindal of a steamer having engines of not less than 80 nominal horsepower whilst holding a Second Class Engine Driver's Certificate for steam vessels granted under the Steam Vessels Act, or under these rules.

(2) In addition to any of the qualifications mentioned in sub-rule (1)—

(a) he should pass a viva-voce examination similar to that required by rule 26 for a Second Class Engine Driver's Certificate but more advanced; and

(b) he should also be able, if required, to show his practical qualifications by actually working the engines of a steamer after fulfilling all the other tests to which he will be subjected.

28. Qualifications for First Class Motor Engine Driver's Certificate.—(1) A candidate for First Class Motor Engine Driver's Certificate should have attained the age of twenty two years and should possess one of the following qualifications, namely :—

(a) He should have served for not less than one year as engine driver or regular watch on the main engines of a motor vessel of not less than 565 brake horsepower whilst holding a Second Class Engine Driver's Certificate for motor vessels granted under the steam Vessels Act, or under these rules; or

(b) he should have served for a period of not less than 18 months as second driver with a Second Class Engine Driver's Certificate for motor vessels granted under the Steam Vessels Act or under these rules, in charge of a watch on the main engines of a motor vessel of not less than 226 brake horsepower; or

(c) he should have served for a period of not less than four years in the engine room of a motor vessel of not less than 226 brake horsepower, of which period not less than one year must have been served as a Chief Greaser, Serang, or Principal Tindal whilst holding a Second Class Engine Driver's Certificate for motor vessels granted under the Steam Vessels Act, or under these rules. If the motor vessel is of not less than 170 brake horsepower, he should have served for a period of not less than five years in such vessel of which period not less than two years must have been served as a Serang, Principal Oilman or Chief Greaser whilst holding a Second Class Engine Driver's Certificate for motor vessels granted under the Steam Vessels Act, or under these rules; or

(d) he should have served for a period of not less than 18 months with a Second Class Engine Driver's Certificate for motor vessels granted under the Steam Vessels Act, or under these rules, as driver in charge of the engine of a motor vessel of not less than 113 brake horsepower; or

(e) he should have served for not less than two years as Serang, Principal Tindal or Chief Greaser with a Second Class Engine Driver Certificate for motor vessels granted under the Steam Vessels Act, or under these rules, in a motor vessel of not less than 226 brake horsepower; or

(f) he should have served for not less than three years in charge of the engines of a factory or mill under a certificated engineer as well as for not less than one year in the engine room of a motor vessel of not less than 226 brake horsepower as Assistant Engineer, Serang, Principal Tindal or Chief Greaser whilst holding a Second Class Engine Driver's Certificate for motor vessels granted under the Inland Steam Vessels Act, or under these rules; or

(g) He should have served for not less than two years as engine driver on regular watch on the main engines of a motor vessel of not less than 226 brake horsepower whilst holding a first class engine driver's certificate granted under the Steam Vessels Act, or under these rules; or

(h) He should have served for not less than four years as engine driver on regular watch on the main engines of a motor vessel of not less than 226 brake horsepower while holding a second class engine driver's certificate granted under the Steam Vessels Act, or under these rules; or

(i) He should hold an engine driver's certificate for sea going steamships granted under the Merchant Shipping Act, and must have served on regular watch on the main engines of a motor vessel of not less than 226 brake horsepower for a period of not less than one year.

(2) In addition to any of the qualifications mentioned in sub-rule (1).—

He should pass a viva voce examination similar to that required under sub-rule (2) of rule 26 for a second class engine driver's certificate but of a more advanced character.

29. Qualifications for Engineer's Certificate.—A candidate for an Engineer's Certificate should be not less than twenty two years of age and must possess the following qualifications, namely :—

(a) (i) He should have served as an apprentice engineer for four years and prove that during the period of his apprenticeship he has been employed on the making or repairing of steam engines, boilers, and the like.

(ii) Journeyman's time shall be considered equivalent to apprenticeship.

(iii) In addition to the apprenticeship described above, the applicant should have served two years thereafter as Assistant Engineer in a steamer having engines of not less than 80 nominal horsepower or with a first class engine driver's certificate granted under the Steam Vessels Act, or under these rules, as driver in charge of the engines of a steamer having compound surface condensing engines of not less than 30 nominal horsepower; or

(iv) Failing the above service, he should have served three years with a first class engine driver's Certificate granted under the Steam Vessels Act, or under these rules, in charge of the engines of an inland vessel having compound surface condensing engines of not less than 80 nominal horsepower, or four years in charge of the engines of an inland vessel of not less than 30 nominal horsepower.

(b) He should be able to give a satisfactory description of boilers and the methods of staying them together with the use and management of the different valves, cocks, pipes and connections.

(c) He should understand how to correct defects from accidents, decay, and the like, and the means of repairing such defects.

(d) He should understand the use of the water-gauge, pressure gauge, barometer, thermometer and salinometer and the principles on which they are constructed.

(e) He should state the causes, effects and usual remedies for incrustation and corrosion.

(f) He should be able to explain the method of testing and altering the setting of the slide valves and method of testing the fairness of shafts and adjusting them.

(g) He should have a working knowledge of working pressure for a steam boiler and its implications.

(h) He should understand the construction of and be able to maintain in working condition, the auxiliary machinery which may be placed under his charge, viz. electric light engines (steam and oil) and dynamos, electric motors, the various types of steaming engines, hydraulic and refrigerating machinery.

(i) He should understand the construction of centrifugal bucket and plunger pumps, and the principle on which they act.

(j) He should be able to state how a temporary, or permanent repair could be effected in case of derangement of a part of the machinery, or total breakdown.

(k) He should write a legible hand and have a good knowledge of arithmetic upto and including vulgar and decimal fractions and square and cube roots. He should also understand the application of these rules to questions about safety valves, coal consumption, consumption of stores, capacities of tanks, bunkers, and the like.

(l) He should be able to pass a creditable examination as to the various construction of steam engines in general use, as to the details of the different working parts, external and internal and the use of each part.

(m) He should possess a creditable knowledge of the prominent facts relating to combustion, heat, steam and electricity.

(n) He should be able to describe different types of marine motor engines, their working and uses of the several parts.

30. Qualifications for Motor Engineers Certificate.—A candidate for a motor engineer's certificate must have attained the age of twenty two years and should possess the following qualifications, namely :—

(a) (i) He should have served for not less than four years as an apprentice engineer or journeyman at the making fitting and repairing of steam or motor engines such as would be recognised as affording useful training for a marine engineer.

(ii) No time served before the age of fifteen shall be accepted. Not less than three years of this period should have been spent at fitting, erecting or repairing internal combustion engines.

(iii) The remaining year may have been spent either wholly or in part on work of this nature, or at an approved technical school as mentioned in the rules for examination of sea going engineers.

(iv) Service as journeyman shall be considered as equivalent to apprenticeship, but no time served before the age of fifteen is reached shall be accepted.

(v) Workshop service other than the above may be accepted if it is considered useful training for a motor engineer, but all such cases should be submitted to the Principal Officer for consideration before the candidate is examined, and at least an additional three months of qualifying service on marine internal combustion engines either in the works or on regular watch in main engine room of vessels propelled by these engines should have been performed in respect of each twelve months of workshop service of this nature, or other than on the making or repairing of internal combustion engines so accepted.

(vi) If the service is not altogether satisfactory, a longer additional period than that specified may be required.

(vii) Any deficiency in the requisite four years' workshop service may be made up by service afloat on regular watch in the main engine room of a vessel of not less than 565 brake horsepower propelled by internal combustion engines.

(viii) If the vessel is a sea-going vessel one and half times the period of deficiency should be served and if inland vessel, two and a quarter times the period of deficiency shall be required. Thus a candidate who has no workshop service must serve six years in a suitable sea-going vessel or nine years in an inland vessel in lieu of his apprenticeship.

(b) (i) In addition to the workshop service as above described or the alternative service afloat, the candidate should have spent 18 months at sea as an engineer on regular watch on the main engines of a sea-going ship propelled by internal combustion engines of not less than 565 brake horsepower or 27 months in a similar inland vessel.

(ii) Failing the above service, he should have served three years with a first class motor engine driver certificate granted under the Steam Vessels Act, or under these rules, in charge of the engines of an inland or harbour vessel of not less than 565 BHP propelled by internal combustion engines or 4 years in charge of the engines of an inland vessel of not less than 226 BHP.

(c) (i) An engineer in possession of a (steam) certificate of competency granted under the Merchant Shipping Act or Steam Vessels Act or under these rules is also eligible for a motor engineer's certificate.

(ii) He should have served for not less than six months as an Assistant Engineer on regular watch on the main engines of a sea-going ship propelled by internal combustion engines of not less than 565 brake horsepower or nine months in a similar inland vessel whilst holding a first class certificate of competency for sea-going steam ships granted or recognised as valid under the Shipping Act.

(iii) He should also satisfy the examiner that he is fully conversant with internal combustion engines and he able to show both in writing and in viva-voce examination that he has satisfactory knowledge of the subjects covered by clauses (b) to (l) and (q) to (u) of this Rule; or

(iv) He should have served for not less than 12 months as an Assistant Engineer on regular watch on the main engines of a sea going ship propelled by internal combustion engines of not less than 565 brake horsepower or 18 months in a similar inland vessel whilst holding a second class certificate of competency for sea going ships, granted or recognised as valid under the Shipping Act.

(v) He should also satisfy the examiner that he is fully conversant with internal combustion engines and be able to show both in writing and in viva voce examination that he has satisfactory knowledge of the subjects covered by clauses (f) to (l) and (q) to (u) of this rule, 32 these rules.

(d) Engineers in possession of ordinary certificates of competency as engineer granted under the Steam Vessels Act, or under these rules, may be examined for the grant of a motor engineer's certificates :

Provided that they have served for not less than 12 months as Assistant Engineer on regular watch on the main engines of sea-going ship propelled by internal combustion engines of not less than 565 brake horsepower or 18 months on a similar inland vessel whilst holding an engineer's certificate granted under the Steam Vessels Act, or under these rules.

(e) He should write a legible hand and have a good knowledge of arithmetic upto and including vulgar and decimal fractions and square root. He should also be able to work out (questions relating to spring or leverloaded safety and relief valves), consumption of oil and stores, capacities of tanks, bunkers, and the like speed of vessel and other similar problems.

(f) He should be able to give a clear explanation of the principles on which oil, gas or other internal combustion engines work, including the methods of ignition, to point out the difference between them and to show by means of illustrative sketches and otherwise that he understands the details of the constructions of these in general use.

(g) He should be familiar with the various methods of supplying air and fuel to the cylinders in the different types of engines the construction of the apparatus for carburetting, atomising or gasifying the fuel, and the means for cooling the cylinders, pistons, and the like.

(h) He should have a satisfactory knowledge of the process employed in the construction of internal combustion engines in the workshop and of the methods used in fitting the machinery on boardship.

(i) He should know what attention is required for the various parts of machinery and understand the use and management of the different valves, cocks, pipes and connections.

(j) He should be able to state and describe the chief causes which may make the engine difficult to start and to explain how he would proceed to remedy any defects arising therefrom.

(k) He should also be able to show that he understands the mechanism of the starting and reversing arrangements, and is competent to deal with defects therein.

(l) He should understand how to make good the results of ordinary wear and tear to the machinery, how to test the fairness of shafting, and the like, how to correct defects from accident, delay, and the like and how a temporary or permanent repair could be effected in case of derangements or total breakdown.

(m) He should understand the construction of the pressure gauge, barometer, thermometer and other instruments used in the engine room and the principles on which they work.

(n) He should understand the construction and working of centrifugal bucket and plunger pumps, and the principles on which they act.

(o) He should understand the construction and working of air compressors, gas producers steering engines, electric light engines and dynamos, electric motors, refrigerating hydraulic and other auxiliary machinery found on boardship.

(p) He should possess a good working knowledge of the construction and management of auxiliary steam boilers and machinery and be familiar with the prominent facts relating to combustion, heat and steam.

(q) He should be familiar with the nature and properties of the various oils, and the like, generally used in internal combustion engines, must understand what is meant by flash point ; and have a knowledge of the explosives properties of gas of the vapour given off by these oils and the like when mixed with definite quantities of air, and be thoroughly conversant with the danger of exposing such gas or vapour to a naked light ; or of allowing any leakage from the oil Tanks particularly into the vessels bilges and unventilated spaces or from gas producers, pipes, vaporizers, and the like.

(r) He should thoroughly understand the precautions to be taken against fire or explosion from oil or gas, and know how to deal with fire should it break out.

(s) He should also be familiar with the action of wire gauge diaphragms when placed in pipes and connections to oil tanks, and the like, for the purpose of preventing the explosion or ignition of oil vapour therein.

(t) He should be able to explain the principal construction and arrangement of primary and secondary batteries and induction coils so far as is necessary for the efficient management of an oil engine.

(u) He should be able to make a sketch drawing of some simple part of the machinery.

31. General Rules as to Examination of Engineers.— (1) All books necessary for the use of candidates under examination shall be provided and applicants shall not be permitted to take into examination room any book paper, document, or memoranda of any description whatever; and subject to the provisions referred to hereafter, they shall also not be allowed to work out their problems on a slate or on waste paper.

(2) Candidates shall be allowed in the time allotted to cancel any part of their work, and when required, additional paper shall be supplied by the Examiner. These additional sheets must be attached to and form part of the examination papers.

(3) In the event of any candidate being discovered copying from another or affording any assistance giving any information to another, or communicating in any way with another during the time of examination, he shall be regarded as having failed in his examination and shall be turned back for three months in the same manner as if he had failed in the practical part of the examination ; and no part of the fees he may have paid for examination shall be returned to him.

(4) If a candidate leaves the room before answering any question which has been given to him, he cannot afterwards be permitted to answer it, but the examiner may substitute other data or another question.

(5) The examination of candidates for motor engineer's certificates consists of three parts; arithmetic, elementary questions and viva-voce. When the number of marks obtained in arithmetic amounts two-thirds of the maximum, the candidate passes in arithmetic.

(6) All applicants presenting themselves for examination for motor engineer's certificates shall be required to give written answers to ten questions. These questions are intended to furnish a record to some extent of the candidate's know-

ledge at the time of his examination and also to induce the candidates to pay more attention to their handwriting and spelling.

(7) The form VI on which these answers shall be written, contains also some questions as to the experience of the applicant, to be answered by him writing.

(8) The Examiner may add to the viva-voce questions on the practical management of steam engines and boilers.

(9) If at the expiration of the time allowed the candidate has worked out correctly the whole of the question set to him and given satisfactory answers in the viva-voce examinations, he shall be declared to have passed.

(10) If at the expiration of the time allowed he has not worked out the whole of the questions set to him, but if the result of the viva-voce examination taken in conjunction with the answers to such of the question as he has worked out, is sufficient to satisfy the examiner that the applicant is competent to take charge of engines, he shall be declared to have passed.

(11) In other case he shall be declare to have failed.

(12) A report of the examination and the examination papers shall be forwarded by the examiner to the Principal Officer on the prescribed form.

(13) If the candidate passes he shall receive a formal note to that effect upon which the Principal Officer shall issue the certificate to the candidate, whose testimonials, and the like, shall be returned at the same time.

(14) (a) Candidates for examination, in making their application on Form V shall be required to pay the examination fees before any step is taken, whether by inquiring into their services or testing their qualifications, and the like.

(b) No part of the fee shall under any circumstances be returned to them; but should it be found that their service is not sufficient to entitle them to be examined or that their testimonials are unsatisfactory, they shall be allowed to present themselves for examination without paying any further fee when they have fulfilled the requisite service or are able to produce satisfactory testimonials, as the case may be.

(c) The fee for examination shall be paid to the Principal Officer or such officer duly authorised by him in this behalf.

(d) In any case in which candidate offers money to any other officer, the candidate so offering money shall be regarded as having committed an act of misconduct and shall be rejected and not allowed to be examined for twelve months.

(e) If a candidate fails in his examinations, no part of the fee he has paid shall be returned to him.

(f) The fees are as follows :—

Second Class Engine Driver's or Second Class Motor Engine Driver's Certificate :	Rs. 10.00
First Class Engine Driver's or First Class Motor Engine Driver's Certificate :	Rs. 15.00
Engineer's or Motor Engineer's Certificate :	Rs. 20.00

32. Failure.—(a) If the applicant fails in the viva-voce or practical part of the examination, he may not present himself for re-examination until he can produce proof of three months' further service afloat.

(b) If he fails in arithmetic only, he may come up again at any time:

(c) Engine Drivers may be examined, de novo after six months' active service as Serang or Principal Tindal or Second Driver if the past examination showed that they might reasonably be expected to qualify.

33. General:—(a) Engineer's and Motor Engineers' Certificates, first and second class engineer Drivers' certificates and

first and second class motor engine drivers' certificate shall be made out and issued in Form VII.

(b) Every such certificate shall be made in duplicate, and every person entitled to such certificate shall supply the Examiner with two copies of his photograph of passport size one of which shall be affixed on each of the copies of the certificate.

(c) One copy of the certificate shall be delivered to the person entitled to the certificate and the other shall be kept and recorded by the Principal Officer:

CHAPTER IV

Grant of Permits to Engineer or Motor Drivers of Motor/ Steam Vessels of not more than 40 B.H.P./15 NHP Plying in the Port of New Tuticorin.

33. Grant of permits.—Permits shall be granted to those persons who pass the requisite examinations and otherwise comply with requisite conditions. For this purpose arrangements shall be made for holding examination periodically at the Port of New Tuticorin.

34. Examinations.—(a) The Examinations shall be held by the Mercantile Marine Department, Madras (hereinafter called the Examiner).

(b) They shall commence early in the forenoon and shall continue until all the candidates whose names appear on the list of the Examiner, on the day of examination are examined.

(c) (i) Candidates for examination shall make their applications in Form VIII specified in, which must be filled in before the Principal Officer or such official as may be appointed by him in this behalf:

(ii) The form, properly filled in together with the testimonials, of the applicant's service, which must be based on his employer's office records, must be lodged with the Principal Officer not later than three days before the day of examination:

(d) Candidates for examination, in making their application in Form VIII shall also be required to pay a fee of Rs. 4/- (Rupees Four Only) to the Principal Officer or such officer duly authorised by him in this behalf.

(e) A candidate for a permit should have attained the age of 21 years and should have served in an engineering firm or workshop for atleast two continuous years of which not less than six months should have been spent in the capacity of an assistant driver in charge of a motor engine or of a fitter.

(f) He must pass a viva voce examination satisfying the examiner that—

(i) he fully understands the working and management of motor engines and separate use of magnators, carburetors water circulating and oil pumps, sparking plugs, and the like, and is able to some extent to explain their actual means of operation;

(ii) he is able to dismantle motor engines and any accessory part of them, detect excessive wear or other defect where it exists, and correctly reassemble the parts;

(iii) he is able to detect what is wrong in the event of the engine failing to start up or the failure of any accessory part to perform its proper duty;

(iv) he is able to show how he would act in case of breakdown of any portion of the machinery;

(v) he is able to show that he fully realises the dangers of fire and understands the precautions necessary to prevent it, and what to do when fire actually breaks out;

(j) If the candidate passes, the Principal Officer shall issue to him a permit in Form IX:

FORM I

(See Rule 5(a))

Application to be examined for a certificate to act as Steam Vessel having engines of less than 100 n.h.p./ any n.h.p. Master of a Motor vessels having engines of less than 565 b.h.p./any b.h.p.

OR

Steam vessel having engines of less than 40 n.h.p. Serang of a Motor vessel having engines of less than 226 b.h.p. plying in the port of New Tuticorin.

Before filling in the required particulars, the candidate should read carefully the notice and the declaration in Division (1).

(A) Name, etc., of candidate

Name in full	Date and place of birth	Permanent address stating town or village, street and house No. and name of person (if any) with whom residing.
--------------	-------------------------	---

(B) Particulars of all previous certificates (if any).

Number	"Competency" "Service" or "RNR".	Grade	Where issued	Date of issue	If at any time cancelled or suspended, state by what Court or authority.	Date Cause
--------	----------------------------------	-------	--------------	---------------	--	------------

(C) Certificate now required.

Grade	Address to which it is to be sent	Date	Port for which the certificate is required.	Subject in which the candidate failed.
-------	-----------------------------------	------	---	--

(D) If the candidate has failed in a previous examination for the certificate now required, he must here state when. If he has not failed, he must state so in writing across this division.

(E) Certificate of the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Madras District.

The Declaration (I) was signed in my presence/of and the fee of Rs. received by me.

Dated at the date of 19.....

PRINCIPAL OFFICER
MERCANTILE MARINE
DEPARTMENT
MADRAS DISTRICT

(F) Certificate of Examiners.

Date and place of Examination.		Passed or failed
Date	Place	

(G) Personal description of the candidate.

Height		Complexion	Colour of		Personal mark of peculiarities, if any.
Feet.	Inches		Hair	Eyes	

I do hereby certify that the particulars contained in Divisions (F) and (G) are correct and that the candidate has produced satisfactory testimonials and proofs of service.

Dated this day of 19.....

PRINCIPAL OFFICER
MERCANTILE MARINE DEPARTMENT
MADRAS DISTRICT

(H) Complete list of testimonials and full statement of service from beginning or from date of present certificate.

The testimonials to be numbered consecutively according to the number given in the first column of the statement below:

Particulars of applicant's service							Length of service			Remarks	Initials of verifier
No. of testimonials, if any.	Ship's name	Particulars of ship tonnage and n.h.p.	Capacity	Date of commencement	Date of termination	Year	Months	days	Trade in which employed		

TOTAL SERVICE

Time served for which official proof is now produced.

Time served for which no proof is produced.

(I) Declaration to be made by the candidate :

(Notice—Any person who makes, or procures to be made or assists in making any false representation for the purpose of obtaining for himself or for any other person a certificate of competency is liable to prosecution).

I do hereby declare that the particulars contained in Divisions (A), (B), (C), (D) and (H) of this form are correct and true to the best of my knowledge and belief and that the papers enumerated in Division (H) and sent with this form are true and genuine documents, given and signed by the persons whose names appear on them. I further declare that the statement (H) contains a true and correct account of the whole of my services without exception.

And I make, this declaration conscientiously believing the same to be true.

Dated.....at.....the.....day of....19..

Signed in the presence of the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Madras District.

SIGNATURE OF CANDIDATE.

PRESENT ADDRESS

FORM II

[See Rule 8(b)]

APPLICATION TO BE EXAMINED IN SIGHT TESTS

(A) Name, etc., of candidate.

1. Name at full length :

2. Surname :

3. Permanent address, stating town, street and House No. and name of person (if any) with whom residing :

4. Date of Birth :

5. Place of Birth : Town : Country :

6. If candidate has served at sea, State :

(i) No. of years :

(ii) Present rating & No. and Grade of certificate (if any) :

7. If candidate has not served at sea, state :

(i) If about to go to sea :

(ii) In what capacity :

(B) If a candidate has been previously examined in the Sight Test, he must here state when and where the last examination took place, and insert "Passed" "Failed", or "Not Examined" as the case may be against each subject. If the candidate holds a Certificate of Competency, he should not be examined in colour vision and the entry "Not Examined" should be made.

8. Date :

9. Port :

10. Form Vision Test—

Old :

New :

11. Colour Vision Test :

(C) Declaration to be made by candidate :

I hereby declare that the particulars contained in Division (A) and (B) of this form are correct and true to the best of my knowledge and belief.

And I make this Declaration conscientiously believing it to be true.

Dated at.....this.....day of.....19..

Height :

Colour of (i) Eyes :

(ii) Hair :

Complexion :

Personal marks, if any.

Signature of Candidate.

(D) Principal Officer's receipt for fee.

12. Amount received. Four rupees

13. Date of receipt :

14. Mercantile Marine Office at which received.

THE DECLARATION above was signed in my presence and the fee named has been received by me.

Principal Officer,
Mercantile Marine Department
Madras District.

(E) Certificate of Examiner :

I hereby certify that the candidate named above was examined by me this day in the Tests for Form and Colour Vision with the following results :

15. Form Vision Test :

Old

New

New Entry Std.

16. Colour Vision Test*

Examiner

Port of

This

day of

19

To

The Principal Officer.

Mercantile Marine Department

Madras District.

The Examiner should fill up this form and forward it to the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Madras District on the day of examination.

*Insert "Passed", "Failed" or "Not Examined" as the case may be, in colour vision, if the candidate holds a Certificate of Competency, the entry should be "Not Examined".

FORM III

[See Rule 9(b)(i)]

Issued by the Government of India

Port of New Tuticorin

Rotation No.

Date :

SIGHT TESTS

Note for the Examiner : A report is to be sent to the Principal Officer on this form in each case in which a candidate does not pass the tests for Form or Colour Vision. The Examiner should pay strict attention to the instructions laid down for this guidance. Candidates must not be examined in the Colour Vision test until they have passed the Form Vision test.

Name, etc., of candidate

1. Name at full length :

2. Surname :

3. Date of birth :

4. Place of birth :

5. If candidate has served at sea, state :

(i) No. of years :

(ii) Present Rating and No. and Grade of Certificate (if any) :

6. If candidate has not served at sea, state :

(i) If about to go to sea :

(ii) In what capacity :

If candidate has been previously examined in Sight Tests, here state when and where the last examination took place and insert "Passed", "Failed" or "Not Examined" as the case may be against each subject :—

7. Date :

8. Port :

9. Form Vision test :

Old	Modified New	Full New
-----	--------------	----------

10. Colour Vision Test :

Present description of candidate.

11. Height : Feet Inches

12. Complexion :

13. Colour of :

(i) Hair

(ii) Eyes.

14. Personal marks or peculiarities, if any :

Signature of Candidate

Present address :

FORM IV

[See Rule 22(a)]

Certificate of competency as a

Steam vessel having engines of less than 100 n.h.p./any n.h.p. Master of a

Motor vessels having engines of less than 565 b.h.p./any

b.h.p.

or

Serang if

Sarang of a Steam vessel having engines of less than 40 n.h.p.

Motor vessel having engines of less than 226 b.h.p. plying in the Port of New Tuticorin.

To

Whereas you have been found, after examination, duly qualified to fulfil the duties of a

Master of a Steam vessel having engines of less than 100 n.h.p./any n.h.p.

Motor vessel having engines of less than 565 b.h.p./any b.h.p.

or

Sarang of a Steam vessel having engines of less than 40 n.h.p.

Motor vessel having engines of less than 226 b.h.p.

plying in the Port of New Tuticorin, I do hereby grant you this Certificate of Competency as such Master/Sarang, to ply in the said port.

Give under my hand and seal

Principal Officer,

Mercantile Marine Department

Madras District.

This.....day of.....19..

No. of certificate :

Bearer : son of

By caste :

Date* and place of birth, showing village, Thana and District

Residential, showing Village, Thana and District.

Height :

Personal descriptions, stating particularly any permanent marks of scars.

Number of Register Ticket :

Signature :

*If not known exactly, must be stated on the best information or evidence available.

N.B. Any person other than the owner thereof becoming possessed of this certificate is required to transmit it forthwith to the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Madras District, Madras.

Issued at.....on the.....day of.....19..

Registered.

Principal Officer,

Mercantile Marine Department,

Madras District.

FORM V

[See Rule 24(a)(i)]

Application to be examined for a certificate of competency as Steam vessel having engines of any n.h.p.

Engineer of a

Motor vessel having engines of any b.h.p.

or

Steam vessel having engines of less than 40 n.h.p./less than 100 n.h.p.

Engine Driver of a

Motor vessel having engines of less than 226 b.h.p./less than 565 b.h.p.

plying in the Port of New Tuticorin.

Note : This form can be obtained at the office of the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Madras District, Madras, free of charge.

Divisions (A), (B), (C), (D), (E) and (G) of this paper are to be filed in by the applicant for examination

before the Principal Officer or such official as may be appointed by him in this behalf and handed over to him with the candidate's testimonials and former certificate, if any. No remuneration or gratuity whatever must be offered to or received by any officers or servants of the Government, beyond the fees mentioned in the Regulations. Any Officer, Messenger or Servant of the Government who accepts any present or gratuity shall be immediately discharged from his office and any candidate so offering money shall be regarded as having committed an act of misconduct and shall be rejected and not allowed to be examined for 12 months.

(A) Name, etc., of applicant :

(1) Name at full length :

(2) Surname :

(3) Father's name :

(4) Permanent address, stating Town, Street and House No. and name of person (if any) with whom residing.

(5) Date of birth :

(6) Where born —

(a) Town or Village and Thana

(b) District.

(B) Particulars of all previous certificates (if any)

Number	Competency of service	Grade	Where issued	Date of Issue	If at any time suspended or cancelled, state by what Court or Authority	Date	Clause
(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)	(14)

(C) Certificate now required.

(15) Grade.

(16) Competency or service.

(17) Address to which it is to be sent.

(D) If applicant has failed in a previous examination for the certificate now required, he must here state when and where. If not failed, he must state so in writing across this division.

(18) Date.

(19) Port

(20) Subjects in which he failed.

(E) Declaration to be made by applicant.

I do hereby declare that the particulars contained in divisions (A), (B), (C), (D) and (G) of this form are correct and true to the best of my knowledge and belief; and that the papers enumerated in division (G) and sent with this form are true and genuine documents, given and signed by the persons whose names appear on them. I further declare that the statement (G) contains a true and correct account of the whole of my services without exception.

And I make this declaration conscientiously believing the same to be true.

Signed in the presence of the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Madras District (The name of such official as may be appointed by the Principal Officer may be filled in if necessary.

(F) To

Principal Officer,

Mercantile Marine Department,

Madras District.

The declaration (E) above was signed in my presence and the fee of Rs. has been received by me.

Signature of Applicant

Signature

Date .

Present Address :

Date :

Designation

(G) List of testimonials and statements of service on shore and at sea.

(The testimonials to be numbered consecutively according to the number given in Column 21 below)

No. of testimonials (if any)	Where employed or vessel's name	If service on board vessel					Service of applicant Time employed in this service			Trade in which employed	Initials of verifier.
		Horse power of engines	Port of Registry and official No. of vessel	Capacity	Date of commencement	Date of termination	Years	Months	Date		
(21)	(22)	(23)	(24)	(25)	(26)	(27)	(28)	(29)	(30)	(31)	(32)

33. Total Service on steam vessels.

Total service on shore.

Total of above service.

(H) Certificate of Examiner.

Note :—The Examiner should fill up divisions (H) and (I) and in all cases as soon as possible forward this paper to the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Madras District, Madras. If the applicant passes his testimonials and previous certificate, if any, must be sent with this paper to the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Madras District Madras. The New Certificate and the testimonials should be delivered to the applicant at the address named in Division (C). 17.

34. Date and place of examination :

35. Insert passed or failed against each item below :

- (i) In working out the question
(ii) In the viva voce examination.

36. Rank for which passed.

(I) Personal description of applicant.

37. Height Feet Inches

38. Complexion

39. Personal marks or peculiarities, if any.

40. Colour of —

(i) Hair,

(ii) Eyes.

I hereby certify that the particulars contained in division (H) and (I) are correct.

This form and the testimonials are forwarded to the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Madras District, Madras.

Date :

Signature of Examiner.

To

The Principal Officer,
Mercantile Marine Department
Madras District,
Madras.

FORM VI

[See Rule 31(7)]

To

The Examiner

The examiner shall require all candidates to fill up the particulars noted below and shall forward the same to the

Principal Officer, Mercantile Marine Department, Madras District, along with the report of the examination.

Failure in the elementary question shall be treated as failure in arithmetic.

The number of the questions for such examination shall be selected by the Examiner, and they are not to be communicated to the candidates until the examination commences.

Port :

Date :

Class for which examined :

Candidate's name :

- A. Where and how long did you serve in works at the making or at the repairing of engines, and in what capacities ?
- B. How long have you served in the engine room at sea or on inland waters, or in the Port of New Tuticorin and in what capacities ?
- C. With what description of engines have you served at sea, or in inland waters, or in the Port of New Tuticorin ? What size were the engines ?
- D. With what description of boilers have you served at sea, or on inland waters, or in the Port of New Tuticorin ?
- E. What engine defects have come under your notice at sea, or on inland waters, or in the Port of New Tuticorin ? Give the names of the vessels for verification.
- F. What boiler defects have come under your notice ? What caused these defects, and how were they remedied ? Give names of the vessels for verification.

Signature of Candidate.

FORM VII

[See Rule 33(a)]

Certificate of Competency as

Steam vessel having engines of less than 40/100 n.h.p.

Engine Driver of a

Motor vessel having engines of less than 226
b.h.p./565 b.h.p.

OR

Steam vessel having engines of any n.h.p.

Engineer

Motor vessel having engines of any b.h.p.
plying in the port of New Tuticorin.

To

Whereas you have been found after examination duly qualified to fulfil the duties of.....of a.....vessel having engines.....plying in the Port of New Tuticorin, I do hereby grant you this Certificate of Competency as such.....

Given under my hand and seal.

Principal Officer,
Mercantile Marine Department,
Madras District.

This.....day of.....19 ..

No. of Certificate

Bearer.....son of

Date* and place of birth, showing Village, Thana and District

Residence, showing Village, Thana and District :

Height

Personal description stating particularly and permanent marks or scars.

Number of Register Ticket

Signatures :

N.B. : Any person other than the owner thereof becoming possessed of this certificate is required to transmit it forthwith to the Principal Officer, Mercantile Marine Department Madras District, Madras.

Issued aton theday of 19

REGISTERED

Principal Officer,
Mercantile Marine Department,
Madras District.

*If not known exactly, must be stated on the best information or evidence available.

FORM VIII

[See Rule 34(C)]

FORM OF APPLICATION

Form 'A'

Application for a permit to act as engineer or motor driver of a motor/steam vessel having engines of 40 or less than 40 brake horsepower/15 nominal horsepower or under-

plying in the Port of New Tuticorin.

1. Name of applicant in full :

2. Father's name .

3. Permanent address of applicant :

4. Date and place of birth of applicant :

5. If failed in previous examination,
and if so, when and where :

I hereby declare the above statement to be true.

Signature of Applicant

Present address of applicant.

Dated at.....this.....day of19 ..

6. The above declaration was signed in my presence and the fee of Rs. 4 has been received by me.

Signature

Designation

7. List of testimonials and statement of service

Number of testimonials produced	Where employed	Date of commencement of service	Date of termination of service	Time employed in this service	Remarks

8. Certificate of Examiner :

(a) Date and place of examination :

(b) Passed/Failed :

9. Personal description of applicant :

(a) Height :

(b) Complexion :

(c) Personal Marks :

(d) Colour of hair :

(e) Colour of eyes :

I do hereby certify that the particulars contained in Nos. 8 and 9 are correct.

This form and testimonials are forwarded to the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Madras District for issue of "Permit".

Signature of Examiner

Dated at.....this.....day of19 ..

FORM IX

[See Rule 34(g)]

Permit to take charge of engines of a motor/steam vessel of 40 brake horsepower or less/15 nominal horsepower or less plying in the Port of New Tuticorin.

To

Whereas you have been found, after examination, duly qualified to drive the engines of a motor vessel or steam vessel having engines of 40 brake/15 nominal horsepower or under plying in the Port of New Tuticorin, I do hereby grant you this permit.

Given under my hand and seal.

Principal Officer
Mercantile Marine Department,
Madras District.

This.....day of.....19 ..

No. of permit
 Bearer : son of
 Date of birth :
 Place of birth :
 Present residence :
 Height
 Personal marks :
 Signature

N.B. : Any person other than the owner thereof becoming possessed of this permit is required to transmit it forthwith to the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Madras.

Issued at.....on the.....day of.....19 ..

REGISTERED

Principal Officer,
 Mercantile Marine Department,
 Madras District.

[F. No. PGL-70/75]

सांकांनि 1402.—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (अ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नवमंगलौर पत्तन (अवतरण स्थानों के उपयोग का विनियमन) नियम, 1977 में कतिपय और संशोधन करना चाहती है। जैसा कि उक्त धारा 6 की उपधारा (2) में अपेक्षित है, प्रस्तावित संशोधनों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालिस दिन की अवधि को या उसके पश्चात् विचार किया जाए।

ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व उक्त प्रारूप की वास्तविकता जो भी आपेक्ष या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे केन्द्रीय सरकार उनपर विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. (1) इन नियमों का नाम नवमंगलौर पत्तन (अवतरण स्थानों के उपयोग का विनियमन) संशोधन नियम, 1978 है।

(2) वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. नवमंगलौर पत्तन (अवतरण स्थानों के उपयोग का विनियमन) नियम, 1977 में, नियम 2 में,—

(1) उपनियम (4) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाता है, अर्थात् :—

“(4) भाड़ा, यथास्थिति, अनुज्ञापत्र या पट्टे में विनिर्दिष्ट रीति से देय होगा और इस प्रकार विनिर्दिष्ट रीति से संदायन करने पर वांछित भाड़ा अनुज्ञापत्र या पट्टे के धारक व्यक्ति को सुनवाई या युक्तियुक्त अवसर दिए जाने के पश्चात्, उद्घोषित किया जायेगा जो जिस तारीख को यह रकम शोध्य है तो उससे वास्तविक संदाय की तारीख तक, जो कि किसी भी दशा में अनुज्ञापत्र की दशा में सात दिन और पट्टे की दशा में तीस दिन से अधिक नहीं होगी, शोध्य रकम पर पन्द्रह प्रतिशत प्रतिवर्ष होगा। किसी भी कारणवश यदि संदाय में, जिस तारीख को वह शोध्य होता है उससे, यथास्थिति, सात दिन या तीस दिन से अधिक विलम्ब हो जाता है तो, पट्टाकर्ता की अनुज्ञापत्र या पट्टा समाप्त करने और इस प्रकार प्राप्ति भूमि को पुनः ग्रहण करने का अधिकार होगा, ऐसी दशा में, पट्टेदार किसी भी कारण से प्रतिकार का दावा करने और उसपर किए गए सुधारों को हटाने या ले जाने का हकदार नहीं होगा।”

(2) उपनियम (8) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(8) इन नियमों के अधीन दिए गए अनुज्ञापत्र या पट्टे का और अधिक अवधि के लिए नवीकरण अपेक्षित हो तो अनुज्ञापत्र या पट्टे की अवधि की समाप्ति से पूर्व, अनुज्ञापत्र की दशा में सात दिन और पट्टे की दशा में तीस दिन पहले नया आवेदन किया जाना चाहिए।

परन्तु अनुज्ञापत्र या पट्टे की समाप्ति की अवधि के भीतर नए आवेदन का निपटारा न किए जाने की दशा में, विद्यमान अनुज्ञापत्र या पट्टा, उन्हीं शर्तों और निबन्धों पर उस समय तक विधि मान्य रहेगा जब तक कि नए आवेदन का विनिश्चय न कर दिया जाए।”

[सं. पी०जी०एल० 81/77]

G.S.R. 1402.—The following draft of certain rules further to amend the Port of New Mangalore (Regulation of the use of Landing Places Rules, 1977) which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by clause (jj) of sub-section (1) of section 6 of the India Ports Act, 1908 (15 of 1908), is hereby published as required by sub-section (2) of the said section 6, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of fortyfive days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Port of New Mangalore (Regulation of the Use of Landing Places) Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

2. In the Port of New Mangalore (Regulation of the Use of Landing Places) Rules, 1977, in rule 2 :—

(1) for sub-rule (4), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(4) The rent shall be payable in the manner specified in the permit or the lease deed, as the case may be, and failure to pay the rent in the manner so specified may, after giving a reasonable opportunity of being heard to the person holding the permit or lease, result in the levy of penal rent which shall be fifteen per cent per annum on the amount due from the date on which it becomes due to the date of actual payment which shall in no case be beyond seven days in the case of permit and thirty days in the case of lease. For any reason if the payment is delayed beyond seven days or thirty days, as the case may be, from the date on which it becomes due, the lesser shall have the right to terminate the permit or the lease and to resume land so allotted in which case the lessee shall not be entitled either to claim any compensation on any account or to remove and take away the improvements, if any, thereon.

(2) for sub-rule (8) the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(8) If the renewal of the permit or lease entered into under these rules is required for a further period,

a fresh application shall be made not less than seven days in advance in the case of permit and thirty days in advance in the case of lease, before the permit or lease period expires :

Provided that in the event of non-disposal of the fresh application within the period of expiry of the permit/lease, the existing permit or lease shall remain valid on the same terms and conditions, till such time the fresh application is decided".

[No. PGL-81/77]

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 1978

सां.कां.निं. 1403—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) की धारा 34 के साथ पठित धारा 33 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से साठ दिन के अवसान से ठीक आगामी दिन से, भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना संख्या सां. कां. निं. 689(अ) तारीख 9 नवम्बर, 1977, में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना की अनुसूचि के सतम्भ (1) में, मद 4 के समक्ष प्रविष्टि "केवल भयस्क ले जाने वाले देशी यान" के स्थान पर प्रविष्टि "भयस्क ले जाने वाले देशी यान, टग, लांच और बार्ज," रखी जाएगी।

[सं. पी० जी० आर० 106/77]

सुवर्षेन वसुदेव, अवर सचिव

New Delhi, the 9th November, 1978

G.S.R. 1403.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 33, read with section 34 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby makes the following amendment, with effect from the day following the expiration of sixty days from the date of publication of this notification in the Official Gazette, in the notification of Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. G.S.R. 689(E), dated the 9th November 1977, namely :—

In the Schedule to the said notification, in column (1), for the entry "country craft carrying ore only" against item 4, the entry "country craft, tugs, launches and barges carrying ore only" shall be substituted.

[F. No. PGR-106/77]

S. VASUDEV, Under Secy.

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 1978

सां.कां.निं. 1404—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 28 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मारमुगांव पत्तन के न्यासी-मण्डल द्वारा निमित्त और गोवा, दमन और दीव सरकार के तारीख 31-8-78 और 7-9-78 के राजपत्र में प्रकाशित "मारमुगांव पत्तन कर्मचारी (डाक्टर परिचर्या) (तृतीय संशोधन) विनियम, 1978" का अनुमोदन करती है।

[सं. पी०जी०-34/78]

(Transport Wing)

New Delhi, the 4th October, 1978

G.S.R. 1404.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the regulations entitled 'the Mormugao Port Employees' (Medical Attendance) (Third Amendment) Regulations,

1978" made by the Board of Trustees for the Port of Mormugao in exercise of the powers conferred by section 28 of the said Act and published in the Goa, Daman and Diu Government Gazette, dated the 31st August and 8th September, 1978.

[No. PEG-34/78]

सां.कां.निं. 1405—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 124 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 28 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मद्रास पत्तन के न्यासी मण्डल द्वारा निमित्त और तमिलनाडु सरकार के तारीख 7-12-77 और 14-12-77 के, राजपत्र में प्रकाशित "मद्रास पत्तन न्यास (कल्याण निधि) विनियम" का अनुमोदन करती है।

[सं. पी०ई० एम-4/78]

G.S.R. 1405.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 read with sub-section (1) of section 132, of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Regulations entitled "the Madras Port Trust (Welfare Fund) Regulations, made by the Board of Trustees of the Port of Madras in exercise of the powers conferred by section 28, read with sub-section (2) of section 124, of the said Act and published in the Tamil Nadu Government Gazette, dated the 7th December, 1977 and the 14th December, 1977.

[PEM-4/78]

सां.कां.निं. 1406—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 124 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 28 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मारमुगांव पत्तन के न्यासी मण्डल द्वारा निमित्त और गोवा, दमन और दीव सरकार के तारीख 18 मई, 1978 और 25 मई, 1978 के राजपत्र में प्रकाशित मारमुगांव पत्तन कर्मचारी (सेवा निवृत्त कर्मचारियों को अनुग्रहपूर्वक पेंशन देना) (प्रथम संशोधन) विनियम, 1978 का अनुमोदन करती है।

[सं. पी०ई०जी० 21/78]

G.S.R. 1406.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124, read with sub-section (1) of section 132, of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the regulations entitled "the Mormugao Port Employees' (Grant of Ex-Gratia Pension to Retired Employees) (First Amendment) Regulations, 1978" made by the Board of Trustees of the Mormugao Port in exercise of the powers conferred by section 28, read with sub-section (2) of section 124, of the said Act and published in the Goa, Daman and Diu Government dated the 18th and the 25th May, 1978.

[No. PEG 21/78]

सां.कां.निं. 1407—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 28 के खंड (ख) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विशाखापत्तनम पत्तन के न्यासियों के मण्डल द्वारा निमित्त और धान्ध प्रदेश सरकार के तारीख 11 मई, 1978 और 18 मई, 1978 के राजपत्र में प्रकाशित विशाखापत्तनम पत्तन कर्मचारी (छुट्टी) संशोधन विनियम, 1978 का अनुमोदन करती है।

[सं. पी० ई० के०-64/78]

राम तिलक पाण्डेय, अवर सचिव

G.S.R. 1407.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approve of the regulations entitled "the Visakhapatnam Port Employees' (Leave) Amendment Regulations, 1978" made by the Board of Trustees for the Visakhapatnam Port in exercise

of the powers conferred by clause (b) of section 28 of the said Act and published in the Andhra Government Gazette dated the 11th May, 1978 and the 18th May 1978.

[No. PEV-64/78]

R. T. PANDEY, Under Secy.

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1978

सा० का० वि० 1408.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्माण और आवास मंत्रालय के अधीन भूमि और विकास कार्यालय में लोक संपर्क अधिकारी समूह 'क' राजपत्रित पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात्:—

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भूमि और विकास कार्यालय समूह क-राजपत्रित भर्ती नियम, 1978 है।
- ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पद की संख्या उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपाखण्ड अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- निरहताएं:—वह व्यक्ति—
(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है विवाह किया है।
(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो: उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।
परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।
- नियम शिथिल करने की शक्ति:—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहां वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों की बाबत आवेग द्वारा शिथिल कर सकेगी।
- व्याप्ति:—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातिवर्ग, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

भूमि और विकास कार्यालय में लोक संपर्क अधिकारी के पद के लिए भर्ती नियम

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक व अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
लोक संपर्क अधिकारी	1	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'क' राजपत्रित	700-40-900-४०००- 40-1100-50- 1300 रु०	चयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक ग्रहंताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किम परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा परामर्श किया जाएगा
8	9	10	11	12	13
नहीं	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा	प्रोन्नति : प्रशासन अधिकारी या सम्पदा अधिकारी जिन्होंने अपनी-अपनी श्रेणी में 3 वर्ष सेवा की हो जिसके न हो सकने पर ऐसे अधिकारी जिन्होंने यथास्थिति प्रशासन अधिकारी या संपदा अधिकारी की श्रेणी में और अधीक्षक की श्रेणी में कुल मिलाकर 8 वर्ष सेवा की हो और दोनों के न हो सकने पर ऐसे अधीक्षक जिन्होंने उस श्रेणी के नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् 8 वर्ष सेवा की हो ।	समूह 'क' विभागीय प्रोन्नति समिति 1. अध्यक्ष/सदस्य संघ लोक सेवा आयोग—अध्यक्ष 2. संयुक्त सचिव (भूमि और विकास कार्यालय का भारसाधक)—सदस्य 3. उप सचिव (भूमि और विकास कार्यालय का भारसाधक)—सदस्य 4. भूमि और विकास अधिकारी—सदस्य	प्रोन्नति संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से की जाएगी ।

[सं० ए० 12018/1/76-एल-2]

भार० एल० चट्टा, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 28th October, 1978.

G.S.R.—1408 In exercise of the powers conferred by the Proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the Post of Public Relation Officer (Group A-Gazetted) in the Land and Development Office under the Ministry of Works and Housing, namely:—

1. Short title and commencement:—(1) These rules may be called the Land and Development Office (Group A-Gazetted Post) recruitment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay:—The number of Post, its classification and the scale of pay attached there to shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualification, etc:—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualifications: No person

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from Operation of this rules.

5. Power to relax:—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, or reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules in respect to any class or category of persons.

6. Saving:—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided to candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment Rules for the post of Public Relations Officer in the Land Development Office under the Ministry of Works and Housing

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection Post or Non-selection post	Age limit or Direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Public Relations Officer	1	General Central Service Group 'A' Gazetted	Rs. 700-40-900-FB-40-1100-50-1300.	Selection	Not applicable	Not applicable
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation, transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made		If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11		12	13
No	2 years	By promotion	Promotion Administrative Officer or Estate Officer with 3 years' service in the respective grades, failing which with 8 years' service in the grade of Administrative Officer or Estate Officer, as the case may be and in the grade of Superintendent combined together and failing both, Superintendents with 8 years' service, in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.		Group A Departmental Promotion Committee 1. Chairman/Member Union Public Service Commission—Chairman. 2. Joint Secretary (In charge of Land and Development Office)—Member. 3. Deputy Secretary (In charge of Land and Development Office)—Member. 4. Land and Development Officer—Member	Promotion shall be made in consultation with the Union Public Service Commission

[No. A-12018/1/76-L II]
R. S. CHADHA, Desk Officer

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 1978

सा०का०मि० 1409.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रकाशन विभाग में समूह 'ग' पदों पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम प्रकाशन विभाग (प्राशुलिक उच्चतर श्रेणी) समूह 'ग' भर्ती नियम, 1978 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।
- पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तर 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- भर्ती की पद्धति, आयुसीमा और अर्हताएं प्रावि :—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तर 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

परन्तु विहित अधिकतम आयु सीमा, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के अभ्यर्थियों के मामले में शिथिल की जा सकेगी।

4. निरर्हताएं : वह व्यक्ति—

- जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
- जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूब हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो किए ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु सीमा की छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पर अथवा प्रत्यक्ष चयन पथ	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
भाषालिपिक (उच्चतर श्रेणी)	एक	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' अराज-पत्रित अलिपिक-वर्गीय।	425-15-500-द० रो०-15-560-20-700 रुपये।	चयन	18 से 25 वर्ष के बीच (सरकारी सेवकों के मामले में शिथिल करके 35 वर्ष तक की जा सकती है)	आवश्यक : (1) मैट्रिकुलेशन या समतुल्य। (2) भाषालिपि में 120 शब्द प्रति मिनट और टाइप में 40 शब्द प्रति मिनट की गति। वांछनीय : हिन्दी भाषालिपि का ज्ञान। हिन्दी भाषालिपि में 80 शब्द प्रति मिनट और टाइप में 30 शब्द प्रति मिनट की गति।
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाए	प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा परामर्श किया जाएगा	
8	9	10	11	12	13	
आयु : नहीं अर्हताएं : हां	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिसके न हों सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	प्रोन्नति : भाषालिपिक (कनिष्ठ श्रेणी), जिन्होंने उस श्रेणी में चार वर्ष नियमित सेवा की हो और जिनके पास स्तम्भ 7 में विहित अर्हताएं हों।	समूह 'ग' समिति जिसमें निम्नलिखित होंगे :— उप-नियंत्रक, प्रकाशन— अध्यक्ष सहायक नियंत्रक (प्रशा०)— सबस्य/सचिव सहायक नियंत्रक (ज्येष्ठ)—सबस्य अनुभाग अधिकारी (प्रशासन-1) निर्माण और आवास मंत्रालय—सदस्य।	लागू नहीं होता।	

[का०सं० ए०-12018/2/78-पी०बी०एन०]

रजिन्दर सिंह, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 7th November, 1978

G.S.R. 1409.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Group 'C' posts in the Department of Publications namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Department of Publication (Stenographer Higher Grade) Group 'C' posts Recruitment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of posts, classification and the scales pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid :

Provided that the upper age limit prescribed is relaxable in the case of the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with

the orders issued by the Central Government from time to time.

4. Disqualification.—No person—

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the post :

Provided that the Central Government, may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Savings.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or Non-selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Stenographer (Higher Grade).	One	General Central Service Group 'C' Non-gazetted Ministerial.	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700.	Selection	Between 18-25 years. (Relaxable upto 35 years, in case of Government Servants).	Essential :— (i) Matriculation or equivalent. (ii) Shorthand speed 120 w.p.m. and typing speed 40 w.p.m. Desirable :— Knowledge of Hindi Stenography. Hindi Shorthand speed 80 w.p.m. and typing speed 30 w.p.m.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of Recruitment whether by direct recruitment or by promotion or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/transfer, grades from which promotions to be made	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition.	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitments
8	9	10	11	12	13
Age : No. Qualification : Yes	2 years.	By promotion, failing which by direct recruitment.	Promotions : Stenographers (Junior Grade) with 4 years' regular service in the grade and possessing qualifications prescribed under Column 7.	Group 'C' Departmental Promotion Committee Composition :— Deputy Controller of Publications —Chairman Assistant Controller (Administration) —Member/Secretary Assistant Controller (Senior) — Member Section Officer (Admn. I) Ministry of Works and Housing — Member.	Not Applicable.

[F. No. A-12018/2/78-PBN]

RAJINDER SINGH, Desk Officer.

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 1978

सां.कां.नि० 1410—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन में फोटो अधिकारी के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन (फोटो अधिकारी) (समूह ख) भर्ती नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो इससे उपायुक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएं : उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निर्रहताएं : वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित हो, विवाह किया है; या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है, उक्त पक्ष पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यह केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

5. नियम शिथिल करने की शक्ति : जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकती है।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पक्ष का नाम	पक्षों की संख्या	वर्गीकरण	वेलममान	अथवा पक्ष प्रथमा अथवा पक्ष	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
फोटो अधिकारी	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' (राज-पक्षित) अलिपिक-वर्गीय।	650-30-740-35-810-40-1000-ब०रो०-40-1200-ब०	अथवा	35 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी कर्मचारियों के लिए शिथिल की जा सकती है) आयु-सीमा निर्धारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अन्धमास और निको-बार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) आबेवन प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी।	आवश्यक : (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय या बोर्ड से मैट्रिक या समतुल्य। (2) किसी मान्यताप्राप्त संस्था से फोटोग्राफी में डिप्लोमा या प्रमाण-पत्र। (3) फोटोग्राफी की विभिन्न शाखाओं में 5 वर्ष का अनुभव और अन्य कक्षा कार्य का व्यावहारिक ज्ञान। टिप्पण 1 : अर्हताएं, अन्यथा सुगृहीत अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं। टिप्पण 2 : अनुभव संबंधी अर्हताएं संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों के मामलों में उस दशा में शिथिल की जा सकती हैं, जब कि अथवा के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय हो कि इनके लिए आरक्षित पदों पर भर्ती के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले इन समुदायों के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हैं। वांछनीय : अथवा सक्षिप्त कार्यक्रमों से सम्बद्ध फोटोग्राफी में अनुभव।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित प्रायु और शैक्षिक प्रहताएं प्रोन्नतों की वशा में लागू होगी या नहीं।	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता।	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वशा में श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाए।	प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना।	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा परामर्श किया जाएगा।
--	------------------------------	--	---	------------------------------------	--

8	9	10	11	12	13
नहीं	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रोन्नति : फोटोग्राफर जिसने उस श्रेणी में पांच वर्ष नियमित सेवा की हो। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार के अधीन सवृण पद धारण करने वाले या 550-750 रु० के वेतनमान वाले पदों पर पांच वर्ष नियमित सेवा करने वाले या 425-700 रु० की श्रेणी में छठ वर्ष नियमित सेवा करने वाले या समतुल्य और स्तम्भ 7 में सीधी भर्ती के लिए विहित प्रहताएं रखने वाले अधिकारी, (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतः तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	समूह 'ख' विभागीय प्रोन्नति समिति :— (1) निवेशक, रा० म० नि० सं०—अध्यक्ष (2) उप-सचिव (प्रशा०) निर्माण और आवास मंत्रालय—सदस्य (3) रा० म० नि० सं० के संबद्ध प्रभाग का प्रधान सदस्य।	सीधी भर्ती करते समय और प्रतिनियुक्ति पर समूह 'ख' अधिकारी की नियुक्ति करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श आवश्यक है।

[सं० ए० 12018/1/77--पी०एस०]

शास्त्र कुमार चौहान, निदेशक (आवास)

New Delhi, the 9th November, 1978

G.S.R. 1410.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Photo Officer in the National Buildings Organisation, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the National Buildings Organisation (Photo Officer) (Group 'B') Recruitment Rules, 1978.

2. They shall come into force on the date of their publications in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment to the said post, age limit qualifications and other matters connected therewith, shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person :—

(a) Who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) Who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	No. of posts	Classifications	Scale of pay	Whether Selection post or Non-Selection post.	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Photo Officer	1	General Central Service Group 'B' (Gazetted) Non-Ministerial.	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.	Selection	Not exceeding 35 years. (Relaxable for Govt. servants) Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential :— (1) Matriculation of a recognised University or Board of equivalent. (2) Diploma or certificate in Photography from a recognised Institution. Note : 1 Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified. Note : 2 The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes, if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them. Desirable :— Experience in photography connected with building construction activities.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct rectts. will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of rectt. by direct rectt. or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	Whether deputation/transfer from which promotion deputation transfer to be made	In case of rectt. by promotion/grades	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making rectt.
8	9	10	11	12	13	
No.	2 years.	By promotion, failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment.	<p>Promotion : Photographer with 5 years regular service in the grade.</p> <p>Transfer on deputation: Officers under the Central Government holding analogous posts, or with 5 years regular service in posts in the scale of Rs. 550-750 or 8 years regular service in the grade of Rs. 425-700 or equivalent and possessing qualifications prescribed for direct recruits in column. 7</p> <p>(Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).</p>	<p>Group 'B' DPC</p> <p>1. Director, N.B.O. —Chairman.</p> <p>2. Dy. Secretary (Adm.) Min. of Works & Housing. — Member.</p> <p>3. Head of concerned Divn., N.B.O.—Member pointing Group 'B' officer on deputation.</p>	<p>Consultation with Union Public Service Commission necessary while making direct rectt. and appointing Group 'B' officer on deputation.</p>	

सूचना और प्रसारण मंत्रालय
(गवेषणा और सन्दर्भ विभाग)

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 1978

सा० का० नि० 1411:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवर्तित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के गवेषणा और सन्दर्भ प्रभाग में प्रलेख सहायक (डोक्यूमेंटेशन प्रसिस्टेंट) के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं; अर्थात्:—

- लघु शीर्षक और लागू होने की तारीख:—
 - इन नियमों का नाम गवेषणा और सन्दर्भ प्रभाग प्रलेख सहायक भर्ती नियमावली, 1978 है।
 - ये राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- पद, संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपर्युक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उस से सम्बन्धित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- निरर्हता:—वह व्यक्ति:—
 - (क) जिसने ऐसे व्यक्ति, से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
 - (ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो, उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।
 परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूब हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।
- शिक्षण करने की शक्ति:—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।
- व्याप्ति:—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों लिए उपाय चरना प्रेषित है।

अनुसूची

विवरण	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	प्रवर्ण पद या अप्रवर्ण पद	सीधी भर्ती के लिए आयु-सीमा	सीधी भर्ती किए जाने वालों के लिए शैक्षिक तथा अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
प्रलेख सहायक (डोक्यूमेंटेशन प्रसिस्टेंट)	4	सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग-सी (अनुसन्धीय) अराजपत्रित	र० 470-15-530- व० अ० -20-650 द० अ० 25-750	लागू नहीं होता	21 वर्ष से 28 वर्ष	<p>आवश्यक:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय की स्नातक डिग्री अथवा उसके तुल्य; 2. किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय अथवा संस्था की पुस्तकालय विज्ञान में डिग्री या डिप्लोमा। <p>वांछनीय:</p> <p>किसी प्रतिष्ठित पुस्तकालय में सूचीकरण और प्रलेख-पोषण कार्य का दो साल का अनुभव।</p>
क्या सीधी भर्ती किए जाने वालों के लिए निर्धारित आयु तथा शैक्षिक अर्हताएं पदोन्नति से रखे जाने वाले व्यक्तियों के लिए लागू होंगी	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती पद्धति: सीधीभर्ती द्वारा या प्रतिनियुक्ति/अथवा स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी-जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	पदोन्नति या प्रतिनियुक्ति अथवा स्थानान्तरण द्वारा भर्ती किए जाने के लिए वे ग्रेड जिन से पदोन्नति या प्रतिनियुक्ति अथवा स्थानान्तरण किया जाना है	यदि विभागीय समिति विद्यमान है तो सो उसके गठन क्या है	पदोन्नति	किन परिस्थितियों में भर्ती करने में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाना है
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	

[संख्या ए 18018/1/76-प्रशासन]

जगन नाथ, अधर सचिव

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
(Research and reference Division)
New Delhi, the 9th November, 1978

G.S.R. 1411.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules for regulating the method of recruitment to the post of Documentation Assistant in the Research and Reference Division, (Ministry of Information & Broadcasting); namely :—

1. Short title and commencement :—

- (1) These rules may be called the Research and Reference Division (Documentation Assistant) Recruitment Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, Classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The Method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said schedule.

4. Disqualification.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,
- shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government, may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment rules for the post of documentation assistant

Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or non-Selection post	Age for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Documentation Assistant	4	General Central Service Group C (Non-Gazetted) Non-Ministerial	Rs. 470-15-530-EB-20-650-EB-25-750	Not applicable	Between 21-28 years	Essential :— 1. Degree of a recognised university or its equivalent. 2. Degree or Diploma in Library Science of a recognised University or institution. Desirable :— Two years experience of indexing and documentation work in a Library of standing.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	Two years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Not applicable.	

[No. A-18018/1/78-Adm.]
JAGAN NATH, Under Secy.